THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 205 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक शु.1 2082 बुधवार, 22 अक्टूबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

केरल के गुरुवायूर मंदिर के खजाने में हेराफेरी

सोने का मुकुट चांदी से बदला, सिल्वर पॉट का वजन 1.19 किलो घटा

तिरुवनंतपुरम, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल के प्रसिद्ध कृष्ण मंदिर, गुरुवायूर मंदिर के खजाने में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी का खुलासा हुआ है। राज्य की ऑडिट डिपार्टमेंट ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि मंदिर में सोने-चांदी और अन्य कीमती सामानों के मैनेजमेंट में गंभीर अनियमितताएं हुई हैं और सही प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, मंदिर के अंदर दैनिक अनुष्ठानों में इस्तेमाल होने वाले सोने और चांदी के बर्तनों में बड़े पैमाने पर हेराफेरी हुई। इसका हिसाब रखने वाले डबल-लॉक रजिस्टर की जांच से पता चला कि इस्तेमाल के बाद मंदिर प्रबंधक, गुरुवायूर देवस्वोम को जो सामान लौटाए गए, अक्सर उनका वजन कम होता था।

पीएम का देशवासियों के नाम पत्र

'प्रभु राम अन्याय से लड़ना सिखाते हैं

इसका उदाहरण ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देखा गया'

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिवाली के अवसर पर देशवासियों के नाम एक पत्र लिखा। इस पत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले तो देशवासियों को दिवाली की शुभकामनाएं दीं। साथ ही एक नए, आत्मनिर्भर भारत की दिशा में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने पत्र में भगवान श्रीराम को मर्यादा और अन्याय के खिलाफ लड़ाई का प्रतीक बताते हुए पत्र में कहा कि भगवान श्रीराम केवल एक धार्मिक प्रतीक नहीं, बल्कि धर्म और न्याय के मार्गदर्शक हैं। उन्होंने कहा कि श्रीराम हमें सिखाते हैं कि कैसे धर्म का पालन करें और अन्याय के खिलाफ डटकर खड़े हों। प्रधानमंत्री ने हाल ही में संपन्न ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि इसमें भारत ने धर्म की रक्षा की और अन्याय का प्रतिशोध लिया।

उन्होंने कहा कि यह ऑपरेशन भारत की ताकत, नैतिकता और संकल्प का प्रतीक है। आज का भारत न सिर्फ सही के साथ खड़ा होता है, बल्कि अन्याय का जवाब भी देता है। प्रधानमंत्री का यह पत्र नवरात्रि और विजयदशमी के मौके पर जारी किया गया, जिसमें उन्होंने देशवासियों को धर्म, सत्य और न्याय के मार्ग पर चलने का संदेश दिया।

नेक्स्ट जनरेशन रिफॉर्म्स पर भी बोले पीएम मोदी :

पीएम मोदी ने पत्र में आगे कहा कि इन ऐतिहासिक उपलब्धियों के बीते कुछ दिनों पहले देश में नेक्स्ट जनरेशन रिफॉर्म्स की भी शुरूआत हुई है। नवरात्रि के पहले दिन जीएसटी की कम दरें लागू हुई हैं। जीएसटी बचत उत्सव में देशवासियों के हजारों करोड़ रुपये बच रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अनेक संकटों से गुजर रहे विश्व में, हमारा भारत स्थिरता और संवेदनशीलता दोनों का प्रतीक बनकर उभरा है। आने वाले कुछ समय में हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बनने वाले हैं। विकसित और आत्मनिर्भर भारत की इस यात्रा में एक नागरिक के तौर पर हमारा प्रमुख दायित्व है- हम देश के प्रति अपना कर्तव्य निभाएं।

पीएम मोदी ने की ये खास अपील

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दीपावली के अवसर पर देशवासियों को लिखे एक पत्र में कहा कि इस बार की दीपावली खास है, क्योंकि कई ऐसे जिलों में भी दीप जलाए जाएंगे, जहां पहले नक्सलवाद था लेकिन अब वहां शांति और विकास की रोशनी फैल रही है। पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है।

उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि यह समय नए संकल्पों का है और हर नागरिक का योगदान भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में अहम है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने पत्र में लोगों से अपील की कि वे स्वदेशी उत्पाद अपनाएं, स्वच्छता और स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें, भोजन में तेल और नमक की मात्रा 10 प्रतिशत तक घटाएं और योग को जीवन का हिस्सा बनाएं।

कांस्टेबल की हत्या करने वाले शेख रियाज का अस्पताल में एनकाउंटर

बंदूक छीनने पर पुलिस ने मारी गोली

निजामाबाद, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। तेलंगाना के निजामाबाद में कांस्टेबल की हत्या के आरोपी शेख रियाज को पुलिस ने अस्पताल के अंदर ही गोली मार दी। पुलिस का कहना है कि रियाज ने अस्पताल में इलाज के दौरान एक कांस्टेबल की बंदूक छीनने की कोशिश की, जिसके बाद आत्मरक्षा में गोली चलानी पड़ी। शेख रियाज पर 42 वर्षीय पुलिस कांस्टेबल ई. प्रमोद की हत्या का आरोप था।

शनिवार को रियाज ने प्रमोद पर चाकू से हमला कर उनकी हत्या कर दी थी। इसके बाद रविवार को पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के दौरान एक नागरिक आसिफ ने पुलिस की मदद की, लेकिन रियाज ने उस पर भी चाकू से हमला कर दिया, जिससे आसिफ घायल हो गया।

अस्पताल में हुई मुठभेड़ :

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तारी के बाद रियाज को निजामाबाद गवर्नमेंट जनरल हॉस्पिटल (जीजीएच) में भर्ती कराया गया था, क्योंकि उसे झड़प के दौरान मामूली चोटें आई थीं। जब रियाज का इलाज चल रहा था, तभी उसने मौके का फायदा उठाते हुए एक कांस्टेबल की बंदूक छीनने की कोशिश की। तेलंगाना के डीजीपी शिवधर रेड्डी ने कहा कि उस वक्त अस्पताल में डॉक्टर, नर्स और अन्य कर्मचारी मौजूद थे। स्थिति बेहद गंभीर हो सकती थी। रियाज पहले ही एक पुलिसकर्मी की हत्या कर चुका था और कई लोगों को घायल कर चुका था। उसने जब हथियार छीनने की कोशिश की, तो पुलिस ने आत्मरक्षा में गोली चलाई।

शव का करवाया पोस्टमॉर्टम :

निजामाबाद के पुलिस आयुक्त पी. साई चैतन्य ने बताया कि मुठभेड़ के बाद शव का पंचनामा और पोस्टमार्टम मानक प्रक्रिया के अनुसार कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुठभेड़ की जांच के लिए मामला दर्ज कर लिया गया है और निष्पक्ष जांच की जाएगी। वहीं शेख रियाज का आपराधिक रिकॉर्ड लंबा बताया जा रहा है। उसे पकड़ने के लिए पुलिस ने तलाशी अभियान चलाया था।

मुख्यमंत्री ने प्रमोद के परिवार को 1 करोड़ की अनुग्रह राशि दी

> नौकरी और मकान का प्लॉट देने की घोषणा भी

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने घोषणा की कि राज्य सरकार सीसीएस कांस्टेबल प्रमोद कुमार के शोक संतप्त परिवार को हर संभव सहायता प्रदान करेगी, जिनकी 18 अक्टूबर को निज़ामाबाद के एक पुलिस थाने में एक उपद्रवी शेख रियाज़ को ले जाते समय चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी।

पुलिस स्मृति दिवस पर मंगलवार को शहर में पुलिस शहीद स्मारक पर पुलिस शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि शहीद कांस्टेबल को एक करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि, उनकी सेवानिवृत्ति तक का अंतिम वेतन, एक सरकारी नौकरी और परिवार के एक सदस्य को 300 गज का मकान का प्लॉट दिया जाएगा। रेवंत रेड्डी ने कहा कि पुलिस सुरक्षा कल्याण विभाग से 16 लाख रुपये और पुलिस कल्याण विभाग से 8 लाख रुपये की अनुग्रह राशि भी प्रमोद के परिवार को दी जाएगी। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि राज्य सरकार ने जून 2008 में ओडिशा में माओवादियों से लड़ते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले 33 पुलिसकर्मियों को गजुलारामरम में 200-200 गज का आवासीय प्लॉट आवंटित किया था।उन्होंने कहा, 'तेलंगाना पुलिस ने समाज में विश्वास और भरोसा कायम किया है। पुलिस ने कभी समझौता नहीं किया और लोगों की सुरक्षा के लिए जोखिम नहीं उठाया।' रेवंत रेड्डी ने आगे कहा कि हम सभी का कर्तव्य है कि हम उन पुलिस शहीदों को याद करें जिन्होंने राज्य और देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी है।

ट्रेन में अब चुभने वाले और सफेद कंबलों से मिलेगा छुटकारा

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। अब एसी कोच में सफर करने वाले यात्रियों को गंदे या चुभने वाले कंबलों से छुटकारा मिलने वाला है। रेलवे ने जयपुर-असरवा (अहमदाबाद) ट्रेन से एक नई पहल शुरू की है, जिसके तहत कंबलों पर जयपुर के प्रसिद्ध सांगानेरी प्रिंट वाले कवर लगाए जा रहे हैं। यह कवर न केवल सुंदर दिखते हैं बल्कि साफ-सफाई बनाए रखना भी यहां आसान होगा। इससे यात्रियों को स्वच्छ और कम्फर्टेबल अनुभव मिलेगा। रेलवे का मानना है कि इससे यात्रियों की शिकायतें कम होंगी और यात्रा का स्तर और भी बेहतर बनेगा। चलिए बताते हैं क्या है कंबल की खासियत। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि अब ट्रेनों में यात्रियों को कंबल कवर की नई सुविधा दी जाएगी। पहले कंबल बिना कवर के दिए जाते थे, जिससे यात्री उनकी सफाई को लेकर चिंतित रहते थे। इस समस्या के समाधान के लिए रेलवे ने जयपुर के प्रसिद्ध सांगानेरी प्रिंट वाले कवर पेश किए हैं।

पीएम मोदी ने जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री को दी बधाई

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। जापान की संसद ने मंगलवार को अति-रूढ़िवादी साने ताकाइची को देश की पहली महिला प्रधानमंत्री चुना। 64 वर्षीय ताकाइची ने लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) की ओर से चुनाव जीतते हुए संसद के निचले सदन में 237 वोट हासिल किए, जबकि उनके प्रतिद्वंदी योशिहिको नोडा को 149 वोट मिले। इस मौके पर पीएम नरेंद्र मोदी ने उन्हें बधाई देते हुए भारत-जापान रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की बात कही। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साने ताकाइची को प्रधानमंत्री बनने पर बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि जापान की प्रधानमंत्री बनने पर आपको हार्दिक बधाई।

भ्रष्टाचार मामलों की जांच करने वाला लोकपाल कार्यालय खरीदेगा 7 बीएमडब्ल्यू कारें

> 5 करोड़ रुपये से अधिक होंगे खर्च

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के लोकपाल कार्यालय ने बीएमडब्ल्यू एलआई (लॉन्ग व्हीलबेस) लग्जरी कारों की खरीद की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके लिए 16 अक्टूबर को एक सार्वजनिक टेंडर जारी किया गया है। यह कदम लोकपाल के प्रशासनिक और लॉजिस्टिक ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

टेंडर में इच्छुक सप्लायर्स से बिड आमंत्रित की गई हैं ताकि वे उच्च श्रेणी की सेडान कारें उपलब्ध करा सकें। ऑटोमोबाइल बाजार के अनुमान के अनुसार, प्रत्येक कार की कीमत 60 लाख रुपये से अधिक है। अधिकारियों के अनुसार, बिड का मूल्यांकन 7 नवंबर से शुरू होने की संभावना है।

न्यूज एजेंसी ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि लोकपाल सात बीएमडब्ल्यू 330 एलआई कारें खरीदने की योजना बना रहा है, जिनकी कुल लागत 5 करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है। कारें डिलीवर होने के बाद बीएमडब्ल्यू लोकपाल के ड्राइवरों और स्टाफ के लिए एक सप्ताह लंबा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करेगा, जिसमें वाहन की प्रणाली, सुरक्षा विशेषताएं और संचालन से जुड़ी जानकारी दी जाएगी। यह खरीद लोकपाल के परिवहन और प्रशासनिक सुविधाओं को सुव्यवस्थित करने के व्यापक प्रयासों का हिस्सा मानी जा रही है।

बता दें कि लोकपाल भारत में एक स्वतंत्र भ्रष्टाचार विरोधी प्राधिकरण है, जिसे राष्ट्रीय स्तर पर भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए बनाया गया है। यह लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम, 2013 के तहत स्थापित किया गया था, जिसे 2010 में अन्ना के जन लोकपाल आंदोलन के बाद संसद ने पारित किया था।

'राष्ट्रीय सुरक्षा में पुलिस और सेना की भूमिका एक जैसी'

पुलिस स्मृति दिवस : राजनाथ सिंह ने शहीदों को किया नमन

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। आज देशभर में शहीद पुलिसकर्मियों को याद करने के लिए पुलिस स्मृति दिवस मनाया जा रहा है। इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को राष्ट्रीय पुलिस स्मारक (नेशनल पुलिस मेमोरियल), चाणक्यपुरी नई दिल्ली में आयोजित पुलिस स्मृति दिवस कार्यक्रम में भाग लिया और देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले बहादुर पुलिसकर्मियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस दौरान संबोधन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पुलिस और सेना की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि चाहे मंच अलग हों लेकिन बात अगर राष्ट्रीय सुरक्षा की हो तो सेना और पुलिस दोनों का मिशन एक ही है, दोनों की भूमिका एक जैसी ही है। उन्होंने कहा कि आज जब भारत 'अमृत काल' में

प्रवेश कर चुका है और हम 2047 तक विकसित भारत का सपना देख रहे हैं, तो देश की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा में संतुलन बनाए रखना पहले से कहीं अधिक जरूरी हो गया है।

नैतिक कर्तव्यों का भी पालन कर रही पुलिस :

रक्षा मंत्री ने कहा कि आज पुलिस को सिर्फ अपराध से नहीं, बल्कि छवि से भी लड़ना पड़ता है। उन्होंने कहा कि यह खुशी की बात है कि हमारी पुलिस न केवल अपनी आधिकारिक जिम्मेदारी निभा रही है, बल्कि नैतिक कर्तव्यों का भी पालन कर रही है। जनता को आज यह भरोसा है कि अगर कुछ गलत होता है, तो पुलिस उनके साथ खड़ी होगी।

पुलिस बल को उनके बलिदान के धन्यवाद :

राजनाथ सिंह ने याद किया कि उन्होंने गृह मंत्री के रूप में काम करते हुए पुलिस के कार्यों को नजदीक से देखा है और अब रक्षा मंत्री के रूप में उन्हें सेना की कार्यशैली को भी देखने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि चाहे दुश्मन सीमा पार से आए या हमारे बीच छिपा हो, जो भी भारत की सुरक्षा के लिए खड़ा होता है, वह एक ही भावना का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने पुलिस बल को उनके बलिदान, समर्पण और सेवा के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि देश को उन पर गर्व है।

पुलिस के योगदान को लंबे समय तक नजरअंदाज किया गया

राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि समाज और देश के रूप में हमने लंबे समय तक पुलिस के योगदान को पूरी तरह से सम्मान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि हम वह सकारात्मक प्रयास नहीं कर पाए जो पुलिस के बलिदान को याद रखने के लिए करने चाहिए थे।

एसआईटी ने केरल हाईकोर्ट में सीलबंद लिफाफे में दाखिल की पहली रिपोर्ट

कोच्चि, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। सबरीमाला से सोने की चोरी की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने मंगलवार को केरल हाईकोर्ट में अपनी पहली रिपोर्ट बंद लिफाफे में जमा कर दी। सूत्रों के अनुसार, यह रिपोर्ट न्यायमूर्ति राजा विजयाराघवन और न्यायमूर्ति केवी. जयकुमार की बेंच के सामने इन-कैमरा (खुली सुनवाई के बिना) जमा कराई गई। इस दौरान वकील मौजूद नहीं थे।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि रिपोर्ट में एसआईटी द्वारा की जा रही जांच की वर्तमान स्थिति का विवरण दिया गया है। सबरीमाला मामले में एसआईटी को हाईकोर्ट ने निर्देश दिया था कि वे दो सप्ताह में अपनी जांच की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें और छह हफ्ते के भीतर पूरी जांच पूरी करें। बता दें कि एसआईटी का तब गठन किया गया था जब कोर्ट को जानकारी मिली कि सबरीमाला में द्वारपालक (मंदिर के संरक्षक देवता) की मूर्तियों के सोने के लेप वाले ताम्बे के आवरण मरम्मत और नवीनीकरण के लिए हटा दिए गए थे, लेकिन कोर्ट को इसकी जानकारी नहीं दी गई।

मामले में एसआईटी ने दर्ज किए हैं दो केस :

इसके बाद सतर्कता विभाग की रिपोर्ट में देवस्वोम बोर्ड के अधिकारियों की लापरवाही सामने आई। इस पर कोर्ट ने एसआईटी को आदेश दिया कि वे मामला दर्ज करें और जांच शुरू करें। जानकारी के मुताबिक, जांच के तहत एसआईटी ने दो मामले दर्ज किए हैं, जिसमें एक द्वारपालक मूर्तियों के प्लेट से और दूसरा श्रीकोविल के दरवाजे के फ्रेम से गायब सोने के संबंध में है। इन मामलों में एसआईटी की तरफ से कुल 10 लोगों को आरोपी बनाया गया है। इसमें बेंगलूरू के उन्नीकृष्णन पोट्टी और कुछ त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) के अधिकारी भी शामिल हैं।

> शौचालयों की बदतर स्थिति पर भड़का सुप्रीम कोर्ट

'अदालत में आने वालों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन'

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। देशभर के अदालत परिसरों में शौचालयों की लगातार गंदगी और अस्वच्छता अदालत उपयोगकर्ताओं के मौलिक अधिकारों और गरिमा का उल्लंघन करती है। यह जानकारी अलग-अलग उच्च न्यायालयों की ओर से सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत की गई स्थिति रिपोर्ट में दी गई। रिपोर्ट में सुप्रीम कोर्ट को बताया गया कि मेट्रो शहरों के उच्च न्यायालयों में भी शौचालयों की खराब स्थिति कोई अलग मामला नहीं है, बल्कि यह प्रशासनिक और वित्तीय असफलता का संकेत है। इसमें पैसे का सही उपयोग नहीं होना, रखरखाव के अनुबंधों को लागू न करना और जवाबदेही की कमी शामिल है।

सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्वच्छता में असफलता :

रिपोर्ट के अनुसार, मौजूदा शौचालय और बुनियादी ढांचा आधुनिक और समावेशी सार्वजनिक सुविधा के मानक पूरे नहीं करते। यह सार्वजनिक स्वास्थ्य

और स्वच्छता में असफलता का संकेत है। विकलांग लोगों के लिए सुविधाओं की कमी- कई उच्च और जिला न्यायालयों में रैंप, सहारा देने वाली बार और व्हीलचेयर के लिए पर्याप्त जगह नहीं है। यह विकलांग अधिकार अधिनियम के तहत समानता और गैर-भेदभाव के अधिकार का उल्लंघन है।

तीसरे लिंग (ट्रांसजेंडर) के लिए अलग या जेंडर न्यूट्रल शौचालयों की कमी मौलिक अधिकार और गरिमा की अनदेखी है। महिला वकीलों और कर्मचारियों के लिए क्रेच या बच्चों की देखभाल की सुविधाओं की कमी उनके पेशेवर अधिकारों में बाधा डालती है और न्यायिक पेशे में लिंग समानता को प्रभावित करती है।

उपसंचालन न्यायपालिका में स्थिति सबसे गंभीर है। इसके लिए जरूरी है कि स्थानीय स्तर पर विकास किया जाए, जिसमें स्थानीय जरूरतों का आकलन, बजट आवंटन और समुदाय स्तर पर निगरानी शामिल हो।

सुविधाओं की खराब स्थिति गरिमा को पहुंचाती है नुकसान

सुप्रीम कोर्ट को बताया गया कि इन सुविधाओं की खराब स्थिति ग्रामीण इलाकों में न्यायाधीशों और कर्मचारियों के काम करने की परिस्थितियों, स्वास्थ्य और दक्षता पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है, और न्यायालय की गरिमा को भी नुकसान पहुंचाती है। यह रिपोर्ट वकील राजीब कलिता की तरफ से दायर पीआईएल (जनहित याचिका) के तहत प्रस्तुत की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 15 जनवरी को आदेश दिया था कि सार्वजनिक शौचालय उपलब्ध कराना राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों की जिम्मेदारी है।

अपहरण कर मारा-पीटा, फिर जबरन पिलाई पेशाब

मध्य प्रदेश से सामने आया दलित युवक के साथ बर्बरता का मामला

भिंड, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के भिंड जिले में एक दलित युवक के साथ अमानवीय बर्ताव का मामला सामने आया है। आरोप है कि तीन युवकों ने एक दलित ड्राइवर को बंधक बनाकर उसके साथ मारपीट की, शराब पिलाई और जबरन पेशाब पिलाने की घृणित हरकत की। पीड़ित को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

मामले की जानकारी मिलते ही कलेक्टर करोड़ी लाल मीणा और एडिशनल एसपी संजीव पाठक अस्पताल पहुंचे और पीड़ित से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली। पीड़ित युवक ने पुलिस को बताया कि वह पेशे से ड्राइवर है और पहले दतावली गांव के सोनू बरुआ की बोलेरो चलाता था। कुछ दिन पहले उसने काम छोड़ दिया था और ग्वालियर के दीनदयाल नगर स्थित अपने ससुराल में रहने लगा था।

आर्मी, नेवी और एयरफोर्स का ऑपरेशन 'त्रिशूल'

> पाकिस्तानी फौज के पसीने छूटेंगे

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। पुणे स्थित भारतीय सेना का दक्षिण कमान भारतीय नौ सेना और भारतीय वायु सेना के साथ मिलकर 'त्रिशूल' के नाम से एक संयुक्त युद्धाभ्यास को अंजाम देने जा रहा है।

इस युद्धाभ्यास में क्रीक भी शामिल है और रेगिस्तानी सेक्टर भी, वहीं सौराष्ट्र तट के करीब समंदर में विशेष ऑपरेशन चलाने की भी तैयारी है। बता दें कि हाल ही में ऐसी खबरें आई हैं कि पाकिस्तान सर क्रीक के उस पार फिर से किसी नई साजिश को अंजाम देने में जुटा हुआ है। ऐसे में भारतीय सशस्त्र सेना का यह संयुक्त युद्धाभ्यास जनरल असीम मुनीर की नींदें उड़ा सकता है।

तीनों सेनाओं का संयुक्त युद्धाभ्यास 'त्रिशूल' :

तीनों सेनाओं के साझा 'त्रिशूल' युद्धाभ्यास में सैन्य अभियानों के साथ ही कई तरह की नई चीजें भी शामिल की जाएंगी।

जैसे कि दुश्मन की खुफिया जानकारी जुटाना (आईएसआर), इलेक्ट्रॉनिक युद्ध की तैयारी (ईडब्ल्यू) और संभावित साइबर हमलों से निपटना। यह अभियान भारतीय सशस्त्र बलों में युद्ध के समय बेहतर तालमेल के नजरिए से हो रहा है, जिसका सफल अंजाम देश ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देख चुका है।

बयान में कहा गया है कि लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ की अगुवाई वाली दक्षिणी कमान इस सोच को हकीकत में बदलने में सबसे आगे है। इस कमान में तो संयुक्तता भरपूर है। क्योंकि इसने हमेशा सेनाओं के बीच तालमेल दिखाया है। इस बयान के मुताबिक तीनों सेनाएं त्रिशूल युद्धाभ्यास को भारतीय वायु सेना और भारतीय नौ सेना के साथ नजदीकी तालमेल में अंजाम देगी, जिससे 'जय' रणनीति को धरातल पर उतारा जा सके।

भविष्य में युद्ध की चुनौतियों के लिए साझा युद्धाभ्यास :

इस संयुक्त युद्धाभ्यास का एक लक्ष्य यह भी है कि इसमें स्वदेशी सिस्टम का इस्तेमाल किया जाना है, जिससे सैन्य अभियानों में आत्मनिर्भरता को पूर्ण रूप से अपनाया जा सके और यह युद्ध के हर क्षेत्र टैक्टिस, टेक्निक और प्रोसेड्योर में पूरी तरह से आत्मसात किया जा सके।

क्योंकि, उभरती हुई चुनौतियों के साथ ही समकालीन और भविष्य के युद्धों के बदलते स्वरूप के लिए ये बहुत ही महत्वपूर्ण हैं। ऐसे में तीनों सेनाओं की ट्रेनिंग के लिए त्रिशूल जैसे युद्धाभ्यास काफी अहम रोल निभाने वाले हैं।

पीएम मोदी के 'जय' मंत्र पर आधारित 'त्रिशूल'

भारतीय सेना के दक्षिणी कमान की ओर से जारी बयान में बताया गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने (जय) का मंत्र दिया है। इसका मतलब है, संयुक्तता, आत्मनिर्भरता और इनोवेशन।

प्रधानमंत्री इसे भारत के लिए भविष्य की रक्षा तैयारियों का आधार बताते हैं। इसी सोच के आधार पर तीनों सेनाओं में तालमेल बढ़ाना है, उनमें आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है और बेहतर परिणाम के लिए हर पहलू में नए विचारों का समावेश करना है।

नवी मुंबई के वाशी इलाके की बिल्डिंग में लगी भीषण आग

घर में सो रहे चार लोग जिंदा जले

मुंबई, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। नवी मुंबई के वाशी इलाके में बिल्डिंग में बीती रात करीब दो बजे भीषण आग लग गई। आग में चार लोग जिंदा जलकर मर गए। जानकारी के मुताबिक, वाशी के रहेजा कॉम्प्लेक्स में आग लग गई। घर में सो रहे चार लोग जिंदा जल गए। यह घटना नवी मुंबई के वाशी स्थित रहेजा कॉम्प्लेक्स में तड़के 2 बजे हुई। आग में तीन फ्लैट प्रभावित हुए। आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

जानकारी के अनुसार, मंगलवार तड़के भीषण आग लगने से छह साल की बच्ची समेत चार लोगों की मौत हो गई और करीब 11 अन्य झुलस गए। मृतकों की पहचान वैदिक बालकृष्ण - उम्र 6 वर्ष, कमल हीरालाल जैन - उम्र 84 वर्ष, सुंदर बालकृष्णन - उम्र 46 वर्ष, पूजा राजन उम्र 39 वर्ष के रूप में की गई है। इसमें 11 लोग घायल हुए हैं और अस्पताल में भर्ती हैं। एनएमएमसी के मुख्य अग्निशमन अधिकारी पुरुषोत्तम जाधव ने कहा कि बचाव अभियान के दौरान चार लोग मृत पाए गए, जबकि लगभग 10 से 15 अन्य लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। मृतकों की पहचान वैदिक बालकृष्ण - उम्र 6 वर्ष, कमल हीरालाल जैन - उम्र 84 वर्ष, सुंदर बालकृष्णन - उम्र 46 वर्ष, पूजा राजन - उम्र 39 वर्ष के रूप में की गई है। इसमें 11 लोग घायल हुए हैं और अस्पताल में भर्ती हैं।

रूसी तेल आयात मामला: कांग्रेस का मोदी सरकार पर निशाना

कहा- ट्रंप ने एमईए के इनकार को ठुकराया

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने मंगलवार को मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भारत के रूस से तेल आयात का मामला अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पिछले पांच दिनों में तीन बार उठाया गया है। कांग्रेस ने कहा कि उन्होंने (ट्रंप) विदेश मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ किसी भी बातचीत से इनकार करने की कोशिशों को नकार कर दिया है। केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि पिछले पांच दिनों में राष्ट्रपति ट्रंप अब तक तीन बार भारत द्वारा रूस से तेल आयात के मुद्दे को उठा चुके हैं।

और इसमें कोई शक नहीं कि इस सप्ताह बुडापेस्ट में राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात से पहले वे इस बात को और भी अधिक बार दोहराएंगे। राष्ट्रपति ट्रंप का कहना है कि उन्होंने अपने अच्छे दोस्त

प्रधानमंत्री मोदी से बात की है और भारत ने रूस से तेल आयात को बंद करने का आश्वासन दिया है। हालांकि, भारत के विदेश मंत्रालय ने ऐसी किसी बातचीत की जानकारी होने से इनकार किया है, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप ने मंत्रालय के इस खंडन को नकार दिया है।

ट्रंप ने कल फिर दी थी धमकी

सोमवार को एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा था कि अगर भारत रूस से तेल खरीदना बंद नहीं करेगा, तो उसे भारी शुल्क चुकाते रहना होगा। रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत की हालिया टिप्पणियों के बारे में पूछे गए एक सवाल पर ट्रंप ने कहा, भारत ऐसा नहीं करना चाहता। भारत ने पिछले हफ्ते कहा था कि वह बाजार की परिस्थितियों के अनुरूप ऊर्जा खरीद के अपने स्रोतों को व्यापक और विविध बना रहा है। इससे कुछ घंटे पहले ट्रंप ने दावा किया था कि मोदी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि भारत रूस से कच्चे तेल की खरीद बंद कर देगा। ट्रंप ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि भारत ने ऐसी कोई टिप्पणी की। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि उन्होंने ऐसा कहा है। नहीं, मैंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की है और उन्होंने कहा है कि वह रूसी तेल नहीं खरीदेंगे।

वित्तीय सहायता देने का लगाया आरोप

अमेरिका का आरोप है कि रूसी कच्चे तेल की खरीद के जरिये भारत पुतिन को यूक्रेन के खिलाफ युद्ध जारी रखने में वित्तीय सहायता दे रहा है। रूसी तेल की खरीद को लेकर भारतीय वस्तुओं के आयात पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने के ट्रंप प्रशासन के फैसले के बाद से भारत और अमेरिका के संबंध तनावपूर्ण दौर से गुजर रहे हैं। अमेरिका ने भारत से आयात पर कुल 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए हैं।

पंजाब को दहलाने की साजिश नाकाम

अमृतसर में दो आतंकी ऑपरेटिव गिरफ्तार आरपीजी बरामद; दिवाली पर करना था धमाका

अमृतसर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमृतसर देहात पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर एक खुफिया जानकारी के आधार पर दो आतंकी ऑपरेटिव को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के नाम महकदीप सिंह उर्फ महक और आदित्य उर्फ आधी है। दोनों ही अमृतसर के रहने वाले हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड (आरपीजी) भी बरामद किया है। पुलिस जांच के अनुसार, दोनों आरोपी पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के एक ऑपरेटिव के संपर्क में थे, जिसने यह हथियार भारत भेजा था। इसके अलावा, आरोपी फिरोजपुर जेल में बंद हरप्रीत सिंह उर्फ विक्की से भी संपर्क में थे। प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि बरामद आरपीजी का इस्तेमाल दिवाली के मौके पर पंजाब में किसी बड़े आतंकी हमले के लिए किया जाना था। इस संबंध में थाना घरिंडा, अमृतसर में मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य सदस्यों और विदेशी संपर्कों की तलाश में जुटी है। एसएसपी मनिंदर सिंह ने कहा है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की ओर से लगातार पंजाब में आतंकी वारदात करवाने की कोशिश की जा रही है लेकिन पुलिस की ओर से हर एक साजिश को नाकाम किया जा रहा है इसी के तहत खुफिया जानकारी के आधार पर उक्त दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर आरपीजी बरामद की गई है।

सिद्धारमैया की सरकार गिर जाएगी? विपक्ष के नेता आर अशोक ने बताई वजह

बेंगलुरु, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में सीएम सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार गिर जाएगी और वहां एक नया मुख्यमंत्री बनेगा। कर्नाटक में विपक्ष के नेता आर अशोक ने यह भविष्यवाणी की है। उन्होंने कहा कि इस साल नवम्बर या दिसम्बर में सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली सरकार गिर जाएगी और राज्य में नया सीएम बनेगा।

आर अशोक ने कहा कि राज्य में विकास के सारे काम रुक गए हैं। सरकारी खजाना खाली हो चुका है इसीलिए नवम्बर या दिसम्बर में सिद्ध रामैया की कुर्सी जाना तय है। यही वजह है कि ये लोग बिना किसी वजह के आरएसएस को टारगेट कर रहे हैं।

प्लान के तहत ऐसा हो रहा

बीजेपी नेता आर अशोक ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और मंत्री प्रियांक खरगे एक प्लान के तहत ऐसा कर रहे हैं। व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। ऐसे में जब कुछ नहीं बचा है तो आरएसएस को टारगेट किया जा रहा है। अशोक ने कहा, ''मैं बस यही सलाह देना चाहूंगा कि अहंकार का ये प्रदर्शन जनहित में नहीं है और यही अहंकार उद्योग जगत के लोगों के प्रति भी दिखाया जा रहा है, जिसके कारण कई उद्योग कर्नाटक और सिलिकॉन सिटी जैसे बेंगलुरु में निवेश करने के बजाय वहां से जा रहे हैं। इन सभी मुद्दों को छिपाने के लिए यह (आरएसएस का मुद्दा) खड़ा किया जा रहा है।'' भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार पाकिस्तान की प्रशंसा करने वालों का समर्थन करती है और 'भारत माता की जय' कहने वालों का विरोध करती है।

सिद्धरमैया सरकार को विनम्रता सीखने की जरूरत- प्रह्लाद जोशी

बता दें कि बीजेपी ने कलबुर्गी जिले के चित्तपुर में आरएसएस के पथ संचलन पर हाईकोर्ट के निर्देश का स्वागत किया। कर्नाटक हाईकोर्ट ने रविवार को आरएसएस के प्रतिनिधियों से चित्तपुर में दो नवंबर को पथ संचलन आयोजित करने की अनुमति के लिए एक नया आवेदन दायर करने को कहा। हाईकोर्ट ने अधिकारियों से आवेदन पर विचार करने और 24 अक्टूबर को अदालत को रिपोर्ट सौंपने को भी कहा।

कर्नाटक सरकार पर निशाना साधते हुए, वरिष्ठ भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उनके कैबिनेट सहयोगियों को विनम्रता सीखने की जरूरत है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, ''मैं हाईकोर्ट के फैसले का स्वागत करता हूं तथा हम सभी संविधान और न्यायपालिका में विश्वास करते हैं। यह हमारा अधिकार है और उसने (उच्च न्यायालय ने) इसे दिया है, मैं इसका स्वागत करता हूं।''

आगबबूला हुआ पति, चाकू घोंपकर की युवक की हत्या

अहमदाबाद, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुजरात के अहमदाबाद में एक व्यक्ति ने फास्ट फूड रेस्टोरेंट के मैनेजर की चाकू मारकर हत्या कर दी। आरोपी को शक था कि मैनेजर का उसकी पत्नी के साथ अफेयर चल रहा है, जिसके चलते उसने 27 वर्षीय मैनेजर की जान ले ली। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है। यह मामला अहमदाबाद के अमराईवाड़ी पुलिस थाने क्षेत्र का है।

पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान गोपाल राठौड़ के रूप में हुई है। वो अमराईवाड़ी के न्यू भवानीनगर में एक फास्ट फूड रेस्टोरेंट का मैनेजर था। उसी रेस्टोरेंट में गोपाल की मुलाकात 24 वर्षीय युवती से हुई थी और दोनों दोस्त बन गए थे। इस हमले में गोपाल को गंभीर चोटें आईं और वो बुरी तरह से लहूलुहान हो गया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी घर से फरार हो गया। युवती ने फौरन एंबुलेंस बुलाई और गोपाल को अस्पताल लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सक्रिय हुआ चक्रवात, 11 राज्यों में मचाएगा तबाही

आईएमडी ने 4 राज्यों में बिजली गिरने का दिया अलर्ट

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत में मानसून भले ही लौट गया हो लेकिन मौसम का प्रकोप अभी खत्म नहीं हुआ है। यह सप्ताह भारत के कई राज्यों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। मौसम विभाग ने चक्रवात का अलर्ट जारी किया है। इसका असर समुद्री इलाकों समेत भीतरी राज्यों को भी नुकसान पहुंचाने की आशंका जताई जा रही है। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बंगाल की खाड़ी के ऊपर अंडमान-निकोबार द्वीप समूह के लिए चक्रवात का अलर्ट जारी किया है, जिसके आज से जोर पकड़ने का अनुमान है।

बताया कि प्रभावित क्षेत्रों में 23 अक्टूबर तक भारी बारिश होने का अनुमान है। चेतावनी जारी होते ही स्थानीय बंदरगाह खाली होने लगे हैं। आईएमडी ने बताया कि चक्रवात का असर दक्षिण प्रायद्वीप से पूर्व, पूर्वोत्तर, मध्य भारत, पश्चिम भारत से उत्तर भारत तक रहेगा। चक्रवात का असर केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, ओडिशा, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, गोवा, जम्मू कश्मीर, उत्तरखंड, हिमाचल प्रदेश में देखने को मिलेगा। अंडमान-निकोबार से शुरू होकर यह चक्रवात केरल में प्रवेश करेगा। इसके बाद राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा और हिमाचल तक कहर देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग ने बताया कि, 22 और 23 अक्टूबर को अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में 40-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान है।

24 अक्टूबर के बीच तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश में भारी बारिश की चेतावनी है। अगले 5 दिनों के दौरान इस क्षेत्र में बिजली चमकने और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तूफान आने की संभावना है। 20-24 अक्टूबर के बीच ओडिशा, अंडमान और निकोबार, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में बिजली गिरने की भी संभावना है। वहीं पश्चिम भारत में अगले 2 दिनों के दौरान कोंकण एवं गोवा, मराठवाड़ा और मध्य महाराष्ट्र में बिजली कड़कने के साथ तूफान आने की संभावना है। इसके अलावा अगर उत्तर भारत की बात करें तो जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में बिजली गिरने के साथ गरज के साथ बारिश होने की संभावना है।

ओला के संस्थापक समेत कई सीनियर अधिकारियों पर एफआईआर

इंजीनियर ने सुसाइड नोट में लगाए ये गंभीर आरोप

बेंगलुरु, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। ओला इलेक्ट्रिक के संस्थापक और कंपनी के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ 38 वर्षीय एक इंजीनियर के आत्महत्या करने के बाद मामला दर्ज किया गया है। इंजीनियर ने उन पर उत्पीड़न का आरोप लगाया था। बेंगलुरु पुलिस बताया कि ओला इलेक्ट्रिक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) भाविश अग्रवाल और वरिष्ठ अधिकारी सुब्रत कुमार दास के खिलाफ कंपनी के एक 38 वर्षीय कर्मचारी को कथित मानसिक उत्पीड़न और आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है। कर्मचारी 28 सितंबर को रहस्यमय परिस्थितियों में मृत पाया गया था।

हालांकि, कंपनी ने उत्पीड़न के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि वह जांच में पूरा सहयोग कर रही है। कंपनी ने यह भी कहा कि उसने अपने संस्थापक और अन्य अधिकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर को चुनौती देने के लिए कर्नाटक हाई कोर्ट का रुख किया है। मृतक की पहचान के। अरविंद के रूप में हुई है। वह 2022 से कोरमंगला स्थित ओला इलेक्ट्रिक में इंजीनियर के पद पर कार्यरत था। एक बयान में कंपनी ने कहा कि हम अपने सहयोगी अरविंद के दुर्भाग्यपूर्ण निधन से बेहद दुखी हैं और इस कठिन समय में हमारी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं। अरविंद साढ़े तीन साल से ओला इलेक्ट्रिक से जुड़े थे और बेंगलुरु स्थित हमारे मुख्यालय में कार्यरत थे।

इंजीनियर के भाई ने दर्ज कराई यी शिकायत

पुलिस के अनुसार, अरविंद के भाई अश्विन कन्नन ने शिकायत में कहा कि 28 सितंबर को अरविंद ने चिक्कलसंद्रा स्थित अपने अपार्टमेंट में कथित तौर पर आत्महत्या का प्रयास किया और उसे महाराजा अग्रसेन अस्पताल ले जाया गया, जहां बाद में चिकित्सा प्रयासों के बावजूद उसकी मौत हो गई।

अरविंद के कमरे से 28 पृष्ठों का सुसाइड नोट बरामद किया गया। इसमें उसने कथित तौर पर अपने वरिष्ठ अधिकारियों पर मानसिक उत्पीड़न और वेतन एवं भत्ते का भुगतान न करने का आरोप लगाया, जिसके कारण उसने जहर खा लिया।

महिला ने डॉक्टर पर लगाया यौन उत्पीड़न का आरोप

बेंगलुरु, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक चिकित्सक पर, एक महिला का यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगा है। दरअसल, एक 21 साल की महिला ने एक त्वचा विशेषज्ञ पर अपने निजी क्लिनिक में उपचार के दौरान यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। महिला की शिकायत के बाद डॉक्टर को हिरासत में ले लिया गया है।

मामले की जांच की जा रही है। अपनी शिकायत में 21 साल की महिला ने चिकित्सक पर क्लिनिक में अकेले रहने पर फायदा उठाने का आरोप लगाया है। शिकायत में महिला ने कहा कि उसकी त्वचा के संक्रमण की जांच के बहाने चिकित्सक ने कथित तौर पर उसे गलत तरीके से छुआ और करीब 30 मिनट तक उसको परेशान किया। महिला ने बताया कि डॉक्टर ने उसको गले लगाया, किस किया और विरोध के बावजूद भी अश्लील हरकतें की। यह मामला सामने आने के बाद चिकित्सक के खिलाफ परिवार के लोगों को गुस्सा फूटा।

मामूली पेनिट्रेशन भी रेप माना जाएगा

दुष्कर्म मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी

मुंबई, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर खंडपीठ ने एक अहम फैसले में साफ किया है कि नाबालिगों के खिलाफ यौन अपराध में मामूली सा भी पेनिट्रेशन को भी बलात्कार माना जाएगा और ऐसी स्थिति में कंसेट का कोई महत्व नहीं है। यानी अगर नाबालिग ने सहमति दे भी दी हो तो इसे रेप माना जाएगा। यह फैसला पॉक्सो (प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्शुअल ऑफेंसेस) अधिनियम के तहत बच्चों को दी जाने वाली सुरक्षा के तहत दिया गया है। कोर्ट ने वर्धा जिले के हिंगनघाट के एक 38 वर्षीय ड्राइवर की अपील खारिज करते हुए, दो नाबालिग लड़कियों (5 और 6 साल) पर यौन हमले के प्रयास के लिए उसकी 10 साल की सजा और 50,000 रुपये के जुर्माने को बरकरार रखा।

जस्टिस निवेदिता मेहता ने अपने फैसले में कहा कि जैसे ही कोई

व्यक्ति नाबालिग के निजी अंगों में किसी भी अंग से प्रवेश करता है, इसे बलात्कार या गंभीर यौन हमला माना जाता है। पेनिट्रेशन की गहराई इस मामले में अप्रासंगिक है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, आरोपी ने बच्चों को अमरूद का लालच देकर और अश्लील वीडियो दिखाकर यौन हमले का प्रयास किया। कोर्ट ने पाया कि अभियोजन ने पीड़िताओं और उनकी मां के विश्वसनीय बयानों के आधार पर मामले को साबित किया। मेडिकल और फॉरेंसिक साक्ष्यों ने और बल दिया। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि 15 दिन बाद मेडिकल जांच में चोट के निशान न मिलने से अपराध की विश्वसनीयता पर सवाल नहीं उठाया जा सकता, क्योंकि पीड़िताओं की कम उम्र के कारण चोट के निशान ठीक हो सकते हैं।

आरोपी ने परिवारिक दुश्मनी के आधार पर झूठे फंसाने का दावा किया, लेकिन कोर्ट ने इसे सबूतों के अभाव में खारिज कर दिया। साथ ही, एफआईआर दर्ज करने में देरी को भी उचित ठहराया गया, क्योंकि पीड़िताएं कम उम्र की थीं और आरोपी ने उन्हें धमकियां दी थीं।

पुराने फैसले में भी किया सुधार

इस मामले में हाई कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की एक कानूनी गलती को सुधारा, जिसमें 2019 में संशोधित पॉक्सो एक्ट के प्रावधानों को गलत तरीके से लागू किया गया था। अपराध 19 फरवरी, 2014 को हुआ था, इसलिए उस समय लागू कानून के आधार पर सजा तय होनी चाहिए थी। जस्टिस मेहता ने कहा कि ट्रायल कोर्ट का 20 साल की न्यूनतम सजा और पॉक्सो की धारा 18 का उपयोग गलत था।

हालांकि, कोर्ट ने पाया कि 10 साल की कठोर कारावास की सजा उस समय के पॉक्सो एक्ट के तहत न्यूनतम सजा के अनुरूप थी। इसलिए, सजा में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

सेक्स रैकेट का भंडाफोड़

विदेशों तक फैला है नेटवर्क अड्डे को पुलिस ने सील किया

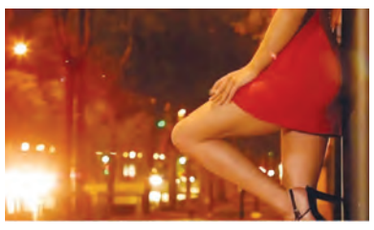

भुवनेश्वर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजधानी में झारखंड की नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के मामले में लगातार नए-नए खुलासे हो रहे हैं। इसी कड़ी में पुलिस ने एक और महिला को हिरासत में लिया है। इसके साथ ही, जिस घर में सेक्स रैकेट चल रहा था, उसे भी पुलिस ने सील कर दिया है। घर के अंदर से मिले सभी दस्तावेज भी पुलिस ने जब्त कर लिए हैं। वहीं दूसरी ओर, जिस घर में सेक्स रैकेट चल रहा था, उसके सामने खड़ी एक कार को भी पुलिस ने जब्त किया है। यह कार 'गोल्डन कार' के नाम से मशहूर बताई जा रही है। फिलहाल यह पता लगाया जा रहा है कि यह कार किसकी है और इसे वहां किसने खड़ा किया था। सील किए गए घर के बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

सूत्रों के मुताबिक, हिरासत में ली गई महिला से पुलिस को कई अहम जानकारियां मिली हैं। यहां तक कि इस सेक्स रैकेट का तार विदेशों तक जुड़ा होने की आशंका भी जताई जा रही है। पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की जांच के बाद ही सच्चाई सामने आ पाएगी। जांच से यह भी सामने आया है कि लंबे समय से राजधानी में यह सेक्स रैकेट सक्रिय था।

केदारनाथ धाम पहुंचे राज्यपाल

मंदिर में पूजा-अर्चना कर बाबा केदार से की विश्व कल्याण की कामना

रुद्रप्रयाग, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) ने आज मंगलवार को सुबह केदारनाथ धाम पहुंचकर भगवान केदारनाथ के दर्शन किए। उन्होंने मंदिर में विशेष रुद्राभिषेक पूजन कर विश्व कल्याण, मानवता की समृद्धि और उत्तराखंड के सतत विकास के लिए आशीर्वाद मांगा। केदारनाथ दर्शन के बाद राज्यपाल बदरीनाथ धाम पहुंचे। राज्यपाल के धाम आगमन पर अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा एवं मुख्य विकास अधिकारी राजेन्द्र सिंह रावत द्वारा वीआईपी हैपैड पर पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। इसके बाद राज्यपाल पैदल मार्ग से मंदिर प्रांगण पहुंचे, जहां उन्होंने भगवान केदारनाथ का अभिषेक, पूजन-अर्चना कर क्षेत्र के नागरिकों की खुशहाली और राज्य की उन्नति की कामना की।

राज्यपाल ने मंदिर परिसर में तीर्थ पुरोहित समाज से भेंट की। उन्होंने पारंपरिक मंत्रोच्चारण और पूजा-विधि के साथ राज्यपाल का स्वागत किया गया। राज्यपाल ने इसे अत्यंत आध्यात्मिक एवं भावनात्मक अनुभव बताते हुए कहा कि केदारघाटी का प्रत्येक कण शिवमय है। यहां के पर्वतों में भगवान शिव की उपस्थिति का अनुभव होता है। इस पवित्र भूमि पर कदम रखते ही मन ध्यानमग्न हो जाता है।

बहू से अवैध संबंध! बेटे की हत्या के आरोप में फंसे पंजाब के पूर्व डीजीपी, पूर्व मंत्री पत्नी पर भी केस दर्ज

पंचकूला, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) मोहम्मद मुस्तफा और पंजाब की पूर्व मंत्री रजिया सुल्ताना के बेटे अकील अख्तर की संदिग्ध मौत के मामले में नया मोड़ आ गया है।

पंचकूला पुलिस ने मोहम्मद मुस्तफा, उनकी पत्नी रजिया सुल्ताना, बेटी और पुत्रवधू समेत परिवार के पांच सदस्यों के खिलाफ हत्या और आपराधिक षड्यंत्र रचने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है। यह एफआईआर अकील के एक पड़ोसी, शमसुद्दीन की शिकायत पर दर्ज की गई है, जिसने पुलिस कमिश्नर को शिकायत सौंपी थी। शिकायत में गंभीर

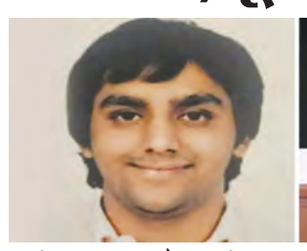

आरोप लगाए गए हैं, जिसमें कहा गया है कि अकील की पत्नी और उनके पिता मोहम्मद मुस्तफा के बीच अवैध संबंध थे, और इस षड्यंत्र में पूर्व मंत्री रजिया सुल्ताना भी शामिल थीं।

पंचकूला मनसा देवी पुलिस थाने में यह मामला 16 अक्टूबर की देर रात अकील अख्तर (35) की मौत के बाद सामने आए एक वीडियो के आधार पर दर्ज किया गया है। परिवार ने शुरू में बताया था कि अकील की मौत दवाइयों की ओवरडोज के कारण हुई है। हालांकि, अकील का 27 अगस्त का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें उन्होंने अपने परिवार के सदस्यों पर उनकी हत्या के लिए साजिश रचने का गंभीर आरोप लगाया था। वीडियो में उन्होंने स्पष्ट रूप से अपने पिता और पत्नी के बीच अवैध संबंधों का भी जिक्र किया था।

पुलिस ने पड़ोसी शमसुद्दीन की शिकायत और वायरल वीडियो को आधार बनाकर मोहम्मद मुस्तफा, उनकी पत्नी रजिया सुल्ताना (पंजाब की पूर्व मंत्री), पुत्रवधू और बेटी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) (हत्या) और 61 (आपराधिक षड्यंत्र) के तहत मामला दर्ज किया है।

पुलिस अब मामले की गहनता से जांच कर रही है और वायरल वीडियो की सत्यता की भी पुष्टि की जा रही है। इस मामले में पूर्व डीजीपी और उनके परिवार की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

सुविचार: आदमी को आदमी मानने वाला और वैसा ही आचरण करने वाला धर्म चाहिए।

स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण उपचुनाव सुनिश्चित करें : रंजीत कुमार सिंह

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सामान्य पर्यवेक्षक रंजीत कुमार सिंह ने मंगलवार को अधिकारियों के साथ एक बैठक के दौरान जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण बनाने का आह्वान किया। बेगमपेट टूरिज्म प्लाजा में आयोजित इस बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) और जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन, अतिरिक्त आयुक्त (चुनाव) हेमंत केशव पाटिल, निर्वाचन अधिकारी पी. साई राम और नोडल अधिकारी शामिल हुए।

उन्होंने सामान्य पर्यवेक्षक रंजीत कुमार सिंह, पुलिस पर्यवेक्षक ओम प्रकाश त्रिपाठी और व्यय पर्यवेक्षक संजीव कुमार लाल से मुलाकात की। डीईओ और जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने एक विस्तृत पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से चुनाव प्रबंधन योजना और तैयारी व्यवस्थाओं का व्यापक अवलोकन प्रस्तुत किया। प्रस्तुति में महत्वपूर्ण चुनाव तिथियों और आधिकारिक कार्यक्रम, मतदान केंद्रों पर चुनावी रूपरेखा और व्यवस्था, जनशक्ति जुटाना और कर्मियों का प्रशिक्षण, चुनाव सामग्री की खरीद और परिवहन, आईटी पहल और व्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं चुनावी भागीदारी (स्वीप) गतिविधियां, कानून-व्यवस्था, भेद्यता मानचित्रण और सुरक्षा योजनाएं, ईवीएम प्रबंधन और स्ट्रांग रूम प्रोटोकॉल, आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का कार्यान्वयन, चुनाव व्यय निगरानी और नियंत्रण उपायों सहित कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की गई। ईसीआई पर्यवेक्षकों ने व्यवस्थित और गहन चुनाव तैयारियों पर संतोष व्यक्त किया और उपचुनाव के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के प्रयासों की सराहना की। अधिकारियों को संबोधित करते हुए, सामान्य पर्यवेक्षक रंजीत कुमार सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि चुनावी कर्तव्य एक नियमित कार्य नहीं बल्कि एक गंभीर और जवाबदेह जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी अधिकारियों, नोडल अधिकारियों और मतदान कर्मचारियों से स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के सिद्धांतों को कायम रखते हुए, निष्पक्षता, परिश्रम और निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि चुनावी प्रक्रिया के हर चरण में जवाबदेही और निष्पक्षता आवश्यक है। जब्ती के आंकड़ों की समीक्षा के दौरान, जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पिछले विधानसभा चुनाव में 90 लाख रुपये जब्त किए गए थे, जबकि वर्तमान उपचुनाव में अब तक 2.25 करोड़ रुपये जब्त किए गए हैं। सामान्य पर्यवेक्षक ने अधिकारियों से कहा कि वे आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें और चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार सभी सी-विजिल शिकायतों का समयबद्ध निवारण करें। पुलिस पर्यवेक्षक ओम प्रकाश त्रिपाठी ने उपचुनाव को "महत्वपूर्ण और निर्णायक" बताया। उन्होंने अधिकारियों को चुनाव आयोग के प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करने, आदर्श आचार संहिता के किसी भी उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई करने और चुनाव संबंधी सभी कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने शांतिपूर्ण और पारदर्शी चुनावी प्रक्रिया सुनिश्चित करने में सभी हितधारकों की सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर दिया। व्यय पर्यवेक्षक संजीव कुमार लाल ने चुनाव आयोग के व्यय निगरानी मानदंडों के सख्त अनुपालन में, राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों द्वारा खर्च किए गए प्रत्येक रुपये का सावधानीपूर्वक लेखा-जोखा रखने की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक के बाद, तीनों पर्यवेक्षकों के साथ जिला निर्वाचन अधिकारी और जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने बंजारा हिल्स स्थित शेखपेट तहसीलदार कार्यालय में रिटर्निंग ऑफिसर के कार्यालय का दौरा किया।

मंत्री लक्ष्मण ने बीआरएस नेताओं की आलोचना की

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने मंगलवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेताओं की आलोचना करते हुए कहा कि माफिया डॉन, ठेकों और कमीशन के बारे में बोलना 'हास्यास्पद' है। गांधी भवन में पत्रकारों को संबोधित करते हुए, मंत्री ने बीआरएस नेता बाल्का सुमन और आरएस प्रवीण कुमार से राज्य के मंत्रियों पर टिप्पणी करने से पहले अपनी पार्टी के दस साल के शासन पर विचार करने का आग्रह किया। उन्होंने वर्तमान कांग्रेस सरकार के तहत गुरुकुलों में हुए सुधारों पर प्रकाश डाला और कमजोर वर्गों के छात्रों को दी जाने वाली प्राथमिकता पर जोर दिया। मंत्री ने तेलंगाना आंदोलन के दौरान युवाओं के प्रति बाल्का सुमन की प्रतिबद्धता पर भी सवाल उठाए और प्रवीण कुमार को फ़ोन टैपिंग और पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर परिवार द्वारा कथित अत्याचारों जैसे मुद्दों पर चर्चा करने की चुनौती दी।

टीएसएचआरसी ने डीजीपी को रियाज मुठभेड़ मामले में रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना मानवाधिकार आयोग (टीएसएचआरसी) ने शेख रियाज की मुठभेड़ में हुई मौत के मामले को स्वतः संज्ञान लिया है। मृतक को हाल ही में पुलिस कांस्टेबल एम. प्रमोद कुमार की हत्या के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था और उसका निजामाबाद के सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा था। मृतक ने कथित तौर पर एक सशस्त्र रिजर्व कांस्टेबल का सर्विस हथियार छीनने और भागने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा का दावा करते हुए गोली चलाई, जिससे उसकी तत्काल मृत्यु हो गई। आयोग ने तेलंगाना के डीजीपी को घटना की परिस्थितियों, किसी भी मजिस्ट्रेट या न्यायिक जांच की स्थिति, और मुठभेड़ में हुई मौतों पर सर्वोच्च न्यायालय और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के दिशानिर्देशों के अनुपालन को शामिल करते हुए एक विस्तृत तथ्यात्मक रिपोर्ट, प्राथमिकी और पोस्टमार्टम रिपोर्ट की प्रतियों के साथ 24 अक्टूबर तक प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

रोशनी लगाते समय युवक को बिजली का झटका

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नरसिंगी में मंगलवार को सदर उत्सव की तैयारियों के दौरान एक युवक को बिजली का झटका लग गया। सूचना के अनुसार, सुशांत कुमार नामक इलेक्ट्रीशियन एक इमारत और परिसर में रोशनी का काम कर रहे थे, जब यह हादसा हुआ। उन्हें गंभीर चोटें आईं और उन्हें पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

डीजीपी ने कांस्टेबल प्रमोद के परिवार से मुलाकात की

शहीद पुलिसकर्मी के परिवारों को मकान के पट्टे सौंपे

निज़ामाबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी ने पीड़ित कांस्टेबल प्रमोद कुमार के परिवार को आश्वासन दिया कि सरकार और पुलिस विभाग हमेशा उनके साथ खड़ा रहेगा और उन्हें हिम्मत रखनी चाहिए। डीजीपी शिवधर रेड्डी, मल्टी जोन आईजी एस. चंद्रशेखर रेड्डी, कलेक्टर टी. विनय कृष्ण रेड्डी और अन्य के साथ, मंगलवार को सीसीएस कांस्टेबल प्रमोद कुमार के परिवार से मिलने उनके घर गए, जिनकी हाल ही में निज़ामाबाद शहर में रियाज़ नामक एक अपराधी को गिरफ्तार करके वापस लाते समय हत्या कर दी गई थी। उन्होंने उन्हें बताया कि वह मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के विशेष आदेश पर आए हैं। उन्होंने कांस्टेबल प्रमोद कुमार की हत्या की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए गहरा दुख व्यक्त किया। डीजीपी ने याद दिलाया कि सरकार ने मृतक कांस्टेबल के परिवार के लिए 5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की है। पीड़ित परिवार को 1 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता, 300 गज का मकान, पेंशन और परिवार के एक सदस्य को नौकरी की घोषणा की गई। उन्होंने कहा कि सभी के साथ मिल-जुलकर रहने वाले ईमानदार पुलिसकर्मी प्रमोद कुमार का जाना दुखद है और आश्वासन दिया कि सरकार और उनका विभाग पीड़ित परिवार को सभी आवश्यक सुविधाएं और सहायता प्रदान करने के लिए काम करेगा।

बाद में, डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी ने निज़ामाबाद ग्रामीण के विधायक डॉ. आर. भूपति रेड्डी और कलेक्टर विनय कृष्ण रेड्डी के साथ कमिश्नरेट कार्यालय में पुलिस शहीदों के 9 परिवारों को मकान के पट्टे वितरित किए। डीजीपी ने बताया कि 1989 से निज़ामाबाद जिले में 18 पुलिसकर्मी शहीद हुए हैं और उनमें से 9 को इंदलवई मंडल के गन्नाराम उपनगर में 300-300 गज के मकान के प्लॉट दिए जा रहे हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि शेष 9 परिवार भी आगे आते हैं, तो उन्हें भी उसी क्षेत्र में आवासीय प्लॉट प्रदान किए जाएंगे। पुलिस विभाग की ओर से, डीजीपी ने कलेक्टर विनय कृष्ण रेड्डी को इस हद तक तत्परता व्यक्त करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार समाज में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। इसी क्रम में, उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि मंगलवार को पुलिस शहीद स्मृति दिवस के अवसर पर, पुलिस शहीदों के परिवारों को 200 गज के मकान के भूखंड वितरित किए गए, जो लंबे समय से लंबित थे। डीजीपी ने याद दिलाया कि 2008 में आंध्र-ओडिशा सीमा क्षेत्र में हुई घटना में 33 पुलिसकर्मी शहीद हुए थे।

हैदराबाद के बाजारों में कश्मीरी सेबों की भरमार

अच्छी फसल के कारण कीमतों में आई गिरावट
रोजाना पहुंच रहे हैं सेब से लदे ट्रक

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कश्मीर में इस साल अच्छी सेब की फसल होने से हैदराबाद के बाजारों में सेबों की भरमार हो गई है। शहर के बटासिंगाराम फल मंडी में हर दिन जम्मू-कश्मीर से ट्रक भरकर सेब आ रहे हैं। अगस्त के अंत में हिमाचल प्रदेश से सेब आने शुरू हुए थे, और अब कश्मीरी किस्मों का मौसम शुरू हो गया है। बटासिंगाराम मंडी के अधिकारियों के मुताबिक, पिछले हफ्ते जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश से कुल 19 टन सेब शहर में आए। ज़्यादातर सेब कश्मीर से आ रहे हैं, जबकि हिमाचल प्रदेश 'शिमला' किस्म के लिए प्रसिद्ध है। कश्मीर में कुल्लू डिलीशियस, किनोर, जॉन्थन, महाराजी, बलगरियाट्रेल, दोधी अम्बरी, चारी अम्बरी, वलयती अम्बरी और माह अम्बरी जैसी दर्जनभर किस्में उगाई जाती हैं। वहीं, हिमाचल में रॉयल डिलीशियस, डार्क बैरन गाला, स्कार्लेट स्पर, रेड वेलॉक्स और गोल्डन डिलीशियस जैसी उच्च गुणवत्ता वाली किस्में लोकप्रिय हैं।

सितंबर में बारिश और भूस्खलन के कारण कश्मीर से सेबों की आपूर्ति प्रभावित रही, लेकिन अक्टूबर की शुरूआत से ट्रक लगातार पहुंच रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, नवंबर से जनवरी के बीच हिमाचल और कश्मीर से करीब 2,500 ट्रक सेब शहर में आते हैं। हर ट्रक में 600 से 1,000 पेटियां होती हैं, और हर पेटी में 50 से 180 सेब भरे होते हैं। खुदरा बाजार में एक अच्छे सेब की औसत कीमत लगभग 15 रुपये है। कश्मीरी सेबों की बढ़ती आवक के चलते शहर में अब कीमतें भी धीरे-धीरे कम हो रही हैं।

बस्ती दवाखाने में एक्सपायरी दवाओं का खुलासा

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के प्रवक्ता मन्ने कृषांक ने मंगलवार को सिकंदराबाद छावनी के रसूलपुरा स्थित बस्ती दवाखाना का दौरा किया और वहां मरीजों को एक्सपायरी दवाइयां दी जाने का खुलासा किया। कृषांक ने बताया कि वायरल फीवर के इलाज के लिए आई एक महिला मरीज को तीन महीने पहले एक्सपायर हुई दवाइयां दी गईं। उन्होंने तुरंत महिला को अस्पताल अधिकारियों के पास ले जाकर इस मामले की जानकारी दी। अधिकारियों ने माफी मांगी और कहा कि उन्हें यह नहीं पता था कि दवाइयां एक्सपायर हो चुकी हैं।

कृषांक ने कहा कि यह घटना सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा में गंभीर खामियों और राज्य स्वास्थ्य विभाग की विफलता को उजागर करती है। उन्होंने यह भी बताया कि बस्ती दवाखाने के कर्मचारियों को पिछले पांच महीनों से वेतन नहीं मिला है।

एफजीजी ने ग्राम पंचायत चुनाव कराने का आग्रह किया

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। फोरम फॉर गुड गवर्नेंस (एफजीजी) ने तेलंगाना राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) से राज्य सरकार की अनुमति का इंतजार किए बिना, दो साल से ज़्यादा समय से लंबित ग्राम पंचायतों के चुनाव तुरंत कराने का आग्रह किया।

राज्य चुनाव आयुक्त को लिखे एक पत्र में, एफजीजी के अध्यक्ष एम. पद्मनाभ रेड्डी ने संविधान के अनुच्छेद 243-के का हवाला दिया, जो पंचायत चुनावों के अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण का पूर्ण अधिकार राज्य चुनाव आयोग को देता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आयोग को पूर्ण स्वायत्तता प्राप्त है और चुनाव होने के बाद उसे सरकार की मंजूरी की आवश्यकता नहीं होती। उन्होंने कहा, ग्राम पंचायत चुनाव कराने में देरी के गंभीर प्रशासनिक और वित्तीय परिणाम हुए हैं। निर्वाचित निकायों के अभाव में, केंद्र सरकार ग्राम पंचायतों को धनराशि जारी नहीं कर रही है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिक सुविधाओं की आपूर्ति प्रभावित हो रही है।

एफजीजी अध्यक्ष ने कहा कि पिछड़े वर्गों (बीसी) के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण के मुद्दे को देरी का कारण बताया गया है, लेकिन सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय, दोनों ने स्पष्ट किया है कि जब तक मामला अदालतों में लंबित है, मौजूदा आरक्षण के आधार पर चुनाव कराने पर 'कोई रोक' नहीं है।

उन्होंने कहा, स्पष्ट न्यायिक निर्देशों के बावजूद, यह बताया गया है कि राज्य चुनाव आयोग ने सरकार को पत्र लिखकर चुनाव कराने की अनुमति मांगी है, जो संवैधानिक आदेश के विपरीत है। इस निष्क्रियता के कारण, राज्य को पंचायतों के लिए निर्धारित केंद्रीय निधि के रूप में हजारों करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है।

एफजीजी ने राज्य निर्वाचन आयोग को सितंबर 2025 तक ग्राम पंचायत चुनाव कराने के उच्च न्यायालय के निर्देश का भी हवाला दिया और चिंता व्यक्त की कि आयोग अपनी स्वतंत्र शक्तियों का प्रयोग करने के बजाय सरकार के प्रभाव में काम कर रहा है। संगठन की स्थिति स्पष्ट करते हुए रेड्डी ने कहा, फोरम फॉर गुड गवर्नेंस 42 प्रतिशत पिछड़े वर्गों के आरक्षण के विरुद्ध नहीं है- हम इसका स्वागत करते हैं। लेकिन चूंकि इस तरह के आरक्षण का प्रावधान करने वाले सरकारी आदेश को अभी तक कानूनी मान्यता नहीं मिली है, इसलिए इस मुद्दे के समाधान तक मौजूदा व्यवस्था के तहत ही चुनाव कराए जाने चाहिए। फोरम ने राज्य चुनाव आयोग से संविधान की भावना को बनाए रखने और लंबे समय से लंबित ग्राम पंचायत चुनाव जल्द से जल्द कराकर स्वतंत्र रूप से कार्य करने की अपील की, जिससे ग्रामीण स्थानीय निकायों में लोकतांत्रिक शासन बहाल हो सके।

तालाब में डूबने से महिला और पोती की मौत

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नरसिंगी के पीरम चेरुवु में मंगलवार को एक दुखद हादसा हुआ, जिसमें एक महिला और उसकी पोती डूब गईं। पुलिस के अनुसार, 55 वर्षीय यूसुफ बी अपनी दो पोतियों सबिया (14) और नाजिया (16) के साथ पीरम चेरुवु गई थीं। कपड़े धोते समय यूसुफ बी फिसलकर पानी में गिर गईं।

उनकी दोनों पोतियों ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन इसी दौरान सबिया भी डूब गई, जबकि नाजिया तैरकर सुरक्षित बाहर निकल आई।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आपदा प्रतिक्रिया बल तथा अग्निशमन विभाग के तैराकों की मदद से यूसुफ बी और सबिया के शव तालाब से बाहर निकाले गए। शवों को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया जनरल अस्पताल भेज दिया गया है और मामला दर्ज कर लिया गया है।

टीपीसीसी प्रमुख ने अपमानजनक टिप्पणी के लिए केटीआर की आलोचना की

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव द्वारा एआईसीसी को "अखिल भारतीय भ्रष्टाचार समिति" बताने वाली निराधार टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, टीपीसीसी अध्यक्ष बोम्मा महेश कुमार गौड़ ने कहा कि नैतिकता का पाठ पढ़ाने से पहले, केटीआर को अपने परिवार के भ्रष्टाचार का चिट्ठा खोलना चाहिए। मंगलवार को यहां एक बयान में, टीपीसीसी प्रमुख ने कहा कि केटीआर का भ्रष्टाचार के बारे में बोलना वैसा ही है जैसे लोमड़ी ईमानदारी के बारे में बात करती है। भ्रष्टाचार और कलवकुंतला परिवार का रिश्ता राजनीतिक नहीं, बल्कि जन्मजात है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के हर बड़े घोटाले में आपके परिवार की छाप है, चाहे वह भारत की सबसे महंगी और भ्रष्ट सिंचाई परियोजना कालेश्वरम हो, या फॉर्मूला ई, शराब और जमीन घोटाले, जिन्होंने जनता का पैसा लूटा। महेश कुमार गौड़ ने कहा, आपकी बहन ने खुद एक इंटरव्यू में स्वीकार किया था कि आपके पिता को शादी के लिए भी संघर्ष करना पड़ा था। फिर आपके परिवार की किस्मत अचानक कैसे आसमान छू गई? तेलंगाना जानता है कि यह भ्रष्टाचार है, क्षमता नहीं। उन्होंने कहा कि बीआरएस कभी भी कमजोर वर्गों के लिए खड़ी नहीं हुई और कहा कि जब मल्लिकार्जुन खड़गे जैसे दलित नेता गरिमा के साथ एआईसीसी का नेतृत्व करते हैं, तो केटीआर की आंखें इसे पचा नहीं पातीं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में, पिछली बीआरएस सरकार ने पिछड़े वर्गों के आरक्षण में बाधाएं पैदा कीं और उन समुदायों के साथ विश्वासघात किया जिन्होंने इस राज्य का निर्माण किया। केटीआर का कद उन्हें राहुल गांधी या मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम लेने की भी इजाजत नहीं देता। वे त्याग, निष्ठा और सेवा का प्रतीक हैं। केटीआर परिवार को कभी पता नहीं चला। उन्हें मूल्य नहीं, बल्कि अहंकार विरासत में मिला था। उन्होंने याद दिलाया कि कांग्रेस पार्टी ने ही पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को राजनीतिक जन्म दिया और तेलंगाना का निर्माण किया। आज, वही कांग्रेस आपके वंश द्वारा फैलाए गए भ्रष्टाचार से राज्य को साफ़ कर रही है। सच तो यह है कि बीआरएस अब भारत राष्ट्र समिति नहीं रही : बल्कि 'भ्रष्टाचार रक्षण समिति' बन गई है, जो घोटालों और पारिवारिक लालच को बढ़ावा देने के लिए बनाया गया एक सिंडिकेट है। तेलंगाना ने आपके मुखौटे को पहचान लिया है, और जनता आपका राजनीतिक अंत्येष्टिलेख लिखेगी।

तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के प्रोटोकॉल सचिव सूरज तिवारी ने टीपीसीसी अध्यक्ष बी. महेश कुमार गौड़ से मुलाकात की और कई मामलों पर बातचीत की।

दिवाली के दिन हैदराबाद में वायु और ध्वनि प्रदूषण में वृद्धि

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में सोमवार को दिवाली मनाई गई, जिसके दौरान वायु गुणवत्ता और ध्वनि स्तर में सामान्य दिनों की तुलना में तेजी से वृद्धि दर्ज की गई। तेलंगाना प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीसीबी) ने 13 से 20 अक्टूबर तक दिवाली के लिए विशेष निगरानी की।

पीसीबी के आंकड़ों के अनुसार, दिवाली के दिन पीएम 2.5 की सांद्रता सामान्य दिनों की तुलना में 86 प्रतिशत बढ़ गई, जबकि पीएम 10 की सांद्रता 68.13 प्रतिशत बढ़ी। गैसों की निगरानी से पता चला कि सल्फर डाइऑक्साइड और नाइट्रोजन ऑक्साइड की मात्रा भी बढ़ी, लेकिन निर्धारित मानकों के भीतर रही।

शहर के विभिन्न क्षेत्रों में ध्वनि स्तर भी बढ़ा। औद्योगिक क्षेत्रों में दिवाली के दिन ध्वनि दिन में 3.1 डीबी और रात में 6.2 डीबी अधिक दर्ज की गई।

शहीदों का बलिदान अमूल्य है : सुधीर बाबू

स्मृति दिवस पर पुलिस आयुक्त ने पुष्पांजलि अर्पित की

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस शहीदों के स्मृति दिवस के अवसर पर, राचकोंडा पुलिस आयुक्त सुधीर बाबू ने सभी पुलिस उपायुक्तों के साथ अंबरपेट कार मुख्यालय स्थित पुलिस शहीद स्तूप पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने शांति और सुरक्षा बनाए रखते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले पुलिसकर्मियों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि शांति और सुरक्षा बनाए रखने में अपने प्राणों की आहुति देने वाले पुलिस शहीदों का बलिदान अमूल्य है और समाज सदैव उनका ऋणी रहेगा। उन्होंने याद दिलाया कि असामाजिक तत्वों से लड़ते हुए शहीद हुए पुलिसकर्मियों को याद करना और अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए उनके परिवारों के बलिदान को याद रखना सभी की न्यूनतम जिम्मेदारी है। हमने राचकोंडा पुलिस कमिश्नरेट में चरमपंथियों के हाथों शहीद हुए 16 पुलिसकर्मियों के परिजनों को श्रद्धांजलि दी और उन्हें विश्वास दिलाया कि हम उनके अच्छे-बुरे कार्यों को समझने के लिए यहां मौजूद हैं। शहीदों की स्मृति में अंबरपेट पुलिस मुख्यालय में एक रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर राचकोंडा पुलिस कमिश्नरेट के सैकड़ों पुलिस अधिकारियों ने रक्तदान शिविर में भाग लिया और रक्तदान किया। इस अवसर पर बोलते हुए, कमिश्नर सुधीर बाबू ने कहा कि शहीदों के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकेगा और उनकी स्मृति में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस क्रम में मल्काजगिरी डीसीपी पद्मजा, एलबी नगर डीसीपी अनुराधा, डीसीपी क्राइम अरविंद बाबू, डीसीपी एडमिन इंदिरा, डीसीपी महिला सुरक्षा उषा रानी, डीसीपी महेश्वरम सुनीता रेड्डी, डीसीपी ट्रैफिक-1 श्रीनिवास, डीसीपी ट्रैफिक-2 श्रीनिवासुलु, साइबर अपराध डीसीपी नागलक्ष्मी, सड़क सुरक्षा डीसीपी मनोहर, डीसीपी मुख्यालय श्याम सुंदर, अतिरिक्त डीसीपी, एसीपी और अन्य ने भाग लिया।

'जरा जंग के नतीजे देखिए'

'आई लव मोहम्मद' विवाद पर आजम खां ने तोड़ी चुप्पी

रामपुर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में हुए बवाल के बाद अब समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता आजम खान ने 'आई लव मोहम्मद' विवाद पर चुप्पी तोड़ी है। पूर्व मंत्री आजम खां ने इसे सोची-समझी साजिश करार दिया है। उन्होंने प्रशासन पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह मामला संवाद से हल हो सकता था लेकिन जानबूझकर इसे तूल दिया गया।

उन्होंने कहा कि अगर मैं इसे चिंगारी भी कहूं तो सवाल यह है कि यह छोटी-सी बात इतनी बड़ी आग कैसे बन गई। अगर जिला प्रशासन चाहता तो यह विवाद बातचीत से सुलझाया जा सकता था। इतिहास गवाह है कि चाहे हालात कितने भी बिगड़े हों समाधान आखिरकार बातचीत की मेज पर ही निकाला जाता है। उन्होंने आगे कहा कि यह देश की गंगा-जमुनी तहजीब को चोट पहुंचाने की साजिश थी। जिला प्रशासन चाहता तो बातचीत से मसला सुलझा सकता था। बात चाहे जितनी भी बिगड़ जाए, बातचीत से ही हल निकलता है। जंग के नतीजे देखिए... ये तो सद्भाव बिगाड़ने की साजिश थी। जाहिर है, अगर कोई किसी से प्यार करता है, तो ये उसका जन्मसिद्ध अधिकार है। गौरतलब है कि हाल ही में रामपुर समेत अन्य जगहों पर

आई लव मोहम्मद लिखे जाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया था।

क्या था 'आई लव मोहम्मद' विवाद

दरअसल, कानपुर में 'आई लव मोहम्मद' बैनर को लेकर विवाद चार सितंबर 2025 को शुरू हुआ था, बारावफात (ईद-मिलादुन्नबी) के जुलूस के दौरान रावतपुर के सैयद नगर में रामनवमी शोभायात्रा गेट के सामने एक टेंट पर यह बैनर लगाया था। यह जगह परंपरागत जुलूस मार्ग से हटकर थी, इसका हिंदू संगठनों ने विरोध जताया। साथ ही बैनर फाड़ने की घटना भी हुई थी, इसके बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया। पुलिस ने स्थिति को संभाला और बैनर हटवाया। साथ ही दोनों पक्षों के बीच समझौता कराया। पांच सितंबर को जुलूस के दौरान मुस्लिम समुदाय के कुछ युवकों पर दूसरे समुदाय के धार्मिक पोस्टर फाड़ने का आरोप लगा, इसके बाद विवाद और बढ़ गया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर 25 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। इसके बाद पूरे प्रदेश और देश के कुछ हिस्सों में माहौल बिगड़ गया था। इससे पहले, सपा नेता आजम खां ने दिवाली के मौके पर कहा कि दीये जलते नहीं है बल्कि रोशन किए जाते हैं। जो लोग दीये जलाते हैं वह कुछ भी जला सकते हैं। रोशन किए गए दीये लोगों को ठंडक पहुंचाते हैं। सपा नेता ने अपने आवास पर मीडिया से बात करते हुए कहा कि जो दीये रोशन किए जाते हैं उनका मकसद उजाला देना होता है।

ठंडक देना होता हैं। नफरत मिटाना है। वही लोग काबिल ए तारीफ हैं। कहा कि वह काफी दिनों से घर से नहीं निकले हैं। इसके बाद भी लोग उनसे मिलने काफी लोग आ रहे हैं। जो लोग उनसे मिलने आ रहे हैं वह समझते हैं कि उनके साथ गलत हुआ है। यह लोग शायद पहली बार इतनी अकीदत से पहली बार मिले हैं। वह लोग पूरी तरह संतुष्ट हैं। मैं समझता हूं इसके पीछे लंबी कुर्बानी है। मैं तो सीधे भुक्तभोगी हूं। वह लोग काफी दुखी हैं जो यह समझते हैं कि उनके साथ बुरा हुआ है।

तेज रफ्तार बोलेरो पेड़ से टकराई, दो की गई जान

कुशीनगर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में थरुआडीह नेशनल हाईवे पर सोमवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया। जानकारी के अनुसार, तेज रफ्तार से जा रही बोलेरो अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

स्थानीय लोगों ने शोर सुनकर तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और किसी तरह सभी घायलों को बाहर निकाला। घटना स्थल पर मौजूद लोगों ने हाटा कोतवाली पुलिस को सूचना दिया, जिसके बाद मौके पर पहुंची स्थानीय लोगों के साथ मिल कर पुलिस घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हाटा भिजवाया।

यूपी पुलिस स्मृति दिवस : कार्यक्रम में शामिल हुए सीएम

पुलिस की सेवा और समर्पण समाज के लिए एक आदर्श उदाहरण

लखनऊ, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में मंगलवार को उत्तर प्रदेश पुलिस स्मृति दिवस मनाया जा रहा है। इस अवसर पर रिजर्व पुलिस लाइन्स में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी हिस्सा लिया।

कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अत्यंत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी राज्य पुलिस बल के सदस्यों ने अपने कर्तव्य को सर्वोपरि मानते हुए अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और सामाजिक सद्भाव स्थापित करने में सराहनीय भूमिका निभाई है। एक बार फिर प्रयागराज महाकुंभ-2025 का जिक्र करते हुए सीएम ने कहा कि महाकुंभ के भव्य आयोजन में उत्तर प्रदेश पुलिस, केंद्रीय सुरक्षा बलों, अन्य सुरक्षा बलों और प्रशासन ने अभूतपूर्व समर्पण और अनुशासन का परिचय देते हुए सुरक्षा एवं व्यवस्था के उत्कृष्ट मानक स्थापित किए हैं। इस दौरान राज्य सरकार ने प्रदेश के जिलों और इकाइयों में तैनात पुलिस कर्मियों की सुविधा के लिए 3.5 करोड़ रुपये और उनके कल्याण के लिए 8 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।

इससे पहले सीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'उत्तर प्रदेश पुलिस की सेवा और समर्पण समाज के लिए एक आदर्श उदाहरण है। पुलिस स्मृति दिवस पर कर्तव्य पथ पर अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले सभी अमर शहीद पुलिसकर्मियों को विनम्र श्रद्धांजलि!'

डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने भी दी श्रद्धांजलि

वहीं उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने एक्स पर पोस्ट करते हुए जनता की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने लिखा कि पुलिसकर्मियों का साहस, कर्तव्य के प्रति समर्पण और बलिदान हम सभी के लिए प्रेरणा है।

दीपावली पर गाजियाबाद में लगी 48 जगहों पर आग

फायर सर्विस की तत्परता से टली बड़ी अनहोनी

गाजियाबाद, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। दीपावली के पर्व पर जहां चारों ओर रोशनी और उत्साह का माहौल था, वहीं पटाखों और लापरवाही के चलते गाजियाबाद में कई जगह आग लगने की घटनाएं भी सामने आईं।फायर सर्विस विभाग की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से हालांकि सभी घटनाओं पर जल्द ही काबू पा लिया गया और किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। फायर सर्विस गाजियाबाद के अनुसार, 20 अक्टूबर की सुबह 6 बजे से लेकर 21 अक्टूबर की सुबह 6 बजे तक कुल 48 फायर कॉल्स प्राप्त हुईं। इन कॉल्स में फ्लैट और मकानों से संबंधित 14 घटनाएं, दुकान और शोरूम में 7, वाहनों में 3, फैक्ट्री व गोदाम में 5, कूड़ा और कबाड़ में 15, मीटर, ट्रांसफार्मर या वॉटर कूलर में 2, तथा अन्य श्रेणी में 2 घटनाएं शामिल रहीं। फायर विभाग की टीमों ने सभी स्थानों पर तुरंत पहुंचकर आग पर नियंत्रण पाया। विभाग के अनुसार, 14 हॉटस्पॉट स्थानों पर फायर टेंडर पहले से ही तैनात किए गए थे, जिसके चलते रिस्पांस टाइम में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला और आग को फैलने से रोका जा सका। मुख्य घटनाओं में साहिबाबाद के मोहन नगर स्थित अजंता कंपाउंड की फैक्ट्री में लगी आग प्रमुख रही। वहीं, कोतवाली क्षेत्र के नंदग्राम में एक पन्नी के गोदाम में आग भड़क गई, जिसे फायर टीमों ने कड़ी मशक्कत के बाद काबू में किया। इसके अलावा संजय नगर में दुकानों के बाहर खड़ी लगभग छह बाइक और स्कूटी में आग लग गई, जो पूरी तरह जलकर नष्ट हो गईं।

फायर सर्विस गाजियाबाद की टीमों ने सभी घटनास्थलों पर पहुंचकर तेजी से कार्रवाई की और आसपास के मकानों व इमारतों को सुरक्षित बचाया। अधिकारियों ने बताया कि कहीं भी जानमाल का नुकसान नहीं हुआ, यह विभाग की सतर्कता और लोगों के सहयोग का परिणाम है।

ऊर्जा राज्यमंत्री के नाम पर पुलिस की मौजूदगी में गुंडागर्दी

मेरठ, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। शहर के तेजगढ़ी क्षेत्र में ऊर्जा राज्यमंत्री के कार्यालय के नीचे स्थित एक होटल में खाना खा रहे चार छात्रों के साथ कथित तौर पर मंत्री के करीबियों द्वारा की गई मारपीट और अपमानजनक व्यवहार का मामला सामने आया है। घटना के दौरान पुलिस की मौजूदगी के बावजूद आरोपियों ने छात्रों से सड़क पर नाक रगड़वाई और गालियां दीं। इस घटना ने कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह घटना मेडिकल थाना क्षेत्र के तेजगढ़ी में ऊर्जा राज्यमंत्री डा. सोमेंद्र तोमर के कार्यालय के नीचे एक होटल में हुई। चार युवक होटल में खाना खा रहे थे, जो कि एक कॉलेज के छात्र बताए गए।

अब महागठबंधन ने बिना लड़े गंवाई एक सीट

> वीआईपी के उम्मीदवार का नामांकन रद्द

मोतिहारी, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव में गठबंधन के दलों के बीच सीटों का बंटवारा इतनी देरी से हुआ कि चुनाव के लिए मतदान से पहले ही बड़े दलों को हार का मुंह देखना पड़ रहा है। बहुत कम समय रहने के कारण जैसे तैसे नामांकन करने वाली लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की प्रत्याशी सीमा सिंह मढ़ौरा में बगैर चुनाव लड़े ही हार गईं।

अब सुगौली विधानसभा से राष्ट्रीय जनता दल के मौजूदा विधायक और विकासशील इंसान पार्टी के प्रत्याशी शशि भूषण सिंह को भी इसी तरह का झटका लगा है। यह पार्टी क्षेत्रीय दल के रूप में चुनाव आयोग में दर्ज है। विकासशील इंसान पार्टी फिलहाल निबंधित पार्टी नहीं है।

इसलिए, ऐसी पार्टी के प्रत्याशी को नामांकन के समय 10 प्रस्तावक के साथ जाना होता है। शशि भूषण सिंह राजद की सोचकर एक प्रस्तावक के साथ चले गए। नामांकन का आवेदन कर दिया। अब जब जांच हुई, तो प्रस्तावकों की संख्या पूरी नहीं होने के आधार पर नामांकन को रद्द कर दिया गया।

राजद के बागी ओम प्रकाश चौधरी का भी नामांकन रद्द

इतना ही नहीं सुगौली सीट पर राजद के एक बागी उम्मीदवार ओमप्रकाश चौधरी ने अपना नामांकन किया था। लेकिन, उनका नामांकन भी रद्द कर दिया गया है। इन पर आरोप है कि इन्होंने नामांकन पत्र में कई पृष्ठ खाली छोड़ दिए थे।निर्वाचन आयोग का कहना है कि किसी भी अमान्य दल के प्रत्याशी की दस प्रस्तावक चाहिए। इस कारण से शशि भूषण सिंह का नामांकन रद्द कर दिया गया है। वहीं ओमप्रकाश चौधरी ने अपने नामांकन पत्र में कई विकल्पों को भरा ही नहीं था। इस कारण उनका भी नामांकन रद्द हो गया।

अब चिराग और प्रशांत की पार्टी के बीच मुकाबला

अब सुगौली विधानसभा में जन सुराज पार्टी अजय झा और एनडीए समर्थित लोजपा रामविलास के प्रत्याशी राजेश कुमार उर्फ बबलू गुप्ता के बीच में मुकाबला हो गया है। वहीं पिछले चुनाव में राजद के प्रत्याशी शशि भूषण सिंह ने 65267 वोट लेकर वीआईपी पार्टी के रामचंद्र सहनी को तीन हजार चार सौ सैंतालीस वोटो से हराया था।

यादव हो, पढ़-लिखकर क्या करोगे?

लेडी टीचर के चक्कर में प्रिंसिपल साहब ने 7वीं के छात्र को धुन दिया

बांदा, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। 'यादव हो पढ़ लिखकर क्या करोगे, घर में मवेशियों को घास खिलाओ, खेती किसानी करो तो फायदा मिलेगा। ज्यादा करोगे तो कार्रवाई कर देंगे।' ये शब्द यूपी के बांदा में सरकारी स्कूल में कार्यरत प्रिंसिपल साहब के हैं। उन पर कक्षा सात के एक छात्र ने बेरहमी से पिटाई का आरोप लगाया है। छात्र ने क्लासरूम में प्रिंसिपल की बजाय एक महिला टीचर को पढ़ाने के लिए बुला लिया था, जिससे प्रिंसिपल नाराज हो गए। छात्र का आरोप है कि प्रिंसिपल ने उसे जातिसूचक गालियां दी। पीड़ित परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराकर एक्शन लेने की मांग की है।

यह घटना देहात कोतवाली क्षेत्र के लुकतारा गांव के जूनियर स्कूल की है। छात्र ने बताया कि महिला टीचर अच्छा पढ़ाती हैं। इसलिए उसने उनको पढ़ाने के लिए कक्षा में बुलाया था। इस बात से प्रिंसिपल नाराज हो गए और उसको जातिसूचक गालियां दीं।

प्रिंसिपल और महिला टीचर का चल रहा विवाद

दूसरी ओर, गांव वालों का कहना है कि जूनियर स्कूल में प्रिंसिपल और महिला टीचर के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है। इस विवाद के कारण स्कूल में शिक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही है। गांव वालों ने प्रशासन से दोनों को स्कूल से हटाने की मांग की है।

पुलिस अभिभावकों से कर रही पूछताछ

वहीं, पुलिस ने बताया कि गांव में जाकर जांच की गई है। स्कूल के बच्चों के अभिभावकों को भी बुलाया गया है। दोनों पक्षों से बात की जा रही है। मामले में जांच करके आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अजित शर्मा ने की तेजस्वी से बात तो आरजेडी के सलाहउद्दीन अहसन हुए 'बोल्ड'

भागलपुर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। भागलपुर में बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के नामांकन के आखिरी दिन महागठबंधन के भीतर जबरदस्त सियासी ड्रामा देखने को मिला। राजद की टिकट पर चुनाव लड़ने की तैयारी में जुटे भागलपुर नगर निगम के डिप्टी मेयर सलाहुद्दीन अहसन को कांग्रेस प्रत्याशी अजित शर्मा ने मैदान से बाहर कर दिया।

सूत्रों के अनुसार, यह फैसला आखिरी वक्त पर लिया गया जब झारखंड के मंत्री और तेजस्वी यादव के करीबी संजय यादव ने हस्तक्षेप करते हुए अजित शर्मा के पक्ष में मोर्चा संभाल लिया। बताया जाता है कि अजित शर्मा ने सीधे तेजस्वी यादव से बात कर मामला अपने पक्ष में मोड़ लिया, जिसके बाद सलाहुद्दीन का नामांकन रोक दिया गया।

सोशल मीडिया पर 'किडनैपिंग' की अफवाहें, बाद में खुली सच्चाई

इस पूरे घटनाक्रम के बीच सोशल मीडिया पर सलाहुद्दीन अहसन के 'किडनैप' होने की खबरें वायरल हो गईं। फेसबुक पर कई पोस्ट्स में दावा किया गया कि उन्हें नामांकन दाखिल करने से रोकने के लिए अगवा किया गया। हालांकि दोपहर बाद संजय यादव और सलाहुद्दीन अहसन की एक तस्वीर सामने आई, जिसमें दोनों हाथ मिलाते नजर आए। इसके बाद स्थिति काफी हद तक स्पष्ट हो गई। डिप्टी मेयर के पीए उमर ताज ने भी बयान जारी कर कहा कि किसी तरह का अपहरण नहीं हुआ था, बल्कि राजद के शीर्ष नेतृत्व ने नामांकन रोकने का निर्देश दिया था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जब भागलपुर नगर निगम के डिप्टी मेयर और राजद प्रत्याशी सलाहुद्दीन अहसन का नामांकन जुलूस वैरायटी चौक पहुंचा, तभी झारखंड के मंत्री संजय यादव का फोन आया। फोन पर उन्हें नामांकन पर्चा न भरने की हिदायत दी गई। इसके बाद डिप्टी मेयर को नगर निगम कार्यालय बुलाया गया, जहां से वे संजय यादव की गाड़ी में बैठकर मायागंज चले गए।

मायागंज में कांग्रेस और राजद नेताओं के बीच लंबी बैठक हुई। इसमें अजित शर्मा, संजय यादव और शिशुपाल भारतीय समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। सूत्रों का कहना है कि बैठक में सलाहुद्दीन को महागठबंधन सरकार बनने पर बड़ा पद देने का आश्वासन दिया गया। सलाहुद्दीन अहसन का नामांकन जुलूस पहले ही शहर में निकल चुका था, जिसमें राजद के झंडे और समर्थकों की भीड़ उमड़ी थी।

एनडीए का मुख्यमंत्री चेहरा नीतीश कुमार ही हैं, बहुमत के साथ बनेगी सरकार : उपेंद्र कुशवाहा

पटना, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में सीएम फेस पर गृह मंत्री अमित शाह के बयान के बाद शुरू हुआ सियासी घमासान जारी है। पिछले कुछ दिनों से उठ रहे सवाल पर एनडीए के एक घटक दल (राष्ट्रीय लोक मोर्चा) के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा ने प्रतिकिया दी है। उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि एनडीए में मुख्यमंत्री का चेहरा नीतीश कुमार ही हैं। एनडीए इस बार भी उनके नेतृत्व में ही चुनाव लड़ रहा है। हमलोग इस चुनाव में बहुमत से सरकार बनाएंगे। इसके बाद नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही शपथ ग्रहण होगा।

वहीं एनडीए में सबकुछ ठीक है क्या? इस सवाल पर उन्होंने कहा कि एनडीए के भीतर नेतृत्व को लेकर कोई मतभेद नहीं है। सबकुछ ठीक है। गृह मंत्री अमित शाह ने हाल में भी कहा कि हमलोग नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ रहे हैं। कुशवाहा ने कहा कि गठबंधन के सभी घटक दल नीतीश कुमार के अनुभव और प्रशासनिक दक्षता पर भरोसा रखते हैं। बता दें कि गृह मंत्री अमित शाह से एक चैनल पर दिए गए इंटरव्यू में जब सवाल किया गया कि अगर बिहार चुनाव में एनडीए जीतता है तो क्या आप नीतीश कुमार बनाएंगे?

तो उन्होंने स्पष्ट कहा कि मैं भला कौन होता हूं किसी को मुख्यमंत्री बनाने वाला। इतनी सारी पार्टियों का गठबंधन है। बिहार चुनाव के बाद जब सभी दल एकजुट होंगे विधायक दल के नेता बैठेंगे तो अपना नेता तय कर लेंगे। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि एनडीए नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही चुनाव लड़ रहा है नीतीश कुमार पर न सिर्फ भाजपा बल्कि बिहार की जनता को भी पूरा भरोसा है। गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट कहा कि मुख्यमंत्री कौन होगा?

नीतीश कुमार को कांग्रेस ही सम्मान दे सकती है: पप्पू यादव

पटना, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर उम्मीदवारों के नामांकन भरने का कार्य पूरा हो चुका है। इस बीच बयानबाजियों का दौर चल रहा है।महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर फंसे पेंच पर जहां सत्ता पक्ष सवाल उठा रहा है, वहीं पूर्णिया के निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर कहा कि उन्हें कांग्रेस ही सम्मान दे सकती है।

अपने बयानों से सुर्खियों में रहने वाले सांसद पप्पू यादव ने मंगलवार को पटना में मीडिया से बातचीत में कहा कि नीतीश कुमार चुनाव के बाद कांग्रेस के साथ आएंगे तो उनका सम्मान और स्वागत दोनों होगा। उन्होंने एनडीए की एकता पर सवाल उठाते हुए कहा कि भाजपा और चिराग पासवान के बीच जुगलबंदी चल रही है। सही अर्थों में नीतीश कुमार तो इनके साथ गए ही नहीं। नीतीश कुमार को तो अलग-थलग कर दिया गया है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि यह गठबंधन नहीं चलने वाला है। नीतीश कुमार चुनाव के बाद इस गठबंधन में नहीं रहने वाले हैं। नीतीश कुमार को केवल कांग्रेस ही सम्मान देगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नीतीश कुमार का हमेशा सम्मान करती है और स्वागत के लिए भी तैयार है।

इधर, महागठबंधन में अब तक मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित नहीं किए जाने को लेकर उन्होंने कहा कि सीएम फेस चुनाव के बाद हम लोग देख लेंगे। जनता हम लोगों से प्यार करती है। जनता का आशीर्वाद मिलने के बाद सब कुछ तय हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि बिहार की जनता पूरी तरह महागठबंधन के साथ खड़ी है। जनता हमें अपने घर के बेटे की तरह मानती है और इस बार का जनादेश एकतरफा होगा। पप्पू यादव ने कहा कि बिहार की जनता बदलाव चाहती है और महागठबंधन की सरकार बनना तय है। बिहार विधानसभा चुनाव का पहला चरण 6 नवंबर को और दूसरा चरण 11 नवंबर को होगा। मतगणना 14 नवंबर को होगी।

पत्नी की नग्न लाश-पति ने कत्ल कर चारपाई के नीचे दफना दिया शव

> 11 दिन तक उसी घर में रहता रहा आरोपी

बहराइच, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। बहराइच में शराबी ने पत्नी की बेरहमी से हत्या कर लाश घर में ही चारपाई के नीचे दफन कर दी। इसके बाद भी आरोपी उसी घर में रहता रहा। 11 दिन बाद मामले का खुलासा तब हुआ, जब मायके के लोगों के शक जताने पर पुलिस ने खोदाई कर शव बरामद किया। इस बीच आरोपी भाग गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या व सबूत मिटाने का केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

गांव अहाता निवासी रामधीरज ने बहन फूला देवी (45) की शादी करीब 25 वर्ष पहले गांव के ही हरिकिशन के साथ हुई थी। शुरू में सब कुछ ठीक था, लेकिन धीरे-धीरे हरिकिशन को शराब की लत लग गई। वह नशे में अक्सर पत्नी से मारपीट करता था। उसके छह बच्चों में से दो बेटियों की शादी हो चुकी है और एक बेटा लखनऊ में मजदूरी करता है। तीन बच्चे अभी छोटे हैं। फूला के परिजनों के मुताबिक, हरिकिशन की शराब की लत बढ़ गई थी। वह पूरे दिन नशे में धुत रहता और घर में झगड़ा करता था। इसकी वजह से दो छोटे बच्चे ननिहाल में रहने लगे। छह अक्तूबर को फूला देवी अचानक घर से गायब हो गई। जब दो दिन तक कोई पता नहीं चला तो भाई रामधीरज ने हरिकिशन से पूछा। उसने टालमटोल करते हुए कहा कि फूला कहीं चली गई है।

पुलिस के मुताबिक परिजनों ने छह अक्तूबर को ही जरवलरोड थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। 10 दिन तक खोजबीन के बाद भी फूला का पता नहीं चला। शुक्रवार को मायके के लोग हरिकिशन के घर पहुंचे व सख्ती से पूछताछ की, लेकिन वह कुछ नहीं बोला।

दो बच्चों की मां का 'देवर' से अफेयर पहले प्रेमी के साथ हुई फरार

अब महिला ने 21 साल के युवक संग दी जान

बिजनौर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिजनौर के किरतपुर में प्रेम प्रसंग के चलते 39 साल की महिला ने अपने दो बच्चों को छोड़कर 21 साल के प्रेमी संग जहरीला पदार्थ का सेवन कर खुदकुशी कर ली। दोनों की एक साथ मौत से गांव में सन्नाटा पसर गया। दोनों की मौत के कारण गांव में दीपावली भी नहीं मनाई गई है।

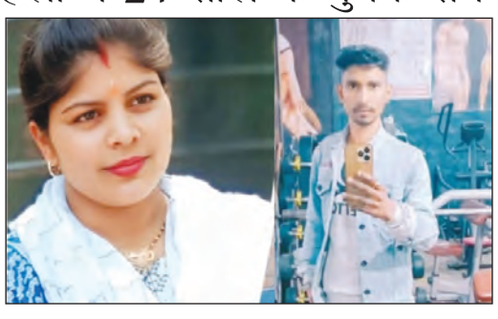

किरतपुर क्षेत्र के एक गांव में महिला का गांव निवासी अपने रिश्ते के देवर (21) से अफेयर चल रहा था। दोनों का प्रेम परवान चढ़ा तो महिला अपने दो बच्चों को छोड़कर एक अक्टूबर 2025 को फरार हो गई। दोनों एकांत में जिंदगी जीना चाहते थे। मगर पति ने पत्नी और प्रेमी के खिलाफ थाना किरतपुर में रिपोर्ट दर्ज कर दी। पुलिस ने दोनों को तलाश किया और दोनों को 14 दिन बाद बरामद कर लिया। सूत्र बताते हैं कि थाने में महिला ने दोनों बच्चों को देखने के बाद भी प्रेमी संग जाने के लिए कह दिया। लेकिन समझाने-बुझाने पर वह अपने पति के साथ घर आ गई। 15 अक्तूबर को आरती अपने पति साथ चली गई। ठीक पांच दिन बाद दीपावली के दिन करीब एक बजे महिला और उसके प्रेमी घर से कुछ ही दूरी के फासले पर एक गन्ने के खेत में चले गए। यहां दोनों ने साथ में मिलकर जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया।

प्रेमी ने अपने बड़े भाई को दी जहर पीने की सूचना जब जहर का असर होने लगा तब प्रेमी ने अपने बड़े भाई को जहर पीने की सूचना दी। साथ ही बताया कि दोनों गन्ने के खेत में पड़े हैं। सूचना पर परिवार में हड़कंप मच गया। परिवार समेत ग्रामीण खेत पर पहुंचे और 108 एम्बुलेंस को बुलाया। एंबुलेंस चालक ने दोनों की नाजुक हालत देखते हुए किरतपुर पुलिस को सूचना दी।

हिमाचल में कनाडा की पैराग्लाइडर पायलट की मौत के बाद एक और हादसा

14000 फीट की ऊंचाई पर हुई इमरजेंसी लैंडिंग

कांगड़ा, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के जिला कांगड़ा में कनाडा की पैराग्लाइडर पायलट की मौत के बाद एक और हादसा हो गया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विख्यात पैराग्लाइडिंग साइट बीड़ बिलिंग से उड़ान भरने के बाद ऑस्ट्रिया के पायलट को पहाड़ों में इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। पायलट ने सोमवार को बिलिंग से पैराग्लाइडिंग की उड़ान भरी थी। पहाड़ों पर इमरजेंसी लैंडिंग के बाद पायलट को रेस्क्यू करने का अभियान चलाया गया।

बिलिंग पैराग्लाइडिंग एसोसिएशन और माउंटेन पैरा रेस्क्यू की टीम ने बरोट से ऊपर करीब 14000 फीट की ऊंचाई से ऑस्ट्रिया के पैराग्लाइडर पायलट को आज सुबह सुरक्षित निकाला है। हवा के दबाव व प्रतिकूल मौसम के कारण पायलट को पहाड़ों के बीच इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी थी। प्रशासन व प्रबंधन ने किसी तरह पायलट से संपर्क साध कर आज सुबह हेलीकॉप्टर के माध्यम से सफल रेस्क्यू कर लिया गया है।

रिटायरमेंट और सैलरी के लिए क्या आयुष डॉक्टर्स को एलोपैथिक के बराबर माना जा सकता है?

सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी बेंच को भेजा मामला

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने क्या आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी जैसी स्वदेशी चिकित्सा पद्धतियों से इलाज करने वाले चिकित्सकों को सेवा शर्तों, सेवानिवृत्ति की आयु और वेतनमान निर्धारित करने के लिए एलोपैथिक चिकित्सकों के समान माना जा सकता है पर विचार करने के लिए मामले को बड़ी बेंच को भेज दिया है। प्रधान न्यायाधीश भूषण रामकृष्ण गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने 13 मई को उन याचिकाओं पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था, जिनमें स्थिति स्पष्ट करने का अनुरोध किया गया था कि क्या सरकारी अस्पतालों और क्लीनिकों में आयुष पद्धति से इलाज करने वाले चिकित्सकों की सेवा शर्तें और सेवानिवृत्ति की आयु एलोपैथी चिकित्सा पद्धति से इलाज करने वालों से अलग हो सकती है। मुख्य न्यायाधीश की पीठ ने 17 अक्टूबर को दिए गए आदेश में कहा कि इस बात पर मतभेद है कि क्या दोनों पद्धतियों के चिकित्सकों को सेवा लाभों के लिए समान माना जा सकता है और इसलिए इस मुद्दे पर एक प्राधिकार वाली व्याख्या की आवश्यकता है। एलोपैथी शब्द होम्योपैथी के संस्थापक सैमुअल हैनीमैन ने गढ़ा था।

उन्होंने इसका प्रयोग उस समय प्रचलित मुख्यधारा की चिकित्सा प्रणाली को बदनाम करने के लिए किया था। कोर्ट ने कहा कि पूर्व के निर्णयों में इस बात पर अलग-अलग रुख अपनाया गया था कि आयुष चिकित्सक एलोपैथिक चिकित्सकों के समान सेवानिवृत्ति लाभ और वेतनमान का दावा कर सकते हैं या नहीं। पीठ ने कहा, 'हम राज्यों की इस दलील को नजरअंदाज नहीं कर सकते कि (एलोपैथिक चिकित्सकों की) सेवानिवृत्ति आयु में वृद्धि केवल यह सुनिश्चित करने के लिए की गई थी कि जनता का इलाज करने के लिए पर्याप्त अनुभवी चिकित्सक उपलब्ध हों।'

शीर्ष अदालत कहा, 'एलोपैथी में चिकित्सकों की जो कमी है, वह स्वदेशी चिकित्सा पद्धतियों में नहीं है, विशेषकर तब, जब स्वदेशी चिकित्सा पद्धतियों के चिकित्सकों द्वारा महत्वपूर्ण जीवन रक्षक उपचारात्मक, हस्तक्षेपात्मक और शल्य चिकित्सा देखभाल नहीं की जाती है।' फैसले में कहा गया, 'हमारा मानना है कि इस मुद्दे पर एक प्राधिकार युक्त फैसला होना चाहिए और इसलिए हम इस मामले को एक बड़ी पीठ को सौंपते हैं। रजिस्ट्री को निर्देश दिया जाता है कि वह इस मामले को प्रशासनिक पक्ष से माननीय प्रधान न्यायाधीश के समक्ष रखे।'

न्यायालय ने बड़ी पीठ के निर्णय के लंबित रहने तक राज्यों और प्राधिकारियों को आयुष चिकित्सकों को उनकी वर्तमान सेवानिवृत्ति आयु के बाद, एलोपैथिक चिकित्सकों के लिए लागू सेवानिवृत्ति आयु तक, अस्थायी आधार पर, लेकिन नियमित वेतन और भत्ते के बिना, सेवा में रखने का विकल्प दिया।

शीर्ष न्यायालय ने कहा कि यदि वृहद पीठ अंततः आयुष चिकित्सकों के पक्ष में फैसला देती है, तो वे विस्तारित अवधि के लिए पूर्ण वेतन और भत्ते के हकदार होंगे। साथ ही कहा कि इसके विपरीत, जो लोग सेवा में बने नहीं रहेंगे, उन्हें बाद में उनके पक्ष में निर्णय होने पर भी बकाया राशि मिलेगी। शीर्ष अदालत ने निर्देश दिया कि अंतरिम अवधि के दौरान सेवा में बने रहने की अनुमति प्राप्त आयुष चिकित्सकों को उनके वेतन और भत्ते का आधा भुगतान किया जाएगा, जिसे वृहद पीठ के फैसले के आधार पर पेंशन या नियमित परिलब्धियों में समायोजित किया जाएगा।

पीठ इस मुद्दे पर 31 याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी और उसने कई वकीलों को सुना, जिनमें राजस्थान सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और कुछ आयुर्वेदिक चिकित्सकों का प्रतिनिधित्व करने वाले अश्विनी उपाध्याय शामिल थे। पिछले साल तीन मई को पीठ ने इस मुद्दे पर सुनवाई को सहमति जताई थी।

दिवाली समारोह के दौरान केरल के मंदिर में बवाल

नशे में धुत युवकों ने पुलिस अधिकारियों पर किया हमला

अलप्पुझा (केरल), 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिवाली समारोह के दौरान कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए यहां एक मंदिर में तैनात दो पुलिस अधिकारियों पर हमला करने के आरोप में 5 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। यह जानकारी पुलिस ने मंगलवार को दी।

आरोपी के खिलाफ लोक सेवकों को उनके कर्तव्य पालन से रोकने के लिए हिंसा का प्रयोग करने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता के तहत एक मामला दर्ज किया गया है। यह घटना रात करीब 10 बजे हुई जब दो पुलिस अधिकारियों ने कथित तौर पर नशे में धुत कुछ युवकों को मंदिर में उत्पात मचाने से रोकने की कोशिश की। कुठियाथोडे पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि युवकों ने पुलिस अधिकारियों की पिटाई कर दी। बाद में और पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया। उन्होंने बताया कि हमले में पुलिसकर्मियों को मामूली चोटें आईं और अब वे ठीक हैं।

दिवाली पूजन कर घर लौटा व्यापारी, पीछे से दुकान जलकर हुई राख

वहीं, राजस्थान के झुंझुनूं जिले में दिवाली की रात एक भयावह हादसा हुआ। जिले के नवलगढ़ के घूम चक्कर क्षेत्र में दीपावली की रात एक डिपार्टमेंटल स्टोर में भीषण आग लग गई, जिसमें करीब 20 लाख रुपये से अधिक का सामान जलकर राख हो गया।

जानकारी के अनुसार, झाझड़ निवासी व्यापारी रामनिवास सैनी दीपावली पूजन के बाद रात अपना अनुष्का डिपार्टमेंटल स्टोर बंद कर घर लौट गए थे। कुछ देर बाद ही दुकान में बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट हुआ। पड़ोसियों ने धुआं उठता देख तुरंत दुकान का ताला तोड़कर अपने स्तर पर आग बुझाने की कोशिश की और बड़ी समझदारी दिखाते हुए आग को पास की दुकानों तक फैलने से रोक दिया।

जम्मू-कश्मीर में दिलचस्प हुआ उपचुनाव, बडगाम में 'आगा '

नगरोटा में महिला बनाम महिला के बीच मुकाबला

जम्मू, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। कश्मीर उपचुनाव दिलचस्प हो गया है। उपचुनाव चतुर्कोणीय राजनीतिक मुकाबला बनता जा रहा है। यह उपचुनाव नेशनल कॉन्फ्रेंस, भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी), पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी और निर्दलीय उम्मीदवारों के लिए एक महत्वपूर्ण परीक्षा बनकर उभरा रहा है। जम्मू और कश्मीर में दो विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव के लिए 33 नामांकन दाखिल किए गए। बडगाम निर्वाचन क्षेत्र से आठ निर्दलीय उम्मीदवारों सहित 20 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किए। अगले महीने जम्मू और कश्मीर में होने वाले उपचुनावों में बडगाम और नगरोटा विधानसभा क्षेत्रों से 13 निर्दलीय और चार महिलाओं सहित 33 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किए।

बडगाम में 'आगा बनाम आगा', नगरोटा में महिला बनाम महिला के बीच मुकाबला देखा जा रहा है। नगरोटा में नेशनल कॉन्फ्रेंस द्वारा डीडीसी विजेता शमीमा फिरदौस को देवयानी राणा (भाजपा) के खिलाफ समर्थन देने के बाद अब महिलाएं ही महिलाओं से लड़ रही हैं। नगरोटा उपचुनाव वास्तव में महिलाओं के नेतृत्व वाला एक प्रमुख मुकाबला बनता जा रहा है, जो चुनावी विमर्श में लैंगिक मुद्दे को और मज़बूत कर रहा है। दोनों ही उम्मीदवार अपनी अलग-अलग अपील लेकर आ रहे हैं।

बडगाम सीट मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा अपने परिवार के गढ़ गांदरबल सीट पर जीत हासिल करने के बाद खाली हुई थी, जबकि पिछले साल 31 अक्टूबर को भाजपा विधायक देवेंद्र सिंह राणा के निधन के कारण नगरोटा में उपचुनाव कराना पड़ा था। बडगाम निर्वाचन क्षेत्र से नेशनल कॉन्फ्रेंस ने पूर्व मंत्री आगा सैयद महमूद अल-मौसवी, भाजपा ने आगा सैयद मोहसिन मोसवी और पीडीपी ने आगा सैयद मुंतज़िर मेहदी को मैदान में उतारा है। आम आदमी पार्टी की दीबा खान और निर्दलीय उम्मीदवार भी अपनी किस्मत आज़मा रहे हैं।

नगरोटा निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा ने देवेंद्र सिंह राणा की बेटी देवयानी राणा को मैदान में उतारा है, जिन्हें नेशनल कॉन्फ्रेंस की उम्मीदवार और जिला विकास परिषद की सदस्य शमीम बेगम और भाजपा के बागी और जम्मू-कश्मीर पंचायत कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष अनिल शर्मा, जो निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं, से कड़ी चुनौती मिल रही है। जम्मू-कश्मीर नेशनल पैंथर्स पार्टी के पूर्व मंत्री हर्ष देव सिंह इस निर्वाचन क्षेत्र के अन्य प्रमुख चेहरों में से हैं। आप नेता जोगिंदर सिंह के साथ-साथ चार अन्य निर्दलीय उम्मीदवार भी मैदान में हैं।

11 नवंबर, 2025 को होने वाले इस उपचुनाव के नतीजे 14 नवंबर को आएंगे। यह उपचुनाव जम्मू में भाजपा की पकड़ और 2014 में जीती गई सीट पर दोबारा कब्जा करने कीनेशनल कॉन्फ्रेंस की क्षमता का परीक्षण करेगा। इस उपचुनाव में जोरदार प्रचार की उम्मीद है जिसमें नेशनल कॉन्फ्रेंस शासन और विकास पर जोर दे सकती है, जबकि भाजपा देवेंद्र सिंह राणा की विरासत से जुड़ी भावनात्मक अपील पर निर्भर है।

नकली डाक टिकट बनाकर बेचते, खाते में मिले 8 करोड़ मुंबई पुलिस ने तीन ठगों को किया अरेस्ट

मुंबई, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की मुंबई पुलिस ने एक बड़े फर्जीवाड़े का पर्दाफाश करते हुए नकली डाक टिकट बनाने और बेचने वाले रैकेट का खुलासा किया है। पुलिस ने जनरल पोस्ट ऑफिस (जीपीओ) की शिकायत के बाद तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि यह गिरोह दिल्ली और बिहार से अपने नेटवर्क को संचालित कर रहा था और देशभर में नकली डाक टिकटों की आपूर्ति करता था।

पुलिस के मुताबिक, यह गिरोह असली डाक टिकटों की हूबहू नकली प्रतियां तैयार करता था और उन्हें आधे दामों पर बाजार में बेच देता था। कई सरकारी विभागों और निजी संस्थानों को भी ये जाली टिकट बेचे गए थे। आरोपियों ने इस अवैध कारोबार से भारी मुनाफा कमाया और उनके बैंक खातों में अब तक करीब आठ करोड़ रुपये के संदिग्ध लेन-देन का खुलासा हुआ है।

एमआरए मार्ग पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएलएस) की धारा 178 (धोखाधड़ी से संबंधित अपराध), 179 (फर्जी दस्तावेज बनाना), 180 (जालसाजी), 181 (फर्जी माल की बिक्री), 186 (सरकारी विभाग को नुकसान पहुंचाना) और 318 (आपराधिक षड्यंत्र) के तहत मामला दर्ज किया है।

कर्नाटक में कुछ तो गड़बड़ है!

सीएम के सलाहकार ने बालू माफिया को खुली छूट मिलने का लगाया आरोप, लिखी चिट्ठी

बेंगलुरु, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऐसा लगता है कि कर्नाटक में सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार की नैया अब हिचकोले खा रही है। राज्य में बालू माफिया को लूट को खुली छूट मिलने का आरोप लगाए जा रहे हैं। ये आरोप कोई और नहीं बल्कि सीएम सिद्धरामैया के सलाहकार बसवराज रायारेड्डी लगा रहे हैं। इन्होंने इस संबंध में एक चिट्ठी भी मुख्यमंत्री को लिखी है।

माफिया की मदद कर रहे

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को लिखी चिट्ठी में बसवराज रायारेड्डी ने कहा कि विभागीय अधिकारी भी बालू माफिया की मदद कर रहे हैं और इसके खिलाफ गम्भीर कार्रवाई होनी चहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि भ्रष्ट अधिकारी बालू तस्करों का साथ दे रहे हैं। उन्होंने उन पर रॉयल्टी रेवेन्यू के 400 करोड़ से ज़्यादा लूटने का आरोप लगाया, जो सरकार को मिलना चाहिए था।

प्राकृतिक संसाधनों की लूट

बसवराज रायारेड्डी ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को एक पत्र लिखा है, जिसमें बालू माफिया और उनकी मदद करने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की गई है। उन्होंने कहा, भ्रष्ट अधिकारी और बालू माफिया मिलकर राज्य के प्राकृतिक संसाधनों को लूट रहे हैं। अगर हम इनकम टैक्स और जीएसटी कलेक्शन को सुनिश्चित कर सकते हैं तो, रेत पर रॉयल्टी कलेक्शन लेने में दिक्कत क्यों हो रही है।

पारदर्शी सिस्टम का प्रस्ताव

उन्होंने एक आसान और पारदर्शी सिस्टम का प्रस्ताव दिया है। इस सिस्टम में घर के मालिक कंस्ट्रक्शन रेत के लिए सीधे सरकार को रॉयल्टी देंगे, जिससे बिचौलिए खत्म होंगे और माफिया का असर खत्म होगा।

तुंगभद्रा नदी से बड़े पैमाने पर दोहन

उनकी शिकायत के मुताबिक, तुंगभद्रा नदी से करीब 85 किमी दूर के इलाकों से हर दिन 100-150 ट्रक रेत और जल्ली पत्थर गैर-कानूनी तरीके से ले जाए जा रहे हैं। इस गैर-कानूनी काम में 200 से ज़्यादा लोग शामिल हैं। हैरानी की बात है कि डिपार्टमेंट ऑफ़ माइंस एंड जियोलॉजी के अधिकारी, जिनसे इस गैर-कानूनी धंधे पर रोक लगाने की उम्मीद है, कथित तौर पर इस रैकेट की रीढ़ हैं।

टास्क फोर्स बनाने का सुझाव

कुछ अधिकारी 12-13 साल से एक ही इलाके में पोस्टेड हैं, जिससे डिपार्टमेंट की रेप्युटेशन खराब हो रही है। रायारेड्डी ने 10 से ज़्यादा अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और उनके तुरंत ट्रांसफर की मांग की है। उन्होंने हालात पर नज़र रखने के लिए डिप्टी कमिश्नर की अध्यक्षता में एक टास्क फोर्स बनाने का भी सुझाव दिया है। उन्होंने खास तौर पर सीनियर जियोलॉजिस्ट पुष्पलता का नाम उन लोगों में लिया जो कथित तौर पर गैर-कानूनी कामों में मदद कर रहे हैं। बसवराज रायारेड्डी पुष्पलता और अन्य अधिकारियों के खिलाफ डिसिप्लिनरी कार्रवाई की मांग की है।

4 साल में 124 बाघों और 537 तेंदुओं की मौत कैसे हुई? आरटीआई रिपोर्ट में हुआ खुलासा

मुंबई, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में बाघ और तेंदुओं को लेकर चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। 2022 से सितंबर 2025 के बीच राज्य में 142 बाघ कम हो गए हैं और 537 तेंदुओं की भी मौत हो चुकी है। वहीं, ज्यादातर बाघों और तेंदुओं की मौत की वजह अवैध शिकार, दुर्घटना और बिजली के झटके लगने के कारण हुई है। नागपुर के वन संरक्षक अधिकारी ने एक आरटीआई के जवाब में यह आंकड़ें पेश किए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, महाराष्ट्र में इस साल सितंबर तक 35 बाघ और 115 तेंदुओं की जान गई है। इससे पहले 2024 में 26, 2023 में 52 और 2022 में 29 बाघों की मृत्यु हुई थी।

इनमें 21 बाघों की मौत की वजह प्राकृतिक कारण हैं। वहीं, दुर्घटना से 5, बिजली के झटके लगने और अवैध शिकार से 5 बाघ मारे गए। हालांकि, 4 बाघों की मरने की वजह साफ नहीं है। कई शिकारी बाघों और तेंदुओं को खाल या पंजों के लिए निशाना बनाते हैं। ब्लैक मार्केट में इनकी कीमत लाखों में होती है। वहीं, पशुओं पर हमलों को रोकने के लिए भी उन्हें मार दिया जाता है।

तेंदुओं की बात करें तो 2025 में 115 तेंदुओं की जान गईं, जिनमें 44 तेंदुए प्राकृतिक कारणों से मरे। 42 दुर्घटना, 2 शिकार, 3 बिजली की झटको और 21 तेंदुओं की मौत अन्य कारणों से हुई। बता दें कि स्टेटस ऑफ टाइगर्स इन इंडिया रिपोर्ट 2022 के अनुसार, महाराष्ट्र में बाघों की संख्या 444 दर्ज की गई थी।

दिल्ली-एनसीआर में हवा जहरीली हुई, एक्यूआई 400 पार

हरियाणा के 15 जिलों में 500 तक पहुंचा; एससी की रोक के बावजूद रातभर आतिशबाजी

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ दीवाली की रातभर आतिशबाजी हुई। इसका असर ये हुआ कि मंगलवार की सुबह दिल्ली-एनसीआर में धुंध नजर आई और एयर क्वालिटी जहरीली हो गई। दिल्ली के कई इलाकों जैसे अक्षरधाम, आईटीओ, एम्स का एक्यूआई 300 के ऊपर (सुबह 8 बजे) दर्ज किया गया।

38 में से 36 मॉनिटरिंग स्टेशनों पर पॉल्यूशन का लेवल रेड जोन में रिकॉर्ड हुआ। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक, सोमवार रात 10 बजे तक ही एक्यूआई 344 पार पहुंच था। द्वारका में एक्यूआई 417, अशोक विहार में 404, वजीरपुर में 423 और आनंद विहार में 404 रहा था। वहीं, हरियाणा में सोमवार रात 12 तक 15 जिलों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) खतरनाक स्तर यानी 500 तक पहुंच गया था। मंगलवार सुबह रोहतक में एक्यूआई 320, नारनौल में 311, बहादुरगढ़ में 306 रिकॉर्ड किया गया है। इधर, राजस्थान में आज सुबह 8 बजे तक ओवरऑल एक्यूआई 243 रहा। भिवाड़ी में राज्य में सबसे ज्यादा एक्यूआई 318 रिकॉर्ड किया गया। 200 से ऊपर एक्यूआई 'खराब' कैटेगरी में आता है।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में दीवाली पर रात 8 बजे से 10 बजे तक ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति दी थी, लेकिन लोगों ने देर रात तक पटाखे फोड़े।

ग्रैप-I तब सक्रिय होता है जब एक्यूआई 200 से 300 के बीच होता है। इसके तहत, एनसीआर में सभी संबंधित एजेंसियों को 27 निवारक उपायों को सख्ती से लागू किया जाना है। इनमें एंटी-स्मॉग गन का उपयोग, पानी का छिड़काव, सड़क निर्माण, मरम्मत परियोजनाओं और रखरखाव गतिविधियों में धूल नियंत्रण करना शामिल हैं। गाजियाबाद के पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ। शरद जोशी ने बचाव के लिए सभी को बाहरी गतिविधियों के दौरान एन95 या डबल सर्जिकल मास्क पहनने की सलाह दी है।

प्रदूषण की वजह पराली जलाना इसे रोकने के लिए कानून भी बना

उत्तर और मध्य भारत में दिवाली के बाद पराली जलाने का सिलसिला शुरू हो जाता है। इस वजह से प्रदूषण बढ़ने की रफ्तार भी तेज होने लगती है। दिल्ली के सबसे नजदीक हरियाणा और पंजाब में सबसे ज्यादा पराली जलाई जाती है। 2015 में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने पराली जलाने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया था।

इससे किसानों को पराली का सफाया करने में परेशानी होने लगी। केंद्र सरकार ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) अधिनियम 2021 के तहत पराली जलाने पर नियम लागू किए। इसके मुताबिक 2 एकड़ से कम जमीन पर पराली जलाने पर 5,000 रुपए जुर्माने का प्रावधान है। 2 से 5 एकड़ जमीन पर 10,000 रुपए और 5 एकड़ से ज्यादा जमीन पर पराली जलाने पर 30,000 रुपए का जुर्माना लगता है।

शनिवार वाडा में नमाज पर बवाल, प्रदर्शन के बाद पुलिस ने की एफआईआर दर्ज

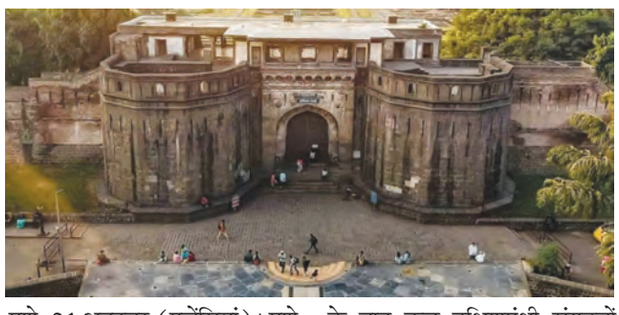

पुणे, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। पुणे के ऐतिहासिक शनिवार वाड़ा में कुछ लड़कियों के नमाज पढ़ने से बवाल हो गया है। एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें तीन अज्ञात महिलाओं को नमाज अदा करते देखा गया है। इस वीडियो के आने के बाद कुछ दक्षिणपंथी संगठनों और कार्यकर्ताओं की भावनाएं आहत हो गई हैं। जिसके बाद भाजपा सांसद मेधा कुलकर्णी और कुछ दक्षिणपंथी संगठनों के सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन करने वाले यहीं नहीं रुके, इन्होंने उस स्थान पर एक 'शुद्धिकरण' की रस्म भी की, जहां नमाज अदा की गई थी। मामले को तूल पकड़ता देख पुलिस ने इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी है। वहीं प्रदर्शनों के बाद पुणे सिटी पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज किया है। बता दें कि शनिवार वाड़ा एक संरक्षित स्मारक है। प्रदर्शन करने वालों का दावा है कि यहां किसी भी तरह की धार्मिक गतिविधि पर पाबंदी है, हालांकि शुद्धिकरण की रस्म की गई है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) में काम करने वाले एक व्यक्ति ने भी नमाज के खिलाफ पुलिस में शिकायत की है। जिसमें पुरातत्व स्थल के नियमों का उल्लंघन करने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने कहा कि संरक्षित स्मारकों पर नियम तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का प्रावधान है।

मंत्री नितेश राणे ने पूछा सवाल

इस पूरे मामले ने राजनीति भी गर्म कर दी है। महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने कहा कि शनिवार वाड़ा हिंदू शौर्य का प्रतीक है और समुदाय के दिल के करीब हैय। उन्होंने सवाल पूछा, "अगर हिंदू, हाजी अली दरगाह पर हनुमान चालीसा पढ़ेंगे तो क्या मुसलमानों को एतराज नहीं होगा?" राणे ने कहा कि नमाज सिर्फ निर्धारित स्थानों पर ही अदा की जानी चाहिए। उन्होंने दक्षिणपंथी कार्यकर्ताओं द्वारा आवाज उठाने का समर्थन किया और इसे सही बताया।

कुलकर्णी कर रही हिंदू और मुसलमानों के बीच तनाव पैदा

कुलकर्णी की ओर से प्रदर्शन और इस मुद्दे को राजनीतिक हवा देने के बाद एनसीपी नेता रूपाली थोम्ब्रे ने मीडिया से बात करते हुए कहा, "हमें मेधा कुलकर्णी जैसी अशिक्षित महिला से हिंदुत्व का पाठ नहीं पढ़ाना चाहिए। उनके कार्यों के कारण पुणे में हिंदू और मुसलमानों के बीच तनाव पैदा हो रहा है और समाज की शांति भंग हो रही है। इसलिए उनके खिलाफ तुरंत मामला दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।"

कश्मीर घूमने आए दिल्ली के एक पर्यटक की गुलमर्ग में संदिग्ध मौत, पुलिस जांच में जुटी

श्रीनगर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली के एक 68 वर्षीय पर्यटक की मंगलवार को गुलमर्ग में रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान हामिद अली पुत्र रिफाकत अली के रूप में हुई है, जानकारी के अनुसार हामिद अली गुलमर्ग के अपने होटल के कमरे में बेहोश पाए गए, जिसके बाद कर्मचारियों ने स्थानीय पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने उसे पहले स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर चिकित्सा के लिए श्रीनगर के एसएमएचएस अस्पताल रेफर कर दिया।

अलबत्ता अस्पताल में मौजूद डक्टरों ने उसे मृत लाया घोषित कर दिया। पुलिस ने मामले का संज्ञान ले जांच शुरू कर दी है।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 22 अक्टूबर- 2025

दीयों से डरती सियासत : अखिलेश के बयान में छिपा अंधकार

सुरेश गांधी

दीपावली का पर्व जब नजदीक आता है, तो पूरा भारत एक अनोखे उजाले से नहा उठता है। गली-मोहल्लों में दीयों की कतारें सजी होती हैं, घर-आँगन में मां लक्ष्मी का स्वागत होता है, और हर हृदय में यह विश्वास जगता है कि अंधकार कितना भी गाढ़ा हो, एक छोटी सी लौ भी उसे पराजित कर सकती है। पर इस बार दीपों का यह उत्सव सिर्फ रोशनी और श्रद्धा का नहीं, राजनीतिक बयानबाजी का भी शिकार बन गया। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने अपने एक बयान में कहा— "दीए-मोमबत्तियों पर पैसा खर्च करने का क्या मतलब? हमें क्रिसमस जैसी लाइटिंग से सीखना चाहिए।" अब इसे भाषण का जो भी संदर्भ रहा हो, पर बात सीधी है— दीयों की लौ राजनीति की नजर में "व्यर्थ खर्च" बन गई है। और यही बात जनता के मन में चुभ गई।

सपा राजनीति का इतिहास देखें तो उसका आधार हमेशा 'तुष्टिकरण' और 'जातिवाद' पर टिका रहा है। मुलायम सिंह यादव से लेकर अखिलेश यादव तक— पार्टी का हर दौर मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति से संचालित रहा है। सपा के शासनकाल में कभी "सबका साथ, सबका विकास" जैसी भावना दिखाई नहीं दी। नीतियों की जगह नारों ने, और आदर्शों की जगह वोटबैंक की लालसा ने हमेशा वर्चस्व बनाए रखा। अखिलेश यादव के बयानों में यह प्रवृत्ति बार-बार झलकती है। कभी वे बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री को तंज कसते हैं — "सबसे ज्यादा अंदर टेबल और दक्षिणा लेने वाले वही हैं।" कभी कहते हैं — "भाजपा को दुर्गंध पसंद है, इसलिए गौशालाएं बनवा रही है।" अब सवाल यह उठता है — गाय, गौशाला, मंदिर, या दीया... क्या ये सब अखिलेश जी को 'धर्म' का प्रतीक दिखते हैं या इन्हें 'वोटों की दीवार' समझ लिया गया है? ऐसे में बड़ा सवाल तो यही है कि सियासत को दीयों से डर क्यों? जबकि दीपावली पर दीया जलाना कभी खर्च नहीं होता, यह आत्मा का निवेश है। जो नेता इसे व्यर्थ समझते हैं, वे शायद समझ नहीं पा रहे कि भारत की पहचान बल्बों से नहीं, दीयों से बनी है। राजनीति को समझना होगा— यह देश मिट्टी से बना है, मिट्टी के दीए से, और उस दीए की लौ से जो सत्ता के अंधकार को भी चुनौती देती है। दीयों को बुझाकर कोई भी प्रकाश का विकल्प नहीं खोज सकता। दीपावली की लौ से डरना दरअसल जनता की चेतना से डरना है। और जो नेता जनता के उजाले से डरने लगे— उसका अंधकार तय है। "तमसो मा ज्योतिर्गमय" यही दीपावली का शाश्वत संदेश है। पर अफसोस, आज सियासत को इस उजाले से ही डर लगने लगा है। जबकि सच तो यह है दीपावली की सबसे बड़ी सीख यही है कि उजाला कभी व्यर्थ नहीं होता। उसका मोल रुपये में नहीं, भावना में होता है। जो लोग इसे खर्च समझते हैं, वे दरअसल खुद अंधकार में जी रहे हैं। सियासत को चाहिए कि वह त्योहारों की आस्था से टकराने के बजाय उनसे सीख ले— कैसे समाज को जोड़ा जाता है, कैसे आशा को जगाया जाता है। क्योंकि अंततः दीया जलाना केवल पूजा नहीं, एक घोषणा है कि "हम अंधकार से नहीं डरते।" अखिलेश यादव के बयान बार-बार यह संकेत देते हैं कि उनकी प्राथमिकता देश या समाज नहीं, बल्कि कुछ 'कट्टर वोटों' की तुष्टि है। उनकी हर टिप्पणी में धर्मनिरपेक्षता का मुखौटा और तुष्टिकरण का चेहरा झलकता है। कभी वे मंदिर जाने पर व्यंग्य करते हैं, कभी संतों पर प्रश्न उठाते हैं। प्रश्न यह नहीं कि वे किस धर्म में विश्वास रखते हैं, प्रश्न यह है कि वे बार-बार भारतीय आस्था का अपमान क्यों करते हैं? क्या दीया जलाना अपराध है? क्या दीपावली की परंपरा को निभाना पिछड़ापन है? या फिर भारतीयता से प्रेम करना अब 'राजनीतिक असुविधा' बन गया है?

तुष्टिकरण की राजनीति का असली चेहरा

सपा का जन्म ही तुष्टिकरण के गर्भ से हुआ। उस दौर में जब राष्ट्रहित की राजनीति होनी चाहिए थी, तब इस दल ने मुस्लिम वोटबैंक के लिए जातीय विभाजन को हवा दी। धर्मनिरपेक्षता के नाम पर हिंदू प्रतीकों से दूरी बनाना, राम मंदिर के विरोध में खड़ा होना, या अब दीपावली की परंपरा को उपहास में बदल देना — यह उसी मानसिकता का विस्तार है। दलितों और पिछड़ों की बात करने वाली यह पार्टी सत्ता में आते ही उन्हीं वर्गों को हाशिए पर धकेल देती है। उनके शासनकाल में दलितों के साथ अत्याचार की घटनाएं बढ़ीं, अपराधों में उछाल आया, और प्रशासनिक जवाबदेही का नामोनिशान मिट गया। ऐसा लगा मानो शासन व्यवस्था किसी एक वर्ग विशेष की सुविधा और दूसरे वर्ग के दमन के लिए बनाई गई हो। यह कोई प्रशासनिक चूक नहीं थी, बल्कि मानसिकता की अभिव्यक्ति थी — एक ऐसी सोच जो समाज को जोड़ने नहीं, बाँटने में यकीन रखती है। जाति, धर्म और वर्ग के नाम पर समाज को खंडित करना ही सपा की राजनीतिक रणनीति रही है।

मिट्टी के दीये में बसती है भारत की आत्मा

दीपावली केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि भारतीय अस्मिता का उत्सव है। मिट्टी का दीया उस किसान की धरती से बनता है, जो अन्न देता है; उस कुम्हार के हाथों से आकार लेता है, जिसके चाक पर संस्कृति घूमती है। उस छोटे से दीए की लौ में सदियों की परंपरा, लोकविश्वास और सांस्कृतिक चेतना झिलमिलाती है। यह वही मिट्टी है, जिसने 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' कहा, जिसने अंधकार से उजाले की ओर बढ़ने की शिक्षा दी। उस दीए को 'फिजूलखर्ची' कहना केवल एक परंपरा पर टिप्पणी नहीं, बल्कि उस पूरी भावनात्मक अर्थव्यवस्था पर चोट है जिससे हजारों परिवार जुड़कर दीपावली को जीते हैं। अखिलेश यादव का यह कहना कि "दीए जलाना सीखो मत, क्रिसमस जैसी लाइटिंग करो" दरअसल उस भारतीय भाव को न समझ पाने का परिणाम है, जहाँ त्योहार विलासिता नहीं, जीवन का उत्सव होते हैं। भारत की रोशनी कृत्रिम नहीं होती—वह मिट्टी, तेल, और श्रद्धा के संगम से जन्म लेती है।

बल्ब दीवारें रोशन करता है, दिया मन को

दीपावली की असली खूबसूरती बिजली के तारों में नहीं, बल्कि उन मिट्टी के दीयों में है जो किसी झोंपड़ी, किसी मंदिर, किसी छोटे-से घर में बराबरी का उजाला देते हैं। दीया गरीब-अमीर का भेद नहीं करता। बिजली की सजावट शहरों तक सीमित रह जाती है, पर मिट्टी का दीया गाँव-गाँव, आँगन-आँगन में एक समान चमक बिखेरता है। इसलिए दीया केवल एक वस्तु नहीं, समानता और समरसता का प्रतीक है। जो इसे 'फिजूल खर्च' कहता है, वह भारत की इस सामाजिक गहराई को नहीं समझता। बिजली के बल्ब दीवारें रोशन करते हैं, पर दीया आत्मा को।

राजनीति और परंपरा का टकराव

त्योहारों को लेकर राजनीतिक बयानबाजी नई नहीं है, पर जब आस्था और संस्कृति को वोट की गणित से तोला जाने लगे, तो वह केवल असंवेदनशीलता नहीं, राष्ट्रीय चेतना के साथ खिलवाड़ है। अखिलेश यादव का यह बयान एक रिफ्लेक्स हो सकता है— आधुनिकता की बात कहने की कोशिश पर यह भूल खतरनाक है कि भारत की आधुनिकता अपनी परंपरा से निकलती है, उसके विरोध से नहीं।

रक्षा मंत्रालय का 'स्वदेशी' पर जोर

भारतीय वायुसेना की 114 मल्टी रोल फाइटर एयरक्राफ्ट खरीदने की योजना में एक पेच उस समय आ गया, जब रक्षा मंत्रालय ने वायुसेना की ओर से इस संबंध में मिले प्रस्ताव को अधूरा कहकर लौटा दिया। सरकार की मंशा है कि इसका निर्माण भारत में ही हो। वह भी स्वदेशीकरण के तहत। इस योजना में भारतीय एयर स्पेस उद्योगों के साथ तालमेल को लेकर ज्यादा जानकारी मिलेगी, तभी इसकी खरीद की प्रक्रिया पर आगे कदम बढ़ाया जा सकता है। इसकी वजह साफ है। आपरेशन सिंदूर के बाद भारत सरकार की ओर से आत्मनिर्भरता पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है। दुनिया में चल रही नए सिरे की रणनीति के तहत ही इसके सौदे को लेकर ज्यादा संवेदनशीलता बरती जा रही है। अब इस तरह की डिफेंस डील में आत्मनिर्भर भारत अभियान को भी ध्यान में रखा जाए। इसमें किसी तरह की कोताही नहीं बरती जाएगी। मामला अब सिर्फ खरीदारी पर ही फोकस करना नहीं रह गया है। राफेल के 36 लड़ाकू विमानों के मौजूदा बेड़े की वजह से फ्रांस की डसॉल्ट एविएशन मल्टी रोल फाइटर एयरक्राफ्ट सौदे के लिए प्रमुख दावेदार बनी हुई है। लेकिन, भारतीय वायुसेना से जो प्रस्ताव मिला है, उसमें इसके मैन्युफैक्चरिंग को लेकर विस्तृत योजना नहीं है, जैसे कि भारत में इसके निर्माण को लेकर क्या योजना है या फिर इसमें स्वदेशी प्राइवेट सेक्टर की कंपनियों की कितनी और कब से भागीदारी रहने वाली है। रक्षा मंत्रालय चाहता है कि जिन 114 राफेल मल्टी रोल फाइटर एयरक्राफ्ट खरीदने की बात की जा रही है, उनमें से बड़ी संख्या का निर्माण भारत में ही होना चाहिए। बने-बनाए कुछ विमान ही फ्रांस से आयात किए जाने की जरूरत है। रक्षा मंत्रालय की इच्छा को देखते हुए संभावना है कि डसॉल्ट एविएशन नए प्रस्ताव लेकर आएगा, जिसमें भारत में इसकी असेंबली से लेकर भागीदारों की सप्लाई चेन और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर पर विस्तृत जानकारी होगी। सरकार चाहती है कि यह लड़ाकू विमान 75% तक स्वदेशी हो, जो कि पहले किसी भी समझौते से कहीं ज्यादा है। भविष्य में राफेल के ज्यादातर हिस्से भारत में ही बनाए जाने की सोच के पीछे रोजगार पैदा करने से लेकर, इस क्षेत्र में एक नए मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम तैयार करते हुए निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के रक्षा उद्योगों की क्षमता और गुणवत्ता को बेहतर करना माना जा रहा है। अभी डसॉल्ट ने हैदराबाद में मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहाल हब बनाने का प्रस्ताव दिया है। मंत्रालय इस सबसे तो सहमत है, लेकिन टेक्नोलॉजी ट्रांसफर और दुरुस्त सप्लाई चेन का भरोसा मिलने के साथ ही लागत को लेकर भी पुख्ता प्रस्ताव चाहता है। मल्टी रोल फाइटर एयरक्राफ्ट सेगमेंट में राफेल के अलावा यूरोफाइटर टाइफून भी दावेदार है। विदेशी कंपनियों को भी सोचना होगा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद बहुत पानी बह चुका है। अब लडाकू विमानों के भविष्य में भारत में निर्माण पर भी जोर दिया जा रहा है, साथ ही इसकी कॉम्बैट क्षमता से भी किसी तरह का समझौता मंजूर नहीं होगा। इसलिए जो भी कंपनियां भारत के साथ काम करना चाहती हैं वे खुले मन से आवेदन करें तभी बात बनेगी।

कॉमेडी के बादशाह असरानी जीवनपर्यंत हरफनमौला रहे !

डॉ श्रीगोपाल नारसन

फिल्म अभिनेता गोवर्धन असरानी अब हमारे बीच नही है। 84 वर्ष की आयु में दीपावली के दिन उनका निधन हो गया है। उन्हें भारतीय फिल्मों में कॉमेडी के बादशाह के रूप में जाना जाता रहा। गोवर्धन असरानी का जन्म 1 जनवरी सन 1940 में राजस्थान की राजधानी जयपुर में हुआ था। उनके चार बहनें और तीन भाई हैं। उन्होंने अपनी पढ़ाई की शुरुआत सेंट जेवियर स्कूल जयपुर से की। उसके बाद उन्होंने स्नातक की पढ़ाई राजस्थान कॉलेज से पूरी की। पढ़ाई खत्म होने के बाद उन्होंने कई वर्षों तक बतौर रेडियो आर्टिस्ट काम किया था। असरानी की शादी अभिनेत्री मंजू बंसल ईरानी से हुई । असरानी ने अपनी पत्नी के साथ भी कई फिल्मों में भूमिकाएं अदा की हैं। असरानी अब तक 300 से अधिक हिंदी व गुजराती फिल्मों में अभिनय कर चुके हैं। वह पिछले पांच दशक से हिंदी सिनेमा में सक्रिय हैं। उन्होंने हिंदी सिनेमा के अमूमन सभी दिग्गज अभिनेताओं के साथ अभिनय किया हैं। फ़िल्मी दुनिया में अभिनय के अलावा वह एक राजनीतिज्ञ भी रहे हैं। उन्होंने सन 2004 में कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की थी व लोकसभा चुनावों के दौरान उहोने कांग्रेस की जनसभाओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा भी लिया था।'हम अंग्रेजों के जमाने के जेलर हैं।' फिल्म 'शोले' का यह डायलॉग उनकी जिंदगी में शोहरत लेकर आया था जो आज भी याद किया जाता है। इस डायलॉग को मशहूर बनाने के पीछे असरानी का ही हाथ है। इस फिल्म में उनका शानदार अंदाज सभी ने देखा है। असरानी की गिनती बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेताओं में होती हैं। उन्होंने अधिकांश फिल्मों में कॉमेडी रोल और सपोर्टिव रोल किए हैं। परन्तु अपने अभिनय कौशल से उन्होंने सभी किरदारों में जान डाल दी थी। असरानी के अंदर सिंगिंग का भी हुनर है ,यह बात बहुत कम लोग जानते हैं कि असरानी ने कई हिंदी फिल्मों में अपनी आवाज का जादू बिखेरा है। असरानी के पिता की कारपेट की दुकान थी। मगर, परिवार के बिजनेस में असरानी की बिल्कुल दिलचस्पी न थी। ऊपर से गणित की पढ़ाई में भी वे कमजोर थे। राजस्थान कॉलेज से स्नातक करने के बाद इन्होंने ऑल इंडिया रेडियो, जयपुर में वॉइस आर्टिस्ट के रूप में काम करना शुरु किया। सन 1964 में उन्होंने पुणे के फिल्म एंड टेलिविजन इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया में दाखिला लिया और वहीं अभिनय सीखा।

असरानी ने करीब पांच दशक तक फिल्मों में काम किया है। शुरुआत में असरानी को ज्यादा रोल नहीं मिले इसलिए वो एफटीआईआई में ही शिक्षक बन गए थे। असरानी ने दर्शकों को सिर्फ हंसाया ही नहीं, बल्कि मधुर संगीत भी सुनाया है। सन 1977 में आई फिल्म 'आलाप' में असरानी ने दो गाने गाए, जो उन्हीं पर फिल्माए गए। इसके अलावा 'फूल खिले हैं गुलशन गुलशन' में मशहूर गायक किशोर कुमार के साथ भी एक गाना गाया था।असरानी ने अधिकतर फिल्मों में साइड रोल किए हैं। 'चला मुरारी हीरो बनने' और 'सलाम मेमसाहब' जैसी फिल्मों में उन्होंने लीड एक्टर के तौर पर भी काम किया था। असरानी ने सन 1967 में रिलीज हुई फिल्म 'हरे कांच की चूड़ियां' से फिल्मों में कदम रखा था। असरानी ने कई फिल्मों में अपने अभिनय की छाप छोड़ी है, लेकिन 'शोले' में जेलर के किरदार ने इन्हें खूब लोकप्रियता दिलाई। उन्होंने 'मेरे अपने', 'बावर्ची', 'परिचय', 'अभिमान', 'महबूबा', 'बंदिश', 'चुपके-चुपके' जैसी फिल्मों में भी शानदार अभिनय किया है।

फ़िल्म अभिनेता असरानी से मेरी मुलाकात करीब 5 साल पहले उज्जैन के मौनीबाबा आश्रम में हुई थी,वे बाबा के बड़े मुरीद थे और जब तक बाबा जीवित रहे असरानी की आस्था भी उनके लिए बनी रही।असरानी मौनीबाबा को रुद्र का साक्षात स्वरूप मानते थे।

बौखलाए ट्रंप ने आखिर भारतीयों को क्या दिया ?

अशोक भाटिया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर अपने इस दावे को दोहराया है भारत रूस से अपने तेल की खरीद को खत्म करने पर सहमत हो गया है। अपने जहाज, एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बात करते हुए, अमेरिकी राष्ट्रपति ने साथ ही यह भी धमकी दी कि अगर नई दिल्ली उनकी शर्तों पर सहमत नहीं हुई और वह रूस से तेल खरीदना नहीं रोकती है तो भारतीय सामानों पर वह बड़े पैमाने पर टैरिफ लगाते रहेंगे.राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले सप्ताह कही गई अपनी बात को दोहराते हुए कहा, मैंने भारत के प्रधान मंत्री मोदी से बात की और उन्होंने कहा कि वह रूसी तेल के मामले में ऐसा नहीं करने जा रहे हैं। हालांकि सच्चाई यह है कि भारत ने पिछले हफ्ते ट्रंप के इस दावे को खारिज कर दिया था कि उन्होंने नई दिल्ली के रूसी तेल आयात पर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के साथ टेलीफोन पर बातचीत की थी. जब यही बात ट्रंप को याद दिलाया गया तो उन्होंने कहा, लेकिन अगर वे ऐसा कहना चाहते हैं, तो वे बड़े पैमाने पर टैरिफ देना जारी रखेंगे, और वे ऐसा नहीं करना चाहते हैं. ट्रंप की यह टिप्पणी रूस के व्यापार साझेदारों पर, विशेषकर ऊर्जा क्षेत्र में, बढ़ते अमेरिकी दबाव के बीच आई है. वाशिंगटन तर्क दे रहा है कि यह देश तेल खरीदकर अप्रत्यक्ष रूप से यूक्रेन में मास्को की जंग को फंडिंग दे रहे हैं. अमेरिका ने भारत से होने वाले निर्यात पर 50 प्रतिशत का व्यापक टैरिफ लगाया हुआ है. अमेरिका का यह टैरिफ दुनिया में किसी भी दूसरे देशों में से सबसे अधिक है. इसमें रूस के साथ व्यापार के लिए भारत पर 25 प्रतिशत जुर्माना शामिल है.डोनाल्ड ट्रंप ने बार-बार कहा है कि यदि नई दिल्ली मॉस्को के साथ अपने कच्चे तेल के व्यापार को नहीं रोकता है तो भारत पर बने ये टैरिफ बने रहेंगे या इसे और भी बढ़ा दिया जाएगा. देखा जाय तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सार्वजनिक बयानों और उनके इस बयान में काफी समानता है कि भारत ने अब रूस से तेल नहीं खरीदने का फैसला किया है।उन्होंने कहा है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध को अब तक 35 बार या 35 से अधिक बार रोका है, जबकि पहले तीन बार ऐसा हुआ था। कार्यक्रम दो दिनों में हैं। अगर कोई साधारण व्यक्ति होता तो वह दो दिन में तीन बार यानी दो महीने में कितनी बार ऐसी जीत पेश कर सकता था। लेकिन ट्रम्प के साथ ऐसा नहीं है। विकेट किसी भी समीकरण में फिट नहीं बैठता है। अब वे यह कहकर नहीं रुकते कि भारत रूसी तेल नहीं खरीदेगा, लेकिन उनका कहना है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें टेलीफोन पर बातचीत में बताया था, लेकिन न तो प्रधानमंत्री और न ही सरकार इस बात से इनकार करती है कि ऐसा हुआ है, यानी अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में इसका मतलब रिजेक्शन नहीं है, ठीक वैसे ही जैसे ट्रंप की बातचीत की संभावना से अभी तक इनकार नहीं किया गया है। विश्वास करने का कोई कारण नहीं है। वह हो सकता है। या शायद नहीं। हम रूस से तेल खरीदना भी जारी रख सकते हैं। या आप इसे रोक भी सकते हैं। यह तेल का सवाल नहीं है। तो ट्रम्प के बारे में क्या? यह बात है। सबसे पहले, आपने सोचा था कि ट्रम्प का फिर से व्हाइट हाउस में नहीं होना आपके लिए देरी होगी।

यह पिछली बार दिया गया था। लेकिन तब यह काम नहीं किया। उस कॉल का अब जवाब दिया गया था और वास्तव में यह आ गया था। अमेरिका में आपसे और आपसे कौन खुश है? सभी को लग रहा था कि विश्व की प्रगति का सूर्य पूर्व में भारत में उगेगा और पश्चिम के संयुक्त राज्य अमेरिका में अस्त होगा। संयुक्त राज्य अमेरिका में कई भारतीय इतने खुश थे कि गैस की शरीर में अवशोषित नहीं किया जा सका। जैसे ही यह मुक्त हुआ, संयुक्त राज्य अमेरिका के तट पर तूफान आए। हालाँकि, ट्रम्प ने अपने व्यवहार से यह सब ढक दिया। नतीजतन, भारत में अमेरिकियों को उन लोगों की तुलना में अधिक नुकसान उठाना पड़ा जो ग्रीन कार्ड होने के बावजूद भगवा जीवन या जीवन में विश्वास करते थे। कई लोग कहते हैं कि उन्होंने अपने माथे को छुआ था कि ट्रंप को सत्ता में लाने के लिए भारतीयों ने क्या नहीं किया? उन्होंने अनुष्ठान किए, नारे लगाए, रिपब्लिकन को वित्त पोषित किया, अमेरिकीवाद की तर्ज पर हिंदुओं की रैलियां कीं, और सत्ता में आए, लेकिन उन्होंने उच्च स्तर की कृतघ्नता दिखाई, और भारत को बार-बार परेशानी में डालना शुरू कर दिया, आयात शुल्क का तो जिक्र ही नहीं, पाकिस्तान के फ्राई का तो जिक्र ही नहीं। भारत को बदनाम मत करो...! ट्रम्प ने हमें जितना हो सके उतना अपमानित किया। हम चीन या ब्राजील की तरह अहंकारी नहीं हैं। हमारे पास अच्छे संस्कार हैं। इस अपमान से शरीर में भूख नहीं लगती... इस तरह, अपनी प्राकृतिक सहिष्णुता के प्रदर्शन में, हमने ट्रम्प के व्यवहार को नजरअंदाज कर दिया: हम लोकतंत्र की जननी हैं, क्षमा के अवतार हैं, लेकिन अगर इससे कोई सबक सीखना है, तो किस तरह का ट्रम्प? उन्हें कितना शेखी बघारनी चाहिए कि उन्होंने भारत-पाक युद्ध रोक दिया है? यह सही है कि हमारे नेतृत्व ने उनके इस वादे को नजरअंदाज कर दिया है कि भारत रूसी तेल खत्म होने से पहले ही खरीदना बंद कर देगा। हमारे नेताओं ने हमेशा ट्रंप के सभी बयानों से आंखें मूंद लेने की समझदारी दिखाई है, यह जानते हुए कि जब खाते में पत्थर फेंका जाता है, तो हम पर गंदगी का छींटा फेंका जाता है, हम ट्रंप, चीन के शी जिनपिंग आदि के बारे में कुछ नहीं कहते हैं, लेकिन हमारे नेताओं की चुप्पी कुछ ऐसी नहीं है जिसका उनके अमेरिकी समर्थकों को पालन करना चाहिए। इसलिए, भले ही भारत सरकार ने ट्रम्प के बयानों को नजरअंदाज करने का फैसला किया है, लेकिन यह निश्चित है कि अमेरिकी भारतीयों के लिए एक दृढ़ रुख अपनाने का समय आ गया है। यह दोहराने की कोई आवश्यकता नहीं है कि इन अमेरिकियों की मातृभूमि (यानी भारतभूम) के प्रति कितनी निष्ठा है।

चाहे वह 'एच1बी' मार्ग पर हो,एमएस करने की आड़ में, या किसी ऐसे व्यक्ति के भागीदार के रूप में जो पहले से ही वहां जा चुका है; यहां रहने वाले लोगों को समझना चाहिए कि एक सच्चा भारतीय अमेरिका जाने का मौका नहीं छोड़ता, लेकिन उसके पीछे भारत के लिए बहुत प्यार है। हाथी आसमान में भटकता है, मन अपने बच्चों पर है, ये इतिहास है। वर्तमान है 'बच्चे डॉलर कमाते हैं, उनका मन अपने रुपये पर है'। भारत माता के ये सभी प्रेमी वहां रहते हैं और वहां पसीना बहाते हैं, डॉलर कमाते हैं और घर लौटकर भारत में मुट्ठी भर डॉलर कमाते हैं।$ 500 मिलियन जुटाए गए थे। उनमें से लगभग 27-28 प्रतिशत अकेले संयुक्त राज्य अमेरिका से आए थे। इससे पता चलता है कि अमेरिका में भारतीय कितना कमाते हैं।

अब उन सभी को अपनी भौतिक और वित्तीय कमाई को देशभक्ति की रेखा पर लगाना चाहिए – यानी ट्रम्प के खिलाफ – और इस अमेरिकी राष्ट्रपति को सबक सिखाना चाहिए जिसने बार-बार भारत का अपमान किया है। कई हिंदू समर्थक संगठनों की अमेरिकी शाखाएं हैं। उन शाखाओं से, ट्रम्प के खिलाफ राजनीतिक रणनीति का आदेश दिया जा सकता है। वहीं, ट्रंप को डराने का एक और तरीका है। यह एक प्रदर्शन है। हजारों लोग 'सम्राट' ट्रंप के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं और हजारों लोग ट्रंप के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। इस भीड़ में अमेरिका के भारतीय इस समय बड़ी संख्या में नजर नहीं आ रहे हैं, लेकिन उन्हें देशभक्ति में शामिल होना चाहिए और भारतीयों की संख्या की ताकत दिखानी चाहिए, अगर वे चाहें तो हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की मदद से, और अगर उन्हें लगता है कि उनमें दूसरों को मारने का हुनर है, तो उनकी मदद से वहां के भारतीयों को ट्रंप के खिलाफ शोर मचाना चाहिए, ताकि हम भारतीयों के लिए ऐसा करना मुश्किल न हो।

गोवर्धन पूजा–भक्ति और मानव–प्रकृति सम्बन्ध की सीख का त्योहार

डॉक्टर जय महलवाल

हमारे हिन्दू धर्म में बहुत से त्योहार मनाए जाते हैं। उनमें से कुछ त्योहार इतना समृद्ध अर्थ रखते हैं कि केवल उत्सव ही नहीं बल्कि आज की युवा पीढ़ी को एक गम्भीर संदेश भी दे जाते हैं। गोवर्धन पूजा ऐसा ही एक त्योहार है। यह दिन हमें प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, भक्ति, मानव-प्रकृति संबंध, अहंकार की विनाशशीलता, और संवेदनशीलता की सीख देता है। गोवर्धन पूजा अर्थात जिसे कभी-कभी "अन्नकूट" भी कहा जाता है । यह खाद्य पदार्थों का एक पर्वत-प्रतीक — विशेष रूप से भगवान कृष्ण के उस दिव्य लीला के स्मरण में मनाया जाता है जिसमें उन्होंने गोवर्धन पर्वत उठाया था। यह त्योहार मुख्यतः कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की प्रथम तिथि (प्रथमा-तिथि) को आता है, अर्थात् दीपावली के अगले दिन (या उसके निकट) मनाया जाता है। गोवर्धन पूजा की पौराणिक मूल पूजा के पीछे की कथा समझना बहुत महत्त्वपूर्ण है क्योंकि वह हमें इस उत्सव के संदेश, मूल्यों और दर्शन की विस्तृत जानकारी देती है। कहा जाता है कि वृन्दावन के गोपाल (ग्वाल)-समाज, गोकुल के निवासी-गाँववासी और गौ-पालक पारंपरिक रूप से वर्षा-प्रदायिनी देवता इन्द्र जी की पूजा करते थे ताकि उन्हें अच्छी वर्षा मिले और फसल, पशु-संपदा सुरक्षित रहे। तभी बालक रूप में भगवान कृष्ण ने देखा कि इस तरह की पूजा में एक अहं-प्रवृत्ति भी आ रही है — लोग देवता को पूजा रहे थे लेकिन प्रकृति-देव के वास्तविक स्रोत जैसे पर्वत, भूमि, गाय, वृक्ष इत्यादि को भूल रहे थे। उन्होंने ब्रजवासियों से कहा कि इस वर्ष इन्द्र की पूजा को छोड़कर, गोवर्धन पर्वत — जो प्रत्यक्ष रूप से उनके जीवन-साधन (चरन, पशु-भोजन, चारागाह, जल स्रोत) को सुनिश्चित करता है — उसकी पूजा करें। उन्होंने ऐसा ही किया जिससे देवराज इंद्र बहुत क्रोधित हो गए। देवराज इन्द्र ने यह प्रत्यक्ष रूप से स्वीकार नहीं किया कि उसकी पूजा पीछे हो गई। अतः उन्होंने गरज-चमक सहित घोर वर्षा, आंधी-तूफान भेजा, जिससे ब्रज के गोपाल, पशु एवं गाँववासी संकट में आ गए।

तब भगवान कृष्ण ने अद्भुत लीला दिखाई — उन्होंने अपनी छोटी अंगुली से उस गोवर्धन पर्वत को उठा लिया और गाँव तथा पशुओं को उस पर्वत के नीचे आश्रय दिया। सात दिन-रात तक चले उस तूफानी वर्षा से वे सुरक्षित रहे। अंततः इन्द्र ने अपनी पराजय स्वीकार की। इस कथा में कई गूढ़ बातें निहित हैं: अहंकार एवं दिखावे का प्रतिकारः इन्द्र जो देवता थे मगर उनका अहंकार था, कृष्ण ने उसे विनम्रता, सेवा-भाव और प्रकृति-समानता के माध्यम से चुनौती दी। प्रकृति-स्रोतों की पूजाः पर्वत, भूमि, पानी, घास-चराई, गाय — ये साधन ही जीवन के लिए आधार हैं। इसलिए उनका आदर जरूरी है। ईश्वर (कृष्ण) जो अपने भक्तों की रक्षा करता है: यह लीला हमें यह बताती है कि सच्ची भक्ति तथा जीवन-संरक्षण की ओर निर्देशित है। साझा-जीवन, मानव-पशु-प्रकृति एकताः गोपाल, पशु, पर्वत, कृषि — सब एक-दूसरे से जुड़े हैं। इस प्रकार, गोवर्धन पूजा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन-प्रकृति-भक्ति का उत्सव है। गोवर्धन पूजा का व्यावहारिक अर्थ– प्रकृति ने हमें जीवन-साधन दिए: भूमि ने फसल दी, पर्वत-चरागाह ने घास-चराई दी, जल-स्रोत ने पानी दिया, गाय-भैंस आदि ने दूध-जीवन दिया। गोवर्धन पर्वत ने इन सब का प्रतीक रूप से प्रतिनिधित्व किया। इसलिए इस दिन, हम उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हैं। भक्ति एवं प्रति-भक्ति–कृष्ण की लीला हमें याद दिलाती है कि ईश्वर की शक्ति और कृपा हमारे जीवन की रक्षा करती है। हम अपनी स्वयं-प्रयोजनाओं पर निर्भर नहीं हो सकते; हमें विनम्र होकर भक्ति-भाव से ईश्वर-प्रकृति को याद करना चाहिए।

अहंकार एवं दिखावे के विरुद्ध संदेश–इन्द्र की भूमिका हमें सिखाती है कि जितना बड़ा कृपा-कर्ता हो, यदि अहंकार हो जाए तो वह क्षय-शील होता है। इस पूजा के माध्यम से यही प्रतिपादित होता है कि वास्तविक शक्ति सेवा-भाव में है। सामाजिक-सामुदायिक एकता–गोवर्धन पूजा पारिवारिक तथा सामाजिक रूप से मनाई जाती है—खाद्य-भोग (अन्नकूट), गाँव-मिलन, गाय-पूजा, लोकगीत-भजन आदि। इस प्रकार यह समुदाय-संयोजन का अवसर बन जाता है। आधुनिक पर्यावरण (जीवन संदेश)– आज के समय में जब पर्यावरण-विनाश, क्लाइमेट-चेंज, संसाधन-क्षय जैसे विषय प्रासंगिक हैं, गोवर्धन पूजा का संदेश और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है: प्रकृति का सम्मान, संतुलित जीवन, संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग। अगर इसकी पूजा-विधि एवं रीति-रिवाज की बात करें तो हम पाते हैं कि यह पूजा मुख्य रूप से कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की प्रथम तिथि पर होती है। इस वर्ष 2025 में यह पूजा 21/22 अक्टूबर के बीच मनाई गई है।पूजा के लिए हमें सुबह जल्दी स्नान व घर-आँगन, पूजा-ठाँव की सफाई करनी चाहिए।फिर गोवर्धन पर्वत की प्रतिमा को घर के आँगन या मंदिर में स्थापित करके उसे फूल, रंगोली, दीप-मालाएँ आदि से सजाना चाहिए। इसके बाद भगवान कृष्ण, गोवर्धन पर्वत एवं गाय-माताओं की पूजा करनी चाहिए।

आउटडेटेड

डॉ. सुरेश कुमार

कभी-कभी परिवार की गर्माहट एक ठंडी हवा की तरह लगती है, जो आपको घर से बाहर धकेल देती है, ठीक वैसे ही जैसे उस छोटे से शहर के नर्सिंग होम में अभी-अभी पहुंचे बुजुर्ग कृष्णदास के चेहरे पर खिली मुस्कान ने सबको हैरान कर दिया, जहां बाकी वृद्ध उदास कोनों में बैठे अपनी यादों से जूझ रहे थे, वहां एक साथी ने हारकर पूछ ही लिया कि ऐसी जगह पर आकर वह इतने खुश कैसे दिख रहे हैं, मानो कोई त्योहार मनाने आए हों, कृष्णदास की हंसी और फैल गई, जैसे कोई पुराना राज खोल रहे हों, उन्होंने बताया कि वह सरकारी दफ्तर से क्लर्क की नौकरी से सेवानिवृत्त हुए हैं, पत्नी को दुनिया छोड़े चार साल बीत चुके, बेटी अब बड़ी कंपनी में मैनेजर है, उसके पति और बच्चों के साथ उनके बनाए उस आलीशान फ्लैट में रहती है, जहां हर कमरा चमकता है, लेकिन वह खुद तो बस एक साधारण क्लर्क थे, उनकी सादगी उस चमचमाती जिंदगी से मेल नहीं खाती, बेटी की पार्टियों में वह पुराने कुर्ते में फिट नहीं बैठते, उनके पुराने किस्से नए दोस्तों को बोरिंग लगते, और ऊपर से उनकी आदतें जैसे सुबह की चाय खुद बनाना या शाम को पुरानी किताबें पढ़ना, वह सब बेटी के आधुनिक घर में 'आउटडेटेड' लगतीं, सच तो यह है कि अकेले रहने की सारी काबिलियत उनमें है, अपना खाना बनाना, दवाइयां याद रखना, यहां तक कि छोटी-मोटी मरम्मत भी, लेकिन परिवार ने सोचा कि नर्सिंग होम में वह 'बेहतर' रहेंगे, जहां कोई उनकी देखभाल करेगा, व्यंग्य की ठंडक देखिए कि जो घर उन्होंने अपनी हड्डियां गलाकर बनाया, वह अब उनके लिए अनफिट हो गया, जैसे कोई पुराना फर्नीचर जो स्टाइल से बाहर हो गया हो, कृष्णदास हंसते हुए कहते हैं कि यहां कम से कम वह किसी की राह में रोड़ा नहीं बनते, कोई उनका इंतजार नहीं करता, कोई उनकी आदतों पर नाक-भौं सिकोड़ता नहीं, लेकिन जैसे-जैसे बात आगे बढ़ती है, उनकी हंसी में एक हल्की सी कंपकंपी आ जाती है, वह बताते हैं कि बेटी कभी-कभी फोन करती है, पूछती है 'पापा ठीक हो न', लेकिन विजिट करने का वादा हमेशा 'बिजी शेड्यूल' में टल जाता है, नाती-नातिन की तस्वीरें व्हाट्सएप पर आती हैं, लेकिन उनके हाथों में वह गर्माहट नहीं, कृष्णदास की आंखें अब चमकने लगती हैं, लेकिन हंसी से नहीं, बल्कि उन अनकहे आंसुओं से जो परिवार की इस 'देखभाल' की सच्चाई छिपाते हैं, वह याद करते हैं पत्नी के साथ बिताए वे दिन जब घर में हंसी गूंजती थी, बेटी की शादी का वह पल जब उन्होंने सब कुछ दांव पर लगाया था, लेकिन अब वह घर एक ठंडा महल है जहां उनकी जगह नहीं, सिस्टम की यह क्रूर विडंबना ऐसी है कि बुजुर्गों को 'आराम' के नाम पर अलग कर दिया जाता है, जैसे कोई पुरानी किताब को शेल्फ से हटा देना, और जैसे-जैसे शाम ढलती है, कृष्णदास की मुस्कान फीकी पड़ जाती है, वह अकेले में फुसफुसाते हैं 'मैं योग्य हूं अकेले रहने का, लेकिन क्या परिवार योग्य है मुझे रखने का', और वह आखिरी हंसी एक करुण सिसकी में बदल जाती है, जब वह पुरानी फोटो देखते हैं जहां बेटी उनकी गोद में खेल रही थी, अब वह गोद सूनी है।

अन्नकूट और गोवर्धन पूजा की संपूर्ण विधि

दीपावली के दूसरे दिन 'अन्नकूट' मनाया जाता है। यानी कार्तिक मास की प्रतिपदा तिथि के दिन अन्नकूट महोत्सव और गोवर्धन पूजा का पर्व मनाया जाता है। अन्नकूट का अर्थ है -'अन्न का ढेर'। आज ही के दिन योगेश्वर भगवान कृष्ण ने इन्द्र का मान-मर्दन करते हुए अपने वाम हस्त की कनिष्ठा अंगुली के नख पर गोवर्धन पर्वत उठाकर इन्द्र के कोप से ब्रजवासियों की रक्षा की थी। इसी की याद में यह महोत्सव मनाते हैं। जानिए पूजन के शुभ मुहूर्त और कथा।

22 अक्टूबर 2025 गोवर्धन एवं अन्नकूट पूजा के शुभ मुहूर्त

प्रतिपदा तिथि प्रारम्भ- 21 अक्टूबर 2025 को शाम 05:54 बजे से प्रारंभ हो चुका है।

प्रतिपदा तिथि समाप्त- 22 अक्टूबर 2025 को रात्रि 08:16 बजे समाप्त।

नोट: उदयातिथि के अनुसार 22 अक्टूबर 2025 को होगी गोवर्धन एवं अन्नकूट पूजा।

।गोवर्धन पूजा सायाह्नकाल मुहूर्त।।

अपराह्न 03:29 से शाम 05:44 के बीच।

।।गोवर्धन पूजा गोधूली मुहूर्त।।

शाम को 05:44 से 06:10 के बीच।

अन्नकूट और गोवर्धन पूजा की पौराणिक कथा: द्वापर में अन्नकूट के दिन इंद्र की पूजा करके उनको छप्पन भोग अर्पित किए जाते थे लेकिन ब्रजवासियों ने श्रीकृष्ण के कहने पर उस प्रथा को बंद करके इस दिन गोवर्धन पर्वत की पूजा करने लगे और गोवर्धन को ही छप्पन भोग लगाने लगे। श्रीकृष्ण का कहना था कि जो पर्वत, खेत और गाय हमारा जीवन चला रहे हैं उनका हमें आदर करना और पूजा करना चाहिए।... बाद में गोवर्धन के रूप में भगवान श्रीकृष्ण को छप्पन भोग लगाने का प्रचलन हुआ।

भगवान श्रीकृष्ण के कहने पर सभी ने इंद्र उत्सव मनाना छोड़ दिया। यह देखकर एक बार इंद्रदेव ने कूपित होकर ब्रजमंडल में मूसलधार वर्षा की। इस वर्षा से ब्रजवासियों को बचाने के लिए श्रीकृष्ण ने 7 दिन तक गोवर्धन पर्वत को अपनी छोटी अंगुली पर उठाकर इन्द्र का मान-मर्दन किया किया था।

उस पर्वत के नीचे 7 दिन तक सभी ग्रामिणों के साथ ही गोप-गोपिकाएं उसकी छाया में सुखपूर्वक रहे। फिर ब्रह्माजी ने इन्द्र को बताया कि पृथ्वी पर श्री हरि विष्णु ने श्रीकृष्ण के रूप में जन्म ले लिया है, उनसे बैर लेना उचित नहीं है। यह जानकर इन्द्रदेव ने भगवान श्रीकृष्ण से क्षमा-याचना की। भगवान श्रीकृष्ण ने 7वें दिन गोवर्धन पर्वत को नीचे रखा और हर वर्ष गोवर्धन पूजा करके अन्नकूट उत्सव मनाने की आज्ञा दी। तभी से यह उत्सव 'अन्नकूट' के नाम से भी मनाया जाने लगा।

कार्तिक मास की प्रतिपदा तिथि के दिन अन्नकूट महोत्सव और गोवर्धन पूजा का पर्व मनाया जाता है। इस दिन को सुहाग पड़वा भी कहते हैं। आज ही के दिन योगेश्वर भगवान कृष्ण ने इन्द्र का मान-मर्दन करते हुए अपने वाम हस्त की कनिष्ठा अंगुली के नख पर गोवर्धन पर्वत उठाकर इन्द्र के कोप से ब्रजवासियों की रक्षा की थी। इसी की याद में यह महोत्सव मनाते हैं। जानिए कैसे मनाएं ये पर्व।

गोवर्धन पूजा की सामग्री:

पूजा की थाली में रोली, चावल, बताशे, धूप, तेल का दीपक, कलश में जल, केसर, नैवेद्य, धूप, मिठाई, गंगाजल, पान, फूल, दही, शहद, फूल माला, खीर आदि रखकर उससे गोवर्धन पर्वत के चित्र की पूजा करें।

गोवर्धन पूजा विधि:

- एक-दूसरे के गले लगकर दीपावली की शुभकामनाएं दी जाती हैं।
- गृहिणियां मेहमानों का स्वागत करती हैं।
- लोग छोटे-बड़े, अमीर-गरीब का भेद भूलकर आपस में मिल-जुलकर यह त्योहार मनाते हैं।
- इस दिन परिवार, कुल खानदान के सभी लोग एक जगह इकट्ठे होकर गोवर्धन और श्रीकृष्ण की पूजा करते हैं।
- पूजा के बाद में भोजन करते हैं और शगुन स्वरूप जुआ भी खेलते हैं।
- इस दिन विभिन्न प्रकार के व्यंजन बनाकर गोवर्धन की पूजा करते हैं।
- प्रातःकाल भगवान कृष्ण का ऐसा चित्र जिसमें वे गोवर्धन पर्वत हाथ में धारण किए खड़े हों अपने पूजाघर में लगाकर उसकी पूजा की जाती हैं।
- इस दिन प्रातःकाल स्नान करने के उपरान्त घर की दहलिज के बाहर गोबर से गोवर्धन की आकृति बनाकर उसके समीप विराजमान कृष्ण के सम्मुख गाय तथा ग्वाल-बालों की रोली, चावल, फूल, जल, मौली, दही तथा तेल का दीपक जलाकर पूजा और परिक्रमा की जाती है।
- पूजा के बाद कई तरह के पकवान बनाकर भोग स्वरूप रखते हैं।
- सायंकाल गोवर्धन विग्रह का पंचोपचार विधि से पूजन करें और 56 प्रकार के पकवान बनाकर भोग अर्पित करें।
- ग्रामीण क्षेत्र में अन्नकूट महोत्सव इसलिए मनाया जाता है, क्योंकि इस दिन नए अनाज की शुरुआत भगवान को भोग लगाकर की जाती है।
- इस दिन गाय-बैल आदि पशुओं को स्नान कराके धूप-चंदन तथा फूल माला पहनाकर उनका पूजन किया जाता है और गौमाता को मिठाई खिलाकर उसकी आरती उतारते हैं तथा प्रदक्षिणा भी करते हैं।

घर की इस दिशा में ये 4 चीजें रखने से कुछ ही दिनों में चमकेगी किस्मत

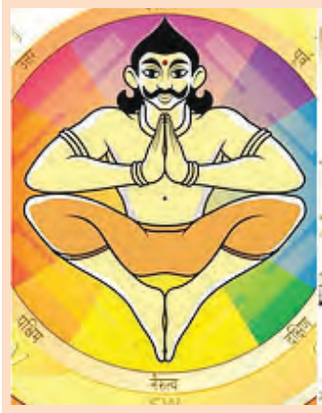

भारतीय संस्कृति में वास्तु शास्त्र का विशेष महत्व है, जो घर की ऊर्जा और दिशाओं के सही उपयोग पर आधारित है। वास्तु के अनुसार, घर की उत्तर दिशा को धन और समृद्धि का केंद्र माना जाता है। इस दिशा के स्वामी भगवान कुबेर हैं, जिन्हें देवताओं का कोषाध्यक्ष कहा जाता है। यही कारण है कि धनवान लोग अपने घरों में इस दिशा का विशेष ध्यान रखते हैं। कुछ ऐसी खास वस्तुएं हैं, जिन्हें इस दिशा में रखने से धन-समृद्धि का प्रवाह बढ़ता है और घर में कभी कंगाली नहीं आती। आइए जानते हैं इन 4 चीजों के बारे में:

1. भगवान कुबेर की प्रतिमा: धन के देवता भगवान कुबेर को प्रसन्न करने का सबसे सीधा और प्रभावी तरीका उनकी प्रतिमा को घर की उत्तर दिशा में स्थापित करना है। माना जाता है कि ऐसा करने से धन के नए स्रोत खुलते हैं और आर्थिक स्थिति में लगातार सुधार होता है। कुबेर जी की प्रतिमा को कभी भी सीधे जमीन पर न रखें, बल्कि इसे एक साफ-सुथरी चौकी या पटरे पर स्थापित करें। उनका मुख हमेशा घर के अंदर की ओर होना चाहिए, ताकि धन और समृद्धि घर के भीतर आए।

2. श्रीयंत्र: श्रीयंत्र को मां लक्ष्मी का सबसे शक्तिशाली और पवित्र यंत्र माना जाता है। यह यंत्र धन, समृद्धि, और सौभाग्य का प्रतीक है। इसे घर की उत्तर दिशा में स्थापित करना बेहद शुभ माना जाता है। श्रीयंत्र की स्थापना से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और आर्थिक बाधाएं दूर होती हैं। इसे नियमित रूप से साफ करते रहना चाहिए और पूजा के समय इसका ध्यान करना चाहिए, क्योंकि यह यंत्र ब्रह्मांड की ऊर्जा को आकर्षित करता है।

3. तुलसी का पौधा: धार्मिक और औषधीय महत्व के अलावा, तुलसी का पौधा वास्तु शास्त्र में भी बहुत महत्वपूर्ण है। इसे देवी लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है। हालांकि, तुलसी को आमतौर पर घर के आंगन या पूर्व दिशा में रखा जाता है, लेकिन अगर घर की उत्तर दिशा में पर्याप्त रोशनी हो, तो इसे वहां भी रखा जा सकता है। तुलसी की उपस्थिति घर में सकारात्मक ऊर्जा लाती है और यह माना जाता है कि यह पौधा धन और समृद्धि को अपनी ओर खींचता है। यह घर को बुरी शक्तियों से भी बचाता है।

4. धातु का कछुआ: वास्तु के साथ-साथ फेंगशुई में भी कछुए को बहुत शुभ माना जाता है। कछुआ दीर्घायु, स्थिरता और धन का प्रतीक है। धातु का बना कछुआ घर की उत्तर दिशा में रखना बहुत फायदेमंद होता है। इसे पानी से भरे एक कटोरे में रखें, क्योंकि पानी धन के प्रवाह का प्रतीक है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि घर में धन का प्रवाह लगातार बना रहे। ऐसा करने से आर्थिक उन्नति होती है और व्यक्ति को जीवन में स्थिरता प्राप्त होती है।

भाई दूज: प्यार, सुरक्षा और विश्वास की धारा

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

दीपावली की चकाचौंध अभी मन में ताज़ा है, मिठाइयों की मिठास होठों पर बसी है, और घरों में खुशियों की गूँज अब भी गुनगुना रही है। इसी रंग-बिरंगे माहौल में आता है भाई-बहन के अटूट प्रेम का पर्व – भाई दूज। यह महज़ एक त्योहार नहीं, बल्कि वह पवित्र बंधन है, जो बचपन की शरारतों, छोटी-मोटी नोकझोंक और प्यार भरी तकरार को एक गहरे विश्वास और स्नेह के रिश्ते में पिरो देता है। यह वह पल है जब बहन अपने भाई के माथे पर तिलक लगाती है, उसकी लंबी उम्र और समृद्धि की कामना करती है, और भाई अपनी बहन की रक्षा का वचन देता है। यह क्षण केवल रस्म नहीं, बल्कि दिलों को जोड़ने वाली एक अनमोल यात्रा है, जो रिश्तों की नींव को और भी अटल बनाती है।

हिंदू पंचांग के अनुसार, कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाया जाने वाला यह पर्व दीपावली के दो दिन बाद आता है। यह वह समय है जब परिवार फिर से एक छत के नीचे इकट्ठा होता है, और भाई-बहन का रिश्ता प्रेम, विश्वास और समर्पण के धागों से और मज़बूत होता है। पौराणिक कथाएँ इस दिन को और भी रंगीन बनाती हैं। एक कथा के अनुसार, यमराज अपनी बहन यमुनाजी के बुलावे पर उनके घर गए। यमुनाजी ने उनका तिलक कर, स्वादिष्ट भोजन से स्वागत किया। प्रसन्न होकर यमराज ने वरदान दिया कि जो भाई इस दिन अपनी बहन से तिलक करवाएगा, उसे दीर्घायु और सुख-समृद्धि प्राप्त होगी। एक अन्य कथा में भगवान श्रीकृष्ण और उनकी बहन सुभद्रा का ज़िक्र है, जहाँ नरकासुर वध के बाद श्रीकृष्ण ने सुभद्रा से तिलक करवाया। ये कथाएँ बताती हैं कि भाई-बहन का रिश्ता केवल रक्त का नहीं, बल्कि स्नेह, सम्मान और ज़िम्मेदारी का एक अनमोल गठबंधन है।

भाई दूज की खूबसूरती उसकी सादगी और भावनात्मक गहराई में छिपी है। सुबह-सुबह बहनें स्नान कर, पूजा की थाली सजाती हैं, जिसमें रोली, चंदन, अक्षत, फूल और मिठाइयाँ होती हैं। इस थाली के साथ वे भगवान गणेश और अन्य देवताओं की पूजा करती हैं, फिर भाई के माथे पर तिलक लगाकर उसकी लंबी उम्र और खुशहाली की प्रार्थना करती हैं। बदले में, भाई अपनी बहन को उपहार देता है – कभी मिठाई, कभी कपड़े, तो कभी उसकी पसंद की कोई खास चीज़। यह आदान-प्रदान केवल भौतिक वस्तुओं का नहीं, बल्कि भावनाओं का एक हृदयस्पर्शी लेन-देन है। कई घरों में बहनें अपने भाई के लिए विशेष व्यंजन बनाती हैं, जैसे पूरन पोली, खीर या हलवा, जो प्यार का स्वाद लिए होते हैं। कुछ समुदायों में बहनें उपवास भी रखती हैं, जो उनके समर्पण को और गहरा करता है। यह सब केवल रस्में नहीं, बल्कि उस अनमोल प्रेम का प्रतीक हैं, जो भाई-बहन के बीच जीवन भर साथ चलता है।

भगवान राम के वियोग में भरत ने नंदीग्राम में की थी 14 साल तपस्या, गड्ढा खोदकर बनाया था विश्राम स्थल

त्रेतायुग में मां कैकयी के कहने पर भगवान राम ने भरत को सिंहासन सौंपते हुए वनवास स्वीकार किया था। उस वक्त सभी की आंखों में आंसू थे, लेकिन भरत का मन सबसे ज्यादा व्यथित था। भरत के मन में भी राज्य का राजा बनने का कोई लालच नहीं था और वह अपने भाई को ही अयोध्या पर राज करते देखना चाहते थे। भगवान राम के वनवास जाने के बाद भरत ने अयोध्या से दूर नंदीग्राम में अपना स्थान लिया और 14 साल तक भगवान राम की चरण पादुका को सिंहासन पर रख अयोध्या पर राज किया था।

14 साल कड़ी तपस्या की

नंदीग्राम में बने भरत कुंड में भरत ने वियोग में 14 साल कड़ी तपस्या की थी। अयोध्या के थोड़ा दूर नंदीग्राम में बने भरत कुंड की मान्यता बहुत है। यहां एक सरोवर कुंड है, जहां लोग स्नान करने आते हैं और अपने पितरों का तर्पण भी करते हैं। भरत कुंड में 27 तीर्थों का जल है, जिसकी वजह से इसकी मान्यता बहुत ज्यादा है। माना जाता है कि भगवान राम के अयोध्या लौटने पर इसी जल से उनका अभिषेक किया गया था। वहां छोटे से बने मंदिर में आज भी भगवान राम की चरण पादुका को एक चिन्ह स्वरूप विराजित किया गया है।

वट वृक्ष की लटाएं कभी जमीन को नहीं छूती

इसके अलावा मंदिर के प्रांगण में एक वट वृक्ष भी है। माना जाता है कि इसी वट वृक्ष के नीचे बैठकर भरत ने 14 साल कड़ी तपस्या की थी और इसी वजह से वट वृक्ष की लटाएं कभी जमीन को नहीं छूती हैं। यहीं बैठकर भरत ने हनुमान जी पर कोई राक्षस समझकर बाण चलाया था और भगवान हनुमान मूर्छित होकर गिर गए थे। मूर्छित पड़े हनुमान जी को वट वृक्ष की लताओं ने उठाया था और जमीन पर रखा था। तब से माना जाता है कि लटाओं ने कभी जमीन को नहीं छुआ है। दीपावली के मौके पर नंदीग्राम में बने भरत के तपस्या स्थल पर पूजा का खास आयोजन होता है। भक्त दूर-दूर से भगवान राम और भरत के निश्छल प्रेम को दर्शाते मंदिर को देखने के लिए आते हैं।

वट वृक्ष की लटाएं कभी जमीन को नहीं छूती

इसके अलावा मंदिर के प्रांगण में एक वट वृक्ष भी है। माना जाता है कि इसी वट वृक्ष के नीचे बैठकर भरत ने 14 साल कड़ी तपस्या की थी और इसी वजह से वट वृक्ष की लटाएं कभी जमीन को नहीं छूती हैं। यहीं बैठकर भरत ने हनुमान जी पर कोई राक्षस समझकर बाण चलाया था और भगवान हनुमान मूर्छित होकर गिर गए थे। मूर्छित पड़े हनुमान जी को वट वृक्ष की लताओं ने उठाया था और जमीन पर रखा था। तब से माना जाता है कि लटाओं ने कभी जमीन को नहीं छुआ है। दीपावली के मौके पर नंदीग्राम में बने भरत के तपस्या स्थल पर पूजा का खास आयोजन होता है। भक्त दूर-दूर से भगवान राम और भरत के निश्छल प्रेम को दर्शाते मंदिर को देखने के लिए आते हैं।

साल में नौ दिन दिवाली पर खुलता है हसनंबा मंदिर, एक साल पहले चढ़ाए गए फूल मिलते हैं पूरी तरह ताजा

भारत के अलग-अलग राज्यों में कई ऐसे छोटे-बड़े मंदिर हैं, जो अपनी दिव्य मान्यताओं के लिए जाने जाते हैं। कर्नाटक में ऐसा ही एक मंदिर है, जो सिर्फ साल में 9 दिन ही खुलता है और यहां जाकर भक्त लिखित में अपनी मनोकामना रखते हैं। कर्नाटक के हासन जिले में हसनंबा मंदिर है, जिसकी मान्यता पूरे देश में है। इस मंदिर को भगवान शिव और मां पार्वती के कई रूपों से जोड़ा गया है और इनके दर्शन करने मात्र से ही सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और आशीर्वाद प्राप्त होता है। दिवाली के दिन इस मंदिर को खास तौर पर सजाया जाता है और इस खास मौके पर दूर दराज से लोग दर्शन के लिए आते हैं।

यहां बस गई थीं सभी देवियां

कहा जाता है कि राक्षस अंधकासुर को अदृश्य होने का वरदान था। असुर को ये वरदान ब्रह्मा जी की घोर तपस्या के बाद मिला था। अदृश्य होने की वजह से असुर ने उत्पाद मचाना शुरू कर दिया। उसने संतों और ब्राह्मणों को अपना निशाना बनाया। ऐसे में असुर का अंत करने के लिए भगवान शिव ने अपनी शक्तियों से योगेश्वरी को बुलाया, जिन्होंने असुर का नाश किया। भगवान शिव की शक्ति से उत्पन्न हुई योगेश्वरी शक्तियों में वाराही, इंद्राणी, चामुण्डी, ब्राह्मी, महेश्वरी, कौमारी और वैष्णवी आईं। ऐसे में देवियों को स्थान भी देना था तब देवियों ने हासन को अपना स्थान चुना और वहीं बस गईं।

हसनंबा मंदिर की खास बातें

हसनंबा मंदिर इसलिए भी खास है, क्योंकि ये मंदिर सिर्फ 7 से 9 दिनों तक दिवाली के समय खुलता है और बाकी दिन बंद रहता है। मंदिर जब भी खुलता है, तब भक्तों की भीड़ मां के दर्शन के लिए पहुंचती है। कहा जाता है कि मंदिर 12वीं शताब्दी में होयसल वंश ने बनवाया था। मंदिर में चिट्ठी देकर मनोकामना देने की भी अनोखी परंपरा है। दिवाली के समय मंदिर में हर साल 'हसनंबा महोत्सव' होता है जिसमें भक्त अपनी अर्जी को चिट्ठी के रूप में भगवान को अर्पित करते हैं।

जब खोला जाता है मंदिर का दरवाजा

भक्तों का मानना है कि यहां मांगी गई मुराद हमेशा पूरी होती है और धन-धान्य और सुख-संपत्ति का आशीर्वाद मिलता है। माना जाता है कि दिवाली के समय मंदिर में दीया जलाया जाता है और अंदर से मंदिर को फूलों से सजाया जाता है। जब मंदिर को अगले साल खोला जाता है तो दीया जलता हुआ मिलता है और फूल भी बिल्कुल ताजा रहते हैं। इसी चमत्कार को देखने के लिए भक्त दूर-दूर से आते हैं।

संतानों को ऐसा रक्षा कवच दें, जो दुर्गुणों से उन्हें बचाए

वातावरण का अपना प्रभाव होता है। माहौल की अपनी भाषा होती है। कहा जाता है कि स्थितियों को पॉजिटिव रखिए। एक सीधा प्रयोग है। गाय से जुड़ी जितनी वस्तुएं हमारे आसपास होंगी, पॉजिटिविटी आएगी। गाय का दूध, घी, गोबर से बने कंडे और जितनी सामग्री है, इनमें नैसर्गिक पॉजिटिविटी है।

हमारी संस्कृति में एक तिथि मनाई जाती है– गोवत्स द्वादशी। कहते हैं इसका व्रत राजा उत्तानपाद और उनकी पत्नी सुनीति ने किया था तो उनको संतान के रूप में ध्रुव प्राप्त हुए थे। उत्तानपाद की एक और रानी थीं सुरुचि, जिनके बेटे का नाम था उत्तम। लेकिन ध्रुव अपने सदाचरण से सारी दुनिया में छा गए और उत्तम लगभग बर्बाद हो गए।

गोवत्स द्वादशी का यह व्रत संतानों के हित के लिए किया जाता है। संतानें यदि नीति से पाली जाएं तो ध्रुव बन जाएंगी और रुचि से पाली जाएं तो उत्तम की तरह भटक सकती हैं। इसलिए हमारे पारिवारिक जीवन में संतानों को ऐसा रक्षा कवच दें, जो दुर्गुणों से उन्हें बचाए और उस कवच का नाम है– गो की वस्तुएं।

'दबंग' डायरेक्टर ने फिर साधा सलमान खान पर निशाना, लगाया किडनैपिंग का आरोप

'दबंग' के निर्देशक अभिनव कश्यप पिछले काफी समय से सलमान खान के खिलाफ चौंकाने वाले दावे करते आ रहे हैं। 2010 में आई यह फिल्म हिट साबित हुई, लेकिन कश्यप का कहना है कि पर्दे के पीछे सब कुछ ठीक नहीं था। हाल ही में, उन्होंने सेट पर तनावपूर्ण पलों के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने सलमान खान पर कई हैरान करने वाले इल्जाम भी लगाए।

अभिनव कश्यप ने लगाए इल्जाम

बॉलीवुड ठिकाना के साथ बातचीत में कश्यप ने दावा किया कि सलमान ने एक बार फिल्म के एडिटर को किडनैप कर लिया था ताकि प्रोजेक्ट पर पूरा कंट्रोल पा सकें। कश्यप ने कहा 'सलमान ने मेरे एडिटर और एडिटिंग मशीन को किडनैप कर लिया और उसे अपने फार्म हाउस पर ले गए। फिर उन्होंने उसे कुछ समझाने के बाद ही वापस लौटने दिया। सलमान ने एक बार मेरे एडिटर को चेतावनी भी दी थी कि अगर डायरेक्टर ने फिल्म के साथ छेड़छाड़ की तो उसे सिलेंडर से मारेंगे।'

सलमान ने दिया कश्यप को जवाब

'बिग बॉस 19' के हालिया एपिसोड में सलमान खान ने कश्यप की पिछली टिप्पणी के बारे में कहा 'मेरे साथ उन्होंने आमिर को भी लपेटे में ले लिया। पिछले वीकेंड के वार पर मैंने ऐसे ही बोला था कि 'काम करो यार। किसी को कोई दिलचस्पी नहीं है।' आज फिर से पूछना चाहता हूं, 'काम मिला क्या भाई?' मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि ये जो नाम लेकर बुराई कर रहे हो, तो क्या ये लोग आपके साथ कभी काम करेंगे? आपके साथ जो लोग जुड़े हैं वह भी काम नहीं करेंगे।'

सलमान ने कश्यप को दी सलाह

सलमान खान ने आगे कहा 'मुझे सिर्फ एक ही चीज बुरी लगी कि आपने खुद को बर्बाद कर लिया। अगर किसी परिवार के पीछे पड़ना है तो खुद के परिवार के पीछे पड़ो। वे आपके बारे में चिंतित हैं। मैं आपको आगे बढ़ते हुए देखना चाहता हूं।'

सलमान खान का काम

सलमान खान आखिरी बार रश्मिका मंदाना के साथ फिल्म 'सिकंदर' में नजर आए थे। यह फिल्म ईद 2025 पर रिलीज हुई थी। वह फिलहाल 'बैटल ऑफ गलवां' की शूटिंग कर रहे हैं।

अमेरिका और पाकिस्तान में मॉडलिंग फिर बॉलीवुड में की धमाकेदार एंट्री

बॉलीवुड हो या फिर हॉलीवुड फिल्म, एक्ट्रेस नरगिस फाखरी ने कई फिल्मों में अपने ग्लैमरस भूमिका से दर्शकों का मनोरंजन किया है। मॉडलिंग में सफलता मिलने के बाद 2011 में नरगिस को पहली ही बार में रणबीर कपूर के साथ रॉकस्टार में स्क्रीन शेयर करने का मौका मिला, वह भी बतौर लीड एक्ट्रेस। एक्ट्रेस के करियर की शुरुआत भले ही अच्छी रही हो, लेकिन धीरे-धीरे उनके करियर की गाड़ी स्लो हो गई। आज भी नरगिस फिल्मों में सेकेंड लीड का रोल प्ले करती हैं। नरगिस सोमवार को अपना 46वां जन्मदिन मनाया। नरगिस फाखरी का जन्म न्यूयॉर्क में हुआ है, लेकिन पकिस्तान से भी उनका रिश्ता है। उनके पिता मोहम्मद फाखरी पाकिस्तानी के मूल निवासी थे और उनकी शादी मारिया ए. फाखरी से हुई थी। हालांकि दोनों का तलाक हो चुका है और उनके पिता भी अब दुनिया में नहीं रहे हैं। दोनों माता-पिता के अलग-अलग देशों के होने की वजह से उन्हें पाकिस्तान और अमेरिका दोनों की नागरिकता प्राप्त है।

नरगिस की रुचि मॉडलिंग में थी। 16 साल की उम्र में ही उन्होंने मॉडलिंग शुरू कर दी थी। उन्होंने पाकिस्तानी शोज के लिए भी मॉडलिंग की और साल 2004 में अमेरिका नेक्स्ट मॉडल शो में हिस्सा लिया, जिसके बाद उन्होंने भारत में किंगफिशर कैलेंडर और बाकी बड़े ब्रांड के लिए मॉडलिंग करनी शुरू की और उनका चेहरा हर तरफ छा गया।

मॉडलिंग में मिली सफलता के साथ नरगिस ने साल 2011 में आई फिल्म रॉकस्टार से बॉलीवुड में एंट्री मिली। फिल्म चल निकली और इतनी ज्यादा फेमस हो गई कि नरगिस और रणबीर के लिए मील का पत्थर साबित हुई। इसके बाद उन्होंने 'मद्रास कैफे', 'मैं तेरा हीरो', 'अजहर' और 'अमावस' जैसी हिट फिल्में दीं।

उन्होंने 2015 में हॉलीवुड फिल्म 'स्पाई ' में भी काम किया। जब किस्मत चमकी तो नरगिस ने साउथ में भी हाथ आजमाया और 'रश्नाः द रे ऑफ लाइट' और 'साहसम' में काम किया।

हालांकि कुछ समय बाद उन्होंने यह कहकर बॉलीवुड से दूरी बना ली कि वे लगातार फिल्में कर रही थीं और काफी तनाव ले रही थीं। काम के दौरान वह परिवार और दोस्तों को काफी मिस कर रही थीं। एक्ट्रेस ने तरीके से अपने लॉन्ग टर्म बॉयफ्रेंड से शादी कर ली है और 6 महीने तक अपनी शादी को छिपाकर रखा था, लेकिन अब वो अपने पति टोनी बेग के साथ मीडिया के सामने आती रहती हैं।

बताया था कि वह अब कुछ समय अपनी खुशी के लिए निकालना चाहती हैं। पर्सनल लाइफ की बात करें तो नरगिस ने गुपचुप

मैडॉक के हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स में 'सैयारा' फेम अनीत पड्डा की एंट्री, 'शक्ति शालिनी' में अदा करेंगी लीड रोल

कियारा आडवाणी को किया रिप्लेस

यशराज फिल्म्स की 'सैयारा' में अनीत पड्डा ने लीड रोल अदा किया। इस फिल्म ने उनके करियर को बुलंदी पर पहुंचा दिया है। अब उनकी एंट्री मैडॉक फिल्म्स के हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स में हो गई है। दरअसल, आज मैडॉक की 'थामा' थिएटर्स में रिलीज हो गई है। फिल्म के आखिर में मैडॉक के हॉरर यूनिवर्स की अगली फिल्म 'शक्ति शालिनी' का अनाउंसमेंट वीडियो शेयर किया गया। फिल्म में अनीत पड्डा लीड रोल अदा करेंगी।

अनीत ने कियारा आडवाणी को किया रिप्लेस

मैडॉक फिल्म्स ने 'थामा' की स्क्रीनिंग के दौरान 'शक्ति शालिनी' का आधिकारिक अनाउंसमेंट वीडियो शेयर करते हुए इसकी रिलीज डेट बताई है। साथ ही साफ कर दिया कि फिल्म में 'सैयारा' फेम अनीत पड्डा लीड रोल करेंगी। पहली फिल्म में कियारा आडवाणी यह रोल अदा करने वाली थीं। मगर, अब अनीत की झोली में यह किरदार आ गिरा है।

फिल्म 'शक्ति शालिनी' अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देगी। अनाउंसमेंट वीडियो में दी गई जानकारी के मुताबिक यह फिल्म

24 दिसंबर 2026 को रिलीज होगी। साझा किए गए वीडियो में 'या देवी सर्वभूतेषु' मंत्र सुनाई दे रहा है। इसके साथ स्क्रीन पर लिखा है, 'रक्षक, विध्वंसक, सभी की मां। आगे लिखा है, 'शक्ति शालिनी' में अनीत पड्डा।

अनीत के फैंस ने जताई खुशी

'शक्ति शालिनी' में अनीत पड्डा की एंट्री पर उनके फैंस काफी खुश हैं। नेटिजन्स अनीत को बधाई दे रहे हैं। साथ ही लिख रहे हैं, 'उम्मीद है कि यह फिल्म शानदार साबित होगी'। बात करें फिल्म 'थामा' की तो इस फिल्म का निर्देशन आदित्य सरपोतदार ने किया है। इसमें आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना, परेश रावल और नवाजुद्दीन सिद्दीकी जैसे सितारे हैं।

सामंथा ने कथित बॉयफ्रेंड राज के साथ मनाई दिवाली

सामंथा रुथ प्रभु लाखों दिलों पर राज करती आ रही हैं। हाल ही में दिवाली के अवसर पर सामांथा ने अपनी कुछ तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किए। सामांथा की इस पोस्ट ने इंटरनेट पर धूम मचा दी। अभिनेत्री ने दिवाली की शुभकामनाएं देते हुए कई तस्वीरें शेयर कीं, लेकिन सबका ध्यान खींचा उनके कथित प्रेमी राज निदिमोरु के साथ उनकी तस्वीर ने।

सामंथा रुथ प्रभु का पोस्ट

सामंथा रुथ प्रभु ने इस दिवाली पर इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर कीं। लेकिन उनमें से एक तस्वीर अपने कथित प्रेमी राज निदिमोरु के साथ शेयर की है। जिससे यह साफ हो जाता है कि सामंथा ने दिवाली राज के साथ भी मनाई।

सामंथा ने पोस्ट में लिखा, 'कृतज्ञता से भरी हुई।'

फैंस के कमेंट्स

सामंथा और राज को एक साथ देखकर उनके फैंस बेहद खुश हैं। सामंथा के फैंस उनकी इन तस्वीरों पर कमेंट कर अपनी राय पेश कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा, 'भारतीय फिल्म इंडस्ट्री की क्वीन', एक और फैन ने लिखा, 'सेम...हैप्पी दिवाली, इस दिवाली....आपके जीवन की खूबसूरत रोशनी शुरू हो', एक और फैन ने लिखा, 'हर कोई खुश रहने का हकदार हैं, आर प्यार और शांति के हकदार हैं। खुश रहो।', एक और फैन ने लिखा, 'दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएं।'

सामंथा और राज

सामंथा और राज निदिमोरु के रिश्ते की खबरें अक्सर चर्चा में रहती हैं, लेकिन दोनों ने इस बारे में कुछ नहीं कहा। राज का पहले श्यामाली डे से तलाक हो चुका है। सामंथा की भी पहले नागा चैतन्य से शादी हुई थी, जो 2021 में खत्म हो गई।

सामंथा का वर्कफ्रंट

सामंथा, राज और डीके के साथ 'रक्त ब्रह्मांडः द ब्लडी किंगडम' पर काम कर रही हैं। 'रक्त ब्रह्मांडः द ब्लडी किंगडम' एक्शन-फैंटेसी वेब सीरी है। इसका निर्देशन राही अनिल बर्वे ने किया है। इस सीरीज में आदित्य रॉय कपूर, सामंथा रुथ प्रभु, अली फजल, वामिका गब्बी और जयदीप अहलावत जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह एक काल्पनिक साम्राज्य की कहानी पर आधारित है।

नहीं रहे अंग्रेजों के जमाने के 'जेलर', 84 की उम्र में असरानी का निधन

अंतिम समय में पत्नी से कहा था कि वह अंतिम समय में कोई भीड नहीं चाहते

फिल्म 'शोले' में जेलर का किरदार निभाकर मशहूर हुए कॉमेडियन और एक्टर असरानी का सोमवार दोपहर निधन हो गया। वह बीते चार दिन से मुंबई के आरोग्यानिधि अस्पताल में भर्ती थे। जहां आज दोपहर तीन बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। 84 वर्षीय असरानी के निधन के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। हालांकि अमर उजाला को उनके मैनेजर ने यह जानकारी दी कि आज शाम ही उनका अंतिम संस्कार हो गया है।

असरानी ने आज सुबह ही अपने फैंस को दीवाली की शुभकामनाएं दी थीं। इसके चंद घंटों बाद उनका निधन हो गया।

अंतिम संस्कार तक हो गया पर किसी को पता नहीं चला

असरानी का अंतिम संस्कार आज सांताक्रूज पश्चिम स्थित शास्त्री नगर श्मशान घाट पर हुआ। वहां कोई भी फिल्मी हस्ती मौजूद नहीं थी। दरअसल, असरानी ने आज सुबह ही अपनी पत्नी मंजू से कहा था कि वे अपने अंतिम समय में कोई भीड़ नहीं चाहते, न ही लोगों को परेशान करना चाहते। वे शांतिपूर्वक जाना चाहते हैं। ऐसे में एक्टर के निधन के बाद पत्नी मंजू ने असरानी के सचिव से अनुरोध किया था कि वह किसी को भी इसकी जानकारी न दें।

असरानी को पहला ब्रेक

पढ़ाई पूरी होने के बाद असरानी ने 1960 से लेकर 1962 तक साहित्य कलभाई ठक्कर से अभिनय सीखा। साल 1962 में काम तलाशने के लिए वह मुंबई गए। 1963 में असरानी की मुलाकात किशोर साहू और ऋषिकेश मुखर्जी से हुई। उन्होंने असरानी को पेशेवर रूप से अभिनय सीखने की सलाह दी। 1964 में असरानी ने फिल्म संस्थान पुणे में दाखिला लिया और अभिनय सीखा। असरानी को सबसे पहला ब्रेक फिल्म 'हरे कांच की चूड़ियां' में मिला। इस फिल्म में उन्होंने अभिनेता बिश्वजीत के दोस्त का किरदार निभाया।

राजेश खन्ना के साथ की 25 फिल्में

पहली फिल्म में अपने अभिनय से सबका दिल जीतने वाले असरानी ने साल 1967 में गुजराती फिल्म में मुख्य किरदार निभाया। उन्होंने 4 और गुजराती फिल्मों में अभिनय किया। साल 1971 के बाद से असरानी को फिल्मों में कॉमेडियन का किरदार या अभिनेता के दोस्त का किरदार मिलने लगा। उन्होंने 1970 से लेकर 1979 तक 101 फिल्मों में काम किया। फिल्म 'नमक हराम' में काम करने के बाद असरानी और राजेश खन्ना दोस्त बन गए। इसके बाद राजेश खन्ना जिस फिल्म में काम करते, वह निर्माताओं से कहते कि असरानी को भी काम दें। असरानी ने राजेश खन्ना के साथ 25 फिल्मों में काम किया।

असरानी की हिट फिल्में

असरानी ने 1970 के दशक में कई फिल्मों में कॉमेडियन का किरदार निभाया। इन फिल्मों में 'शोले', 'चुपके चुपके', 'छोटी सी बात', 'रफू चक्कर', 'फकीरा', 'हीरा लाल पन्नालाल' और 'पति पत्नी और वो' शामिल हैं। कई फिल्मों में कॉमेडियन का किरदार निभाने वाले असरानी ने 'खून पसीना' में सीरियस रोल भी निभाया है।

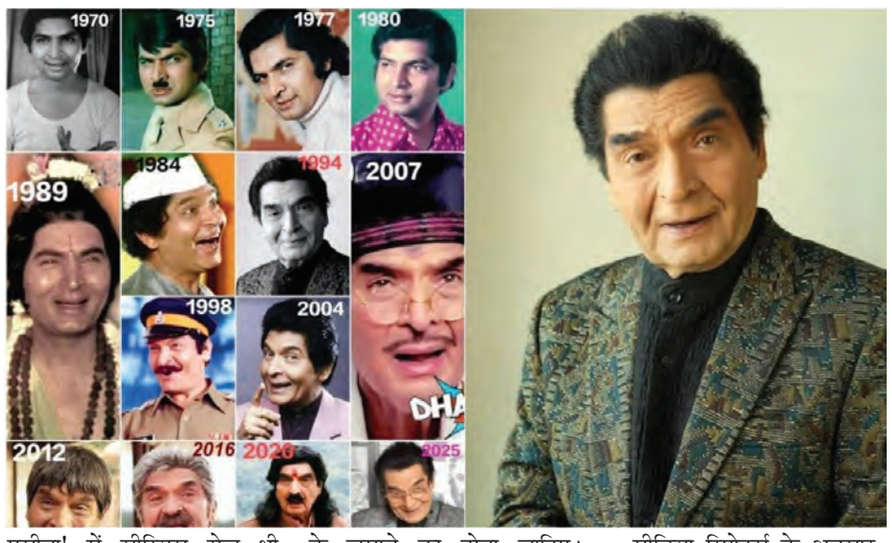

2000 के दशक में असरानी ने कई कॉमेडी फिल्मों में यादगार अभिनय किया। इसमें 'चुप चुप के', 'हेरा फेरी', 'हलचल', 'दीवाने हुए पागल', 'गरम मसाला', 'भागम भाग' और 'मालामाल वीकली' शामिल हैं।

असरानी की जिंदगी से जुड़े अनसुने किस्से

असरानी बॉलीवुड के मशहूर कॉमेडी कलाकार थे, जिन्होंने 50 साल से ज्यादा समय तक दर्शकों को हंसाया। 1 जनवरी 1941 को जयपुर में जन्मे असरानी ने करीब 350 फिल्मों में काम किया। उनका निधन 20 अक्टूबर को हुआ, लेकिन उनके सेट पर हुए किस्से हमेशा याद किए जाएंगे।

हिटलर से मिली प्रेरणा

फिल्म 'शोले' (1975) के सेट पर असरानी को जेलर का छोटा सा रोल मिला। डायरेक्टर रमेश सिप्पी ने कहा कि ये रोल अंग्रेजों के जमाने का होना चाहिए। असरानी ने खुद हिटलर के पुराने वीडियो देखे और उनका अंदाज कॉपी किया। चलने का तरीका, हाथ हिलाना और डायलॉग बोलना सब हिटलर जैसा। सेट पर सब हंस-हंसकर लोटपोट हो गए। उनका डायलॉग 'हम अंग्रेजों के जमाने के जेलर हैं' आज भी मशहूर है। असरानी ने कहा था कि ये रोल इतना छोटा था, लेकिन बॉडी लैंग्वेज ने इसे अमर बना दिया।

पत्नी से सेट पर पहली मुलाकात

असरानी की पत्नी मंजू से पहली मुलाकात 'आज की ताजा खबर' फिल्म के सेट पर हुई थी, जहां पहले उनकी दोस्ती हुई और फिर 'नमक हराम' के सेट पर उनकी मोहब्बत परवान चढ़ी। बाद में दोनों ने शादी कर ली। असरानी का एक बेटा है, जिनका नाम नवीन है।

जया बच्चन के साथ सेट पर हंसी का तूफान

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक बार फिल्म 'गुप्ता जी की भाभी' या इसी तरह की कोई शूटिंग के दौरान असरानी और जया बच्चन साथ थे। सीन में असरानी को जया पर गुस्सा दिखाना था, लेकिन दोनों इतना हंस पड़े कि 20 टेक लग गए। असरानी ने जया को चिढ़ाया और जया ने जवाब में उनका मजाक उड़ाया। डायरेक्टर को गुस्सा आ गया, लेकिन सेट पर माहौल खुशहाल हो गया। असरानी ने एक इंटरव्यू में बताया कि जया के साथ काम करना हमेशा मजेदार था, जैसे घर में बहन हो।

चलिए जानते हैं उनकी दमदार फिल्में, जिनमें निभाई जबरदस्त भूमिका।

शोले

रमेश शिप्पी के निर्देशन में साल 1975 में 'शोले' फिल्म रिलीज हुई थी। इस फिल्म में असरानी ने जेलर की भूमिका निभाई थी। फिल्म में उनके संवाद हम अंग्रेजों के जमाने के जेलर हैं अमर हो गया है। इस डायलॉग को आज की पीढ़ी भी धड़ल्ले से उपयोग करती है। दिवंगत अभिनेता ने इसे हिंदी सिनेमा के सबसे यादगार किरदारों में से एक बना दिया। फिल्म में अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र, हेमा मालिनी मुख्य भूमिका में नजर आए थे।

चुपके चुपके

ऋषिकेश मुखर्जी द्वारा निर्देशित फिल्म 'चुपके चुपके' में असरानी ने प्रशांत कुमार श्रीवास्तव की भूमिका अदा की थी। अभिनेता ने एक मजाकिया और चतुर आदमी का रोल किया था। उनके संवाद और कॉमेडी टाइमिंग ने दर्शकों को आकर्षित किया था।

नमक हराम

अमिताभ बच्चन, राजेश खन्ना और रेखा अभिनीत 'नमक हराम' फिल्म का निर्देशन ऋषिकेश मुखर्जी ने किया था। इस फिल्म में असरानी ने धोंधू की भूमिका निभाई थी। 1973 में रिलीज हुई इस एक्शन-कॉमेडी फिल्म में असरानी के किरदार ने सभी का ध्यान खींच लिया था।

भूल भुलैया

प्रियदर्शन के निर्देशन में साल 2007 में 'भूल भुलैया' फिल्म रिलीज हुई थी। इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म में असरानी ने कर्मचारी मुरारी का किरदार निभाया था। अभिनेता ने इस मनोवैज्ञानिक कॉमेडी में अपनी कॉमेडी टाइमिंग से दर्शकों का खूब मनोरंजन किया था।

धमाल

साल 2007 में रिलीज हुई फिल्म 'धमाल' में असरानी ने नारी कॉन्ट्रैक्टर की भूमिका निभाई थी। इस कॉमेडी फिल्म में उन्होंने दर्शकों को खूब हंसाया था। फिल्म में संजय दत्त, अरशद वारसी, जावेद जाफरी जैसे कलाकार मौजूद थे। इस फिल्म का निर्देशन इंद्र कुमार ने किया था।

हेरा फेरी

प्रियदर्शन के निर्देशन में साल 2000 में 'हेरा फेरी' फिल्म रिलीज हुई थी। इस फिल्म में असरानी ने बैंक मैनेजर की भूमिका निभाई थी। फिल्म में असरानी की अनुभवी कॉमिक टाइमिंग का फायदा मिला, उनकी सहायक भूमिका ने दर्शकों को हंसाया और कई यादगार क्षण बॉलीवुड के इतिहास में दर्ज हो गए।

खट्टा मीठा

साल 2010 में रिलीज हुई 'खट्टा मीठा' में असरानी ने करोड़ीमल की भूमिका निभाई थी। फिल्म में अक्षय कुमार, तृषा कृष्णन और राजपाल यादव जैसे कलाकार मौजूद थे।

दे दना दन

प्रियदर्शन के निर्देशन में साल 2009 में 'दे दना दन' फिल्म रिलीज हुई थी। इस फिल्म में असरानी ने सुपारी किलर मामू की भूमिका निभाई थी। फिल्म में असरानी के रोल को दर्शकों ने खूब प्यार दिया था।

अगले साल रिलीज होगी असरानी की आखिरी फिल्म

बॉलीवुड के दिग्गज कॉमेडियन असरानी के निधन की खबर से इंडस्ट्री सदमे में है। लेकिन उनकी आखिरी फिल्में देखने के लिए फैंस बेकरार हैं। असरानी प्रियदर्शन की दो नई फिल्मों में काम कर रहे थे, जो 2026 में रिलीज होंगी। ये दोनों ही फिल्में हॉरर-कॉमेडी हैं, जिनमें असरानी का मजेदार अंदाज नजर आएगा।

'भूत बंगला'

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 'भूत बंगला' फिल्म डर और हंसी का मजेदार तड़का है। यह एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म है, जो काले जादू और भूतों की दुनिया पर आधारित है। अक्षय कुमार इसमें जादूगर का किरदार निभाते नजर आएंगे, जो डरावने सीन के बीच हंसी भी बिखेरेंगा।

इस फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा तबू, परेश रावल, राजपाल यादव, वामिका गब्बी और असरानी मुख्य भूमिकाओं में नजर आ सकते हैं। असरानी का किरदार कॉमेडी को और मजेदार बनाएगा। इस फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन कर रहे हैं, जो अक्षय के साथ 'हेरा फेरी' और 'भूल भुलैया' जैसी हिट बना चुके हैं। यह फिल्म 2 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है।

हैवान

'हैवान' फिल्म जो अंधेरे में छिपी सच्चाई है। यह एक हॉरर-कॉमेडी है, लेकिन इसमें सस्पेंस और ड्रामा ज्यादा है। अक्षय कुमार और सैफ अली खान लीड रोल में हैं, जो एक डरावनी साजिश को सुलझाते नजर आएंगे।

असरानी का रोल फिल्म को हल्का-फुल्का बनाएगा। इस फिल्म में अक्षय कुमार, सैफ अली खान और असरानी के अलावा बाकी कास्ट का ऐलान बाकी है। इस फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन कर रहे हैं। यह फिल्म 2026 में रिलीज हो सकती है।

भाई दूज पर बहन को देना है खास तोहफा तो अभी से करें तैयारी

भाई-बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक भाई दूज दीपावली के उत्सव की अंतिम कड़ी है। यह पर्व रक्षाबंधन की तरह भाई और बहन के रिश्ते को सम्मान और अपनापन देने वाला दिन है। इस दिन बहनें अपने भाई के माथे पर तिलक लगाती हैं, आरती उतारती हैं और दीर्घायु की कामना करती हैं।

बदले में भाई अपनी बहन को प्रेम स्वरूप उपहार देता है। वर्ष 2025 में भाई दूज 23 अक्टूबर को मनाया जाएगा।

इस दिन अगर आप अपनी बहन को कुछ स्पेशल और यादगार गिफ्ट देना चाहते हैं, तो यह तैयारियां शुरू करने का यह सही समय है।

भाई दूज 2025 पर बहन के चेहरे पर मुस्कान लाना सबसे बड़ा उपहार है। चाहे महंगा गिफ्ट दें या छोटा सा सरप्राइज़, उसमें आपका प्यार और समय सबसे कीमती है।

भाई दूज पर बहन को क्या गिफ्ट दें?

भाई दूज पर भाई अपनी बहन को तोहफा देना चाहते हैं तो साल 2025 के लिए ट्रेंडिंग गिफ्ट आइडियाज दिए जा रहे हैं।

पर्सनलाइज्ड ज्वेलरी

नाम या इनिशियल वाली नेकलेस, ब्रेसलेट या सिल्वर रिंग आजकल काफी लोकप्रिय हैं। ये बहन के लिए इमोशनल टच देने वाला तोहफा है।

फोटो फ्रेम या डिजिटल मेमोरी बॉक्स

भाई-बहन की पुरानी तस्वीरों वाला एल्बम या LED डिजिटल फ्रेम गिफ्ट करें। इसमें आप प्यारी यादें कैद कर सकते हैं।

स्पा या ब्यूटी वाउचर

अगर आपकी बहन कामकाजी है या घर संभालती है, तो उसके लिए रिलैक्सेशन का गिफ्ट सबसे परफेक्ट रहेगा। आप उन्हें स्पा या ब्यूटी वाउचर गिफ्ट में दें।

फैशन हैंडबैग या एक्सेसरीज

ब्रांडेड बैग, स्टाइलिश घड़ी या ट्रेंडी इयररिंग्स हर लड़की की पसंद होते हैं। इन्हें अभी से आनलाइन बुक करके समय पर गिफ्ट प्राप्त किया जा सकता है, वो भी बजट में।

होम डेकोर गिफ्ट्स

सुंदर कैंडल सेट, वॉल हैंगिंग या सिरेमिक मूर्तियां ये सब बहन के कमरे या घर को और खूबसूरत बना सकते हैं। उन्हें ये तोहफे पसंद आएंगे। हो सके तो इन्हें पहले से ही खरीद लें, क्योंकि दिवाली तक इनके दाम बढ़ सकते हैं।

टेक गिफ्ट्स

अगर आपकी बहन डिजिटल लाइफ में एक्टिव है तो उसे ब्लूटूथ ईयरबड्स, फिटनेस बैंड या मिनी स्पीकर गिफ्ट करें। इन दिनों बंपर सेल आई हुई होती है, तो बहन के लिए उनकी पसंद या जरूरत के हिसाब से गैजेट पहले से बुक कर लें।

साथ खाने से सिर्फ़ प्यार ही नहीं बढ़ता बल्कि ढेर सारे सेहत संबंधी लाभ भी मिलते हैं

अंग्रेज़ी में एक कहावत है- 'अ फैमिली दैट ईट्स टुगेदर, स्टेज़ टुगेदर' यानी 'जो परिवार साथ खाता है, वह साथ रहता है।' किंतु आज परिस्थिति इसके विपरीत हो गई है। यह लेख इसी कहावत को जीवन में उतारने के लिए प्रेरित कर रहा है।

परिवार जीवन का आधार है। यही वह जगह है जहां हम सबसे पहले बोलना, चलना, साझा करना और अपनापन सीखते हैं। आज की भागदौड़ भरी ज़िंदगी में हर कोई अपने-अपने काम और ज़िम्मेदारियों में व्यस्त हो चुका है। बच्चे स्कूल-कॉलेज से घर लौटकर रात का खाना खाकर पढ़ने बैठ जाते हैं। वहीं घर के बड़े-बुज़ुर्गों को पहले ही भोजन करा दिया जाता है।

दफ़्तर से लौटने के बाद पति-पत्नी सबसे आख़िरी में भोजन करते हैं। जब परिवार के सभी सदस्य अलग-अलग समय पर भोजन करते हैं, तब उनका साथ धीरे-धीरे कम होता जाता है। साथ कम होता है तो ज़ाहिर है इसका असर भावनाओं पर भी पड़ता होगा।

लेकिन भोजन एक ज़रिया है जो सभी को जोड़ सकता है। केवल एक समय में साथ बैठकर खाना, पेट भरने की क्रिया नहीं है, बल्कि संवाद, आत्मीयता और मानसिक शांति का माध्यम भी है।

एक-दूसरे को जानने का अवसर

बड़े भाई-बहन को क्या पसंद है, दादा-दादी को किस चीज़ से परहेज़ करना पड़ता है, ऐसी छोटी-छोटी बातें रिश्तों में गहराई लाती हैं। लेकिन आज की व्यस्त ज़िंदगी में अक्सर कोई भी एक-दूसरे की पसंद-नापसंद से वाक़िफ़ नहीं रह पाता। साथ बैठकर भोजन करने से यह दूरी कम होती है और परिवार के सदस्य एक-दूसरे को बेहतर तरीक़े से जान पाते हैं।

बच्चों के लिए सीखने का अवसर

बच्चे अपने माता-पिता और बड़े भाई-बहनों को देखकर अच्छे संस्कार और आदतें सीखते हैं। भोजन से पहले हाथ धोना, सबका इंतज़ार करना और एक-दूसरे से विनम्रता से बात करना, ये सब बातें बच्चे स्वाभाविक रूप से अपना लेते हैं। भोजन का समय बच्चों के लिए सुरक्षित मंच बन जाता है जहां वे अपने अनुभव व समस्याएं साझा कर सकते हैं। जब माता-पिता ध्यान से सुनते हैं और स्नेहपूर्वक प्रतिक्रिया देते हैं, तो बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ता है और उनमें भावनात्मक मज़बूती आती है।

बुज़ुर्गों के लिए सम्मान और अपनापन

जीवन के इस पड़ाव पर बुज़ुर्गों को अक्सर लगता है कि उनकी भूमिका कम हो गई है। लेकिन परिवार संग भोजन उन्हें यह एहसास कराता है कि वे आज भी परिवार की धुरी हैं। बातचीत के दौरान वे अपने जीवन के अनुभव और कहानियां साझा कर सकते हैं, जिससे नई पीढ़ी को मार्गदर्शन मिलता है और उनका अकेलापन कम होता है।

रिश्तों को मज़बूत करने का माध्यम

सिर्फ़ बच्चे और बुज़ुर्ग ही नहीं, बल्कि हर सदस्य के लिए यह पल रिश्तों को गहराई देने वाला होता है। दिनभर की थकान और तनाव भोजन के समय हंसी-मज़ाक़ में बदल जाते हैं। सहज संवाद से ग़लतफ़हमियां दूर होती हैं और एक साथ बैठकर खाना रिश्तों में मिठास घोल देता है।

मनोवैज्ञानिक लाभ भी हैं

ऑक्सीटोसिन का स्तर बढ़ना- साथ बैठकर भोजन करने से शरीर में 'बॉन्डिंग हॉर्मोन' ऑक्सीटोसिन स्रावित होता है, जो रिश्तों में अपनापन, विश्वास और भावनात्मक जुड़ाव बढ़ाता है।

तनाव कम होना- परिवार के बीच हंसी-मज़ाक़ और बातचीत डोपामिन व सेरोटोनिन जैसे रसायन को सक्रिय करती हैं, जिससे तनाव और चिंता घटती है।

मानसिक शांति- भोजन के दौरान माहौल सकारात्मक होने से मन हल्का होता है, आत्म-संतोष बढ़ता है और दिनभर की थकान दूर होती है।

स्वास्थ्य पर प्रभाव- साथ बैठकर खाना आमतौर पर धीमी गति से और संतुलित मात्रा में खाया जाता है, जिससे पाचन बेहतर होता है और मोटापा नियंत्रित रहता है।

साथ के लिए समय ऐसे निकालें

कम से कम एक समय तय करें- एक समय का नाश्ता या रात का खाना साथ बैठकर खाने का नियम तय करें। अगर बच्चे पहले खाना खा भी लेते हैं तो उन्हें साथ बैठने के लिए कहें।

मोबाइल और टीवी से दूरी- भोजन के समय फोन, टीवी या लैपटॉप बंद रखें ताकि ध्यान सिर्फ़ आपसी बातचीत और खाने पर रहे। वहीं, बड़े भी फोन पर बात या स्क्रॉल नहीं करेंगे।

फैमिली डिनर नाइट- हफ़्ते में कम से कम एक दिन तय करें जब पूरा परिवार मिलकर खाना बनाए और साथ खाए। चाहें तो कैम्पफायर भी कर सकते हैं जिसमें बच्चों को भी ख़ूब आनंद आएगा।

पहले से योजना बनाएं- एक टाइमटेबल बनाएं व उसके अनुसार रात के भोजन का समय तय करें। बुज़ुर्ग भी साथ रहें, पर उन्हें शाम को नाश्ता ज़रूर कराएं ताकि उन्हें भूखे पेट इंतज़ार न करना पड़े।

बाहर खाने पर जाएं- अगर घर पर संभव न हो, तो हफ़्ते में एक बार छुट्टी वाले दिन परिवार के साथ बाहर खाने जाएं। इससे घूमना हो जाएगा और साथ में समय भी बिता सकेंगे।

थोड़ा-सा समय भी काफ़ी है- अगर दिन या रात का भोजन संभव न हो तो चाय, कॉफी या फल काटकर खाने का छोटा-सा समय भी साझा किया जा सकता है। साथ में सैर भी कर सकते हैं।

ये बातें बनाती हैं आपको सपोर्टिव हस्बैंड पत्नी कभी नहीं होती नाराज

पति-पत्नी का रिश्ता ऐसा होता है, जो सबसे अलग होता है। यह आपके साथ जिंदगी भर चलता है, लेकिन अगर आप चाहे तों वरना कई बार इसे टूटने में भी देर नहीं लगती। वैसे तो यह रिश्ता बराबरी का होता है, जहां पति और पत्नी दोनों की ही बराबरी से इसे संभालने की जिम्मेदारी बनती है। लेकिन जब पुरुष एक महिला को अपनी पत्नी बनाकर घर लाते हैं, तो उन्हें एक पति के रूप में उनका दिल भी पूरी तरह से जीतना होता है। भले ही आपने लव मैरिज की हो, मगर आपका एक दायित्व अपनी पत्नी की तरफ बनता है, क्योंकि वह अपना घर छोड़कर आपके साथ रहने आती है। शादी के बाद एक महिला को सबसे ज्यादा अपने पति के सपोर्ट की जरूरत होती है, जिसे आप जीवनभर भी जारी रख सकते हैं। आपका ऐसा करना आपकी वाइफ को न सिर्फ स्ट्रॉन्ग फील कराएगा बल्कि फिर वह आपसे शायद ही कभी नाराज हो। हम आपको कुछ ऐसे ही आसान से टिप्स देने जा रहे हैं, जिसके जरिए आप अपनी पत्नी का सपोर्ट सिस्टम बन सकते हैं।

पति नहीं दोस्त बनने की करें कोशिश

एक अच्छा पति वो नहीं होता जो सिर्फ समय पर घर आ जाता हो और अपनी पत्नी की हर बात को सुनता हो बल्कि आपको उसका पार्टनर होने के साथ-साथ

अच्छा दोस्त भी बनना होता है। कई बार आप हस्बैंड के नजरिए से अपनी वाइफ की प्रॉब्लम्स को नहीं समझ पाते हैं, न ही वे भी आपसे खुलकर अपनी बातें साझा कर पाती हैं। ऐसे में आप उनके दोस्त बनकर न सिर्फ अपने रिश्ते को मजबूती देते हैं, बल्कि उन्हें भी स्ट्रॉन्ग बनाते हैं। वह शादी के बाद भी अकेला नहीं महसूस करती, बल्कि एक दोस्त के हमेशा साथ होने पर भरोसा कर पाती है। जो उनके लिए किसी बड़े सपोर्ट सिस्टम से कम नहीं है।

घर के काम में बंटाए हाथ

अगर आप एक सपोर्टिव हस्बैंड बनना चाहते हैं, तो सबसे पहले शुरुआत घर से ही करें। अपनी पत्नी के घर के कामों में उनका हाथ बंटाए। किचन में खाना बनाने से लेकर बर्तन धोने तक, जैसे कामों में अपनी पत्नी की मदद करें, ताकि उन्हें बोझ जैसा कभी फील न हो। आप इस तरह से बैलेंस बनाकर चलें कि अगर वे ज्यादा थकान महसूस कर रही हों, तो उन्हें आराम करने दें और बचे हुए काम को निपटा दें। इससे वे हमेशा ही टेंशन फ्री महसूस करेंगी। जब आप अपनी पत्नी को हर तरह से सपोर्ट करते हैं, तो वे खुद को मजबूत समझती हैं।

उनकी केयर करें

हर एक रिश्ते में केयर करना सबसे अहम माना जाता है। अगर आप अपने साथ रहने वालों की परवाह ही नहीं करते, तो इसका मतलब यह है कि आप उनसे प्यार नहीं करते, जो सभी रिश्तों की नींव होता है। पति-पत्नी को एक-दूसरे के केयर हमेशा करनी चाहिए। जैसे पत्नी के बीमार होने पर तुरंत डॉक्टर के पास ले जाना, उन्हें कुछ बुरा लगें तो उस बारे में उनसे बात करें, वे लाइफ को लेकर क्या सोचती हैं, उनकी पसंद क्या है। जब आप उनके लिए इमोशनल सपोर्ट बनते हैं, तो वे भी इस विश्वास के साथ आगे बढ़ पाती हैं कि कुछ भी हो आप उनके साथ हैं।

करियर में आगे बढ़ने में दें साथ

शादी के बाद महिलाओं की प्राथमिकता अक्सर बदल जाती है, लेकिन इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं कि वे अपने करियर पर ध्यान नहीं देना चाहती हैं। पतियों को लगता है कि पत्नियां अपने करियर को लेकर कुछ खास सीरियस नहीं होती हैं और इसलिए वे उन्हें सलाह देने की बजाय इसे इग्नोर करते नजर आते हैं। जबकि शादी के बाद महिलाएं चाहती हैं कि आप उनसे पूछें कि वे क्या करना चाहती हैं। अपने करियर को लेकर उनके कई सारे प्लान्स हो सकते हैं, जिसमें सहयोग करके आप उनका मनोबल बढ़ा सकते हैं। एक पत्नी के लिए आपका उसके साथ खड़ा होना ही काफी है।

महिलाओं की इन बातों पर पुरुष नहीं देते ध्यान

महिलाओं की कुछ ऐसी बातें होती हैं, जिस पर पुरुष कुछ खास ध्यान नहीं देते हैं। हालांकि वे चाहती हैं कि पुरुष खुद को लेकर इसमें बदलाव करें, लेकिन ऐसा होता नहीं है। इसके बजाय महिलाओं को खुद में थोड़ा चेंज लाने की जरूरत है, जो उनकी जिंदगी को बेहद आसान बना देगा।

कई बार पुरुष बहुत निराश महसूस करते हैं कि उनकी पत्नी बहुत कठोर और सख्त है? खैर, उनकी निराशा पूरी तरह से गलत भी नहीं है। महिलाएं उन चीजों के बारे में गंभीर और कठोर होती हैं जो वास्तव में उतनी मायने नहीं रखतीं जितनी होनी चाहिए। ऐसे में गुस्सा और निराश होना काफी आम बात है। पुरुष केवल यही चाहते हैं कि उनकी पत्नियां कुछ चीजों को इतनी गंभीरता से न लें और थोड़ी देर के लिए सबकुछ छोड़ दें। महिलाओं को हम यहां कुछ ऐसी बातें बताने जा रहे हैं, जिन्हें लेकर वे खुद में थोड़ा बदलाव कर सकती हैं। जो उनके और पति के बीच में स्ट्रॉन्ग बॉन्ड बना सकता है।

ओवरथिंकिंग से रहते हैं दूर

महिलाएं बहुत सारी चीजें अपने आप ही मन में मान लेती हैं जबकि पुरुष ऐसा नहीं करते। हर बार जब उनकी पत्नियां कुछ चीजों को मान लेती हैं और न समझने के लिए उन्हें ताना मारती हैं, तो बाद में वे बहुत ज्यादा ही चिड़चिड़ापन महसूस करने लगते हैं। कई बार पत्नियों के कुछ काम कहने के बाद उसके न पूरा होने पर वे तुरंत ही पति पर बरस पड़ती है। वे मान लेती हैं कि उन्हें पता था कि काम जरूरी है फिर भी नहीं किया। जबकि ऐसा नहीं होता।

फीमेल दोस्त का होना

कई महिलाएं तब असुरक्षित महसूस करने लगती हैं, जब उनका पति उनके सामने किसी अन्य महिला का नाम लेने लगता

है। असुरक्षा इतनी बढ़ जाती है कि महिलाएं अपने ही पति का अपमान कर बैठती हैं। जबकि ऐसा भी हो सकता है कि वह दूसरी औरत आपके पति की सिर्फ अच्छी दोस्त हो और वे उसके बारे में बस एक बात आपसे शेयर कर रहे हों।

मजाक करने में होते हैं माहिर

पुरुषों को मजाक करना पसंद है! असल मायने में, वे उन लोगों के साथ रहना पसंद करते हैं जिनकी इसमें दिलचस्पी होती है। हालांकि कई बार महिलाएं इसे गलत समझ बैठती हैं और मजाक में वे खुद का अपमान समझ लेती हैं। यहां तक कि वे नाराज भी हो जाती हैं। हालांकि पुरुष चाहते हैं कि महिलाएं भी उनके साथ जोक्स क्रैक करें और उनके साथ मजाकिया अंदाज में रहे।

प्राइवेसी बनाए रखना होता है पसंद

सभी पुरुषों को सामने से प्यार दिखाना पसंद नहीं होता। कुछ बहुत ही रिजर्व रहना पसंद करते हैं। हालांकि कुछ महिलाएं इसका बड़ा मुद्दा बना लेती हैं और अपने पति से इसकी डिमांड करने लगती हैं। हालांकि, जब पुरुष आखिरी में न में जवाब देते हैं, तो वे परेशान हो जाती हैं और असुरक्षित महसूस करने लगती हैं। हम यहां बताने की कोशिश कर रहे हैं कि पुरुष दुनिया के सामने प्यार दिखाने को बहुत सीरियसली नहीं लेते हैं।

अगर दिखते हैं ये इशारे, तो नौकरी छोड़ने में तनिकभर भी न लगाएं वक्त

अगर आपके दिमाग में नौकरी को छोड़ने का ख्याल आने लगे और आप एक स्टेबल जॉब में भी हों, तो आपको थोड़ा ध्यान देने की जरूरत हो। ऐसा होना कोई आम बात नहीं है, इसका मतलब यह है कि आप नौकरी में खुश नहीं हैं और आपको इसे स्विच करने या ब्रेक लेने की जरूरत है। वरना आपकी सेहत भी खराब हो सकती है।

क्या आपका दिमाग में पिछले कुछ दिनों से नौकरी छोड़ने के लिए घूम रहा है, भले ही वह स्थिर हो? इस तरह के संकेत बताते हैं कि आपको वाकई में अपनी जॉब चेंज करने की जरूरत है।

आपके मन में नौकरी को लेकर मिली-जुली भावनाएं हो सकती हैं कि आपका नौकरी छोड़ने का तब भी मन कर रहा हो जब आप एक बैलेंस्ड जॉब में हो। ऐसा इसलिए क्योंकि हर एक कर्मचारी को करियार में आगे बढ़ने की जरूरत है, लेकिन आपका कम्फर्टे जोन आपको ऐसा करने से रोकता है। भले ही यह थोड़ा डरावना लगता हो, लेकिन आपको अपनी जॉब छोडने की जरूरत है।

आप अपनी नौकरी से खुश नहीं

अपनी नौकरी से संतुष्ट होना या खुश रहना बिल्कुल अलग-अलग बाते हैं। अगर आप सिर्फ संतुष्ट हैं, तो आपको अपनी नौकरी बदलने की आवश्यकता हो सकती है। आपको एक ऐसी

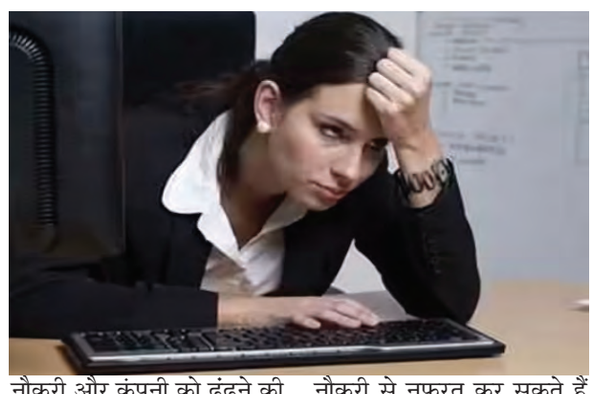

नौकरी और कंपनी को ढूंढने की जरूरत है, जो आपको सुबह उठते ही एक्साइट कर दे और काम पर जाने के लिए उत्साहित करे।

ऑफिस का बुरा कल्चर

आप अपनी लाइफ का बड़ा पार्ट अपने वर्कप्लेस पर बिताते

हैं और इसलिए यह जरूरी है कि आप अच्छे सहयोगियों से घिरे रहें जो आपको आराम से काम करने दें। एक खराब वातावरण में काम करने से आप अपनी नौकरी से नफरत कर सकते हैं और यहां तक कि ये आपके मनोबल भी गिरा सकता है। बेहतर यही होगा कि इस तरह के माहौल से जितना जल्दी हो जाए बाहर निकल आएं, वरना इसका बुरा असर आपकी सेहत पर पड़ सकता है।

घंटो कर्मचारियों से काम कराना

एक स्टेबल जॉब का यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि आप अपने वर्किंग आवर्स से ज्यादा काम करें। अगर आपसे लंबे समय तक काम करने के लिए एक या दो बार बोला जाता है, तब कोई बात नहीं है। लेकिन अगर आपका बॉस इसे अपनी आदत बना लेता है, तो आपको जॉब न छोड़ने वाले फैसले पर एक बार फिर विचार करना चाहिए। आपको अपनी पर्सनल लाइफ बैलेंस करने की जरूरत है, लेकिन ऑफिस के लिए घंटो काम करना आपको फिजिकल और मेंटल हेल्द को इफेक्ट कर सकता है।

नौकरी का अच्छा मौका

अगर आपके पास दूसरी नौकरी का बेहतर ऑप्शन है, तो उसे तुरंत पकड़ लें। इसलिए मना न करें क्योंकि आपके पास पहले से ही एक स्टेबल जॉब है। लाइप में सफलता की ओर बढ़ने के बारे में सोचें। नए गोल्स पर फोकस करें, जो आप कर सकते हैं। आप आगे नहीं बढ़ पाएंगे, अगर आप एक ही जगह पर हमेशा काम करते रहेंगे।

सेहत पर पड़ा रहा असर

अगर आप लगातार स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से पीड़ित हैं, तो नौकरी छोड़ने का यह एक अच्छा कारण है।

आपकी नौकरी एक कारण हो सकती है कि आप इतना तनाव महसूस कर रहे हैं, जिससे बहुत सारी स्वास्थ्य समस्याएं हो रही हों। अगर आपके पास कुछ समय रहने के लिए पर्याप्त सेविंग्स हैं, तो आप अपने स्वास्थ्य को ठीक करने के लिए थोड़ा ब्रेक भी ले सकते हैं।

रूसी तेल पर अंबानी ने बदली अपनी चाल
ट्रंप का डर या यूरोप का आया ख्याल

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे बड़े ऑयल रिफाइनर के मालिक मुकेश अंबानी ने कच्चे तेल की सप्लाई को लेकर अपनी चाल बदल डाली है। इसका मतलब है कि अब रिलायंस इंडस्ट्रीज ने रूसी ऑयल की सप्लाई कम और मिडिल ईस्ट से सप्लाई ज्यादा शुरू की है। पिछले हफ्ते के आंकड़े कुछ इसी तरह की कहानी को बयां कर रहे हैं। खास बात तो ये है कि आने वाले दिनों में रिलायंस को मिडिल ईस्ट से सप्लाई कुछ ज्यादा की बढ़ सकती है। मतलब साफ है कि जहां एक ओर ट्रंप के टैरिफ ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। वहीं दूसरी ओर रिलायंस के सबसे बड़े बाजार यूरोप का प्रेशर भी साफ देखा जा रहा है। जिसकी वजह से रिलायंस के ऑयल बाइंग पैटर्न पर साफ देखने को मिल रहा है।

मिडिल ईस्ट से बढ़ाई सप्लाई

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में नाम ना बताने वाले लोगों के हवाले कहा कि मुकेश अंबानी की रिफाइनरी ने इराक के बसरा मीडियम, अल-शाहीन और क़तर लैंड से कम से कम 25 लाख बैरल तेल ख़रीदा है। जानकारों ने कहा कि रिलायंस की आम जरूरतों में मिडिल ईस्ट से कच्चे तेल की सप्लाई होती है, लेकिन हाल ही में मिडिल ईस्ट से कच्चा तेल ज्यादा ही खरीदा गया है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार रिलायंस इंडस्ट्रीज की ओर से मिडिल ईस्ट के तेल की क्वालिटी को लेकर भी पूछताछ कर रही है। जो इस बात का संकेत है कि आने वाले दिनों में रिलायंस के लिए मिडिल ईस्ट की सप्लाई में इजाफा देखने को मिल सकता है। कंपनी आमतौर पर भारत में मास्को के कच्चे तेल की सबसे बड़ी खरीदार रही है।

अमेरिका और यूरोप का दबाव

यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने के प्रयासों के तहत, अमेरिका भारत पर रूसी कच्चे तेल के आयात पर अंकुश लगाने का दबाव बना रहा है। इस महीने की शुरुआत में, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि दक्षिण एशियाई देश मास्को से तेल की सभी खरीद बंद करने पर सहमत हो गया है। हालांकि नई दिल्ली ने उनकी टिप्पणियों की पुष्टि नहीं की। लोकल रिफाइनरियों ने मोटे तौर पर संकेत दिया है कि वे रूस से तेल कम खरीदेंगे – लेकिन बंद नहीं करेंगे। अमेरिकी कदमों के अलावा, रूसी कच्चे तेल से बने फ्यूल के आयात पर यूरोपीय संघ का प्रतिबंध 21 जनवरी से लागू होने वाला है, जिसका रिलायंस के यूरोपीय यूनियन को रिफाइंड प्रोडक्ट्स के निर्यात पर संभावित रूप से असर पड़ सकता है। आधिकारिक दिशानिर्देशों में भारत को एक ऐसे देश के रूप में नामित किया गया है जिसके साथ दूसरे देशों को अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए। वैसे रिलायंस इंडस्ट्रीज की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है।

कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट

वहीं दूसरी ओर इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। 26 सितंबर के बाद से ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतों में 13 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखने को मिल चुकी है। आंकड़ों के अनुसार 26 सितंबर को खाड़ी देशों का कच्चा तेल ब्रेंट क्रूड ऑयल के दाम 70.13 डॉलर प्रति बैरल था, जो 21 अक्टूबर को 60.58 डॉलर प्रति बैरल पर आ चुका है। इसका मतलब है कि खाड़ी देशों के कच्चे तेल की कीमतों में करीब 10 डॉलर प्रति बैरल की गिरावट देखने को मिल चुकी है। वहीं दूसरी ओर अमेरिकी क्रूड ऑयल के दाम भी 26 सितंबर के बाद से करीब 14 फीसदी तक टूट चुके हैं। 26 सितंबर को अमेरिकी क्रूड ऑयल की कीमतें 65.72 डॉलर प्रति बैरल पर थीं, जो मौजूदा समय में दाम 56.61 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गए हैं।

14 अरब डालर स्वाहा! दुनिया के इस बड़े रईस पर फूटा 'दिवाली बम', कितनी रह गई नेटवर्थ?

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका की दिग्गज सॉफ्टवेयर कंपनी ओरेकल के शेयरों में सोमवार को करीब 5 फीसदी गिरावट आई। इससे कंपनी के फाउंडर लैरी एलिसन की नेटवर्थ में 14 अरब डॉलर यानी करीब 12,33,09,48,00,000 रुपये की गिरावट आई। हालांकि इस गिरावट के बावजूद एलिसन इस साल सबसे ज्यादा कमाई करने वाले अरबपति हैं। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक इस साल उनकी नेटवर्थ में 144 अरब डॉलर की तेजी आई है। वह 336 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं।

इस बीच दुनिया के टॉप 10 अमीरों में से 7 की नेटवर्थ में सोमवार को तेजी रही। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की नेटवर्थ में 5.8 अरब डॉलर की तेजी रही। वह 461 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ पहले नंबर पर जमे हुए हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 28.6 अरब डॉलर की तेजी आई है। फेसबुक की फाउंडर मार्क जकरबर्ग ($258 अरब) तीसरे, जेफ बेजोस ($240 अरब) चौथे, लैरी पेज ($224 अरब) पांचवें, सर्गेई ब्रिन ($209 अरब) छठे, बर्नार्ड अरनॉल्ट ($196 अरब) सातवें, स्टीव बाल्मर ($178 अरब) आठवें, जेंसन हुआंग ($159 अरब) नौवें और माइकल डेल ($258 अरब) दसवें नंबर पर हैं।

अंबानी-अडानी का हाल

इस लिस्ट में भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी 104 अरब डॉलर के साथ 18वें नंबर पर हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन की नेटवर्थ में इस साल 13.3 अरब डॉलर की तेजी आई है। इस बीच अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी 93.6 अरब डॉलर के साथ 20वें नंबर पर बने हुए हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 14.9 अरब डॉलर की तेजी आई है। वह एशिया में अंबानी के बाद दूसरे नंबर पर हैं।

विशेष मुहूर्त ट्रेडिंग सत्र में सेंसेक्स 63 अंक चढ़ा
निफ्टी 25850 के पार पहुंचा

मुंबई, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। मजबूत वैश्विक संकेतों के बीच मंगलवार को विशेष एक घंटे के मुहूर्त ट्रेडिंग सत्र में बेंचमार्क शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। इस तरह बाजार के लिए नए संवत वर्ष 2082 की शुरुआत सकारात्मक रही। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 62.97 अंक या 0.07 प्रतिशत बढ़कर 84,426.34 पर बंद हुआ। सांकेतिक कारोबार के दौरान, बेंचमार्क ने 84,665.44 के उच्चतम और 84,286.40 के निम्नतम स्तर को छुआ। एनएसई निफ्टी 25.45 अंक या 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,868.60 पर बंद हुआ। निफ्टी के 25 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए, जबकि 24 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए और एक शेयर अपरिवर्तित रहा। स्टॉक एक्सचेंज बीएसई और एनएसई ने नए संवत वर्ष 2082 और नए खातों की शुरुआत के मौके पर मंगलवार को 13.45 बजे से 14.45 बजे तक एक विशेष मुहूर्त ट्रेडिंग सत्र आयोजित किया। सोमवार को समाप्त हुए पिछले संवत 2081 में बीएसई सेंसेक्स 4,974.31 अंक या 6.26 प्रतिशत उछला और निफ्टी 1,637.8 अंक या 6.76 प्रतिशत चढ़ा। मुहूर्त ट्रेडिंग दिवाली के अवसर पर स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा आयोजित एक घंटे का प्रतीकात्मक ट्रेडिंग सत्र है, जो नए संवत वर्ष की शुरुआत और व्यापारियों द्वारा खातों की नई पुस्तकों का प्रतीक है। सेंसेक्स में शामिल प्रमुख शेयरों में बजाज फिनसर्व में सबसे अधिक 1.42 प्रतिशत की तेजी रही, जबकि एक्सिस बैंक में 0.80 प्रतिशत, इंफोसिस में 0.72 प्रतिशत, महिंद्रा एंड महिंद्रा में 0.60 प्रतिशत, टाटा मोटर्स में 0.55 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस में 0.53 प्रतिशत तथा टाटा स्टील में 0.52 प्रतिशत की तेजी रही। कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, भारती एयरटेल, मारुति सुजुकी इंडिया, ट्रेंट लिमिटेड और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयर नुकसान में रहे। बीएसई मिडकैप 0.23 प्रतिशत या 106.95 अंक बढ़कर 46,787.20 अंक पर बंद हुआ। बीएसई स्मॉलकैप 0.91 प्रतिशत या 486.81 अंक बढ़कर 53,842.85 अंक पर बंद हुआ। क्षेत्रीय सूचकांकों में औद्योगिक क्षेत्र में सबसे अधिक 0.53 प्रतिशत, दूरसंचार में 0.51 प्रतिशत, कमोडिटीज में 0.47 प्रतिशत, पूंजीगत वस्तुओं में 0.40 प्रतिशत, सेवाओं में 0.38 प्रतिशत तथा धातु में 0.37 प्रतिशत की वृद्धि हुई। दूसरी ओर, बैंकेक्स और रियल्टी मामूली गिरावट के साथ बंद हुए। इस बीच, वैश्विक बाजारों में मजबूती देखी गई। शुरुआती कारोबार में यूरोपीय शेयर बाज़ारों में तेज़ी देखी गई, जबकि एशियाई शेयर बाज़ार

जापान को मिली 'लेडी डोनाल्ड ट्रंप'
कितनी है साने ताकाइची की नेटवर्थ, कितनी मिलेगी सैलरी?

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। जापान को पहली महिला प्रधानमंत्री मिल गई है। दुनिया की पांचवीं बड़ी इकॉनमी वाले इस देश की संसद ने 64 साल की साने ताकाइची के नाम पर मुहर लगा दी है। संसद के निचले सदन में उन्हें 237 वोट मिले। इस सदन में कुल 465 सीटें हैं। कट्टर रूढ़िवादी छवि के कारण ताकाइची को उनके आलोचक लेडी डोनाल्ड ट्रंप भी कहते हैं। वह देश की 104वें प्रधान मंत्री के रूप में शपथ लेंगी। ताकाइची अपने तीन दशक से भी अधिक सार्वजनिक जीवन में आर्थिक सुरक्षा मंत्री समेत कई अहम जिम्मेदारियां निभा चुकी हैं। 1961 को नारा में जन्मीं ताकाइची ने कोबे यूनिवर्सिटी से बिजनेस मैनेजमेंट की पढ़ाई की। 1993 में वह पहली बार निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में जापानी संसद के निचले सदन के लिए चुनी गईं। इसके बाद साल 1996 में वह दक्षिणपंथी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी से जुड़ गईं। इस दौरान 2000 के दशक में वह पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे के करीब आईं। ताकाइची चीन के बढ़ते सैन्य और आर्थिक प्रभाव की मुखर आलोचक रही हैं। ताकाइची की नेटवर्थ के बारे में आधिकारिक तौर पर कोई सटीक जानकारी उपलब्ध नहीं है। लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ 2 से 4 मिलियन डॉलर तक हो सकती है। सांसद के तौर पर मिलने वाली सैलरी और सुविधाओं के अलावा किताबों की रॉयल्टी और निवेश से भी उनकी कमाई होती है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति	
सूर्य - तुला	मे
चंद्र - तुला	मे
मंगल-तुला	मे
बुध - तुला	मे
गुरु - मिथुन	मे
शुक्र - कन्या	मे
शनि मीन	मे
राहु कुंभ	मे
केतु सिंह	मे

लग्नारंभ समय	
तुला——	05-55 बजे
वृश्चिक...	08-08 बजे
धनु......	10-18 बजे
मकर...	12-25 बजे
कुंभ....	14-15 बजे
मीन....	15-53 बजे
मेष.....	17-29 बजे
वृष....	19-13 बजे
मिथुन..	21-14 बजे
कर्क...	23-27 बजे
सिंह---	01-38 बजे
कन्या--	03-45 बजे

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय 06-13
भोग्य कलि वर्ष-426874 सूर्यास्त. 17-48
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
मास - कार्तिक शुक्ल पक्ष बुधवार 22 October
तिथि - प्रतिपदा 20-17 तक उपरान्त द्वितीया
नक्षत्र - स्वाति 01-51 तक उपरान्त विशाखा
योग - प्रीति 04-05 तक उप आयुष्मान
करण - किंस्तुघ्न 07-04 तक उप बव
व्रत त्योहार भाईदूज

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 12-00 से 13-27 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		
लाभ	06-13 - 07-39	शुभ
अमृत	07-39 - 09-06	शुभ
काल	09-06 - 10-33	अशुभ
शुभ.	10-33 - 12-00	शुभ
रोग	12-00 - 13-27	अशुभ
उत्पात	13-27 - 14-55	अशुभ
चंचल	14-55 - 16-22	शुभ
लाभ	16-22 - 17-48	शुभ

रात का चौघड़िया		
उत्पात	17-48 - 19-22	अशुभ
शुभ..	19-22 - 20-55	शुभ
अमृत	20-55 - 22-28	शुभ
चंचल	22-28 - 00-01	शुभ
रोग	00-01 - 01-34	अशुभ
काल	01-34 - 03-07	अशुभ
लाभ	03-07 - 04-39	शुभ
उत्पात	04-39 - 06-13	अशुभ

अमेरिका-ऑस्ट्रेलिया ने अहम खनिजों से जुड़े समझौते पर दस्तखत किए; मकसद- चीन से मुकाबला

वाशिंगटन, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने द्विपक्षीय बैठक के बाद महत्वपूर्ण खनिज समझौते पर हस्ताक्षर किए। सोमवार को व्हाइट हाउस में हुई बैठक के बाद यह 8.5 अरब डॉलर का समझौता हुआ। इसके तहत अमेरिका ऑस्ट्रेलिया के दुर्लभ खनिज संसाधनों तक अधिक आसानी से पहुंच सकेगा। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब चीन ने अपने रेयर-अर्थ मिनरल्स के निर्यात पर सख्त नियंत्रण लगा रखा है। इस नीति के कारण चीन और अमेरिका के बीच तल्खी बढ़ने की आशंका है।ऑस्ट्रेलिया के साथ समझौते के बाद ट्रंप ने कहा, करीब एक साल में हमारे पास इतनी मात्रा में क्रिटिकल मिनरल्स होंगे कि समझ नहीं आएगा उसका क्या किया जाए। वे केवल दो डॉलर के बराबर रह जाएंगे। उन्होंने बताया कि ऑस्ट्रेलिया के साथ यह समझौता कई महीनों की बातचीत के बाद हुआ है। प्रधानमंत्री अल्बानीज ने कहा कि यह समझौता अमेरिका-ऑस्ट्रेलिया संबंधों को 'नई ऊंचाई' पर ले जाएगा। बता दें कि यह समझौता अमेरिका-ऑस्ट्रेलिया साझेदारी को आर्थिक और सामरिक दोनों मोर्चों पर नई मजबूती देगा। इसका मकसद चीन के बढ़ते प्रभाव को सीमित करना है।गौरतलब है कि हाल ही में जारी चीन की सरकार के आदेश के मुताबिक कोई भी विदेशी कंपनी चीन से निकाले गए या चीनी तकनीक से निर्मित रेयर-अर्थ मैटेरियल वाले मैग्नेट्स का निर्यात तभी कर सकेगी जब उसे सरकार की अनुमति प्राप्त होगी। इस पहलू पर व्हाइट हाउस के आर्थिक परिषद निदेशक केविन हैसेट ने कहा कि चीन ऐसी नीति अपनाकर वैश्विक तकनीकी आपूर्ति श्रृंखला को अपने नियंत्रण में करना चाहता है। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया, अपनी समृद्ध खनन अर्थव्यवस्था और संसाधनों के कारण, इस नियंत्रण को कमजोर करने में अहम भूमिका निभाएगा। जानकारों की राय में अमेरिका ने ऑस्ट्रेलिया के साथ यह समझौता इसलिए किया है ताकि वह अपने सहयोगियों के साथ मिलकर चीन की आर्थिक प्रभुत्व रणनीति को संतुलित करने की कोशिश कर सके। इस मामले में अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने कहा, 'चीन एक नियंत्रण-आधारित अर्थव्यवस्था है। अमेरिका और इसके सहयोगी देश या पक्ष किसी के नियंत्रण में नहीं रहेंगे।रिपोर्ट के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया और अमेरिकी राष्ट्राध्यक्ष की बैठक में एयूकेयूएस सुरक्षा समझौते पर भी चर्चा हुई। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के बीच बने रक्षा गठबंधन एयूकेयूएस के बारे में ट्रंप ने कहा कि यह अब तेजी से और सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहा है। अल्बानीज ने अमेरिका के साथ हुए इस समझौते को ऑस्ट्रेलिया की सुरक्षा नीति के लिए बेहद महत्वपूर्ण बताया। अमेरिकी नौसेना सचिव जॉन फेलन ने इस डील के बारे में कहा, अमेरिका इस रक्षा ढांचे को और प्रभावी बनाना चाहता है ताकि तीनों देशों को बराबर लाभ मिल सके।यह भी दिलचस्प है कि अल्बानीज ने इसी साल मई में फिर से प्रधानमंत्री पद संभाला है। उन्होंने चुनाव में मिली जीत के बाद अपने विजय भाषण में कहा था कि उनकी पार्टी ने 'ट्रंपिज़्म' की नकल किए बिना जीत हासिल की। उन्होंने वैश्विक चुनौतियों से मुकाबले की नीतियों को लेकर कहा, वे चुनौतियों का सामना ऑस्ट्रेलियाई तरीके से करना चाहते हैं। यानी सामूहिकता और भविष्य निर्माण पर ध्यान देना उनकी प्राथमिकता होगा।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आज आप जिद्दीपन के प्रति अपना स्वाभाविक झुकाव महसूस करेंगे । लेकिन जब आपको यह अनुभव होगा की ऐसा करना आपके हित में नही है तो आप पछतावा भी महसूस करेंगे । अच्छे से स्थिति समझें,आकस्मिक भावनाओं के बहाव में बहने के स्थान पर स्पष्ट सोच से काम लें ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आप सृजनात्मक ऊर्जा से भरपूर हैं ,अपनी कल्पनाशक्ति का उपयोग करें । इससे आपको ख़ुशी और सौभाग्य दोनों मिलेंगे । दिल की ना सुनें ,अपने दिमाग की सुनें । तर्कशक्ति से काम लें । अपनी ऊर्जा को सही जगह पर लगायें । निवेश के लिए अच्छा दिन है । अधिक सावधानी की बजाय अपने आप को थोडा ढीला छोड़ दें,राहत मिलेगी ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज अपना और आपनी सेहत का ध्यान रखना ना भूलें । आज स्वास्थ्य सम्बन्धी किसी समस्या की आशंका बन सकती है । बहुत ठंडा भोजन खाने से बचें । अगर पहले से ही कोई स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे है तो और अधिक ध्यान रखें । वित्तीय दृष्टि से ना फायदा ना नुकसान वाली स्थिति रहेगी हालाँकि आज कोई बड़ा निवेश ना करना ही ठीक रहेगा ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आज आप जो भी कुछ शुरू करेंगे ,उसमे चाहे कितनी ही बाधाएं आयें,आपको सफलता मिलनी तय है । दिन के अंत तक आप दूसरों से फिर से बेहतर सम्बन्ध बना पायेंगे । अपनी प्रकृति में एक जरुरी बदलाव लायें-हर सम्बन्ध में केवल अधिकार जताने की कोशिश में ना रहें । सबको बराबरी का दर्जा दें और आपको भी बदले में सबसे प्यार मिलेगा ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आपके परिवारवालों को नजदीकी संबंधियों से होने वाली परेशानी के कारण आपको भी प्रतिबंधों का सामना करना होगा । ये लम्बे समय तक नही रहेंगे लेकिन आपको काफी प्रभावित करेंगे,इसीलिए इनके प्रभाव से बचने की कोशिश करें । आज आप कोई घरेलू उपयोग का उपकरण खरीदेंगे ,या घर की नियमित साफ़-सफाई के चलते कम उपयोगी सामान को बेच देंगें ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आप खुद की जरुरत से अधिक आलोचना करने के मूड में हैं । आपको भी पता है कि आपकी अधिकतर चिंताएं निरर्थक हैं,फिर भी आप चिंता करते रहते हैं । इसका एकमात्र समाधान यह है कि अपने किसी ऐसे करीबी से सा अपनी चिंताओं के बारे में बात करें जो आपको सहारा दे सके ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आपको अपने कामों को पूरा करने के लिए बहुत कम साधन उपलब्ध होंगें और इससे आपके काम में बाधा पहुचेगी । इससे परेशान न हों,आपको दिन के अंत तक अपनी पसंद का काम और साधन दोनों ही मिल जायेंगे । आप प्रकृति से ही मेहनती हैं और आप जिम्मेदारियों के साथ साथ स्वतंत्रता का भी आनंद लेंगे ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज आप नम्र रहेंगे और दूसरों की स्वार्थरहित सेवा करेंगे । दूसरों को संतुष्ट करने के लिए अपना समय ,स्थान ,पैसा और यह तक कि अपना भोजन भी लगायेंगे । लोग आपकी इसके लिए तारीफ करेंगे ,लेकिन अपनी सीमायें निर्धारित करें । अपने बच्चों पर भी ध्यान दें,उन्हें कोई संकर्मण हो सकता है । घर पर रहें और घर का स्वच्छ भोजन करें ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज आपसे अत्यधिक काम की अपेक्षा की जायेगी ,आप कुछ भी किस्मत के भरोसे या कोई छोटा सा भी काम किसी और के भरोसे नही छोड़ सकते । हालाँकि दिन के अंत में कोई बहुत अच्छी खबर मिलेगी जो आपके प्रयासों की सफलता से सम्बंधित होगी। बैठने की गलत मुद्रा के कारण आपको आज गर्दन तथा कमर दर्द की शिकायत हो सकती है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज आप कुछ उलझे हुए से रहेंगे । आप कोई महत्वपूर्ण काम शुरू करने के लिए भी उतावले हैं । परन्तु आज प्रतीक्षा करना और कोई महत्वपूर्ण काम शुरू न करना ही ठीक होगा । शाम तक उलझन खुद कम हो जायेगी । दिन बाधारहित गुजरेगा । यात्रा कर सकते हैं ,सार्वजनिक परिवहन से देर हो सकती है । दूसरे विकल्प खुले रखें ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज चलते हुए सावधान रहें । हलकी खरोचें आ सकती हैं । न चाहते हुए भी आप किसी करीबी को बातों-बातों में नाराज कर सकते हैं । आज केवल अपने काम से ही मतलब रखना उपयुक्त रहेगा । सिनेमा या किसी और मनोरंजक कार्यकलाप में समय बिता सकते हैं ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आलस के कारण अपने दिन को बिगड़ने न दें। अपनी प्राक्रतिक रचनात्मक ऊर्जा को बाहर निकालें और फिर आपका दिन आराम से अच्छा जायेगा । आपको अपने स्वास्थ्य और अपने निजी जीवन में भी व्यवस्था को बहल करने की आवश्यकता है । विकर्षित करने वाली चीजों पर ध्यान ना दें और वही कार्य पूरी एकाग्रता से करें जो आपके लिए लाभकारी हों ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

ये कैसा कमाल: 0.50% के भी नीचे? वो कारण जो बदल देंगे देश की आर्थिक चाल

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। अर्थव्यवस्था की चाल में बड़ा बदलाव अक्टूबर अंत तक दिखाई देने का अनुमान है। तब कीमतों का दबाव और कम होने लगेगा। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई) की ताजा रिपोर्ट में महंगाई पर कई बड़ी बातें सामने आई हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत में खुदरा महंगाई अक्टूबर 2025 तक और कम होने की उम्मीद है। ऐसा पिछले साल के मुकाबले महंगाई दर का ऊंचा होना, खाने-पीने की चीजों की कीमत में मौसमी देरी और जीएसटी सुधारों का पूरा असर होने के कारण होगा। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि आने वाले महीनों में महंगाई धीरे-धीरे ही बढ़ेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, अक्टूबर के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित महंगाई दर का अनुमान फिलहाल 0.50% से भी कम रहने की उम्मीद है। खाद्य महंगाई में भी अक्टूबर में भारी गिरावट आने की संभावना है। आने वाली सर्दियों में यह नकारात्मक दायरे में बनी रहेगी। फिर भले ही बाढ़ का असर थोड़ा बहुत रहा हो।यह संकेत देता है कि क्रय शक्ति के लिए बेहतर माहौल तैयार हो रहा है। इस बदलाव से न सिर्फ उपभोक्ता के बटुए को राहत मिलेगी, बल्कि बाजार की रफ्तार को भी नई दिशा हासिल होगी। महंगाई दर काफी कम हुई है, जो आठ साल का सबसे निचला स्तर है। इसका मुख्य कारण खाद्य पदार्थों की कीमतों में आई कमी और जीएसटी दरों में किए गए बदलावों का असर है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए खुदरा महंगाई का अनुमान पहले के 3.1% से घटाकर 2.6% कर दिया गया है। उम्मीद है कि महंगाई साल के ज्यादातर समय लक्ष्य से नीचे रहेगी। चौथी तिमाही में आधार प्रभाव के कारण थोड़ी बढ़ेगी। सितंबर में सीपीआई (कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स) ने पिछले महीने की तुलना में महत्वपूर्ण गिरावट दिखाई। यह वस्तुओं और सेवाओं की खुदरा कीमतों में बदलाव को ट्रैक करता है। इससे पता चलता है कि कीमतों में बढ़ोतरी व्यापक रूप से धीमी हुई है। उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक (सीएफपीआई) शून्य से नीचे 2.28% पर रहा। इसका मतलब है कि जून 2025 से खाद्य पदार्थों की कीमतें नकारात्मक दायरे में हैं।आंकड़ों से पता चलता है कि ग्रामीण इलाकों में महंगाई दर 1.07% दर्ज की गई। वहीं, शहरी इलाकों में यह 2.04% रही। यह भी पता चला कि दोनों ही क्षेत्रों में खाद्य महंगाई नकारात्मक थी। ग्रामीण इलाकों में -2.17% और शहरी इलाकों में -2.47%।

इससे सब्जियों और खाद्य तेलों की कीमतों में गिरावट का असर दिखता है। सरकार ने इस गिरावट का श्रेय अनुकूल आधार प्रभावों और सब्जियों, तेलों, फलों, अनाज, दालों, अंडों और ईंधन जैसी प्रमुख खाद्य श्रेणियों में की गई कटौती को दिया है।

अमेरिका जैसे अमीर देश में भी हांफने लगे लोग
100 साल में पहली बार हुआ ऐसा

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। सोने की कीमत में हाल में काफी तेजी आई है। इस साल यह करीब 60% महंगा हो चुका है और अमेरिका जैसे अमीर देश में भी लोगों के लिए सोना खरीदना मुश्किल होता जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने की कीमत पहली बार 4,300 डॉलर प्रति औंस के पार चली गई है। गोल्डमैन सैश के मुताबिक अगले साल दिसंबर तक सोने की कीमत 4,900 डॉलर प्रति औंस तक जा सकती है। अमेरिका में अब एक औंस सोना खरीदने के लिए आम आदमी को कम से कम 116 घंटे काम करने पड़ेंगे। कम से कम 100 साल में यह आंकड़ा सबसे अधिक है। अमेरिका में अगस्त में हर घंटे की औसतन 36.50 डॉलर रही। इस हिसाब से देखा जाए तो एक औंस गोल्ड खरीदने के लिए आपको 116 घंटे काम करना होगा। पिछले 18 महीने में यह अनुपात दोगुना हो गया है। साफ है कि सोने की कीमत जिस तेजी से बढ़ी है, उस तेजी से लोगों की इनकम नहीं बढ़ी है। इससे पहले 1930 के दशक, 1980 और 2011 में यह अनुपात 80 घंटे पहुंचा था। इस शताब्दी की शुरुआत में आप 20 घंटे से भी कम काम करके एक औंस गोल्ड खरीद सकते थे।

क्यों बढ़ रही है कीमत?

सोने की कीमत बढ़ने की कई वजह हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि दुनिया के कई हिस्सों में तनाव चल रहा है। ऐसे तनाव की स्थिति में सोने की चमक हमेशा बढ़ी है। इसके साथ ही दुनिया के कई देशों के सेंट्रल बैंक भी जमकर सोने की खरीद कर रहे हैं। डॉलर की कमजोरी और फेड रिजर्व के पॉलिसी रेट में कटौती की उम्मीद ने भी सोने की चमक बढ़ा दी है। निवेशक सुरक्षित निवेश की तलाश में सोने का रुख कर रहे हैं।

इस दिवाली 6.05 लाख करोड़ का हुआ कारोबार! किन सामानों के खरीदारों ने रुचि दिखाई

नई दिल्ली21 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिवाली पर देश भर में छह लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की भी बिक्री हुई है। इस अवसर पर 5.40 लाख करोड़ रुपये का सामान बिका है जबकि 65,000 करोड़ रुपये की सेवाएं बिकी हैं।

दिवाली के अवसर पर कुल कारोबार छह लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया। यह दावा भारतीय जनता पार्टी के दिल्ली से सांसद और कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल का है। कैट का कहना है कि उसकी एक रिसर्च शाखा है, जिसका नाम कैट रिसर्च एंड ट्रेड डेवलपमेंट सोसाइटी है। इसने देश भर के 60 प्रमुख वितरण केंद्रों का सर्वेक्षण किया, जिनमें सभी राज्यों की राजधानियां एवं टियर-2 और टियर-3 शहर शामिल हैं। इसके बाद सोसाइटी ने "दिवाली त्योहार बिक्री 2025 पर रिसर्च रिपोर्ट" जारी की है। इसी रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष दिवाली पर देशभर में कुल बिक्री 6.05 लाख करोड़ तक पहुंची, जिसमें 5.40 लाख करोड़ का वस्तु व्यापार और 65 हज़ार करोड़ का सेवा व्यापार शामिल है। यदि यह सही है तो यह अब तक का देश के व्यापार इतिहास का सबसे बड़ा त्योहारी कारोबार है। दिल्ली के चांदनी चौक के सांसद प्रवीन खंडेलवाल का कहना है कि इस दिवाली 87% ग्राहकों ने भारतीय वस्तुओं को विदेशी वस्तुओं के मुकाबले प्राथमिकता दी। इस वजह से चीनी उत्पादों की मांग में तेज गिरावट दर्ज की गई है। उनका कहना है कि इस बार स्वेदेशी वस्तुओं की बिक्री पिछले वर्ष की तुलना में 25% बढ़ी है।उन्होंने बताया कि दिवाली 2024 के दौरान कुल बिक्री 4.25 लाख करोड़ रुपये रही थी। इस साल यह बिक्री 6.05 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई है। मतलब कि पिछले साल की तुलना में 25% की वृद्धि। उनका कहना है कि बिक्री में बढ़ोतरी मुख्य रूप से गैर-कारपोरेट एवं पारंपरिक बाजारों में रही।

जेल में मनी चैतन्य बघेल की दिवाली

भूपेश बघेल को बेटे से मिलने भी नहीं दिया भावुक होकर बोले– सब मोदी–शाह की कृपा

रायपुर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल दीपावली के अवसर पर अपने बेटे चैतन्य बघेल से मिलने की अनुमति न मिलने पर भावुक हो गए। चैतन्य बघेल शराब घोटाले के आरोप में जेल में बंद हैं और उन्हें जमानत याचिका खारिज होने के बाद भी मिलने की इजाजत नहीं मिली। कांग्रेस ने इसे राजनीतिक द्वेष और अमानवीय कृत्य बताते हुए भाजपा सरकार को घेरा है।

शराब घोटाले में जेल में बंद बेटा दीपावली के शुभ अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने बेटे चैतन्य बघेल से मुलाकात की अनुमति न मिलने पर गहरा दुख व्यक्त किया है। चैतन्य बघेल शराब घोटाले के मामले में जेल में बंद हैं और इस दीपावली पर वे अपने पिता से मिल नहीं सके। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए भूपेश बघेल ने एक भावुक ट्वीट किया, जिसमें उन्होंने अपनी पीड़ा जाहिर की।

बीजेपी पर तीखा हमला

इस ट्वीट के बाद कांग्रेस पार्टी ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस नेताओं ने इसे एक पिता की वेदना करार दिया और आरोप लगाया कि चैतन्य बघेल को फर्जी मामलों में फंसाया गया है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक द्वेष के चलते दीपावली जैसे पवित्र दिन पर भी उन्हें अपने बेटे से मिलने नहीं दिया गया, जिसे उन्होंने अमानवीय कृत्य बताया।

कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने इस मामले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि, 'आज हिंदुओं के सबसे बड़े त्योहार के दिन भूपेश बघेल को अपने परिवार से मिलने से रोका गया। छत्तीसगढ़ की जनता इस तरह की भावना को स्वीकार नहीं करती है। भारतीय जनता पार्टी ने बदले की इंतहा को पार कर दिया है।'

पिता की वेदना बता कर हमला

कांग्रेस ने इस पूरे मामले को 'एक पिता की वेदना' बताते हुए केंद्र और राज्य सरकार पर मिलीभगत का आरोप लगाया। उनका कहना है कि चैतन्य बघेल को 'फर्जी मुकदमों' के तहत गिरफ्तार किया गया है और दीपावली के दिन मिलने से रोकना जनता की भावनाओं के विपरीत है।

यह उल्लेखनीय है कि चैतन्य बघेल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 18 जुलाई 2025 को गिरफ्तार किया था। ईडी का दावा है कि छत्तीसगढ़ में लगभग 2,500 करोड़ रुपये के शराब घोटाले में उनका नाम शामिल है और वे इसमें लगभग 1,000 करोड़ रुपये के अवैध प्रबंधन में संलिप्त थे। उनके खिलाफ दाखिल की गई जमानत याचिका को छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने हाल ही में खारिज कर दिया था। इस घटना ने राजनीतिक गलियारों में भी हलचल मचा दी है। कांग्रेस इस मुद्दे को भुनाने की कोशिश कर रही है और इसे भाजपा सरकार की बदले की कार्रवाई के रूप में पेश कर रही है। वहीं, भाजपा की ओर से इस पर कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं आई है।

पटाखे फोड़ने से मना करने पर बुजुर्ग की हत्या

दुर्ग-भिलाई, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। दुर्ग जिले के भिलाई में दिवाली की रात एक बुजुर्ग का मर्डर हुआ है। शहर के बैरागी मोहल्ला पावर हाउस क्षेत्र में 2 युवक पटाखा फोड़ रहे थे, तभी सामने वाले घर की महिला ने उनके घर के सामने पटाखा फोड़ने से मना किया। उनके बीच झगड़ा हो गया। युवकों ने महिला से गाली-गलौज की। बीच बचाव करने आए ससुर ने पटाखा फोड़ने से मना किया तो दोनों आरोपियों ने मिलकर घर घुसकर कटर से वारकर बुजुर्ग को मार डाला। मृतक और आरोपी पड़ोसी हैं। मामला छावनी थाना क्षेत्र का है। घटना रात करीब साढ़े 10 बजे की है। आरोपियों में एक युवक ने कटर से वार किया जबकि दूसरा युवक बुजुर्ग का हाथ पकड़कर रखा था ताकि वह बच ना सके। पुलिस ने उसी रात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है। मृतक गणेश बैरागी की बेटी ने पुलिस को बताया कि उनके पिता अपने परिवार के साथ घर में खाना खा रहे थे।

महागठबंधन पर जेएमएम का फूटा गुस्सा

मंत्री सुदिव्य बोले– 'आरजेडी की धूर्तता और कांग्रेस की निष्क्रियता के लिए कीमत चुकानी होगी'

गिरिडीह, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन (इंडिया गठबंधन) को बड़ा झटका लगा है। झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) ने घोषणा की है कि वह इस चुनाव में भाग नहीं ले रहा है और उसने खुद को गठबंधन से अलग कर लिया है। जेएमएम के वरिष्ठ नेता और मंत्री सुदिव्य कुमार ने यह घोषणा करते हुए सीधे तौर पर राजद के नेतृत्व पर राजनीतिक धूर्तता का आरोप लगाया और कांग्रेस के रवैये पर भी नाराजगी जताई।

सोमवार को नामांकन की अंतिम तिथि समाप्त होने के बाद गिरिडीह में पत्रकारों से बात करते हुए सुदिव्य कुमार ने कहा कि बहुत ही अफ़सोस के साथ झारखंड मुक्ति मोर्चा यह कहने को बाध्य है कि झारखंड मुक्ति मोर्चा बिहार विधानसभा के चुनाव में इस बार पार्टिसिपेट नहीं है। पार्टी चुनाव नहीं लड़ रही हैं।

सुदिव्य कुमार ने महागठबंधन के अगुआ दल राष्ट्रीय जनता दल (राजद) को इस स्थिति के लिए पूरी तरह दोषी ठहराया। उन्होंने कहा कि राजद की राजनीतिक धूर्तता ने जेएमएम की बिहार में चुनाव लड़ने की आकांक्षाओं पर पानी फेर दिया और बिहार की जनता के साथ धोखा किया। उन्होंने कहा कि राजद नेतृत्व ने गठबंधन में जेएमएम की उचित भागीदारी सुनिश्चित करने का कोई प्रयास नहीं किया।

जेएमएम ने सहयोगी कांग्रेस पर भी निशाना साधा। सुदिव्य कुमार ने कहा कि अगर झारखंड में गठबंधन मजबूती से चल रहा है, तो बिहार चुनाव में जेएमएम की भागीदारी सुनिश्चित कराने का प्रयास कांग्रेस की तरफ से भी होना चाहिए था, जो शायद नहीं हुआ।

जेएमएम नेता ने कड़े शब्दों में कहा कि इस राजनीतिक षड्यंत्र के तहत एक मजबूत संगठन को चुनाव से वंचित किया गया है और पार्टी इसका प्रतिकार करेगी। उन्होंने कहा कि जेएमएम एक बड़ी ताकत और देश के आदिवासियों की मजबूत आवाज है, और इस आवाज को दबाने की कोशिश करने वालों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

जीएसटी कटौती का मार्केट में दिख रहा पॉजिटिव असर

पटाखों की बिक्री में उछाल, दो साल बाद दिखी उछाल

सुकमा, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के बाजार में पिछले कुछ साल से मंदी की स्थिति रही थी, लेकिन जीएसटी में कटौती के बाद बाजार में तेजी देखी जा रही है। स्थानीय व्यापारियों के चेहरे पर मुस्कान लौट आई है। विशेष रूप से पटाखों की दुकानों में बिक्री में जबरदस्त उछाल आया है। व्यापारियों और दुकानदारों ने पिछले दो वर्षों से सुस्ती देखी थी। खासकर त्योहारों और उत्सवों के मौसम में भी बिक्री उतनी नहीं हो रही थी जितनी उम्मीद की जाती थी, लेकिन अब हालात बदलने लगे हैं।

जीएसटी कटौती के कारण पटाखे अब ग्राहकों के लिए सस्ते हो गए हैं, जिससे लोग अधिक संख्या में पटाखे खरीदने लगे हैं। पहले ज्यादा टैक्स की वजह से ग्राहक सोच-समझकर ही खरीदारी करते थे, लेकिन अब सस्ते दरों और विविध विकल्पों के कारण ग्राहक उत्साह के साथ पटाखों की खरीदारी कर रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप दुकानदारों की आमदनी में भी वृद्धि हुई है। इससे न केवल बड़े ब्रांड्स बल्कि छोटे और स्थानीय व्यवसायियों को भी लाभ मिल रहा है।

जीएसटी कटौती से केवल पटाखों की कीमतें ही कम नहीं हुई हैं। इससे खरीदारी करने वालों में उत्साह बढ़ा है। साथ ही त्योहारों और खास अवसरों पर बाजार की रौनक भी बढ़ी है। दुकानदारों का कहना है कि इससे न केवल उनकी बिक्री में सुधार हुआ है, बल्कि उन्हें भविष्य में व्यापार बढ़ाने के नए अवसर भी नजर आने लगे हैं। बाजार में यह सकारात्मक बदलाव स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण साबित हो रहा है।

बिक्री में बढ़ोतरी के साथ ही व्यापारिक गतिविधियों में सुधार हुआ है और रोजगार से जुड़े लोगों को भी लाभ मिल रहा है।

अपनी संपत्ति का पता लगाने निगम कराएगी जीआइएस सर्वे

निगम की संपत्ति के अब बनेंगे दस्तावेज, 10 कंपनियों ने दिखाई दिलचस्पी, कब्जा माफियाओं की बढ़ेगी परेशानी

रायपुर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। रायपुर में नगर निगम की सभी दुकानें, कॉम्प्लेक्स और अन्य संपत्तियां अब जीआईएस (जीआइएस) सर्वे के माध्यम से मैप की जाएंगी। निगम ने इस काम के लिए हाल ही में टेंडर जारी किया। जिसमें दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद, रांची और रायपुर की कुल 10 कंपनियों ने भाग लिया।

टेंडर जीतने वाली कंपनी को निगम की सभी संपत्तियों की स्थान, प्रकार और मूल्यांकन का विवरण तैयार करना होगा। इसके अलावा, यह स्पष्ट करना होगा कि कौन सी संपत्ति निगम की है, किसे किराये या लीज पर दिया गया है और वास्तविक मालिक कौन है। वर्तमान में यह जानकारी 10 जोन कमिश्नरों से इकट्ठा करनी पड़ती है। निगम मुख्यालय के पास एक संपूर्ण रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है।

निगम इस सर्वे के जरिए न केवल अपनी संपत्तियों का डॉक्यूमेंटेशन करवाएगा, बल्कि भविष्य में संपत्ति प्रबंधन और कर संग्रह में भी सुधार करेगा। सर्वे की मदद से निगम को अपने संपत्तियों के वास्तविक डेटा का स्पष्ट विवरण मिलेगा। टेंडर प्रक्रिया में शामिल कंपनियों ने अपने प्रेजेंटेशन महापौर मीनल चौबे, निगम आयुक्त विश्वदीप, अपर आयुक्त, उपायुक्त राजस्व और आईटी विभाग के दो विशेषज्ञ सदस्यों के सामने पेश किए। अधिकारियों ने प्रेजेंटेशन का विश्लेषण कर तकनीकी और वित्तीय क्षमताओं के आधार पर चयन प्रक्रिया को आगे बढ़ाया। इस पहल से निगम की संपत्तियों का सटीक रिकॉर्ड तैयार होगा और भविष्य में प्रॉपर्टी से जुड़े मामलों में पारदर्शिता और त्वरित निर्णय लेने में मदद मिलेगी। निगम के लिए यह कदम संपत्ति प्रबंधन और प्रशासनिक दक्षता को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। निगम के इस निर्णय से सरकारी संपत्ति में कब्जा कर बैठे और भविष्य में कब्जा करने की तैयारी करने वाले माफियाओं की परेशानी बढ़ेगी। निगम सर्वे कराने के बाद सभी जमीनों का रिकॉर्ड बंदोबस्त करेगी और जमीन को अपने कब्जे में लेकर उसे सुरक्षित करेगी।

महतारी एक्सप्रेस में लदी थी सीमेंट की बोरियां

बलौदाबाजार, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ शासन ने दिवाली से पहले बड़ी कार्रवाई की है। जिले में आपातकालीन सेवा में लगाई गई 102 महतारी एक्सप्रेस का घरेलू उपयोग करने वाले ड्राइवर के खिलाफ एक्शन लिया गया है। शासन ने कार्रवाई करते हुए ड्राइवर की सेवा समाप्त करने का निर्देश दिया है। विभाग की इस कार्रवाई के बाद हड़कंप मच गया है। कार्रवाई करने का उद्देश्य भविष्य में ऐसी गलतियां नहीं हो इस कारण से किया गया है। अधिकारियों ने कहा कि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने के उद्देश्य से महत्वाकांक्षी योजना के तहत इमरजेंसी सेवा के लिए 102 महतारी एक्सप्रेस संचालित की जा रही है। महतारी एक्सप्रेस में लापरवाही के मामलों में प्रशासन पहले भी कड़ी कार्रवाई कर चुका है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 15 अक्टूबर 2025 को ड्राइवर निलेश साहू की ड्यूटी 102 महतारी एक्सप्रेस वाहन में लगाई गई थी।

झारखंड में बदलेगा मौसम का मिजाज

रांची, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड में एक बार फिर मौसम करवट लेने वाला है। मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, 25 और 26 अक्टूबर को राज्य के कई हिस्सों में मेघ गर्जन के साथ हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना है। खासकर राज्य के पूर्वी और उत्तरी-पूर्वी जिलों में इसका असर देखने को मिल सकता है।

इनमें पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, देवघर, दुमका, साहिबगंज, गोड्डा, पाकुड़ और जामताड़ा प्रमुख रूप से शामिल हैं। इन इलाकों में आसमान पर घने बादल छाए रहेंगे और कई जगह गरज के साथ बिजली चमक सकती है।

वहीं राज्य के बाकी हिस्सों में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। विभाग ने लोगों को मौसम के बदलते मिजाज को ध्यान में रखते हुए सावधानी बरतने की सलाह दी है। मौसम विभाग ने संकेत दिया है कि आगामी दिनों में राज्य के तापमान में मामूली गिरावट दर्ज की जा सकती है। 24 अक्टूबर तक अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 22 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है, जबकि 25 और 26 अक्टूबर को बारिश के कारण अधिकतम पारा घटकर 28 डिग्री और न्यूनतम 20 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है।

इससे लोगों को सुबह और रात के समय हल्की ठंडक महसूस हो सकती है। 25 अक्टूबर से आसमान में बादल छाए रहेंगे और अगले दिन भी बारिश के साथ मेघ गर्जन की संभावना बनी रहेगी।

राज्य के मध्य हिस्सों में फिलहाल मौसम सामान्य और खुशनुमा बना रहेगा।

रांची, खूंटी, गुमला, हजारीबाग और रामगढ़ जिलों में अगले कुछ दिनों तक आसमान साफ रहेगा। रांची में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस रहेगा।

मां छिन्नमस्तिका मंदिर रजरप्पा में उमड़ी भक्तों की भीड़

दीपावली पर खुला रहा सिद्धपीठ का पट, भक्तों ने की मां की आराधना

रामगढ़, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। रामगढ़ के रजरप्पा स्थित सिद्धपीठ मां छिन्नमस्तिका मंदिर में दीपावली व काली पूजा के अवसर पर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। इस पावन अवसर पर मंदिर का पट पूरी रात श्रद्धालुओं के लिए खुला रहा।

पश्चिम बंगाल, ओडिशा और बिहार समेत झारखंड के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां के दर्शन और पूजन के लिए पहुंचे।

मंदिर परिसर में देर रात तक भजन-कीर्तन, हवन और मंत्रोच्चारण की गूंज सुनाई देती रही। हवन कुंडों में दहकती अग्नि और साधकों के उच्चारण से पूरा क्षेत्र अलौकिक शक्ति से ओतप्रोत हो गया। दीपावली और काली पूजा को लेकर मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। रंग-बिरंगी लाइटें, फूल और गुब्बारे श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बने रहे। पूरा मंदिर प्रांगण सकली तुम्हारी इच्छा, इच्छामयी तारा तुमि जैसे तांत्रिक मंत्रों की ध्वनि से गूंजता रहा। श्रद्धालु मां के दरबार में दीप जलाकर, पुष्प अर्पित कर और हवन में आहुति देकर मां से सुख-समृद्धि की कामना करते नजर आए। भक्ति, साधना और ऊर्जा का संगम बनी यह रात्रि हर भक्त के लिए अविस्मरणीय रही।

मान्यता है कि तंत्र साधना के लिए असम के कामरूप कामाख्या के बाद छिन्नमस्तिका मंदिर का स्थान सर्वोच्च है। कार्तिक अमावस्या के दिन यहां विशेष तांत्रिक साधना की जाती है।

नक्सल-हमले में शहीद एएसपी गिरपुंजे की पत्नी को मिली पहली-पोस्टिंग

रायपुर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के कोंटा डिवीजन में 9 जून को प्रेशर आईईडी की चपेट में आने से एएसपी आकाश राव गिरपुंजे शहीद हो गए थे। अब उनकी पत्नी स्नेहा गिरपुंजे को राज्य सरकार ने डीएसपी बनाया है। डीएसपी के रूप में उनकी पहली नियुक्ति चंद्रखुरी पुलिस अकादमी में की गई है।

साय कैबिनेट के निर्देश पर अनुकंपा नियुक्ति और पोस्टिंग का आदेश गृह विभाग ने 17 अक्टूबर को जारी किया है। डीएसपी स्नेहा गिरपुंजे की पहली पोस्टिंग का आदेश जारी करने के साथ ही उनके सामने 9 शर्तें रखी गई हैं। नक्सलियों की तरफ से 10 जून को बंद आयोजित किए जाने की घोषणा को देखते हुए 9 जून को कोंटा में एएसपी आकाश राव गिरपुंजे, पुलिस अधिकारी और जवान पैदल गश्त पर निकले थे। एएसपी की टीम जब कोंटा-एर्राबोरा मार्ग पर डोंड्रा गांव के करीब पहुंचे, तभी प्रेशर बम की चपेट में आ गए। विस्फोट में एसडीओपी चंद्राकर और टीआई सोनल ग्वाला भी घायल हुए थे। हादसे के बाद एडीजी विवेकानंद सिन्हा ने इस घटना को नक्सलियों का ट्रैप बताया था। नक्सलियों ने वारदात को अंजाम देने के लिए 8 जून की रात को डोंड्रा गांव की खदान में जेसीबी और अन्य मशीनों में पहले आग लगाई थी। आग लगाने के बाद जेसीबी से कुछ दूरी पर जमीन के 2 फीट अंदर आईईडी प्लांट किया था।

ब्राउन शुगर की बड़ी खेप पकड़ी गई

21.75 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त, 1.93 लाख रुपए कैश के साथ युवक–युवती गिरफ्तार

गुमला, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुमला पुलिस ने ब्राउन शुगर की खरीद-फरोख्त के आरोप में एक युवक और एक युवती को गिरफ्तार किया है। उनके पास से कुल 21.75 ग्राम ब्राउन शुगर, 1,93,290 रुपए नगद, 9 मोबाइल फोन और एक वजन मशीन बरामद की गई है।

पुलिस को ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री की सूचना मिली थी, जिसके बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने एक छापामारी दल का गठन किया। टीम लक्ष्मण नगर नदी पुल के पास पहुंची, जहां एक युवक भागने लगा जिसे दौड़ाकर पकड़ लिया गया।

पकड़े गए युवक की पहचान गुमला के दुर्गा नगर निवासी रोहित सिंह (22) के रूप में हुई। उसकी तलाशी लेने पर पैंट की जेब से 13 पुड़िया ब्राउन शुगर मिली, जिसका वजन 2 ग्राम था। पूछताछ में रोहित ने बताया कि उसने यह ब्राउन शुगर लक्ष्मण नगर निवासी अर्पित कुमार और उसकी बहन राखी कुमारी से खरीदी थी। उसने यह भी बताया कि अर्पित और राखी के पास बड़ी मात्रा में ब्राउन शुगर है।

रोहित सिंह की गिरफ्तारी के बाद, पुलिस टीम उसे लेकर अर्पित कुमार के लक्ष्मण नगर स्थित घर पहुंची और घेराबंदी की।

घर पर मौजूद राखी कुमारी (पिता स्व० पप्पू साहू) से पूछताछ की गई। नियमानुसार तलाशी लेने पर घर के एक कमरे से पारदर्शी प्लास्टिक में रखी ब्राउन शुगर और अलग से 19 पुड़िया ब्राउन शुगर मिली। इनका कुल वजन 15 ग्राम और 4.75 ग्राम (पुड़ियों सहित) था, जिससे कुल बरामदगी 21.75 ग्राम हो गई।

तलाशी के दौरान घर से 9 मोबाइल फोन, एक सिल्वर रंग की वजन मशीन और छज्जे के ऊपर एक पीले रंग के झोले से कुल 1,93,290 रुपए नगद भी बरामद हुए। राखी कुमारी ने पूछताछ में बताया कि वह अपने भाई अर्पित कुमार के साथ मिलकर स्कूल और कॉलेज के छात्रों को ब्राउन शुगर बेचती है।

2 गुटों के बीच जमकर चले लात-घूंसे

सिटी कोतवाली के बाहर युवकों ने दौड़ा–दौड़ाकर एक–दूसरे को मारा, गाड़ी हटाने को लेकर हुआ विवाद

जगदलपुर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में दिवाली की देर रात युवकों के 2 गुटों के बीच जमकर मारपीट हुई है। दोनों गुट के लड़कों ने एक-दूसरे को दौड़ा-दौड़ा कर लात-घूंसे पीटा है। सड़क किनारे खड़ी गाड़ी को हटाने को लेकर विवाद हुआ था। घटना सिटी कोतवाली थाना इलाके की है।

हालांकि, मारपीट के बाद मामला थाने पहुंचा। थाना के अंदर भी जमकर बवाल हुआ। पुलिस ने किसी तरह से मामला शांत करवाया। जिसके बाद देर रात दोनों पक्षों के बीच समझौता भी हो गया। अब इस पूरे विवाद का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

दरअसल, दिवाली की देर रात शहर के कुछ युवकों ने अपनी गाड़ी सिटी कोतवाली पास खड़ी की थी। उसी गाड़ी के पास सटा कर दूसरे युवकों के ग्रुप ने गाड़ी खड़ी कर दी। जब एक ग्रुप के युवकों ने दूसरे से गाड़ी हटाने को कहा, तो दूसरे ग्रुप के लड़कों ने सिगरेट पी रहे फिर हटा देंगे कहने लगे। इसी बात पर दोनों पक्षों के बीच विवाद हो गया।

दोनों पक्षों के युवकों ने एक-दूसरे को खून निकलते तक जमकर मारा। वहीं लोगों की भीड़ लग गई। ये पूरा विवाद सिटी कोतवाली के बाहर चलता रहा लेकिन एक भी पुलिस जवान बाहर नहीं निकाले और न ही मौके पर पहुंचे। जब युवक थाने के अंदर पहुंचे तो पुलिस ने मामला शांत करवाया।

रेस्टोरेंट मालिक की हत्या के मामले में तीन गिरफ्तार

मुख्य आरोपी और निलंबित पुलिसकर्मी भी शामिल

रांची, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड पुलिस ने रांची में एक रेस्टोरेंट मालिक की हत्या के मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें मुख्य आरोपी और एक निलंबित पुलिसकर्मी भी शामिल है। पुलिस अधिकारी ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। आरोपियों में से एक प्रशांत कुमार सिंह को रविवार को गिरफ्तार किया गया। उसकी दी गई जानकारी के आधार पर पुलिस ने मुख्य आरोपी अभिषेक सिंह और निलंबित पुलिसकर्मी हरेंद्र सिंह को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया।

पुलिस के साथ मुठभेड़ में दोनों पैरों में लगी गोली

सूचना मिली थी कि मुख्य आरोपी अभिषेक सिंह अपने परिवार के साथ रांची से भागने की कोशिश कर रहा है। इस पर पुलिस ने कई जगहों पर चेकप्वाइंट लगाए। रविवार रात कांके थाना क्षेत्र के आईटीबीपी कैंप के पास पुलिस ने उन्हें देख लिया और घेर लिया। ग्रामीण एसपी प्रवीन पुष्कर ने बताया कि पुलिस के साथ मुठभेड़ में अभिषेक सिंह को दोनों पैरों में गोली लगी। उसे राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में भर्ती कराया गया है।

उन्होंने कहा कि पुलिस ने निलंबित पुलिसकर्मी हरेंद्र सिंह को भी गिरफ्तार किया है, जिसने अभिषेक को हथियार उपलब्ध कराए थे।

एसपी ने कहा कि रविवार रात करीब 10:30 बजे कांके थाना क्षेत्र में हुई मुठभेड़ में दोनों को पकड़ा गया। उन्होंने पुलिस पर फायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिसमें अभिषेक के पैरों में गोली लगी। एसपी ने बताया कि हरेंद्र सिंह पहले झारखंड पुलिस में सिपाही था और वह पिछले पांच साल से निलंबित चल रहा है।

पूछताछ में अभिषेक ने कबूल किया कि हरेंद्र सिंह ने ही उसे हथियार दिया था। हरेंद्र का आपराधिक इतिहास रहा है और उसके खिलाफ पलामू के पाटन समेत अर्जुन और गोंडा थानों में तीन मामले लंबित हैं।

अभिषेक सिंह बिहार के औरंगाबाद जिले का निवासी है और उसका भी आपराधिक रिकॉर्ड है। पुलिस ने कांके और पिठोरिया थानों में चार आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इनमें से तीन को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि चौथे आरोपी अमित ठाकुर की तलाश जारी है।

मुकेश सहनी बोले– गौराबोराम से संतोष सहनी ही उम्मीदवार

महागठबंधन में कन्फ्यूजन थी, फूट-फूटकर रोईं रितु जायसवाल, बोलीं- आरजेडी में दलालों का वर्चस्व

पटना, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। महागठबंधन में अभी भी कई सीटों को लेकर पार्टियों के बीच कन्फ्यूजन की स्थिति बनी हुई है। इस बीच मुकेश सहनी ने साफ कर दिया है कि गौराबोराम से VIP के उम्मीदवार संतोष सहनी ही चुनाव लड़ेंगे।

सहनी ने कहा, 'महागठबंधन में कुछ गलतफहमी हो गई थी, उसे ठीक किया जा रहा है। वहां महागठबंधन का एकमात्र उम्मीदवार संतोष सहनी हैं।'

दरअसल, गौराबोराम से आरजेडी ने अफजल अली को उम्मीदवार बनाया है। पहले बताया गया था कि लालू ने उनका नाम वापस ले लिया है। हालांकि, अफजल अली ने दावा किया कि वे इसी सीट से राजद की टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं।

इधर, रितु जायसवाल ने सीतामढ़ी की परिहार विधानसभा सीट से निर्दलीय नामांकन किया। सभा को संबोधित करते हुए रितु फूट-फूटकर रोने लगीं। इस दौरान उन्होंने कहा, 'परिहार के लोग मेरे बिना नहीं रह पाएंगे।

मैं उनके बिना नहीं जी पाऊंगी। मेरी पंचायत में बाढ़ आई थी। कभी विधायक पूछने तक नहीं आए। ना जीता हुआ कोई आया।

ट्रम्प को जर्मनी की मानद नागरिकता देने का प्रस्ताव

हमास की कैद से 8 जर्मन बंधक छुड़ाने का सम्मान, ट्रम्प के दादा जर्मनी में नाई थे

बर्लिन, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। जर्मनी की दक्षिणपंथी पार्टी आल्टरनेटिव फॉर जर्मनी (एएफडी) ने अमेरिकी प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रम्प को जर्मन जिले बैड ड्यूरखाइम की मानद नागरिकता देने का प्रस्ताव रखा है। इस पर 29 अक्टूबर को फैसला होना है।

एएफडी के लोकल नेता थॉमस स्टीफन ने कहा कि ट्रम्प ने इजराइल-गाजा विवाद खत्म करने के साथ इजराइली और 8 जर्मन बंधकों को छुड़ाने में मदद की, इसलिए उन्हें यह सम्मान मिलना चाहिए।

दरअसल ट्रम्प खुद जर्मन मूल के हैं। उनके दादा फ्रेडरिक ट्रम्प जो कि पेशे से नाई थे, 140 साल पहले जर्मनी से अमेरिका आए थे।

एएफडी ने डिस्ट्रिक्ट काउंसिल के सामने यह प्रस्ताव रखा है। डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेटर हेंस-उलरिच ने कहा कि मानद नागरिकता देने से पहले इसके नियमों पर अच्छे से चर्चा होनी चाहिए।

उनका कहना है कि जर्मनी में मानद नागरिकता उन लोगों को दी जाती है, जिन्होंने कुछ खास

काम किया हो, लेकिन ट्रम्प को यह सम्मान देना विवादास्पद हो सकता है।

कई लोगों को लगता है कि यह प्रस्ताव बस दिखावटी है और शायद पास न हो। फिर भी, ट्रम्प का इस क्षेत्र से पुराना रिश्ता और उनके काम की वजह से यह चर्चा में है।

ट्रम्प ने दादा ने 16 साल की उम्र में जर्मनी छोड़ दिया था

डोनाल्ड ट्रम्प के दादा फ्रेडरिक जर्मनी के छोटे से गांव काल्स्टाट के रहने वाले थे। ग्वेंडा ब्लेयर की किताब द ट्रम्प्सः थ्री जेनरेशन्स दैट बिल्ट एन एम्पायर बताती है कि फ्रेडरिक का बचपन बड़ा मुश्किल था। आठ साल की उम्र में उनके पिता का देहांत हो गया। खराब तबीयत की वजह से खेती नहीं कर पाए तो उनकी मां ने उन्हें नाई का काम सिखवाया।

फ्रेडरिक ने जर्मनी के सख्त सैन्य कानून से बचने के लिए 16 साल की उम्र देश छोड़ दिया। वहां हर नौजवान को तीन साल तक फौज में रहना पड़ता था। फ्रेडरिक अक्टूबर 1885 में 10 दिन की समुद्री यात्रा के बाद न्यूयॉर्क पहुंचे। वहां फिर नाई की दुकान खोली।

फ्रेडरिक ने कुछ पैसे जोड़कर अलास्का की सोने की खदानों में पैसा लगाया। ये दांव सुपरहिट रहा और वे जल्दी ही अमीर बन गए।

फ्रेडरिक 1902 में जर्मनी लौटे और एलिजाबेथ क्राइस्ट से शादी की। दोनों अमेरिका गए, लेकिन वहां की ठंड में एलिजाबेथ बीमार रहने लगी। 1904 में फ्रेडरिक पत्नी को लेकर वापस जर्मनी गए, लेकिन वहां फौज वालों ने उन्हें देश से निकाल दिया। उन पर स्टांप घोटाले का इल्जाम लगा था।

न्यूयॉर्क लौटकर 1905 में एलिजाबेथ ने फ्रेड ट्रम्प को जन्म दिया, जो डोनाल्ड ट्रम्प के पिता थे। 1918 में फ्रेडरिक की मौत हो गई, तब फ्रेड सिर्फ 15 साल के थे। 1927 में फ्रेड ने अपनी मां के नाम पर एलिजाबेथ ट्रम्प एंड सन नाम की रियल एस्टेट कंपनी शुरू की।

उन्होंने न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन और क्वींस में सस्ते मकान बनाए और किराए पर दिए। ये बिजनेस इतना चला कि फ्रेड शहर के टॉप कारोबारी बन गए।

1936 में फ्रेड ने स्कॉटलैंड की मैरी ऐनी मैकलियोड से शादी की। उनका कारोबार खूब फला-फूला।

हालांकि, 1970 में उन पर अश्वेतों को मकान न देने का इल्जाम लगा, जो बाद में सुलझ गया। फ्रेड की मेहनत ने ट्रम्प एम्पायर को मजबूत किया और फिर डोनाल्ड ट्रम्प ने इसे दुनियाभर में मशहूर कर दिया।

मेयर ममदानी ने इमाम के साथ तस्वीर खिंचाई तो ट्रम्प बौखलाए

कहा- अनर्थ हो रहा, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर उड़ाने वाले के साथ दोस्ती निभा रहा

न्यूयॉर्क, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका में न्यूयॉर्क शहर के मेयर पद के उम्मीदवार जोहरान ममदानी पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक इस्लामिक कट्टरपंथी का करीबी होने का आरोप लगाया है।

दरअसल, ममदानी 18 अक्टूबर को ब्रुकलिन के इमाम सिराज वहाज के साथ हंसते और फोटो खिंचाते दिखाई दिए थे। वहाज पर 1993 के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर बमबारी करने का साजिश रचने और मुसलमानों को जिहाद के लिए उकसाने का आरोप है।

तस्वीर के वायरल होने के बाद ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा-ये अनर्थ हो रहा है। कितनी शर्म की बात है कि सिराज वहाज जैसा शख्स ममदानी का समर्थन कर रहा है और उसके साथ दोस्ती निभा रहा है। इसने ही वर्ल्ड ट्रेड सेंटर को उड़ा दिया था।

अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी ममदानी की आलोचना की है। उन्होंने एक्स पर लिखा- मुझे पता चला है कि डेमोक्रेटिक पार्टी के लोग किसी भी तरह की राजनीतिक हिंसा के खिलाफ हैं। इसलिए मैं अब यह देखने का

इंतजार कर रहा हूं कि सब मिलकर ममदानी की निंदा कब करते हैं। वह उस शख्स के साथ प्रचार कर रहा है जो एक आतंकी साजिश से जुड़ा माना जाता है, भले ही उस पर कोई मुकदमा न चला हो।

रिपब्लिकन मेयर पद के उम्मीदवार कर्टिस स्लिवा ने कहा, ममदानी का इस इमाम के साथ खड़ा होना गलत है। न्यूयॉर्क को एक ऐसे मेयर की जरूरत है जो लोगों को आतंकवाद से बचाए, न कि आतंकवादियों को गले लगाए।

आलोचनाओं के बावजूद ममदानी ने आरोप लगाया कि उन्हें उनके धर्म के कारण निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वह चुनाव जीतने की कगार पर हैं। न्यूयॉर्क मेयर का चुनाव 4 नवंबर 2025 को होना है।

वहाज का असली नाम जेम्स लारेंस है। उन्होंने काले लोगों के साथ हो रहे भेदभाव के विरोध में 70 के दशक में धर्म बदल लिया था। इस्लाम अपनाने के बाद लॉरेंस ने नाम बदलकर सिराज वहाज रख लिया था।

वहाज ने धर्म परिवर्तन के बाद न्यूयॉर्क में मस्जिदों और मुस्लिम समुदाय के लिए सामाजिक कार्य शुरू किया। वहाज ने 2000 के दशक की शुरुआत में न्यूयॉर्क शहर में एक उपदेश दिया था, जिसमें उन्होंने गन-फ्री जिहाद के लिए 10,000 मुस्लिम पुरुषों की सेना बनाने का आह्वान किया था।

उन्होंने कहा था, मैं दुआ करता हूँ कि अल्लाह हमें एक सेना बनाने का अवसर दे, मेरे अनुयायी हथियार न उठाएं, बस मार्च करें। न्यूयॉर्क शहर में मार्च करें, ताकि उनकी आवाज सुनाई दे, ताकि पूरी शहर सो न सके।

1993 में हुए वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर अटैक मामले में वहाज का नाम सुर्खियों में आया था। दरअसल, इस मामले से जुड़े कई आरोपी वहाज से जुड़े हुए थे।

32 साल पहले अमेरिका में पहला आतंकी हमला हुआ

2001 में हुए वर्ल्ड ट्रेड सेंटर हमले से 8 साल पहले भी वहां एक बड़ा आतंकी हमला हुआ था। 26 फरवरी 1993 को दोपहर करीब 12 बजकर 18 मिनट पर एक ट्रक बम नॉर्थ टॉवर की पार्किंग में ब्लास्ट हो गया।

ट्रक में करीब 1,200 किलो विस्फोटक भरा था। हमलावरों का मकसद था कि धमाके से नॉर्थ टॉवर गिर जाए और उसके नीचे साउथ टॉवर भी ध्वस्त हो जाए।

इजराइल ने गाजा पर 153 टन बम गिराए

नेतन्याहू बोले- हमास का पूरी तरह खत्मा जरूरी

तेल अवीव, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने संसद में बताया कि 19 अक्टूबर को इजराइली सेना ने गाजा पर 153 टन बम गिराए। नेतन्याहू ने दावा किया कि हमास ने सीजफायर तोड़कर इजराइली सैनिकों पर हमला किया था, इसलिए ये कार्रवाई करने पड़ी। वहीं हमास ने किसी भी हमले से साफ इनकार किया है।

नेतन्याहू ने संसद में कहा- हम एक हाथ में हथियार लिए हैं और दूसरे हाथ से शांति की पेशकश कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि इजराइल आज पहले से ज्यादा ताकतवर है।

उनका कहना है कि शांति ताकत से ही आएगी और हमास को पूरी तरह खत्म करना जरूरी है। दूसरी तरफ अमेरिका के एक बड़े अधिकारी ने कहा कि युद्ध खत्म होने के बाद इजराइल को गाजा के लोगों की मदद करनी चाहिए। गाजा के अधिकारियों का कहना है कि सीजफायर शुरू होने के बाद इजराइल ने 80 बार समझौते का उल्लंघन किया। इससे 97 लोग मारे गए और 230 घायल हुए। हमास का कहना है कि जिन इलाकों में हमला हुआ, वहां उसकी कोई मौजूदगी नहीं थी। इजराइल का कहना है कि हमास ने पहले हमला किया, इसलिए जवाब देना पड़ा। अक्टूबर 2023 से शुरू हुए इस युद्ध में 68,200 लोग मारे गए हैं और 1,70,200 घायल हुए हैं।

एयरफोर्स रैंकिंग में भारत आगे निकला तो चीनी मीडिया बौखलाया

कहा- रैंकिंग कागजों पर नहीं, क्षमताओं के आधार पर होनी चाहिए

बीजिंग, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। दुनिया की एयरफोर्स पावर की एक नई रैंकिंग में भारत को तीसरा स्थान मिला है। भारत से आगे सिर्फ अमेरिका और रूस हैं, जबकि चीन चौथे स्थान पर है। इसे लेकर चीन का सरकारी मीडिया बौखला गया है।

चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स ने चीनी मिलिट्री एक्सपर्ट झांग जुन्शे के हवाले से लिखा कि इस रैंकिंग को गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल वास्तविक युद्ध क्षमता ही किसी सेना की असली ताकत दिखाती है, कागज पर दिखाया गया आंकड़ा नहीं।

ग्लोबल टाइम्स लिखता है कि भारतीय वायुसेना अपने विमान और उपकरण अमेरिका, रूस और बाकी देशों से खरीदती है। इससे पता चलता है कि भारत की विदेश और सुरक्षा नीतियां कितनी जटिल

हैं। झांग ने कहा कि अमेरिकी और भारतीय मीडिया की हाइप का मकसद चीन-भारत प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना हो सकता है और यह गलतफहमी की खतरनाक चेन शुरू कर सकता है।

भारत के पास कुल विमानों की संख्या चीन से कम है, लेकिन ऑपरेशन क्षमता कहीं अधिक है। इसका कारण है भारतीय वायुसेना का संतुलित बेड़ा, बेहतर प्रशिक्षण और आधुनिक हथियार प्रणाली।

भारत के पास 1,716 एयरक्राफ्ट हैं, जिनमें 31.6% फाइटर जेट्स, 29% हेलिकॉप्टर और 21.8% ट्रेनर एयरक्राफ्ट शामिल हैं। भारत ने पायलट ट्रेनिंग, फ्लेक्सिबल डिप्लॉयमेंट और क्विक मिशन एक्जीक्यूशन पर फोकस किया है। इसे बैलेंस्ड माना गया है।

वहीं, चीन के पास 3,733 एयरक्राफ्ट हैं, इनमें 68.7% फाइटर्स, 24.4% हेलिकॉप्टर और 10.7% टेनर्स है। चीन के पास बहुत सारे लड़ाकू विमान हैं, लेकिन ट्रेनर और हेलिकॉप्टर की संख्या कम है। ऐसे में उसकी गुणवत्ता और संचालन क्षमता अपेक्षाकृत कमजोर मानी गई है।

यह रैंकिंग वर्ल्ड डायरेक्टरी ऑफ मॉडर्न मिलिटरी एयरक्राफ्ट (डब्ल्यूडीएमएमए) ने बनाई है। यह संस्था दुनिया के 48 हजार से ज्यादा विमानों पर नजर रखती है। डब्ल्यूडीएमएमए की रैंकिंग में आकलन के लिए TruVal Rating का इस्तेमाल होता है।

डब्ल्यूडीएमएमए रैंकिंग में 103 देशों और 129 एयर सर्विसेज (आर्मी, नेवी और मरीन एविएशन ब्रांच) को शामिल किया गया है। न्यूजवीक के मुताबिक, रैंकिंग में भारत का ऊपर आना एशिया के रणनीतिक संतुलन में बदलाव का संकेत है।

रूसी हमलों से अंधेरे में डूबे लाखों यूक्रेनवासी

बिना बिजली-पानी के रहने को मजबूर, ड्रोन के डर से मरम्मत भी रुकी

कीव, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। रूस की ओर से यूक्रेन के एनर्जी सिस्टम को निशाना बनाते हुए हमले किए गए हैं। यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को चेर्निहीव क्षेत्र में ऊर्जा इंफ्रास्ट्रक्चर पर रूसी बमबारी के कारण लाखों लोग बिना बिजली के रहने को मजबूर हैं। बड़ी संख्या में लोगों को पानी की आपूर्ति भी नहीं मिल पा रही है। इनको ठीक करने की कोशिश हो रही है लेकिन ड्रोन हमले के खतरे की वजह से मरम्मत काम काम धीमा है। इससे सर्दियों के मौसम में यूक्रेनी लोगों का संकट बढ़ गया है।

रॉयटर्स के मुताबिक, यूक्रेनी ऊर्जा मंत्रालय ने कहा कि क्षेत्रीय राजधानी चेर्निहीव और प्रांत के उत्तरी हिस्से में बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई है। इस हमले में रूस ने उत्तरी यूक्रेन के पड़ोसी सूमी क्षेत्र को निशाना बनाया है। सर्दियों से पहले यूक्रेनी ऊर्जा ग्रिड को निशाना बनाकर किए जा रहे रूसी हमलों के अभियान का सबसे नया अटैक है। चेर्निहीव क्षेत्र की करीब दस लाख की आबादी हाल के हफ्तों में अपने बिजली अवसंरचना पर रूसी ड्रोन और मिसाइल हमलों के चलते प्रभावित है। इससे नियमित रूप से ब्लैकआउट हो रहे हैं और दैनिक जीवन बाधित हो रहा है। ऊर्जा मंत्रालय ने बताया है कि रूसी ड्रोन हमलों के कारण चेर्निहीव क्षेत्र में आपातकालीन दल बिजली आपूर्ति बहाल करने का काम शुरू नहीं कर पा रहे हैं। यूक्रेन ने रूस पर क्षतिग्रस्त सुविधाओं के ऊपर ड्रोन उड़ाने का आरोप लगाया ताकि मरम्मत कार्य असंभव हो जाए और जानबूझकर मानवीय संकट को लंबा खींचा जा सके।

नामांकन खत्म फिर भी इंडिया-एनडीए गठबंधन इन मुद्दों को लेकर उलझन

पटना, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए पहले और दूसरे चरण के नामांकन की प्रक्रिया खत्म हो गई है। राज्य की सभी 243 सीटों पर चुनाव प्रचार अब जोर-शोर से शुरू हो गया है। आज से 16 दिन बाद, यानी 6 नवंबर को पहले चरण की वोटिंग होगी। इसके बाद दूसरे चरण का मतदान 11 नवंबर को होगा। सभी सीटों के नतीजे 14 नवंबर को घोषित किए जाएंगे।

पूरे प्रदेश में चुनाव प्रचार के मैदान में भी एनडीए गठबंधन ने बाजी मार ली है। राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपा की ओर से गृहमंत्री अमित शाह ने प्रचार की कमान संभाल ली है। जबकि, दूसरी तरफ महागठबंधन सीट बंटवारे के बाद आपसी विवादों में उलझा हुआ नजर आ रहा है। बिहार चुनाव में ऐसा पहली बार हुआ कि एनडीए

और महागठबंधन ने टिकट बंटवारे को लेकर कोई साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं की। सभी दल नामांकन के आखिरी समय तक लिस्ट जारी करते रहे। एनडीए और महागठबंधन में सीएम फेस को लेकर खींचतान है। पहली बार दोनों तरफ से कोई नाम सामने नहीं आया है। एनडीए गठबंधन में भाजपा, जदयू , चिराग पासवान की पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी (आर), जीतन राम मांझी की और उपेन्द्र कुशवाहा की पार्टी शामिल हैं। भाजपा को 101 सीटें, जदयू को 101 सीटें, चिराग पासवान की पार्टी को 29 सीटें, जबकि मांझी और कुशवाहा की पार्टियों को 6-6 सीटें मिली हैं। भाजपा ने 14 और 15 अक्तूबर को तीन सूचियाँ जारी करते हुए अपने 101 प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की। जदयू ने 15 अक्तूबर को 57 सीटों और 16 अक्तूबर को 41 सीटों के उम्मीदवारों की घोषणा की। जीतन राम मांझी ने 14 अक्तूबर को एक साथ अपनी सभी छह सीटों पर उम्मीदवार घोषित कर दिए। चिराग पासवान ने 15 और 16 अक्तूबर को दो सूचियां जारी कर सभी टिकट बांट दिए। जबकि उपेन्द्र कुशवाहा ने भी दो सूचियाँ जारी कर अपने छह प्रत्याशियों के नाम घोषित किए।

लेकिन इंडिया गठबंधन में नामांकन की प्रक्रिया खत्म होने के बाद भी सीट शेयरिंग को लेकर स्थिति साफ नहीं हो पाई है। कई सीटों पर महागठबंधन के सहयोगी दल एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव मैदान में उतर गए हैं। 20 अक्तूबर को नामांकन समाप्त होने के बाद भी यह स्पष्ट नहीं हो सका कि कौन-सी पार्टी कितनी सीटों पर चुनाव लड़ रही है। महागठबंधन के दलों ने अब तक औपचारिक रूप से सीट बंटवारे का फार्मूला घोषित नहीं किया है। हालांकि अंदरूनी सूत्रों के अनुसार,कांग्रेस 60 सीटें, राजद 143 सीटें, वामदल 30 सीटें, वीआईपी पार्टी 15 सीटें और अन्य दलों को 3 सीटें पर चुनावी मैदान में है।

फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी 5 साल की सजा काटने पेरिस जेल पहुंचे

पेरिस, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी लीबिया से प्राप्त धन से अपने 2007 के चुनाव अभियान के वित्तपोषण के आपराधिक षड्यंत्र के जुर्म में पांच वर्ष की सजा काटने के लिए मंगलवार को पेरिस की जेल में पहुंच गए। वह आधुनिक फ्रांस के पहले पूर्व राष्ट्रपति हैं, जिन्हें जेल भेजा गया है। सरकोजी अपनी पत्नी कार्ला ब्रूनी सरकोजी का हाथ थामे हुए घर से निकले और ला सांते जेल पहुंचने के लिए कार में सवार हुए।

जेल जाते समय सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में सरकोजी ने कहा कि एक निर्दोष व्यक्ति को जेल में डाला जा रहा है। पिछले महीने उन्हें इस आरोप

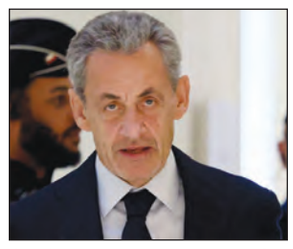

में दोषी ठहराया गया था कि उन्होंने लीबिया से अवैध धन लेकर 2007 के राष्ट्रपति चुनाव अभियान को वित्तपोषित करने की साजिश रची। सरकोजी ने सजा और अपील लंबित रहने के दौरान जेल भेजे जाने के न्यायाधीश के निर्णय को चुनौती दी है।

राष्ट्रपति आवास एलिसी पैलेस से लेकर कुख्यात ला सांते जेल तक के अब तक के उनके सफर ने पूरे फ्रांस को झकझोर दिया है। जेल में दाखिल होने से कुछ मिनट पहले सारकोजी और उनकी पत्नी अपने बच्चों और नाती-पोतों से मिलने अपने घर के बाहर निकले। उन्होंने पेरिस के उच्च-वर्गीय इलाके में एकत्र समर्थकों की भीड़ की ओर हाथ हिलाया और फिर कार में बैठ गए। सरकोजी के जेल जाते समय सैकड़ों समर्थकों ने उनके समर्थन में नारे लगाए। सरकोजी के बेटे और बेटी जीन, पियरे, लुई और जूलिया तथा उनके नाती-पोते सभी वहां मौजूद थे। पेरिस निवासी मिशेल पेरी (67) ने कहा कि वह समर्थन जताने आई हैं क्योंकि इसे लेकर आक्रोश है तथा यह अन्याय है। विवादों से घिरे राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों ने पिछले सप्ताह एलिसी पैलेस में सारकोजी की मेजबानी की थी।

मैक्रों ने कहा है कि मैंने हमेशा न्यायपालिका की स्वतंत्रता के बारे में स्पष्ट रुख अपनाया हैलेकिन मानवीय दृष्टिकोण से इस परिस्थिति में अपने पूर्ववर्ती से मिलना उचित था। सरकोजी के वकीलों ने बताया कि पूर्व राष्ट्रपति को सुरक्षा कारणों से एकांत कारावास (तन्हाई बैरक) में रखा जाएगा, जहां वह अन्य कैदियों से अलग रहेंगे। सरकोजी के वकील क्रिस्टोफ इंग्रैन ने बीएफएम टीवी से कहा कि जेल में डाले जाने से 'उनका संकल्प और अपनी बेगुनाही साबित करने का जुनून और मजबूत हुआ है।

सारकोजी जेल में अपने अनुभव को लेकर एक किताब लिखने की भी योजना बना रहे हैं।

अजरबैजान पहुंचे पाकिस्तान के खतरनाक जेएफ-17 जेट

बाकू, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के जेएफ-17 ब्लॉक III लड़ाकू विमान अजरबैजान पहुंचे हैं। एयरफोर्स के साझा युद्ध अभ्यास में भाग लेने के लिए ये लड़ाकू विमान पाकिस्तान से अजरबैजान गए हैं। यह दोनों देशों के बीच बढ़ते सैन्य संबंधों को दिखाता है। अजरबैजान में जेएफ-17 ब्लॉक III के देखे जाने के बाद ऐसी अटकलें लगाई गईं कि उसको विमानों का नया बैच मिल गया है।सेना की ओर से जारी बयान में कहा गया कि उसके जेएफ-17 जेट द्विपक्षीय हवाई युद्धाभ्यास में भाग लेने अजरबैजान गए हैं। पाक सेना ने कहा है कि उसके जेएफ-17 लड़ाकू विमानों ने पाकिस्तान स्थित अपने अड्डे से अजरबैजान तक बिना रुके उड़ान भरी है।

एच-1बी वीजा के लिए सबको नहीं देनी होगी 88 लाख रुपए फीस

वॉशिंगटन, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका के डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने एच-1बी वीजा पर नई गाइडलाइन जारी की है। इसमें 1,00,000 डॉलर की फीस को लेकर साफ किया गया है कि सभी आवेदकों को ये शुल्क नहीं देना होगा। H1B वीजाधारक को स्टेटस बदलने और प्रवास विस्तार की स्थिति में बढ़ा शुल्क नहीं देना होगा। यह भारतीयों के लिए खासतौर से राहत लेकर आया है क्योंकि इस वीजा के लिए भारतीय सबसे ज्यादा अप्लाई करते हैं। बीते साल, 2024 में कुल स्वीकृत एच-1बी वीजाधारकों में से 70 प्रतिशत भारतीय मूल के कर्मचारी थे। भारत से आने वाले कुशल पेशेवरों की संख्या सबसे अधिक है। ऐसे में उनके ही सबसे ज्यादा लंबित आवेदन हैं। अमेरिका की नागरिक और इमिग्रेशन सर्विस (USCIS) की ओर से जारी गाइडलाइन में गैर-आप्रवासी कामगारों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने की राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 19 सितंबर के आदेश में दी गई छूट को स्पष्ट किया है। इसमें कहा गया है कि अमेरिका में एच-1बी वीजा आवेदनों पर एक लाख अमेरिकी डॉलर (88 लाख भारतीय रुपए) का शुल्क ऐसे आवेदकों पर लागू नहीं होगा, जो अपने 'स्टेटस' में बदलाव चाहते हैं या प्रवास की अवधि बढ़वाना चाहते हैं।

USCIS ने कहा है कि ट्रंप का H1-B वीजा पर बढ़ाकर किया गया 1,00,000 अमेरिकी डॉलर का देश आदेश पहले से जारी और वर्तमान में मान्य H-1B वीजा या फिर 21 सितंबर तक जमा किए गए आवेदन पर लागू नहीं होगा। USCIS ने साफ किया है कि मौजूदा H1-B वीजाधारक के अमेरिका में आने-जाने पर कोई रोक नहीं है। H-1B वीजा पर USCIS की यह नई गाइडलाइन यूएस चैंबर ऑफ कॉमर्स की ओर से ट्रंप प्रशासन पर नए नियमों को लेकर मुकदमा दायर करने के बाद आई है। इस संगठन ने बढ़ाई गई फीस से अमेरिकी कंपनियों को नुकसान होने की बात कही है।

अमेरिकी व्हाइट हाउस के ईस्ट विंग पर बुलडोजर चला

ट्रम्प का बॉलरूम बनेगा, 2029 तक तैयार होगा, 100 साल में पहली बार इतना बड़ा बदलाव

वॉशिंगटन, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के सरकारी आवास व्हाइट हाउस के ईस्ट विंग के कुछ हिस्सों को ढहाना शुरू कर दिया गया है। सोमवार को कर्मचारियों ने ईस्ट विंग में एक एंट्री रूट और खिड़कियों के कई हिस्से तोड़ दिए।

अब यहां नया बॉलरूम बनेगा। ट्रम्प ने कहा है कि इस हिस्से को पूरी तरह आधुनिक किया जा रहा है। इस बॉलरूम में 999 लोग बैठ सकते हैं।

जुलाई में इसकी क्षमता 650 लोग बताई गई थी। बॉलरूम ट्रम्प के कार्यकाल खत्म होने से पहले, जनवरी 2029 तक तैयार हो जाएगा। 100 साल में पहली बार है जब व्हाइट हाउस में इतना बड़ा बदलाव हो रहा है।

व्हाइट हाउस ने यह निर्माण कार्य शुरू कर दिया है, लेकिन अभी इसे नेशनल कैपिटल प्लानिंग कमीशन (NCPC) से मंजूरी अभी नहीं मिली है। यह आयोग वॉशिंगटन इलाके में सरकारी भवनों के निर्माण और बड़े नवीनीकरण को मंजूरी देता है। ईस्ट विंग में कई ऑफिस हैं, जिनमें फर्स्ट लेडी के ऑफिस भी शामिल हैं। इसे 1902 में बनाया गया था। जुलाई में व्हाइट हाउस प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लिविट ने कहा था कि निर्माण के दौरान कार्यालय अस्थायी रूप से स्थानांतरित किए जाएंगे और ईस्ट विंग का नवीनीकरण किया जाएगा।

ट्रम्प का कहना है कि नया 90,000 वर्ग फुट का बॉलरूम इसलिए बनाया जा रहा है क्योंकि ईस्ट रूम, जो व्हाइट हाउस का सबसे बड़ा कमरा है, 200 लोगों की क्षमता के लिए छोटा है।

ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसकी घोषणा करते हुए लिखा कि बॉलरूम के लिए जमीन तैयार कर दी गई है। उन्होंने कहा, 150 साल से हर राष्ट्रपति व्हाइट हाउस में बॉलरूम बनाने का सपना देखता रहा है, ताकि बड़े पार्टियों और स्टेट विजिट्स के लिए जगह हो।

बॉलरूम बनाने के लिए सरकारी पैसे का इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है।

जीएसटी स्लैब घटने से बाजार में लौटी रौनक

पीएम मोदी ने देश को दी डबल दीपावली का उत्साहः शेखावत

जोधपुर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि जीएसटी स्लैब में की गई कमी का असर अब देशभर के बाजारों में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि इससे उपभोक्ताओं में उत्साह और कारोबारियों में विश्वास बढ़ा है। शेखावत ने बताया कि उपभोक्ता वस्तुओं और इलेक्ट्रॉनिक सामानों पर जीएसटी दरों में कमी आने के बाद से मार्केट में जबरदस्त उछाल देखा गया है। केवल इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में ही इस साल लगभग 20 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त बिक्री का अनुमान है।

जीएसटी में कमी से अर्थव्यवस्था को मिला प्रोत्साहन

दीपावली के अवसर पर अपने निवास पर पत्रकारों से बातचीत में शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लिया गया यह निर्णय देश को इस बार

'डबल दीपावली' का उत्सव दे गया है। उन्होंने कहा कि नवरात्रि से लेकर दीपावली तक बाजारों में अप्रत्याशित रौनक देखने को मिली है। इसका बड़ा कारण यह भी है कि आज अधिकांश उत्पाद भारत में ही निर्मित हो रहे हैं, जिससे बिक्री का सीधा सकारात्मक प्रभाव देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ा है।

शेखावत ने कहा कि यह कदम केवल उपभोक्ताओं के लिए राहत या बचत का अवसर नहीं है, बल्कि इससे उत्पादन और रोजगार के अवसरों में वृद्धि भी हो रही है। जब बाजार में मांग बढ़ती है तो उत्पादन स्वतः बढ़ता है और इससे रोजगार के नए अवसर सृजित होते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी का यह निर्णय न केवल आर्थिक दृष्टि से, बल्कि सामाजिक दृष्टि से भी अत्यंत सराहनीय है।

बिहार में एनडीए की सरकार बनने का दावा

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर पूछे गए सवाल पर केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि बिहार का राजनीतिक माहौल एनडीए के पक्ष में अनुकूल है। उन्होंने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी और नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए गठबंधन इस बार प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएगा। शेखावत ने कहा कि बिहार की जनता विकास, स्थिरता और सुशासन के पक्ष में मतदान करने का मन बना चुकी है, इसलिए बिहार में एक बार फिर एनडीए की सरकार बड़े बहुमत के साथ बनेगी।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने दीपावली के अवसर पर बेटी सुरंगमा के साथ झालामंड स्थित 'अपना घर आश्रम' जाकर वहां रह रहे निराश्रित जनों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि दीपावली की सुबह उनके लिए स्मरणीय बन गई। सुरंगमा के भावुक स्वभाव का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उसे सबके साथ खुशियां बांटना पसंद है। शेखावत ने कहा कि 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना हमारे सनातन संस्कारों में निहित है। इस अवसर पर उन्होंने आश्रम में सभी को पुष्पहार पहनाकर, फल एवं मिष्ठान भेंट किए और दीपावली की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान जीव-जंतु कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष जसवंत सिंह बिश्नोई, अखिल भारतीय माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष संदीप काबरा और अनेक समाजसेवी भी उपस्थित रहे।

दीपावली पर शुभकामनाएं दीं

शेखावत ने लोगों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दुःख, संकट और कष्ट दीपों की ज्योति के साथ जलकर भस्म हो जाएं। हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम अपने प्रयासों से उन घरों में रोशनी लाएं जहां अब तक अंधेरा है।

पूर्व आर्मी जवान पर बड़ी कार्रवाई

तस्करी के पैसों से बनाया आलीशान मकान

गर्लफ्रेंड संग दिल्ली में पकड़ा गया

बाड़मेर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। बालोतरा जिले में पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करों पर शिकंजा कसने की कार्रवाई तेज कर दी है। इसी कड़ी में सिणधरी थाना क्षेत्र के दरगुंडा गांव निवासी सेना के जवान रहे गोरधनराम उर्फ गोधुराम की अवैध संपत्ति को फ्रीज किया गया। बता दें कि कार्रवाई सिवाना डीएसपी नीरज शर्मा और सिणधरी थानाधिकारी की मौजूदगी में की गई। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने मादक पदार्थों की तस्करी से अर्जित धन से अपने गांव में आलीशान मकान बनाया था।

पुलिस मुख्यालय और जोधपुर रेंज आईजी के निर्देश पर जिलेभर में ऐसे तस्करों की संपत्तियों का ब्योरा तैयार किया जा रहा था, जो लंबे समय से नशे के कारोबार में सक्रिय हैं। इसी क्रम में गोरधनराम की संपत्ति का पूरा रिकॉर्ड एकत्रित कर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई के लिए सक्षम अधिकारी एवं प्रशासक, एनडीपीएस नई दिल्ली को भेजा गया। वहां से दस्तावेजों के सत्यापन के बाद उसकी अवैध संपत्ति फ्रीज करने के आदेश जारी हुए।

डीएसपी शर्मा ने बताया कि गोरधनराम ने नशे के कारोबार से कमाए काले धन को वैध दिखाने के लिए अपने गांव में एक भव्य मकान बनवाया था। आदेश मिलने के बाद पुलिस टीम ने मकान को फ्रीज कर कब्जे में ले लिया। आरोपी को तीन महीने पहले दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

सात जुलाई को दिल्ली पुलिस की स्पेशल ब्रांच ने कालिंदी कुंज इलाके में चेकिंग के दौरान एक क्रेटा कार से अफीम के पैकेट बरामद किए थे। कार में सेना का कॉन्स्टेबल गोरधनराम, उसकी गर्लफ्रेंड देवी और साथी पीराराम मौजूद थे।

तलाशी में एक पिस्टल भी मिली थी। जांच में खुलासा हुआ कि यह गिरोह मणिपुर से अफीम की सप्लाई कर राजस्थान तक नेटवर्क चला रहा था। पुलिस अब उसकी अन्य संपत्तियों और नेटवर्क की भी जांच कर रही है।

फ्रूट मंडी में लगी भीषण आग, मचा हड़कंप

5 किमी दूर तक नजर आया धुएं का गुबार

जोधपुर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिवाली की रात जोधपुर की भदवासिया फ्रूट मंडी में भीषण आग लग गई। जिससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आग इतनी भीषण थी कि करीब 5 किलोमीटर दूर तक धुएं का गुबार नजर आया।

भदवासिया फ्रूट मंडी में स्थित फर्म विशनदास थावरदास की दुकान के सामने बरामदे में रखे फ्रूट कैरेट देर रात अचानक आग लग गई। माना जा रहा है कि पटाखे की चिंगारी के कारण आग लगी।

कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। देखते ही देखते आग की लपटें फ्रूट मंडी में चारों ओर फैल गई।

सूचना मिलते ही आधा दर्जन दमकलें मौके पर पहुंची। आग इतनी भीषण थी कि दमकलकर्मियों को भी काफी मशक्कत करनी पड़ी। बताया जा रहा है कि बुधवार सुबह आग पर काबू पा लिया गया। आग के चलते काफी नुकसान हुआ है। मंडी में आग की सूचना मिलते ही व्यापारियों में हड़कंप मच गया। व्यापारी अपनी दुकानें संभालने के लिए दौड़ पड़े।

जोधपुर में एयरफोर्स ऑफिसर्स मैस चौराहे पर महालक्ष्मी डेयरी, चौपासनी हाउसिंग बोर्ड सेक्टर 21 और चौहाबो थाने के बाहर भी दिवाली की रात आग लग गई।

हालांकि, दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पा लिया। आग के कारण कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन लाखों रुपए का सामान जलकर राख हो गया।

दीपावली पर राजस्थान की हवा हुई ज़हरीली

जयपुर में एयर क्वालिटी इंडेक्स 489 तक पहुंचा

जयपुर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में दीपावली के दिन वायु गुणवत्ता चिंताजनक स्तर पर पहुंच गई है। 21 अक्टूबर 2025 की सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश के चार प्रमुख शहरों में एयर क्वालिटी 300 से ऊपर दर्ज किया गया, जो हवा को ' बेहद हानिकारक ' श्रेणी में रखता है। जयपुर में दिवाली की रात 12 बजे यह इंडेक्स रेड जोन में पहुंच गया। इस दौरान यहां एयर क्वालिटी इंडेक्स 489 दर्ज किया गया। सुबह 7 बजे इसमें गिरावट आई और यह 330 पहुंच गया। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, राज्य में अगले 2-3 दिन में हवा की गुणवत्ता सामान्य हो जाएगी. वहीं, तापमान में भी 1° से 4° तक का हल्का उतार-चढ़ाव देखने को मिला। जयपुर, सीकर, कोटा और अजमेर में हल्की सर्दी का असर शुरू हो गया है, जबकि पश्चिमी राजस्थान में गर्मी अभी भी बनी हुई है। धौलपुर में एक्यूआई 250 तक पहुंच गया। वहीं भिवाड़ी में 248, बीकानेर में 235 और श्रीगंगानगर में 222 का स्तर रिकॉर्ड किया गया। यह स्तर फेफड़ों की बीमारियों से ग्रस्त लोगों, बच्चों और बुजुर्गों के लिए बेहद खतरनाक माना जाता है। राजधानी जयपुर में दिवाली से एक दिन पहले एक्यूआई 177 रिकॉर्ड किया गया जो फिलहाल 'मध्यम' श्रेणी में माना जाता है। लेकिन दिवाली के बाद यह बेहद तेजी से बिगड़ गया।

संदिग्ध हालातों में महिला की मौत, परिजन बोले कफ सिरप पीने के बाद बिगड़ी तबीयत

कोटा, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। कोटा के अनंतपुरा थाना क्षेत्र के अजय आहूजा नगर में एक महिला की संदिग्ध हालातों में मौत का मामला सामने आया है। 57 वर्षीय मृतका कमला देवी के बेटे ने आरोप लगाया कि मां दीपावली की तैयारियों में व्यस्त थी। उन्हें दो दिन पहले सर्दी-जुकाम की शिकायत हुई थी। पास के रंगबाड़ी क्षेत्र स्थित एक मेडिकल स्टोर से कफ सिरप मंगवाया था।

सिरप लेने के कुछ देर बाद ही मां को बेचैनी और घबराहट महसूस होने लगी। हालत बिगड़ने पर उन्हें तुरंत न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई जबकि उनकी मां को कोई अन्य बीमारियां भी नहीं थी।

कफ सिरप के सैंपल एफएसएल भेजेंगे

मामले की सूचना पर अनंतपुरा थाना पुलिस अस्पताल पहुंची। एसआइ रोहित कुमार ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। परिजनों के बयान दर्ज कर लिए गए हैं। कफ सिरप के सैंपल को जब्त कर एफएसएल (फॉरेंसिक लैब) भेजा जाएगा ताकि यह पता लगाया जा सके कि सिरप में कोई गड़बड़ी तो नहीं थी। पुलिस ने बताया कि महिला की मौत के असली कारणों का खुलासा मेडिकल रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के बाद ही हो पाएगा। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है।

दिवाली पर पटाखे चलाने को लेकर हुआ विवाद

चाकू से गोदकर की 18 साल के युवक की हत्या

बूंदी, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। दीपावली की रात पटाखे चलाने को लेकर हुआ मामूली विवाद खूनी झगड़े में बदल गया। बूंदी जिले के सदर थाना क्षेत्र में 18 वर्षीय युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया और मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया। वहीं 3 संदिग्ध युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी गई है।

जानकारी के अनुसार सिलोर रोड स्थित सिलोर पुलिया के पास रावला चौक नाहर का चौहट्टा निवासी विष्णु सैनी (18) अपने दोस्तों के साथ घूमने निकला था। इसी दौरान कुछ अन्य युवक सड़क पर पटाखे चला रहे थे। बताया जा रहा है कि उन युवकों ने विष्णु की बाइक के पास पटाखे छोड़ दिए जिससे दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई। आसपास मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया लेकिन तनाव बना रहा।

विष्णु अपने दोस्तों के साथ कुछ दूरी तक चला ही था कि वही युवक दोबारा सामने आ गए और उन्होंने रास्ता रोक लिया। देखते ही देखते झगड़ा फिर भड़क उठा। तभी एक युवक ने जेब से चाकू निकाला और विष्णु पर ताबड़तोड़ 3-4 वार कर दिए।

गंभीर रूप से घायल विष्णु सड़क पर गिर पड़ा। आरोपी युवक मौके से फरार हो गए। साथी दोस्त घायल विष्णु को तुरंत बूंदी जिला अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की खबर लगते ही परिवार में कोहराम मच गया। दीपावली की खुशियां कुछ ही पलों में मातम में बदल गईं।

व्यापारी की हत्या, डबल मर्डर से इलाके में फैली सनसनी

जैसलमेर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। व्यापारी रमेश रुलानिया हत्याकांड के बाद राजस्थान में एक और व्यापारी की हत्या का मामला सामने आया है। जैसलमेर जिले के मोहनगढ़ कस्बे में दिवाली की रात अज्ञात बदमाशों ने व्यापारी और मुनीम की धारदार हथियारों से हत्या कर दी। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई।

मोहनगढ़ कस्बे में मंदिर के पुजारी ने मंगलवार सुबह खून से लथपथ 2 शव देखे। इस पर पुजारी ने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भिजवाया। वहीं, फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से सबूत जुटाए।

पुजारी ने सबसे पहले देखे शव

मोहनगढ़ निवासी पुजारी पोकर

पुरी ने पुलिस को बताया कि वह सुबह मंदिर में पूजा करने के लिए आया था। इसके बाद मदन लाल सारस्वत से दिवाली की राम-राम करने के लिए उसके घर पर गए। जहां घर के बाहर ही व्यापारी और उसके मुनीम का शव पड़ा हुआ था। शव खून से लथपथ थे और धारदार हथियारों के निशान पाए गए है।

बीकानेर जिले के रहने वाले है दोनों मृतक

पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान व्यापारी मदन लाल सारस्वत और मुनीम रेवंतराम के रूप में हुई है। दोनों ही बीकानेर जिले के रहने वाले थे। बीकानेर के सरूणा निवासी मदनलाल करीब 20 साल से मोहनगढ़ में व्यापार कर रहे थे। उनके साथ बिगा निवासी मुनीम रेवंतराम भी रहता था।

व्यापारी की कार से बदमाशों के भागने का अंदेशा

पुलिस के अनुसार व्यापारी मदनलाल ने अपनी कार में पेट्रोल भरवाया था। जहां पर वो रहते थे, वहीं पर उनकी दुकान भी थी। ऐसे में वे दुकान पर दिवाली पूजन के बाद खुद के गांव जाने वाले थे। लेकिन, इससे पहले पहले बदमाशों ने हत्या की वारदात को अंजाम दिया।

व्यापारी की कार भी गायब है। ऐसे में अंदेशा जताया जा रहा है कि आरोपी हत्या की वारदात को अंजाम देने के बाद व्यापारी की कार लेकर फरार हो गए।

डबल मर्डर से दहशत का माहौल

डबल मर्डर से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। वहीं, स्थानीय व्यापारियों में आक्रोश व्याप्त है। लोगों ने आरोपियों को तुरंत पकड़ने की मांग की। जिस पर पुलिस ने जल्द ही आरोपियों को पकड़ने का भरोसा दिलाया है।

लाल बत्ती की गाड़ी में बैठकर जमाते थे धौंस

फर्जी पुलिस बनकर फिरौती वसूलने वाले बदमाश हिरासत में

अलवर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। गोविन्दगढ़ थाना पुलिस ने लाल बत्ती लगी गाड़ी में फर्जी पुलिस बनकर अपहरण और फिरौती वसूली की वारदात करने वाली गैंग का पर्दाफाश किया। पुलिस ने गैंग के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक अलवर सुधीर चौधरी ने बताया कि जिले में चोरी, लूट, नकबजनी और अपहरण-फिरौती जैसी संगठित अपराधों पर नकेल कसने के लिए विशेष टीम का गठन किया गया था। यह कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ. प्रियंका और वृत्ताधिकारी लक्ष्मणगढ़ कैलाश जिंदल के सुपरविजन में की गई।

गोविन्दगढ़ थाना प्रभारी बने सिंह के नेतृत्व में पुलिसकर्मियों ने मुखबिर सूचना और तकनीकी सहायता के आधार पर आरोपियों को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने बताया कि साजिद पुत्र दिलावर निवासी धांधोली, थाना जालूकी, जिला डीग ने न्यायालय में शिकायत दर्ज करवाई कि 28 जून को चार-पांच लोग लाल बत्ती लगी गाड़ी में पुलिस की वर्दी जैसा पहनावा कर उसके पास आए और खुद को हरियाणा पुलिस बताकर उसका अपहरण कर लिया। आरोपियों ने दुकान से कैश, मोबाइल और कंप्यूटर सहित अन्य सामान लूट लिया और बाद में परिवार से 4 लाख रुपये की फिरौती मांगकर उसे छोड़ा। अनुसंधान के दौरान पुलिस ने तकनीकी निगरानी और पुख्ता जानकारी के आधार पर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनमें साजिद उर्फ काला पुत्र इन्नस खान, उम्र 32 वर्ष और निरजू पुत्र वासुदेव, उम्र 34 वर्ष शामिल हैं। थाना इंचार्ज बने सिंह और उनकी टीम ने आरोपियों से गहन पूछताछ शुरू कर दी है।

हिस्ट्रीशीटर डेनिस बावरिया ने एसएमएस अस्पताल में तोड़ा दम, 2 दिन पहले बदमाशों ने किया था अपहरण

झुंझुनू, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के झुंझुनूं जिले के हिस्ट्रीशीटर डेनिस बावरिया की मंगलवार को जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। दो दिन पहले डेनिस का कुछ बदमाशों ने अपहरण कर बेरहमी से मारपीट की थी। पुलिस ने घटना के कुछ ही घंटे बाद उसे गंभीर अवस्था में दस्तयाब कर लिया था। गंभीर हालत में उसे एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान हिस्ट्रीशीटर डेनिस बावरिया की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार जीत की ढाणी निवासी हिस्ट्रीशीटर डेनिस बावरिया को रविवार रात साढ़े 10 बजे चूरू बाइपास पर स्थित एक शराब ठेके के पास स्कॉर्पियो में बैठा था। तभी दो कैंपर गाड़ियों में

सवार होकर आए 6 बदमाशों ने उसे घेर लिया और बेरहमी से मारपीट की। इसके बाद हिस्ट्रीशीटर का अपहरण कर ले गए थे।

गिरफ्तारी के डर से हिस्ट्रीशीटर को सड़क पर भागे थे बदमाश

लेकिन, गिरफ्तारी के डर से बदमाशों ने रसोड़ा गांव के पास डेनिस को पटक दिया और मौके से भाग छूटे थे। पुलिस ने अपहरण के कुछ घंटे बाद ही हिस्ट्रीशीटर डेनिस को दस्तयाब किया। लेकिन, उसकी हालत गंभीर होने के चलते झुंझुनूं के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। जहां उसे जयपुर रैफर कर दिया था। हिस्ट्रीशीटर डेनिस का एसएमएस अस्पताल में उपचार चल रहा था। जहां पर सुबह करीब 10 बजे उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। बताया जा रहा है कि बदमाशों ने उसके दोनों पैर तोड़ दिए थे। जिसके उसकी हालत गंभीर बनी हुई थी।

खड़े ट्रोले में घुसी थी गाड़ी, दो की गई थी जान

पुलिस से बचने के लिए बदमाशों ने गाड़ी दौड़ाई। इसी दौरान बदमाशों की गाड़ी अजीतगढ़ गांव के पास ट्रोले में जा घुसी थी। इस हादसे में अपहरण करने वाले हिस्ट्रीशीटर बाबूलाल मुकुंदगढ़ और विनोद मीणा की मौत हो गई थी और तीन बदमाश घायल हो गए थे। घायलों का मंडवा के सरकारी अस्पताल में उपचार जारी है।

जोधपुर का वांछित तस्कर आरिफ पठान दो करोड़ की एमडी ड्रग्स के साथ गिरफ्तार

प्रतापगढ़, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रतापगढ़ जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान 'ऑपरेशन चक्रव्यूह' के तहत पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना रठांजना पुलिस ने एक वांछित तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 1 किलो 08 ग्राम अवैध एमडी ड्रग्स जब्त की है। जब्त किए गए नशे की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 2 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

जिला पुलिस अधीक्षक बी. आदित्य के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक परबत सिंह जैतावत व पुलिस उप अधीक्षक गजेंद्र सिंह राव के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। अभियान के तहत जिले और बाहरी क्षेत्रों में वांछित

अपराधियों की तलाश के लिए विशेष पुलिस दल गठित किया गया था। थानाधिकारी घीसुलाल के नेतृत्व में रठांजना पुलिस टीम शनिवार, 18 अक्तूबर को जोधपुर पश्चिम जिले के साकरिया गांव पहुंची, जहां वांछित तस्कर की सूचना मिली थी।

वांछित तस्कर आरिफ पठान गिरफ्तार

पुलिस टीम ने सटीक कार्रवाई करते हुए आरिफ पठान पुत्र आदिल खान पठान (30), निवासी साकरिया को मौके से गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 1 किलो 08 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की गई। बरामदगी के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर थाना रठांजना में मामला दर्ज किया।

जोधपुर में भी था वांछित

गिरफ्तार आरोपी आरिफ खान जोधपुर पश्चिम जिले के लूणी थाने में दर्ज एक अन्य 500 ग्राम एमडी ड्रग्स के प्रकरण में भी वांछित था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपी पिछले कई महीनों से सक्रिय रूप से नशे के कारोबार में लिप्त था और जोधपुर, प्रतापगढ़ व आस-पास के इलाकों में नेटवर्क फैलाने की कोशिश कर रहा था।

प्रतापगढ़ पुलिस अधीक्षक बी. आदित्य ने बताया कि ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत जिले में मादक पदार्थों की रोकथाम और तस्करों पर शिकंजा कसने के लिए लगातार अभियान जारी है। इस बड़ी बरामदगी से स्पष्ट है कि पुलिस नशे के नेटवर्क को जड़ से खत्म करने के लिए सख्त कार्रवाई कर रही है।

तेलंगाना में 24 से 26 अक्टूबर तक भारी बारिश की चेतावनी

आईएमडी-हैदराबाद ने कई जिलों में बिजली और तेज हवाओं के साथ बारिश का जताया अनुमान

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी)-हैदराबाद ने मंगलवार को चेतावनी दी है कि बंगाल की खाड़ी और अरब सागर के ऊपर बन रही मौसम प्रणालियों के कारण 24 से 26 अक्टूबर के बीच तेलंगाना के कई जिलों में भारी बारिश हो सकती है। खम्मम, नलगोंडा, सूर्यापेट, महबूबनगर, नागर कर्नूल, वानापर्थी, नारायणपेट और जोगुलाम्बा गदवाल जैसे जिलों के लिए विशेष चेतावनी जारी की गई है। इसके अलावा, हैदराबाद और आसपास के जिलों-रंगारेड्डी, मेडचल-मलकजगिरी, विकाराबाद, संगारेड्डी, मेदक, याद्री-भुवनगिरी, कामारेड्डी, महबूबाबाद, वारंगल, हनुमाकोंडा, जंगों और सिद्दीपेट-में 22 से 26 अक्टूबर के बीच बिजली और तेज हवाओं के साथ गरज के साथ बारिश होने का अनुमान है।

आईएमडी-नई दिल्ली के अनुसार, दक्षिण अंडमान सागर और बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण 21 अक्टूबर के आसपास एक निम्न दबाव वाले क्षेत्र में विकसित होने की संभावना है। इस प्रणाली के 23 अक्टूबर तक और तीव्र होने के कारण पूर्वी तट और तेलंगाना के कुछ हिस्सों में वर्षा में वृद्धि होने की उम्मीद है। मौसम विशेषज्ञ टी. बालाजी ने कहा कि यह सिस्टम आंध्र प्रदेश में पहले ही भारी बारिश ला रहा है और तेलंगाना में मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना है।

उपचुनाव में मुख्य मुकाबला भाजपा और एआईएमआईएम के बीच : भाजपा प्रमुख

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने मंगलवार को कहा कि आगामी जुबली हिल्स उपचुनाव में मुख्य मुकाबला भाजपा और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के बीच होगा। भाजपा उम्मीदवार दीपक रेड्डी (जिन्होंने आज दिन में ही अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था) की नामांकन रैली में एक सभा को संबोधित करते हुए, राव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी जनता का विश्वास खो चुकी है और एआईएमआईएम के टिकट पर पहले चुनाव लड़ चुके उम्मीदवार को मैदान में उतारकर केवल चुनावी मैदान में होने का दिखावा कर रही है। उन्होंने मतदाताओं से इस उपचुनाव को 'शासन परिवर्तन की दिशा में पहला कदम' मानने का आग्रह किया, जो तेलंगाना को आगे ले जाएगा। हैदराबाद और सिकंदराबाद में नागरिक समस्याओं पर प्रकाश डालते हुए, राव ने कहा कि नालियों के उफनने, दुर्गंध और सड़कों की खराब स्थिति के कारण निवासियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। अगर अमीरों की बस्तियों की यह हालत है, तो आम जनता की दुर्दशा की कल्पना ही की जा सकती है। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने सत्तारूढ़ कांग्रेस पर हैदराबाद शहर के विकास के लिए छह गारंटियों और 420 प्रतिबद्धताओं सहित अपने अधूरे चुनावी वादों से लोगों को धोखा देने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली बीआरएस सरकार और वर्तमान कांग्रेस सरकार, दोनों ही विकास और नागरिक बुनियादी ढांचे को पूरा करने में विफल रही हैं। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि कांग्रेस अब झूठ पर आधारित झूठे प्रचार से जुबली हिल्स के मतदाताओं को गुमराह करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि हैदराबाद के विकास, जुबली हिल्स निर्वाचन क्षेत्र की प्रगति और शांति एवं स्थिरता बनाए रखने के लिए भाजपा सरकार जरूरी है। उन्होंने दावा किया कि लोग अब वास्तविक विकास, जनता के विश्वास और पारदर्शी शासन के लिए भाजपा को एकमात्र व्यवहार्य विकल्प के रूप में देख रहे हैं। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी और कई वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने भी रैली में भाग लिया।

बड़े ड्रग गिरोह का भंडाफोड़, मेडिकल स्टोर मालिक और इलेक्ट्रीशियन गिरफ्तार

ईगल टीम और पुलिस ने हजारों नशीली गोलियां जब्त कीं

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एलीट एक्शन ग्रुप फॉर ड्रग लॉ एनफोर्समेंट (ईगल) और नलगोंडा पुलिस ने सोमवार को एक संयुक्त अभियान में एक बड़े ड्रग गिरोह का भंडाफोड़ किया। यह गिरोह एक मेडिकल स्टोर मालिक और एक इलेक्ट्रीशियन द्वारा चलाया जा रहा था। पुलिस ने उनके पास से भारी मात्रा में स्पैस्मो-प्रॉक्सीवॉन प्लस और ट्रामाडोल (अल्ट्रा किंग) टैबलेट जब्त कीं। पुलिस के अनुसार, सूचना मिलने पर ईगल टीमों और नलगोंडा पुलिस ने ड्रग कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन के साथ मिलकर कार्रवाई की और नलगोंडा निवासी मोहम्मद जबीउल्ला (35) को पकड़ा, जब वह अपनी बाइक पर नशीली गोलियां लेकर ग्राहकों को देने जा रहा था।

अधिकारियों ने बताया कि जबीउल्ला महबूबाबाद में स्थित एक मेडिकल स्टोर के मालिक दाराम कृष्ण साईं से बिना किसी वैध पर्चे के नशीली गोलियां खरीदता था। वह एक गोली 100 रुपये में खरीदकर 200 रुपये में बेचता था। पुलिस जांच में पता चला है कि जबीउल्ला लंबे समय से ओपिओइड आधारित दवाएं खरीदकर युवाओं और कामकाजी लोगों को बेच रहा था। अब तक 10 उपभोक्ताओं की पहचान की गई है, जिनमें से तीन को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि बाकी की तलाश जारी है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने स्पैस्मो-प्रॉक्सीवॉन की 2400 गोलियां, ट्रामाडोल की 345 गोलियां, दो मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल जब्त की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

घायल सैयद आसिफ से मिले डीजीपी

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी, अतिरिक्त डीजीपी (कानून एवं व्यवस्था) महेश एम. भागवत और हैदराबाद पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने मंगलवार को एबिड्स स्थित ग्रीनफील्ड मल्लारेड्डी अस्पताल में आरोपी की गिरफ्तारी के दौरान घायल हुए सैयद आसिफ का हालचाल जाना। इस अवसर पर डीजीपी ने कहा कि आसिफ की हालत ज़्यादा खराब नहीं है। डॉक्टरों ने ऑपरेशन करके उसके हाथ को उसके मूल आकार में वापस ला दिया। फिलहाल, उसकी हालत स्थिर है। आसिफ के इलाज का पूरा खर्च सरकार उठाएगी। आसिफ ने बहुत बड़ा काम किया। उसने बहादुरी से उस अपराधी को पकड़ लिया जिसके हाथ में चाकू था। आसिफ पहले वेल्डर का काम करता था। हम आसिफ के साहस की सराहना करते हैं। हम पुलिस विभाग की ओर से जरूरी मदद कर रहे हैं। उसे दो-तीन दिन में अस्पताल से छुट्टी मिल जाएगी। उसे ठीक होने में दो-तीन महीने लगने की संभावना है।

दिवाली के दिन आम के पत्ते तोड़ते हुए व्यक्ति की मौत

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के रामनातपुर में दिवाली का उत्साह एक दुखद घटना में बदल गया, जब सोमवार को एस नरसिम्हा (56) बहुमंजिला इमारत से गिर गए और उनकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, नरसिम्हा पड़ोस में लगे आम के पेड़ से आम के पत्ते तोड़ने निकले थे। वह बहुमंजिला इमारत की दूसरी मंजिल पर चढ़ गए और कुछ पत्तों के गुच्छे तोड़ते समय संतुलन खो बैठे और गिर पड़े। उनके सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उप्पल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

शिवाली ने 21 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर भारत में रचा कीर्तिमान

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। गीतम डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी, हैदराबाद की पूर्व छात्रा शिवाली जौहरी श्रीवास्तव ने दुनिया के सबसे बड़े ओरिगेमी प्रदर्शन में दो नए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किए और कुल मिलाकर 21 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड हासिल कर भारत में सबसे अधिक रिकॉर्ड बनाने वाली व्यक्ति बन गई हैं।

शिवाली ने अपनी माता कविता जौहरी श्रीवास्तव के साथ मिलकर यह उपलब्धि हासिल की। उनकी पिछली उपलब्धियों में 1,251 हस्तनिर्मित कागज की गुड़िया, 7,011 अनोखे क्रिल्ड फूल, 2,111 क्रिल्ड गुड़िया, 3,501 ओरिगेमी व्हेल और 2,100 ओरिगेमी पेंगुइन शामिल हैं।

इस बार उन्होंने 6,132 ओरिगामी खट्टे फल, 6,001 ओरिगामी व्हेल, 2,500 ओरिगामी पेंगुइन, 1,993 ओरिगामी मेपल के पत्ते, 6,500 ओरिगामी चमगादड़, 5,500 कारें, 3,400 डायनासोर, 1,900 कुत्ते, 3,400 मोर, 3,200 सूअर, 4,400 शर्ट, 2,200 क्रिल्ड गुड़िया, 3,200 सील और 3,400 रिबन धनुष/धनुष टाई प्रदर्शित किए। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के अलावा, शिवाली ने 15 सहायक विश्व रिकॉर्ड और चार अद्वितीय विश्व रिकॉर्ड भी हासिल किए हैं, जो उनकी रचनात्मकता, दृढ़ता और कला के प्रति जुनून को दर्शाते हैं।

खम्मम और वारंगल में पुलिस स्मृति दिवस पर श्रद्धांजलि

खम्मम/वारंगल, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर मंगलवार को खम्मम और वारंगल जिलों में शहीद पुलिसकर्मियों को सम्मान देने के लिए स्मृति परेड और मोमबत्ती रैली आयोजित की गई। खम्मम में जिला कलेक्टर अनुदीप दुरीसेट्टी, पुलिस आयुक्त सुनील दत्त, जिला वन अधिकारी सिद्धार्थ विक्रम सिंह, पुलिस अधिकारी, कर्मचारी और शहीदों के परिवारजन पुलिस शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। गार्ड ऑफ ऑनर परेड का नेतृत्व आरआई श्रीशैलम ने किया और अतिरिक्त डीसीपी (एआर) कुमार स्वामी ने इस वर्ष देशभर में कर्तव्य निभाते हुए शहीद हुए 191 पुलिसकर्मियों के नाम पढ़े।

कोठागुडेम में जिला कलेक्टर जितेश वी पाटिल, पुलिस अधीक्षक बी रोहित राजू सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और परिवार के सदस्यों ने हेमचंद्रपुरम स्थित जिला पुलिस मुख्यालय में शहीदों को श्रद्धांजलि दी। गार्ड ऑफ ऑनर परेड कमांडर लाल बाबू के नेतृत्व में संपन्न हुई और एडिशनल एसपी नरेंद्र ने शहीद जवानों के नाम पढ़े।

दक्षिण मध्य रेलवे ने त्योहारों के दौरान भारी भीड़ को प्रभावी ढंग से संभाला : जीएम

एससीआर ने 1,010 त्योहार विशेष ट्रेनें चलाईं

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। त्योहारों के मौसम को देखते हुए, दक्षिण मध्य रेलवे ने यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को प्रबंधित करने के लिए कदम उठाए हैं ताकि सुगम और परेशानी मुक्त रेल यात्रा सुनिश्चित हो सके। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक, संजय कुमार श्रीवास्तव ने मंगलवार को सिकंदराबाद के रेल निलयम में मीडियाकर्मियों को जोन द्वारा संचालित विशेष ट्रेनों और त्योहारों के दौरान अतिरिक्त भीड़ को प्रभावी ढंग से संभालने के लिए की गई व्यवस्थाओं की जानकारी दी। श्रीमती के. पद्मजा, प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे, श्रीमती इति पांडे, प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे, सुश्री अरोमा सिंह ठाकुर, प्रमुख मुख्य सुरक्षा आयुक्त, दक्षिण मध्य रेलवे, डॉ.आर. गोपालकृष्णन, मंडल रेल प्रबंधक, सिकंदराबाद मंडल, संतोष कुमार वर्मा, मंडल रेल प्रबंधक, हैदराबाद मंडल, ए. श्रीधर, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, एससीआर और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि भारतीय रेलवे ने दशहरा, दिवाली और छठ पूजा त्योहारों के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए 12 हजार से अधिक विशेष ट्रेनें चलाने की योजना बनाई है, जिनमें से 973 विशेष ट्रेनें दक्षिण मध्य रेलवे से संबंधित हैं।

महाप्रबंधक ने बताया कि ज़ोन ने पिछले एक महीने की अवधि यानी 21 सितंबर से 20 अक्टूबर, 2025 तक विभिन्न गंतव्यों के बीच 1,010 नियमित और त्यौहार विशेष ट्रेनें चलाई हैं। उन्होंने बताया कि यह पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 477 अधिक है, जब इसी अवधि के दौरान 684 विशेष ट्रेनें चलाई गई थीं। उन्होंने बताया कि इस अवधि के दौरान 4.80 करोड़ यात्रियों ने एससीआर (आवक और जावक) में नियमित एक्सप्रेस, यात्री और विशेष ट्रेनों में यात्रा की है। उन्होंने बताया कि प्रतीक्षा सूची वाले यात्रियों को सुविधा प्रदान करने के लिए विभिन्न नियमित ट्रेनों में 237 अतिरिक्त डिब्बे जोड़े गए। उन्होंने बताया कि हैदराबाद शहर के महत्वपूर्ण टर्मिनलों पर बोझ कम करने के लिए लिंगमपल्ली, हाई-टेक सिटी, चेर्लापल्ली, मलकाजगिरी जैसे कुछ स्टेशनों पर ट्रेनों के अतिरिक्त ठहराव प्रदान किए गए हैं। महाप्रबंधक ने क्षेत्र के प्रमुख स्टेशनों पर क्षेत्र द्वारा किए गए भीड़ नियंत्रण और सुविधा उपायों के व्यापक सेट की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सभी छह मंडलों के प्रमुख स्टेशनों अर्थात सिकंदराबाद, चेर्लापल्ली, हैदराबाद, लिंगमपल्ली, विजयवाड़ा, राजमंड्री, तिरुपति, रायचूर, गुंटकल, गुंटूर, नलगोंडा, काचीगुडा, निजामाबाद, नांदेड़, औरंगाबाद, अकोला, पूर्णा पर प्लेटफार्मों पर विनियमित प्रवेश के लिए 26 होल्डिंग क्षेत्र स्थापित किए गए हैं।

महाप्रबंधक ने सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। संजय कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे ने सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया, जिसमें उन्होंने भीड़ नियंत्रण उपायों, यात्री सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था आदि की समीक्षा की। महाप्रबंधक ने अधिकारियों से यात्री सुविधाओं, प्रतीक्षालय की सफाई, शौचालयों, पेयजल व्यवस्था आदि के बारे में जानकारी ली। उनके साथ सिकंदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक डॉ.आर. गोपालकृष्णन और अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

बिहार एसोसिएशन ने छठ पूजा के लिए शुरू की छठ घाटों की सफाई

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार एसोसिएशन के कार्यकर्ताओं ने महापर्व छठ की तैयारी में छठ घाटों की सफाई हेतु कार्य शुरू कर दिया है। महासचिव, प्रभास कुमार ने कहा कि छठ आयोजन पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को आमंत्रित किया गया है।

बिहार एसोसिएशन प्रशासनिक विभाग एवं ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉरपोरेशन के सहायता से हैदराबाद के समस्त भागों में छठ घाटों के सौंदर्यीकरण का काम शुरू कर दिया है। इन घाटों में टैंक बॉन्ड, उप्पल, एलबी नगर, काटेदान, मियांपुर, अयोध्या नगर, सुभाष नगर में छठ महापर्व तैयारी शुरू कर दी गई है। मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार ने बताया कि एसोसिएशन टैंक बॉन्ड पर बैठक कर विभिन्न घाटों हेतु कार्यकारिणी मंडल से नामों को चयनित किया गया है।

इनमें टैंक बॉन्ड, चिल्ड्रन पार्क-हरे राम सिंह, उप्पल प्रभास कुमार एवं दिलीप कुमार, नागोल अमरेश कुमार मौर्य, फॉक्स सागर सौरभ सिंह, सुराराम दिनेश सिंह, आईडीए बोलाराम अखिलेश सिंह, अमिनपुर गोपाल शाह, पटानचेरू किसान प्रसाद, हाफिज पेट प्रेमशंकर, दरगाह रंजीत कुमार शुक्ला, हसमतपेट उत्तम यादव, मल्लापुर शत्रुघन राम, गंगाराम प्रेम शंकर सिंह, रामचंद्रपुरम गोपाल प्रसाद, काटेदन मनोज शाही, शमीरपेट हरे राम यादव, नाला गंडला सुमन प्रकाश झा, शमशाबाद नंदलाल चौहान, मियापुर नागेंद्र राव, बालानगर मदन सिंह, जल विहार नेकलेस रोड अजय ओझा, बांदलागंडा जागीर सुरेंद्र राय, दुर्गम चेरुवु राम प्रकाश पाल इत्यादि विभिन्न घाटों पर व्यवस्थापक के रूप में उपलब्ध रहेंगे। अध्यक्ष हरेराम सिंह ने कहा है कई घाटों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन रखा गया है। बैठक में बिहार फाउंडेशन चैप्टर के चेयरमैन मानवेंद्र मिश्रा, दिलीप कुमार यादव सहित सभी वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की विविध सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

संख्याःजी/सी/पीसीइटी लीजिंग/2025-26/01, दि.21-10-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, गुंटकल डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा https://www.ireps.gov.in के माध्यम से अठारह वर्ष की आयु से अधिक भारतीय नागरिकों तथा क्लोज्ड एन्ड ई-टेंडर पर भारत में पंजीकृत कंपनियों/फर्मों से ई-निविदा आमंत्रित करता है।

क्रम संख्या	ई-टेंडर संख्या	श्रेणी	कैटलाग के स्थान	निविदा बंद करने की तिथि	बंद करने का समय
1	पीसीइटी-2025-26-03	पीसीइटी की लीजींग	आरयु-एससीटीपी-आरयु	07-11-2025	15:00
2	पीसीइटी-2025-26-04	पीसीइटी की लीजींग	आरयु-एसएनएल-आरयु	07.11.2025	15:15

इच्छुक पार्टीज एवं ठेकेदार इस बात पर ध्यान दें कि, ई-निविदा प्रक्रिया को समझने तथा इसमें भाग लेने हेतु यूज़र मैन्युएल से डाउनलोड किए गये लर्निंग सेंटर (यूज़र मैन्युएल्स) के आईआइइपीएस साइट के होम पेज के बायीं ओर नेवीगेशन बार में उपलब्ध लिंक पर जाएं, तथा अधिक स्पष्टीकरणों हेतु बोलीदातागण, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे, गुंटकल के कार्यालय पर संपर्क करें।

A1671 वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे, गुंटकल

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की विविध सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

अधिसूचना संख्याः 02/2025/सीएमपी/जीटीएल, दि.17-10-2025

गुंटकल डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे में संविदा के आधार पर मेडिकल प्रैक्टिशनर्स की भर्ती हेतु साक्षात्कार

गुंटकल डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा अधोलिखित पूर्णकालिक संविदा या ठेका आधार पर, मेडिकल प्रैक्टिशनर्स की भर्ती हेतु केंद्र/राज्य सरकार के सेवानिवृत्त सरकारी चिकित्सा अधिकारियों एवं ओपन मार्केट अभ्यर्थियों (65 वर्ष से कम आयुवर्ग के सेवानिवृत्त रेलवे डाक्टरों को प्राधान्यता दी जायेगी) से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

क्रम संख्य	सीएमपीज की श्रेणी	आवश्यकता का स्थान	पदों की संख्या	मासिक पारिश्रामिक रुपयों में	दि.6-8-2024 नुसार आयु सीमा
1	सीएमपी – जीडीएमओ(एचयु/पीएके)	गुंटकल डिवीजन के क्षेत्राधिकार के तहत	01	रु.95,000/- (रेलवे बोर्ड एलआर. नं. 2020/इ(जीआर) II /1/3 दि.17-09-2024)	53 वर्ष से अधिक आयु सीमा न लांघ चुके हों (ओपन मार्केट) (रेलवे बोर्ड एलआर. नं. 2017/ट्रांस. सेल/हेल्थ/मेडिकल इश्यूज़ दि.24-08-2018)

ठेका या संविदा अवधिः

जीडीएमओज एवं ओपन मार्केट के स्पेशलिस्ट्सः तत्संबंधित भर्ती, शुध्द रूप से ठेका आधार पर,एक वर्ष या इससे कम अवधि के लिए, संविदा जारी करने की तिथि से, लागू होगी, जिसे ताजा संविदा के रूप में वर्षानुवर्ष नवीनीकरण किया जा सकेगा, पर यह 12 टर्म्स से परे, विस्तारित नही होगा, या 65 वर्ष की आयु तक लागू होगा या तबतक युपीएससी द्वारा डाक्टरों का चयन नहीं किया जाता है, जो भी पहले हो। (रेलवे बोर्ड नं. (रेलवे बोर्ड एलआर. नं. 2017/ट्रांस. सेल/हेल्थ/मेडिकल इश्यूज़ दि.24-08-2018)

जीडीएमओज एवं रेलवे, राज्य व केंद्र सरकार से सेवानिवृत्त डाक्टर्स संबंधित स्पेशलिस्ट्सः तत्संबंधित भर्ती, शुध्द रूप से ठेका आधार पर,एक वर्ष या इससे कम अवधि के लिए, संविदा जारी करने की तिथि से, लागू होगी, जिसे ताजा संविदा के रूप में वर्षानुवर्ष नवीनीकरण किया जा सकेगा, पर यह 07 टर्म्स से परे विस्तारित नही होगा, या 67 वर्ष की आयु तक लागू होगा या तबतक युपीएससी द्वारा डाक्टरों का चयन नहीं किया जाता है, जो भी पहले हो। (रेलवे बोर्ड एलआर. नं. 2013/ई(जीआर)II/1/5, दि.9-7-2018)

शैक्षिक अर्हता/पेशेवर अर्हताः

जीडीएमओ हेतु --

I. मेडिसीन में डिग्री अर्थात् मेडिकल काउंसिल आफ इण्डिया से मान्यताप्राप्त एमबीबीएस, यदि सेवानिवृत्त रेलवे/सरकारी डाक्टर सीएमपी में भर्ती हैं तो तत्संबंधित पारिश्रामिक निम्न शर्तोनुसार होगा, रिमनरेशन+पेंशन जोकि अंतिम वेतन स्वीकरण (लास्ट पे ड्रान) से अधिक नही होना चाहिए। (रेलवे बोर्ड एलआर. नं. 2013/ई(जीआर)II/1/5, दि.9-7-2018)

सीएमपी के रुप में सेवानिवृत्त डाक्टर्स (पूर्णकालिक)	जनरल ड्यूटी मेडिकल प्रैक्टिशनर
मासिक पारिश्रामिक(रुपयों में)	95,000/- रुपये

आवेदन करने की प्रक्रियाः ओपन मार्केट से संबंधित केंद्रीय/राज्य सरकार/अभ्यर्थीगण इच्छुक सेवा निवृत्त सरकारी मेडिकल आफिसर्स द्वारा वाक-इन-इंटरव्यू या साक्षात्कार में भाग लेने के लिए, अपने आवेदन पत्र को, संलग्न फार्मट में यथोचित रूप से पूरी तरह भरकर/हस्ताक्षरित कर, आवेदन में विवरित आवश्यक दस्तावेजों/प्रमाणपत्रों सहित जी-मेल द्वारा sr.dpo.guntakal@gmail.com पर दि.07-11-2025 को या इससे पहले प्रेषित करना होगा।

साक्षात्कार की तिथि व समयः

तत्संबंधित आवेदनों की प्राप्ति के पश्चात् वाक-इन-इंटरव्यू या साक्षात्कार की तिथि व समय को सूचित करने की सलाह दी जायेगी तथा इसे ई-मेल द्वारा नवंबर महिने के दूसरे सप्ताह या /तीसरे सप्ताह में सूचित किया जायेगा। हमारे बारे में ⇨ डिवीजन्स ⇨ विभाग ⇨ कर्मचारीवर्ग

A1673 वरिष्ठ विभागीय कार्मिक अधिकारी, गुंटकल

अग्रणी महिला मंच द्वारा अमावस्या पर गौ सेवा करती अध्यक्ष सुमन भुवानिया, बबिता गर्ग, स्मिता शाह, श्रद्धा सुखिया, संगीता जजोड़िया, रितु गोयल, प्रीति गोयल, नीता अग्रवाल, अंजना मेहता एवं पवन भुवनिया आदि।

अमावस्या पर इमलीवन गौशाला गौलीगुडा में गौ सेवा करते एएमसी बोइनपल्ली के वरिष्ठ सरकारी सलाहकार ए. गौतम जैन, कांग्रेस नेता राजेंदर यादव, गजानन चौधरी रघुनंदन गोप प्रेमचंद मुणोत, रामचंदर मुकेश आदि।

गौ सेवा मित्र मंडल भाग्यनगर द्वारा दीपावली के अवसर पर श्री समर्थ कामधेनु गौशाला, जियागुड़ा में गजलक्ष्मी माता की पूजा अर्चना की गई जिसमें उपस्थित प्रभुदाथ महाराज, गोपाल बल्दवा, मनोज अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, प्रदीप मोर, यश अग्रवाल, सुनील जयलिया, श्याम अग्रवाल एवं अन्य भगतजन उपस्थित रहे।

सत्यम शिवम सुंदरम गगन पहाड़ स्थित गौशाला में गौ सेवा करते गौ भक्त

शवि मंदिर शमशेरगंज स्थित गौशाला में गौ सेवा करते हुए भक्त

3 टीमें विमेंस वर्ल्डकप के सेमीफाइनल में पहुंचीं

1 जगह के लिए 4 दावेदार रेस में, टीम इंडिया का समीकरण

खेल डेस्क, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। विमेंस वनडे वर्ल्ड कप में सेमीफाइनल की 3 टीमें कन्फर्म हो गई हैं। वहीं बांग्लादेश की टीम नॉकआउट की रेस से बाहर हो चुकी है। सेमीफाइनल के लिए एक जगह खाली है, जिसके लिए भारत और न्यूजीलैंड मजबूत दावेदार है। वहीं पाकिस्तान और श्रीलंका के पास भी क्वालिफाई करने का मौका है।

3 टीमें सेमीफाइनल में पहुंचीं

7 बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, 4 बार की विजेता इंग्लैंड और टी-20 वर्ल्ड कप में पिछली 2 बार की रनर-अप साउथ अफ्रीका ने वनडे वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड 9-9 पॉइंट्स के साथ टॉप-2 में है। दोनों के बीच नंबर-1 पर पहुंचने की रेस है। वहीं साउथ अफ्रीका को नंबर-1 पर पहुंचने के लिए ऑस्ट्रेलिया को हराना होगा।

विमेंस वनडे वर्ल्ड कप 2025

पॉइंट्स टेबल

टीम	मैच	जीत	हार	NR	पॉइंट्स	रन रेट
ऑस्ट्रेलिया (Q)	5	4	0	1	9	1.818
इंग्लैंड (Q)	5	4	0	1	9	1.328
सा. अफ्रीका (Q)	5	4	1	0	8	-0.44
भारत	5	2	3	0	4	0.522
न्यूजीलैंड	5	1	2	2	4	-0.245
बांग्लादेश	5	1	4	0	2	-0.676
श्रीलंका	5	0	3	2	2	-1.564
पाकिस्तान	5	0	3	2	2	-1.887

श्रीलंका ने बांग्लादेश को बाहर किया

श्रीलंका ने कोलंबो में बांग्लादेश को हरा दिया, इसी के साथ बांग्लादेश टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई। टीम को 6 मुकाबलों में एक ही जीत मिली, टीम अब भारत के खिलाफ आखिरी मैच जीतकर भी 4 पॉइंट्स तक ही पहुंच सकेगी। श्रीलंका और पाकिस्तान की टीमें भी 1-1 मैच हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी।

भारत और न्यूजीलैंड मजबूत दावेदार

भारत और न्यूजीलैंड की टीमें सेमीफाइनल में पहुंचने की मजबूत दावेदार हैं। दोनों के 5 मैचों में 4 पॉइंट्स हैं। भारत ने श्रीलंका और पाकिस्तान को हराया, लेकिन ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका से हार का सामना करना पड़ गया। दूसरी ओर, न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश को हराया, लेकिन टीम ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका से हार गई। पाकिस्तान और श्रीलंका के खिलाफ टीम के मुकाबले बेनतीजा रहे। बेहतर रन रेट के कारण भारत चौथे और न्यूजीलैंड पांचवें नंबर पर हैं।

भारत को सेमीफाइनल में एंट्री करनी है तो न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के खिलाफ आखिरी दोनों मैच जीतने ही होंगे। टीम बांग्लादेश को हराकर भी सेमीफाइनल में पहुंच सकती है। इसके लिए उन्हें न्यूजीलैंड के इंग्लैंड से हारने की दुआ करनी होगी, साथ ही अपना रन रेट भी न्यूजीलैंड से बेहतर रखना होगा। दोनों मैच हारने पर टीम इंडिया बाहर हो जाएगी।

न्यूजीलैंड के 2 मैच भारत और इंग्लैंड के खिलाफ हैं। दोनों मैच जीतकर टीम सेमीफाइनल में एंट्री कर लेगी। एक मैच हारकर भी टीम नॉकआउट में पहुंच सकती है, उन्हें बस भारत के दोनों मैच हारने की दुआ करनी होगी। दोनों मैच हारने पर टीम बाहर हो जाएगी। श्रीलंका ने बांग्लादेश को हराकर नॉकआउट राउंड में पहुंचने की उम्मीदें कायम रखी। टीम 4 पॉइंट्स के साथ छठे नंबर पर है। उन्हें सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए आखिरी मैच में पाकिस्तान को बड़े अंतर से हराना ही होगा। साथ ही भारत और न्यूजीलैंड के 1-1 मैच हारने की दुआ करनी होगी। इतना ही नहीं, उन्हें अपना रन रेट भी दोनों टीमों से बेहतर रखना होगा।

ऋषभ पंत बने इंडिया ए के कप्तान

साउथ अफ्रीका के खिलाफ संभालेंगे कमान

मुंबई, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले ऋषभ पंत को लेकर बड़ी खबर है. उन्हें कप्तान बनाया गया है. वो साउथ अफ्रीका के खिलाफ 2 मैचों में इंडिया ए टीम की कप्तानी करेंगे. भारत का साउथ अफ्रीका दौरा अगले महीने से शुरू हो रहा है. साउथ अफ्रीका के इस दौरे की शुरुआत टेस्ट सीरीज से होगी, जिसका पहला मैच 14 नवंबर को कोलकाता के ईडन गार्ड्न्स पर खेला जाएगा. भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 2 टेस्ट मैचों की सीरीज होगी.

साउथ अफ्रीका के खिलाफ इन 2 मैचों में पंत कप्तान

भारत दौरे पर टेस्ट सीरीज के स्टार्ट से पहले साउथ अफ्रीका दो 4 दिनी मैच भी खेलेगी, जिसमें उसका मुकाबला इंडिया ए की टीम से होगा. ऋषभ पंत उन दो मुकाबलों में ना सिर्फ खेलते दिखेंगे बल्कि उसमें टीम के कप्तान भी होंगे. हालांकि, इंडिया ए और साउथ अफ्रीका के बीच दोनों 4 दिनी मैच होंगे कब से, फिलहाल उसका शेड्यूल नहीं आया है.

इंजरी के बाद वापसी को तैयार

ऋषभ पंत फिलहाल इंजरी के चलते टीम इंडिया से बाहर है. इंग्लैंड दौरे पर उन्हें पैर की इंजरी हुई थी. उसी चोट से उबरकर पंत मैदान पर वापसी को तैयार हैं. साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पंत की वापसी हो सकती है. यही वजह है कि बीसीसीआई ने उससे पहले मैच प्रैक्टिस के लिए पंत को इंडिया ए टीम में ना सिर्फ जगह दी है, बल्कि कमान भी सौंपी है.

साउथ अफ्रीका के भारत दौरे का शेड्यूल

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच फुल फ्लेज सीरीज होगी. मतलब इसमें ना सिर्फ टेस्ट सीरीज बल्कि वनडे और T20 सीरीज भी खेली जाएगी. इसका पूरा शेड्यूल भी आ चुका है. कोलकाता में पहला टेस्ट 18 नवंबर को खत्म होने के बाद दूसरा टेस्ट 22 नवंबर से गुवाहाटी में होगा. 2 टेस्ट की सीरीज के बाद 3 मैचों की वनडे सीरीज होगी, जिसके मुकाबले 30 नवंबर, 3 दिसंबर और 6 दिसंबर को खेले जाएंगे. पहला वनडे रांची में होगा, दूसरा रायपुर में और तीसरा मैच विशाखापत्तनम में खेला जाएगा.

दौरे के आखिर में साउथ अफ्रीका 5 टी20 मैचों की सीरीज खेलेगी, जिसका पहला मैच कटक में 9 दिसंबर, चंडीगढ़ में 11 दिसंबर, धर्मशाला में 14 दिसंबर लखनऊ में 17 दिसंबर और अहमदाबाद में 19 दिसंबर को खेला जाएगा.

अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप : भारतीय ग्रीको रोमन पहलवानों का निराशाजनक प्रदर्शन, पहले दौर में बाहर हुए चार खिलाड़ी

नोवी साद, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय ग्रीको रोमन पहलवानों ने अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में निराशाजनक प्रदर्शन किया। पहले दिन भारतीय पहलवान एक भी मुकाबला नहीं जीत सके और सभी चार खिलाड़ियों को पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा। गौरव (63 किग्रा), अंकित (77 किग्रा), रोहित बूरा (87 किग्रा) और जोगिंदर राठी (130 किग्रा) किसी भी तरह की चुनौती पेश नहीं कर पाए और अपने-अपने मुकाबले बुरी तरह हार गए।

गौरव का मुकाबला किर्गिस्तान के कुट्टूबेक ए अब्दुराजाकोव से था और वह तकनीकी श्रेष्ठता के कारण हार गए। अंकित को सर्बिया के जालान पेक के खिलाफ इसी तरह की स्थिति का सामना करना पड़ा। रोहित को क्वालिफिकेशन राउंड में अमेरिका के पेटन जे जैकबसन से जबकि जोगिंदर को उज्बेकिस्तान के दामिरखोन रख्मातोव से हार का सामना करना पड़ा।

राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी पर आईओए ने कसी कमर

समझौते के लिए गठित की समिति

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रमंडल खेलों 2030 की मेजबानी पर कॉमनवेल्थ स्पोर्ट कार्यकारिणी की मुहर लगाने के बाद भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने इन खेलों की मेजबानी पुख्ता बनाने पर कार्य शुरू कर दिया है। 26 नवंबर को भारत को इन खेलों की मेजबानी मिलते ही कॉमनवेल्थ गेम्स एसोसिएशन (भारत) और कॉमनवेल्थ गेम्स फेडरेशन (सीजीएफ) के बीच होस्ट कोलेबोरेशन एग्रीमेंट (मेजबान सहयोग समझौते) पर हस्ताक्षर करने होंगे। खेलों पर होने वाले खर्च, राजस्व की साझेदारी से लेकर अन्य अहम बातें इस समझौते के तहत ही तय होंगी। समझौते को तैयार करने के लिए लेफ्टिनेंट जनरल हरपाल सिंह की अगुआई में नौ सदस्यीय समिति का गठन कर दिया गया।

प्रायोजक राशि की हिस्सेदारी भी तय होगी

ओलंपिक, एशियाई या राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी का आधा मेजबान सहयोग समझौता (एचसीए) होता है। भारत को 2010 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी 2003 में जमैका में मिली। इस दौरान भी सीजीएफ, आईओए, भारत सरकार और दिल्ली सरकार के बीच समझौता हुआ था। भारत की ओर से उस दौरान तकरीबन 18 सौ करोड़ के खर्च की गारंटी दी गई थी, बाद में इन खेलों की लागत 1,115 करोड़ रुपये से भी ज्यादा बैठी थी, इस राशि में खेलो से इतर इन्फ्रास्ट्रक्चर का खर्च शामिल नहीं है।

गुजरात सरकार होगी बड़ी साझेदार

एचसीए का बड़ा हिस्सा गुजरात सरकार, केंद्रीय खेल मंत्रालय और आईओए रहेगा जिसमें कानूनी, व्यवसायिक, परिचालन संबंधी मुद्दे रहेंगे। लेफ्टिनेंट जनरल हरपाल सिंह के मुताबिक एचसीए में देश और आईओए के हितों को सर्वोपरि रखा जाएगा और एथलीटों को किसी तरह की दिक्कत नहीं आए, इसका भी ख्याल रखा जाएगा। समिति के अन्य सदस्यों में राजलक्ष्मी सिंह देव, गगन नारंग, कल्याण चौबे, अलकनंदा अशोक, अमिताभ शर्मा, रोहित राजपाल, सहदेव यादव, भूपिंदर सिंह बाजवा शामिल हैं।

एशिया कप ट्रॉफी विवाद- बीसीसीआई ने नकवी को ई-मेल भेजा

जल्द ट्रॉफी देने की मांग, एसीसी चीफ नहीं माने तो आईसीसी में शिकायत होगी

मुंबई, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। बीसीसीआई ने एशिया कप ट्रॉफी जल्द से जल्द भारत को सौंपने के लिए एशियन क्रिकेट काउंसिल के चीफ मोहसिन नकवी को ईमेल किया है। अगर नकवी आनाकानी करते हैं तो फिर मामले को इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल में उठाया जाएगा। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने इंडिया टुडे के एक कार्यक्रम में यह जानकारी दी। नकवी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन भी हैं।

सैकिया ने कहा, हम नकवी के जवाब का इंतजार कर रहे हैं। अगर वो जवाब नहीं देते या कोई निगेटिव जवाब देते हैं तो आईसीसी में शिकायत की जाएगी। भारतीय टीम ने 28 सितंबर को एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराकर

ट्रॉफी अपने नाम की थी। जीत के बाद टीम ने नकवी के हाथों एशिया कप ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। भारत ने यह स्टैंड पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में लिया था। इसके बाद मोहसिन नकवी ट्रॉफी लेकर दुबई के होटल चले आए थे। फिर पाकिस्तान जाने से पहले उन्होंने ये ट्रॉफी दुबई स्थित एसीसी ऑफिस में छोड़ दी थी।

बाद में नकवी ने कहा था कि उनकी मर्जी के बिना कोई भी ट्रॉफी को हाथ नहीं लगा सकता। अगर भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव चाहें तो एसीसी दफ्तर आकर ट्रॉफी ले जा सकते हैं। एशिया कप फाइनल के बाद नकवी एशियन क्रिकेट काउंसिल के चेयरमैन होने के नाते प्रेजेंटेशन सेरेमनी में आए थे। सेरेमनी के प्रेजेंटर साइमन डूल ने कहा कि भारतीय टीम उनसे अवॉर्ड्स नहीं लेगी। भारतीय टीम एसीसी के किसी अन्य अधिकारी के हाथों ट्रॉफी लेने को तैयार थी, पर नकवी खुद ट्रॉफी देने पर अड़ गए।

इसके बाद कार्यक्रम खत्म कर दिया गया और नकवी मंच से उतर गए। वे ट्रॉफी और मेडल्स भी अपने साथ ले गए।

भारतीय खिलाड़ियों ने इससे पहले पूरे टूर्नामेंट में पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ भी नहीं मिलाया था। दूसरी ओर, पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने बार-बार 6-0 के इशारे किए थे। वे पाकिस्तान के इस फर्जी दावे को दोहरा रहे थे कि पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के 6 फाइटर जेट गिराए थे।

एशिया कप फाइनल के बाद बीसीसीआई ने एसीसी की एनुअल जनरल मीटिंग में भारत को चैंपियन बनने के बावजूद ट्रॉफी नहीं दिए जाने का कड़ा विरोध किया था। इस पर नकवी ने सफाई देते हुए कहा था कि उन्हें लिखित में कहीं से यह सूचना नहीं दी गई थी कि भारतीय टीम उनसे ट्रॉफी नहीं लेगी। नकवी ने कहा, 'मैं तो वहां बिना वजह एक कार्टून की तरह खड़ा था।'

स्मृति मंधाना शीर्ष स्थान पर बरकरार, दीप्ति शर्मा गेंदबाजों की सूची में तीसरे पायदान पर

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय उपकप्तान स्मृति मंधाना आईसीसी की मंगलवार को जारी महिला वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बनी हुई हैं। उन्होंने इंग्लैंड की कप्तान नेट सिवर-ब्रंट पर 83 अंकों की बढ़त बना ली है। स्मृति ने मौजूदा विश्व कप में लगातार अर्धशतक बनाए हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ इंदौर में पिछले मैच में भारत की करीबी हार के दौरान 88 रन की पारी खेली थी। इस शानदार प्रदर्शन के अलावा, उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए सितंबर 2025 के लिए आईसीसी की महीने की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर चुना गया था।

हीली को हुआ फायदा

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली विश्व कप में लगातार शतकों के दम पर एक स्थान के फायदे से तीसरे स्थान पर पहुंच गई हैं, जबकि दक्षिण अफ्रीका की ताजमिन ब्रिट्स एक स्थान ऊपर चढ़कर नौवें स्थान पर पहुंची हैं। शीर्ष 10 के बाहर भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर तीन स्थान के फायदे से 15वें, ऑस्ट्रेलिया की फीबी लिचफील्ड पांच स्थान के सुधार से 17वें और इंग्लैंड की हीथर नाइट 15 स्थान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

दीप्ति तीसरे स्थान पर पहुंचीं

गेंदबाजी रैंकिंग में भारतीय ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा तीन स्थान के सुधार के साथ तीसरे स्थान पर पहुंची हैं। उन्होंने विश्व कप में अब तक पांच मैचों में 13 विकेट लिए हैं। इंग्लैंड की सोफी एकलेस्टोन शीर्ष पर बनी हुई हैं, जबकि ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एलेना किंग दो स्थान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंची हैं। पाकिस्तान की नशरा संधू (11वां), सादिया इकबाल (14वां) और फातिमा सना (24वां) की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है।

ऑलराउंडर रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर शीर्ष पर हैं। पाकिस्तान की फातिमा सना पांच स्थान के सुधार के साथ 15वें स्थान पर पहुंची हैं, जबकि श्रीलंका की कप्तान चामरी अटापट्टू एक स्थान ऊपर चढ़कर सातवें पायदान पर पहुंच गई हैं।

अफगानिस्तान पहली पारी में 127 पर ऑल आउट

जिम्बाब्वे 2 विकेट पर 130; मुजरबानी बने 2025 टेस्ट विकेट लीडर, सिराज पीछे

हरारे, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे की टीमें एममात्र टेस्ट मैच में आमने-सामने हैं। यह मुकाबला जिम्बाब्वे के होम ग्राउंड हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेला जा रहा है।

पहले दिन अफगानिस्तान की टीम पहली पारी में 127 रन पर ऑलआउट हो गई। जिम्बाब्वे की ओर से ब्रैड इवांस ने सबसे ज्यादा 5 विकेट लिए। वहीं ब्लेसिंग मुजरबानी ने 3 विकेट झटके। इसके साथ ही वह टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। वहीं, जिम्बाब्वे ने पहले दिन का खेल समाप्त होने तक 2 विकेट खोकर 130 रन बना लिए हैं। बेन करन और ब्रैंडन टेलर नाबाद हैं।

इस मैच में जिम्बाब्वे के कप्तान क्रेग इर्विन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया और उनका ये फैसला पूरी तरह से सही साबित हुआ। अफगानिस्तान सिर्फ 127 रन के स्कोर पर ही ऑल आउट हो गया।

मेहमान टीम के लिए सर्वाधिक 37 रहमानुल्लाह गुरबाज ने बनाए। इसके इसके अलावा अब्दुल मलिक ने 30 रन बनाए। अफगानिस्तान का दूसरा विकेट 77 रन पर गिरा था। इसके

बाद विकेटों की झड़ी लग गई। अफगानिस्तान के 9 विकेट 50 रन बनाने में गिर गए।

शानदार गेंदबाजी के बाद जिम्बाब्वे ने बल्लेबाजी में भी कमाल किया। दिन खत्म होने तक 38 ओवर खेलकर जिम्बाब्वे ने 2 विकेट पर 130 रन बना लिए। जिम्बाब्वे के पास अब 3 रन की बढ़त है। ओपनर बेन करन 110 गेंदों पर 52 रन बनाकर नाबाद खेल रहे हैं। ब्रैंडन टेलर 18 रन बनाकर नॉट आउट हैं। अफगानिस्तान के लिए 2 विकेट जियाउर रहमान शरीफी ने लिए।

मोहम्मद सिराज को मुजरबानी ने पीछे छोड़ा

साल 2025 में टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के नाम था। सिराज ने इस साल अब तक टेस्ट क्रिकेट में 37 विकेट लिए हैं। लेकिन अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच की पहली पारी में 3 विकेट लेकर ब्लेसिंग मुजरबानी अब सबसे टॉप पर पहुंच चुके हैं। वह 2025 में अब तक टेस्ट में 39 विकेट ले चुके हैं। ब्लेसिंग मुजरबानी ये कारनामा इस साल 10 मैचों की 14 पारियों में किया है।

वही,ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क अभी तीसरे नंबर पर हैं। वहीं 26 विकेट लेने वाले पाकिस्तान के नौमान अली का नाम चौथे नंबर पर मौजूद है। लिस्ट में पांचवें स्थान पर वेस्टइंडीज के जोमेल वॉरिकन का नाम है, जो इस साल 24 विकेट ले चुके हैं। आपको बता दें कि 2025 में दूसरे सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हैं, उन्होंने इस साल अब तक 23 विकेट लिए हैं। ओवरऑल वह इस लिस्ट में सातवें नंबर पर है।

यू मुंबा के युवा खिलाड़ी तो जयपुर पिंक पैंथर्स के असिस्टेंट मैनेजर का निधन, प्रो कबड्डी लीग में शोक की लहर

जयपुर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। जयपुर पिंक पैंथर्स के असिस्टेंट मैनेजर वेदांत देवाडिगा और यू मुंबा के युवा खिलाड़ी बालाभारती के निधन से प्रो कबड्डी लीग में शोक की लहर है. वेदांत और बालाभारती ने बेहद ही कम उम्र में इस दुनिया को अलविदा कह दिया है. जहां यू मुंबा के बालाभारती की उम्र 20 साल तो वहीं जयपुर पिंक पैंथर्स के वेदांत की उम्र 23 साल थी. दिवाली के दिन मिली इस दोहरी दुखद घटना ने हर किसी को तोड़ कर रख दिया है.

जयपुर पिंक पैंथर्स ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करके लिखा "जयपुर पिंक पैंथर्स परिवार हमारे सहायक प्रबंधक वेदांत देवाडिगा के असामयिक निधन से अत्यंत दुःखी है. वह हमारे परिवार के प्रिय सदस्य थे, उनके जुनून और समर्पण की हमें बहुत याद आएगी. इस कठिन समय में हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उनके प्रियजनों के साथ हैं."

वहीं यू मुंबा ने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करके लिखा कि इस साल की शुरुआत में युवा मुंबा का प्रतिनिधित्व करने वाले बालाभारती के असामयिक निधन से हमें गहरा दुख हुआ है. इस बेहद कठिन समय में हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उनके परिवार, दोस्तों और टीम के साथियों के साथ हैं." बालाभारती का जन्म 30 अक्टूबर 2005 को पांडिचेरी में हुआ था, बचपन से ही उनकी खेल में रूचि थी. 15 साल की उम्र से उन्होंने कबड्डी की ट्रैनिंग लेना शुरू कर दिया था. जिसके बाद बालाभारती ने राइट कॉर्नर डिफेंडर के रूप में अपनी पहचान बनाई. उन्होंने अब तक 33 मैच खेले थे, जिसमें उनके नाम 55 पॉइंट्स दर्ज रहे.

गाली-गलौज को हथियार क्यों बनाता है ऑस्ट्रेलिया: प्रतिद्वंद्वी को दिमागी तौर पर अस्थिर करने की रणनीति है स्लेजिंग; स्टीव वॉ ने इसे पॉपुलर किया

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया सिर्फ गेंद और बल्ले से नहीं जीतता, वो दिमाग से भी खेलता है। मैदान पर उनके शब्द तलवार की तरह चलते हैं, और यही है उनका सबसे पुराना हथियार स्लेजिंग। ये सिर्फ गाली-गलौज या बदजुबानी नहीं, बल्कि एक सोची-समझी रणनीति है जिससे वे विरोधी को मानसिक रूप से तोड़ देते हैं। स्टीव वॉ ने इसे नाम दिया 'मेंटल डिसइंटिग्रेशन', यानी प्रतिद्वंद्वी की हिम्मत तोड़कर जीतना। ऑस्ट्रेलिया की क्रिकेट संस्कृति में ये हथियार स्कूल के मैदान से ही गढ़ा जाने लगता है, जहां बहस करना कमजोरी नहीं, खेल का हिस्सा माना जाता है। तो आखिर कैसे बनी स्लेजिंग ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट की पहचान? क्यों बाकी दुनिया इसे गलत कहती रही, पर ऑस्ट्रेलिया ने इसी को अपनी ताकत बना लिया?

क्रिकेट में क्या होती है स्लेजिंग?

क्रिकेट में स्लेजिंग का मतलब अपोजिशन टीम और उनके प्लेयर्स के लिए ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करना, जिनसे उनका फोकस टूटे। वे मेंटली ब्रेक हों, खेल पर फोकस नहीं कर सके और मैदान पर अपना 100% नहीं दे पाए। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी टीमें अक्सर इस स्ट्रैटजी का बहुत ज्यादा इस्तेमाल करते आई हैं। टीम इंडिया जब विराट कोहली और सौरव गांगुली की कप्तानी में खेलती थी, तब भारत की ओर से भी बहुत ज्यादा स्लेजिंग देखने को मिलती थी। साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड जैसी टीमें

अक्सर स्लेजिंग करने से दूर ही रहती है।

1900 से पहले शुरू हो गई थी स्लेजिंग

इंटरनेशनल क्रिकेट की शुरुआत 1844 में हुई। 1877 में टेस्ट फॉर्मेट शुरू हुआ। इसी दौरान स्लेजिंग भी शुरू हो गई। हालांकि, घरेलू क्रिकेट में स्लेजिंग के किस्से 1765 से ही सामने आ गए थे। 1900 से पहले तक ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के प्लेयर्स अक्सर मैदान पर बहस करते पाए जाते थे। 1900 के दौरान इंग्लैंड के विलियम गिलबर्ट ग्रैस स्लेजिंग के लिए मशहूर हुए। भारत के रणजीत सिंह तो इंग्लैंड में ही ग्रैस से बहस में भिड़ गए थे, जिसके बाद उनपर मैच फीस का 50% जुर्माना भी लगा था। 1960 के ऑस्ट्रेलिया के रिची बैनोड और ईयन चैपल जैसे कप्तान अपने खिलाड़ियों को मेंटल गेम्स खेलने के लिए उकसाते थे।

वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया को इंटरनेशनल स्लेजिंग सिखाई

1975 और 1979 का वर्ल्ड कप वेस्टइंडीज ने अपने एग्रेसिव अप्रोच और तेज गेंदबाजी के दम पर जीता। 1979 में ही टीम ने ऑस्ट्रेलिया को उसी के घर में टेस्ट सीरीज हराई। फास्ट बॉलर्स और उनकी स्लेजिंग ही टीम का हथियार थी। कैरेबियन पेसर्स का डर कंगारू बैटर्स में इस कदर बैठा कि टीम ने 1992 तक अपने ही घर में वेस्टइंडीज के खिलाफ लगातार 3 और टेस्ट सीरीज गंवा दीं। वेस्टइंडीज की इस स्ट्रैटजी को ऑस्ट्रेलिया ने भी इंटरनेशनल स्टेज पर अपनाना शुरू किया। 1987 में कंगारू कप्तान एलन बॉर्डर ने वर्ल्ड कप में इस प्लानिंग से टीम को पहली बार चैंपियन बनाया।

मुख्यमंत्री ने माओवादियों से राष्ट्र निर्माण के लिए आत्मसमर्पण करने की अपील की

पुलिस स्मृति दिवस पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने माओवादियों से तेलंगाना पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करने और मुख्यधारा में शामिल होने की अपील की है। मुख्यमंत्री ने कहा, तेलंगाना अतीत में माओवादी और आतंकवादी गतिविधियों से जूझता रहा है।

राज्य पुलिस द्वारा प्रदर्शित अदम्य साहस हाल के दिनों में राज्य में तेजी से घट रही आतंकवादी और नक्सली गतिविधियों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि कई प्रमुख माओवादी पहले ही आत्मसमर्पण कर चुके हैं। उन्होंने कहा, मैं सभी सक्रिय माओवादी नेताओं और कार्यकर्ताओं से पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करने और मुख्यधारा में शामिल होने की अपील करता हूं। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि माओवादियों को नक्सली विचारधारा को त्यागकर राष्ट्र निर्माण और देश के विकास में भागीदार बनना चाहिए। उन्होंने राज्य में नक्सली समस्या को जड़ से उखाड़ फेंकने में तेलंगाना पुलिस की अनुकरणीय सेवा की सराहना की।

मंगलवार को शहर में पुलिस शहीद स्मारक पर पुलिस स्मृति दिवस पर पुलिस शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए, रेवंत रेड्डी ने कहा कि देश में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए तेलंगाना के 6 पुलिसकर्मियों सहित 191 पुलिसकर्मियों ने अपने प्राणों की आहुति दी।

मुख्यमंत्री ने पुलिस व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए नई तकनीक और अनूठी नीतियों को अपनाने में देश में नंबर एक स्थान पर रहने के लिए तेलंगाना पुलिस की सराहना की।

इंडिया जस्टिस रिपोर्ट 2025 के अनुसार, तेलंगाना पुलिस विभाग को देश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। इसी प्रकार, विदेश मंत्रालय ने पारदर्शी पासपोर्ट सत्यापन प्रणाली के लिए तेलंगाना पुलिस की विशेष सराहना की। उन्होंने कहा कि ये उपलब्धियां तेलंगाना पुलिस के निरंतर प्रयासों और समर्पण का प्रमाण हैं। रेवंत रेड्डी ने साइबर अपराध, डिजिटल धोखाधड़ी, मॉर्फिंग सामग्री, ड्रग्स और मानव तस्करी जैसे नए अपराधों पर प्रकाश डाला, जो पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती हैं। समाचार पत्रों में मानव अपराधों की तुलना में साइबर अपराध की खबरें अधिक दिखाई दे रही हैं। यह गर्व की बात है कि तेलंगाना पुलिस उन्नत तकनीक अपनाकर साइबर अपराधों से निपटने में अन्य राज्यों से आगे है। साइबर अपराधों से निपटने के लिए डीजीपी स्तर के अधिकारी के नेतृत्व में एक 'साइबर सुरक्षा ब्यूरो' पहले ही स्थापित किया जा चुका है। यह विभाग अपने कर्तव्यों का कुशलतापूर्वक निर्वहन कर रहा है और देश में सर्वश्रेष्ठ बन गया है। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधियों को रोकने के लिए अंतर-राज्यीय अभियान चलाने के लिए पूरा देश तेलंगाना पुलिस की सराहना कर रहा है। रेवंत रेड्डी ने कहा, राज्य में आतंकवाद, असामाजिक गतिविधियों, सांप्रदायिक आंदोलन, सफेदपोश अपराधों, ड्रग्स, साइबर अपराधों, मिलावटी खाद्य पदार्थों, गुटखा, मटका और अन्य असामाजिक गतिविधियों को रोकने में तेलंगाना पुलिस देश के लिए एक आदर्श उदाहरण साबित हुई है। उन्होंने तेलंगाना पुलिस को लोगों का विश्वास जगाने और ऐसा माहौल बनाने के लिए बधाई दी, जहां अपराध करके बच निकलना असंभव है। तेलंगाना को देश में "नशा मुक्त" राज्य के रूप में बढ़ावा देने के लिए की गई पहलों का जिक्र करते हुए, रेवंत रेड्डी ने कहा किनशीले पदार्थों की समस्या का पूरी तरह से उन्मूलन करने के उद्देश्य से 'ईगल' (एलीट एक्शन ग्रुप फॉर ड्रग लॉ एनफोर्समेंट) बल का गठन किया गया है।

उन्होंने पुलिस से अपील की कि वे तेलंगाना को देश में नशा मुक्त राज्य बनाने के सरकार के संकल्प को साकार करने के लिए कड़ी मेहनत करें। उन्होंने कहा कि पुलिस को पूर्ण अधिकार सौंपने और मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के आदेश पहले ही जारी किए जा चुके हैं। अपराध मामलों से निपटने, जांच, यातायात नियंत्रण, दिन में गश्त, रात्रि गश्त, सुरक्षा, वीआईपी सुरक्षा में बढ़ती चुनौतियों को देखते हुए, रेवंत रेड्डी ने कहा कि सरकार ने पुलिसकर्मियों की भलाई के लिए कई कल्याणकारी कदम भी उठाए हैं। राज्य सरकार ने काम का बोझ कम करने और दक्षता में सुधार के लिए लगभग 16,000 कांस्टेबल और सब-इंस्पेक्टर की भर्ती की है। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा अपने कर्तव्यों के निर्वहन में राजनीतिक हस्तक्षेप पूरी तरह से समाप्त कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि पारदर्शिता, जवाबदेही और नैतिक मूल्यों का पालन पुलिस व्यवस्था की आधारशिला हैं। ये गुण समुदाय को लोगों के करीब लाते हैं और पुलिस विभाग में विश्वास बढ़ाते हैं।

पुलिस की ज़िम्मेदारी लोगों की समस्याओं का समाधान करना, अपराधों को रोकना और पुलिस विभाग में विश्वास जगाना है। उन्होंने कहा कि समाज में शांति और सुरक्षा बनाए रखने में पुलिस की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। तेजी से विकसित हो रहे तेलंगाना राज्य के लिए कानून-व्यवस्था और सुरक्षा बनाए रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है। रेवंत रेड्डी ने कहा कि सोशल मीडिया का प्रभाव बहुत बढ़ गया है, इसलिए पुलिस को हर कदम सोच-समझकर उठाना चाहिए। रेवंत रेड्डी ने कहा कि 'मित्रवत पुलिसिंग' कानून का पालन करने वाले नागरिकों के लिए है, न कि कानून तोड़ने वालों के लिए। उन्होंने कहा कि एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में लोगों के अधिकारों की रक्षा और अपनी समस्याओं को व्यक्त करने के लिए विरोध प्रदर्शन आयोजित करने की अनुमति देते हुए, पुलिस को इस मामले में अत्यंत संवेदनशीलता से कार्य करना चाहिए ताकि आम लोगों को कोई परेशानी न हो।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से बच्चे की मौत, पिता घायल

दिवाली के दिन पटाखे खरीदकर लौट रहे थे दोनों

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के नरसिंगी इलाके में सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक बच्चे की मौत हो गई, जबकि उसका पिता गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा उस समय हुआ जब पिता-पुत्र दिवाली के दिन पटाखे खरीदकर घर लौट रहे थे। पुलिस के अनुसार, नरसिंगी निवासी नवीन कुमार अपने बेटे कुशन जोएल के साथ खाजागुड़ा से मोटरसाइकिल पर लौट रहे थे। जैसे ही वे अलकापुरी कॉलोनी के पास पहुंचे, उसी दौरान तेज रफ्तार से चल रही एक कार ने उनकी बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। कार चला रहा व्यक्ति सॉफ्टवेयर कर्मचारी प्रवीण कुमार बताया जा रहा है।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों हवा में उछलकर सड़क पर गिर पड़े और कार बच्चे के ऊपर से गुजर गई। कुशन जोएल को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया, जबकि पिता नवीन कुमार गंभीर रूप से घायल हैं और उनका इलाज चल रहा है। नरसिंगी पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया है। उस पर गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया है और घटना की आगे जांच की जा रही है।

जुबली हिल्स उपचुनाव : नामांकन समाप्त, 180 मैदान में

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। 11 नवंबर को होने वाले जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि मंगलवार को समाप्त हो गई, जिसमें रिकॉर्ड संख्या में उम्मीदवार मैदान में उतरे। कुल 180 नामांकन दाखिल किए गए हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में नामांकन अंतिम दिन जमा किए गए। अधिकारियों ने मंगलवार दोपहर 3 बजे से पहले पहुंचे उम्मीदवारों से नामांकन पत्र स्वीकार किए। नामांकन पत्रों की जांच बुधवार को होगी, जबकि 24 अक्टूबर नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि है। नामांकन दाखिल करने वालों में सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों के साथ-साथ कई निर्दलीय उम्मीदवार भी शामिल हैं, जिनमें क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर) से प्रभावित किसान, बेरोजगार युवा और सेवानिवृत्त कर्मचारी शामिल हैं। भाजपा उम्मीदवार लंकाला दीपक रेड्डी, जिन्होंने 2023 का विधानसभा चुनाव भी इसी निर्वाचन क्षेत्र से लड़ा था और लगभग 25,000 वोट हासिल किए थे, ने मंगलवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी ने नवीन यादव को मैदान में उतारा है, जबकि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने मगंटी सुनीता गोपीनाथ को उम्मीदवार बनाया है। दीपक रेड्डी के भाजपा का प्रतिनिधित्व करने के कारण, इस उपचुनाव में त्रिकोणीय मुकाबला होने की उम्मीद है। जुबली हिल्स उपचुनाव का महत्व बढ़ गया है क्योंकि सभी प्रमुख दल इसे प्रतिष्ठा का प्रश्न मान रहे हैं। कहा जा रहा है कि कांग्रेस, विशेष रूप से, उम्मीदवारों के चयन में सतर्कता बरतते हुए, 'जीत सुनिश्चित करने के लिए व्यापक रणनीति' बना रही है। दिलचस्प बात यह है कि आरआरआर से प्रभावित किसानों और बेरोजगार युवाओं के मैदान में उतरने से इस मुकाबले में एक नया आयाम जुड़ गया है, जिससे यह हाल के दिनों में सबसे अधिक भीड़भाड़ वाले और उत्सुकता से देखे जाने वाले उपचुनावों में से एक बन गया है।

17 वर्षीय लास्या ने शुरू किया 'वेलनेस्ट' मानसिक स्वास्थ्य मंच

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद की 17 वर्षीय छात्रा लास्या पेनुमल्ली ने 'वेलनेस्ट' नामक एक मानसिक स्वास्थ्य मंच शुरू किया है, जो उन लोगों को सहायता प्रदान करने के लिए बनाया गया है जो अपने परिवार या अन्य लोगों की देखभाल करते हैं।

लास्या ने बताया कि इस विचार की प्रेरणा उन्हें अपने घर से मिली, जहां उन्होंने अपने पिता को दादा की देखभाल करते देखा, जो स्टेज 4 लिंफोमा से पीड़ित थे। बाद में, जब उन्होंने सरकारी स्कूलों का दौरा किया, तो उन्हें कई ऐसे छात्र मिले जो पढ़ाई के साथ-साथ

अपने परिवार के बीमार सदस्यों की देखभाल भी कर रहे थे। इससे उन्हें महसूस हुआ कि देखभाल करने वालों को भी मानसिक सहारे की आवश्यकता होती है।

सीएचआईआरईसी इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा लास्या ने कहा, देखभाल करने वाले अपना पूरा दिन दूसरों की देखभाल में बिताते हैं।

अब समय आ गया है कि कोई उनकी भी देखभाल करे। वेलनेस्ट की शुरूआत 2022 में सरकारी स्कूलों में परामर्श सत्रों की एक श्रृंखला के रूप में हुई थी, जो अब एक पूर्ण संगठन बन गया है। फिलहाल ऐप अपने परीक्षण चरण में है और इसका वेब संस्करण किसी भी डिवाइस पर उपयोग किया जा सकता है। नवंबर में यह ऐप गूगल प्ले और ऐप स्टोर पर मुफ्त डाउनलोड के लिए उपलब्ध होगा।

साइबराबाद पुलिस ने स्मृति दिवस मनाया

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस स्मृति दिवस, 21 अक्टूबर पर, साइबराबाद के पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती ने साइबराबाद पुलिस परेड मैदान में शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर पुलिस शहीदों को श्रद्धांजलि दी। औपचारिक सलामी गारद के बाद, उन्होंने पुष्पांजलि अर्पित की और शहीदों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखा। सीएआर मुख्यालय के डीसीपी संजीव ने देश भर में कर्तव्य पालन करते हुए शहीद हुए 191 पुलिसकर्मियों के नामों की घोषणा की।

उन्होंने बताया कि पुलिस स्मृति सप्ताह के तहत, साइबराबाद पुलिस ने छात्रों के लिए ऑनलाइन ओपन हाउस, पुलिसकर्मियों के लिए निबंध प्रतियोगिता और रक्तदान शिविर सहित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया है।

इसके अतिरिक्त, छात्र "नशे का खतरा: रोकथाम में पुलिस की भूमिका और छात्र नशे से कैसे दूर रह सकते हैं" विषय पर प्रतियोगिता में भाग लेंगे और शीर्ष प्रविष्टियों को स्मृति चिन्ह और पुरस्कार दिए जाएंगे। पूर्व में अपने प्राणों की आहुति देने वालों को सम्मानित करने के लिए एक रोल कॉल का आयोजन किया गया। पुलिस आयुक्त ने उपनिरीक्षक के. हनुमंत रेड्डी (अमंगल), कांस्टेबल

फहीमुद्दीन (तलक्कोंडापल्ली) और सशस्त्र कांस्टेबल ईश्वर राव के परिवारों को शॉल भेंट करके और उनकी सेवा के लिए आभार व्यक्त करके सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में मेडचल डीसीपी कोटि रेड्डी, आईपीएस, बालानगर डीसीपी के. सुरेश कुमार, आईपीएस, माधापुर डीसीपी रितिराज, आईपीएस, राजेंद्रनगर डीसीपी योगेश गौतम, आईपीएस, शमशाबाद डीसीपी बी. राजेश, डीसीपी एसबी बी. साई श्री, डीसीपी अपराध ए. मुथ्यम रेड्डी, महिला एवं बाल सुरक्षा डीसीपी सुरजना कर्णम, माधापुर ट्रैफिक डीसीपी साई मनोहर, मेडचल ट्रैफिक डीसीपी रंजन रतन कुमार, माधापुर एसओटी डीसीपी शोबन कुमार, कार मुख्यालय डीसीपी संजीव, उपस्थित थे।

पुलिस ने बचाई 3 लोगों की जान

संगारेड्डी, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जहीराबाद ग्रामीण पुलिस ने एक महिला और उसके दो बच्चों की जान बचाई, जो कथित तौर पर सोमवार को दीपावली के दिन अपनी जान देने के इरादे से नरिंजा परियोजना में आए थे। महिला की पहचान बुर्तिपाडु निवासी अम्मापुरम नागरानी के रूप में हुई। स्थानीय लोगों ने सोमवार शाम को उसे परियोजना के पास संदिग्ध रूप से घूमते देखा और तुरंत पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मौके पर पहुंचकर महिला और उसके बच्चों को बचाया और उन्हें थाने ले गई। नागरानी और उसके पति संतोष रेड्डी की काउंसलिंग के बाद, पुलिस ने परिवार को उनके रिश्तेदारों को सौंप दिया।

एक ही फर्म को कई कार्य आवंटित किए जाने पर आपत्ति

पूर्व एमएलसी टी जीवन रेड्डी ने लगाए गंभीर आरोप

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन मंत्री कोंडा सुरेखा की बेटी सुष्मिता द्वारा राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी की मेडारम जतारा निविदाओं में संलिप्तता पर नाराजगी व्यक्त करने के बाद, पूर्व एमएलसी टी जीवन रेड्डी ने अब एक ही फर्म को कई कार्य आवंटित किए जाने पर आपत्ति जताई है। सुष्मिता की तरह, जीवन रेड्डी ने भी कांग्रेस के मंत्रियों पर भेदभाव और मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया है। छह बार विधायक और संयुक्त आंध्र प्रदेश में मंत्री रह चुके रेड्डी, पार्टी मामलों में जगतियाल से बीआरएस से दलबदलू विधायक डॉ. संजय को प्राथमिकता दिए जाने को लेकर तेलंगाना कांग्रेस से बार-बार शिकायत करते रहे हैं।

पूर्व मंत्री ने अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार के समक्ष कड़ी आपत्ति जताते हुए उनके निर्वाचन क्षेत्र के दलबदलू नेताओं के इशारे पर एक विशेष फर्म को कार्य आवंटित करने पर सवाल उठाया। गौरीशंकर इंफ्रा एंड बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड जगतियाल निर्वाचन क्षेत्र में सभी काम हासिल करता है। वह कौन है और सरकार नगरपालिका, जल कार्य और गोदाम सहित सभी कामों की पेशकश करके अपना पेट क्यों भर रही है? जीवन रेड्डी ने सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो में मंत्री से पूछा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी के वफादार कार्यकर्ताओं और नेताओं के प्रति भेदभावपूर्ण व्यवहार कर रही है तथा उनके राजनीतिक हितों से समझौता किया जा रहा है।

जब लक्ष्मण कुमार ने जीवन रेड्डी को शांत करने की कोशिश की और उन्हें आश्वासन दिया कि सरकार इस मुद्दे पर विचार करेगी, तो पूर्व मंत्री के समर्थकों ने कहा कि उन्होंने हमेशा पार्टी के लिए समर्पण के साथ काम किया है। जीवन रेड्डी ने कहा, कांग्रेस पार्टी को शासन करना नहीं आता। उसे अपने चुने हुए विधायकों पर भरोसा नहीं है और वह दलबदलू विधायकों को प्राथमिकता दे रही है।

कांग्रेस सरकार ने की जन स्वास्थ्य की अनदेखी : केटीआर

बस्ती दवाखानों की हालत खराब, टीआईएमएस अस्पतालों के काम अधूरे छोड़ने का आरोप

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कांग्रेस सरकार पर जन स्वास्थ्य की अनदेखी का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि बस्ती दवाखाने, जो कभी तेलंगाना की बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की पहचान थे, अब बदहाल हालत में हैं। केटीआर ने सरकार से मांग की कि वह टीआईएमएस अस्पतालों के अधूरे काम पूरे करे और कर्मचारियों के वेतन व दवाओं की आपूर्ति सुनिश्चित करे। राज्यव्यापी कार्यक्रम के तहत केटीआर ने पूर्व स्वास्थ्य मंत्री टी. राजैया और अन्य नेताओं के साथ खैरताबाद के इब्राहिम नगर बस्ती दवाखाने का दौरा किया। वहां मरीजों और कर्मचारियों ने बताया कि उन्हें छह महीने से वेतन नहीं मिला और जरूरी दवाइयां भी उपलब्ध नहीं हैं।

केटीआर ने कहा कि बीआरएस सरकार के दौरान करीब 450 बस्ती दवाखाने और टी-डायग्नोस्टिक सेंटर खोले गए थे, लेकिन अब 110 जरूरी दवाइयां भी नहीं मिल रही हैं और जांच सेवाएं ठप हो गई हैं। उन्होंने बताया कि चार टीआईएमएस

अस्पताल और एनआईएमएस विस्तार परियोजना का 90 प्रतिशत काम पिछली सरकार में पूरा हो चुका था, लेकिन कांग्रेस ने बाकी 10 प्रतिशत काम भी नहीं किया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने इन परियोजनाओं पर काम नहीं बढ़ाया, तो बीआरएस धरना देगा। साथ ही, उन्होंने कहा कि बीआरएस नेता टी. राजैया की अगुवाई में एक रिपोर्ट तैयार करेंगे और उसे सरकार को सौंपेंगे।

केटीआर ने आंगनवाड़ी कर्मियों के लंबित वेतन और वादा की गई वेतन वृद्धि तुरंत जारी करने की मांग की। हैदराबाद में गंदगी और मच्छरों के बढ़ते प्रकोप पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार को अब जागकर लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाना चाहिए।

आज मेगा जॉब फेयर का आयोजन

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में 22 अक्टूबर को एक मेगा जॉब फेयर आयोजित किया जा रहा है। यह रोज़गार मेला सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक बेगमपेट पुलिस स्टेशन के सामने स्थित फंक्शन विला में होगा। आयोजक और पेशे से इंजीनियर मन्नान खान ने बताया कि इस मेले में कई कंपनियां भाग लेंगी और फार्मा, स्वास्थ्य सेवा, आईटी और आईटीईएस, शिक्षा और बैंकिंग सहित विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएंगी। कुछ कंपनियां घर से काम करने का विकल्प भी देंगी। जॉब फेयर में भाग लेने के लिए न्यूनतम योग्यता एसएससी (कक्षा 10) रखी गई है। प्रारंभिक साक्षात्कार स्थल पर ही होंगे। इच्छुक उम्मीदवार बिना किसी शुल्क के इस मेले में भाग ले सकते हैं और अधिक जानकारी के लिए 8374315052 पर संपर्क कर सकते हैं।

अस्पष्ट मेडिकल नुस्खों पर चिंता

विशेषज्ञों ने ई-प्रिस्क्रिप्शन की वकालत की

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले कुछ वर्षों में अस्पष्ट और अपठनीय चिकित्सा नुस्खों को लेकर चिंता बढ़ गई है, क्योंकि ऐसी छोटी-सी गलती भी मरीज की जिंदगी पर भारी पड़ सकती है। जन स्वास्थ्य विशेषज्ञों, डॉक्टरों के संगठनों और नियामक संस्थाओं ने अब साफ और सुपाठ्य नुस्खे लिखने पर ज़ोर दिया है, ताकि किसी भी तरह की दवा संबंधी गलती से बचा जा सके। तेलंगाना मेडिकल काउंसिल, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन और हैदराबाद के वरिष्ठ स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कई बार यह बात कही है कि मरीजों और फ़ार्मासिस्टों के लिए स्पष्ट और आसानी से पढ़े जा सकने वाले नुस्खे होना बेहद जरूरी है।

हैदराबाद के वरिष्ठ न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. सुधीर कुमार ने कहा कि अस्पष्ट लिखावट मरीजों के लिए बड़ा खतरा बन सकती है, क्योंकि इससे गलत दवा या गलत खुराक दी जा सकती है। उन्होंने सलाह दी कि डॉक्टरों को नुस्खे टाइप करके देने चाहिए ताकि किसी तरह की गलतफहमी न हो। डॉ. सुधीर का मानना है कि इस समस्या का स्थायी समाधान चिकित्सा प्रणाली के पूर्ण डिजिटलीकरण में है। कई अदालतों ने भी अगले दो वर्षों में इलेक्ट्रॉनिक नुस्खों (ई-प्रिस्क्रिप्शन) को अपनाने की समय सीमा तय की है, जिससे मानवीय हस्तलेखन की त्रुटियाँ समाप्त की जा सकेंगी।

हेल्थकेयर रिफॉर्म्स डॉक्टर्स एसोसिएशन के डॉ. गौतम पासुला ने कहा कि सुपाठ्य नुस्खे से न केवल मरीजों की सुरक्षा बढ़ती है, बल्कि भविष्य में इलाज के इतिहास को समझना भी आसान हो जाता है।

पूर्व मंत्री ने की सरकार से लंबित वेतन और आरोग्यश्री बकाया तुरंत जारी करने की मांग

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री टी. हरीश राव ने कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाया कि उसने बस्ती दवाखानों के कर्मचारियों को महीनों से वेतन नहीं दिया, जिससे स्वास्थ्य सेवाएँ बुरी तरह प्रभावित हो गई हैं। उन्होंने कहा कि ये दवाखाने कभी घर-घर स्वास्थ्य सेवाएं देने का एक आदर्श मॉडल थे, लेकिन अब इनमें न तो दवाएं हैं और न ही पर्याप्त कर्मचारी। सेरलिंगमपल्ली क्षेत्र के ओल्ड लिंगमपल्ली बस्ती दवाखाना का दौरा करते हुए हरीश राव ने बताया कि डॉक्टरों और नर्सों को छह महीने से वेतन नहीं मिला है और वे किसी तरह गुज़ारा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार हर महीने की पहली तारीख को वेतन देने का दावा करती है, लेकिन ज़मीनी हकीकत इसके उलट है। अब 110 में से सिर्फ 60 तरह की दवाएं ही उपलब्ध हैं और मरीजों को बाकी दवाएं बाहर से खरीदनी पड़ रही हैं।

उन्होंने बताया कि बी12 और डी3 जैसी जरूरी जांचों के लिए भी आवश्यक सामग्री उपलब्ध नहीं है, जिससे लोगों को निजी लैब्स का सहारा लेना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अपने ही निर्वाचन क्षेत्र की स्थिति नहीं देख पा रहे, जहां 108 एम्बुलेंस के समय पर न पहुंचने से एक व्यक्ति की जान चली गई। बीआरएस नेता ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के शासन में गरीबों के लिए 450 बस्ती दवाखाने खोले गए थे, जिनमें से 350 हैदराबाद में थे। वहां 110 तरह की दवाइयां और 130 तरह की जांचें मुफ़्त होती थीं, जिनकी रिपोर्ट मरीज़ों को मोबाइल पर मिलती थी। उन्होंने कहा कि आज वह व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई है।

हरीश राव ने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी सरकार अस्पतालों की हालत सुधारने की बजाय शराब से राजस्व बढ़ाने पर ज्यादा ध्यान दे रही है।

उन्होंने कहा कि कर्मचारी और पत्रकारों की स्वास्थ्य योजनाएं भी बंद हो चुकी हैं, जो शर्मनाक है। उन्होंने सरकार से लंबित वेतन तुरंत जारी करने, 110 मुफ़्त दवाएं और 134 जांचें बहाल करने और खाली पदों को जल्द भरने की मांग की।

कब्रिस्तान में दीपावली मनाने की अनोखी परंपरा

कश्मीरगड्डा कब्रिस्तान में परिवारों ने दिवंगत प्रियजनों को दी श्रद्धांजलि

करीमनगर, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आम तौर पर लोग कब्रिस्तानों में जाने से कतराते हैं, खासकर रात में, लेकिन करीमनगर के एक समुदाय के लिए यह जगह दीपावली मनाने का विशेष स्थान बन जाती है। दशकों से चली आ रही इस अनोखी परंपरा के तहत सोमवार रात कश्मीरगड्डा कब्रिस्तान में परिवारों ने अपने दिवंगत परिजनों की याद में दीप जलाए और त्यौहार मनाया। लोगों ने कब्रों को रंग-रोगन कर फूलों और दीयों से सजाया। परिवारजन अपने प्रियजनों की पसंद के व्यंजन लेकर आए और उन्हें श्रद्धांजलि स्वरूप चढ़ाया। कुछ लोगों ने मृतक की पसंद के अनुसार शराब, ताड़ी, बीड़ी, सिगरेट और गुटखा जैसे सामान भी कब्र पर रखे। दीपावली की खुशी में पटाखे भी फोड़े गए।

नगर निगम ने इस अवसर पर कब्रिस्तान की सफाई, रोशनी और पानी की व्यवस्था की। कब्रिस्तान की ओर जाने वाली सड़क पर स्थानीय नेताओं के समर्थकों ने बैनर भी लगाए। एक स्थानीय निवासी शंकर ने बताया कि यह परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है। उन्होंने कहा कि वे हर साल दिवाली पर अपने पूर्वजों की याद में कब्रिस्तान में जाकर भोजन चढ़ाते हैं और दीप जलाते हैं। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि इस परंपरा की शुरूआत कब और कैसे हुई, इसका सही पता किसी को नहीं है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.